

सं 2]

नई बिल्लो, शनिवार, जनवरी 8, 1983 (पौष 18, 1904)

No. 21

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 8, 1983 (PAUSA 18, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III--खब्द्ध 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेंखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेंकु विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notification issued by the High Court, the Controller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railway and by Attached

and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा भायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 श्रक्तूबर 1982

सं० पी०/123-प्रशा०-I--मघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में स्थायी भ्रनुभाग श्रिधकारी तथा स्थानापन्न भ्रवर सचिव, श्री पी० सी० माथ्र को राष्ट्रपति द्वारा 31 अक्तूबर, 1982 के श्रपराह्न में निवर्तन ग्राय हो जाने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने की सहर्ष अनुमति प्रदान की जाती है।

दिनांक 22 नवम्बर 1982

मं० πο 32013/32/80-प्रशा० Ţ (खण्ड)---वर्ष 1980 के कि कि से ने के प्रधिकारियों की ग्रेड I चयन सूची में (श्र० जा०/ग्र० ज० जा० सूची) ऋ० सं० 8 में सम्मिलित सघ लोक सेवा ग्रायोग के संवर्ग मे कें ० म० से० के स्थायी ग्रनुभाग प्रधिकारी श्री हाकम सिंह को राष्ट्रपति द्वारा 7-9-82 से आगामी श्रादेशो तक, के० स० से० के ग्रेड I मे ग्रवर सचिव के पद पर नियमित ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

श्रवर मचिव के पद पर श्री हाकम सिंह की नियुक्ति दिल्ली उच्च न्यायालय में 1980 की मिविल रिट याचिका सं० 511 सहित इस मबंध में उच्च न्यायालय में लंबित रिट याचिकाग्रो के निर्णय की शर्तों के ग्रन्सार है।

> य० रा० गांधी, ग्रवर सचिव (प्रशा०) सघ लोक सेवा श्रायोग

गृह मंत्रालय

कार्मिक ग्रीर प्रशासनिक सुधार विभाग लाल बहाद्र शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी ममुरी, दिनांक 9 दिसम्बर 1982

सं० 2/46/75-स्थापना--श्री के० सी० सक्सेना, स्थायी सहायक पूस्तकाध्यक्ष ग्रीर जो इस समय तदर्थ रूप से उप पुस्तकाध्यक्ष के पद पर, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन श्रकादमी, मसूरी में कार्य कर रहे हैं, की नियुक्ति नियमित ह्म से उप पुस्तकाध्यक्ष (ग्रूप बी) वेननमान ६० 650-30740435 880-इं बी -40-960 के पद पर दिसाक 29411-82 से अगल आदय मिलारे करों की गई है।

> दी. कं गुप्ता उप निवंशक (वरिष्ट)

महानिद्देशक केन्द्रीय रिजर्ज प्लिस बल नर्ड दिल्ली-110003, दिशक्त 14 दिसम्बर 1982

मं. ओ. दो 1455/79-स्थापना, महानिद्रांशक, केन्द्रीय रिजर्ब पूलिम बल ने का अनित कीशन को 22 नवस्वर, 1982 की पूर्वाह्मन में केवल वीन माह की लिए अथवा उस पद पर नियंगित किय्विक होने तक इनमें जा भी पहले हो उस तारोल तक केन्द्रीय रिजर्ब प्लिम बल मा किनिष्ठ चिकित्मा अधिकारी के पद पर नदर्थ स्प में नियंग्त किया है।

दिनाक 17 दिसम्बर 1982

सं. आं. दा-571 69-स्थापना—श्री दावा सिंह ने सरकारी स्वा प निवन होने के फलरबब्द महाबक कमान्डन्थ 37 वाहिनी, केन्द्रोय रिजर्व प्रियम बल के पद का कार्यभार दिनांक 30-11-82 (अपराहन) में त्याग दिया है।

दिनाक 21 दिसम्बर 1982

मं भार दार 191/69-स्थापना—राष्ट्रपति न श्री केर भयान कमार्न्डन्ट केर रिरु पुरु बल का त्याग पत्न 15-11-82 को स्वीकार कर लिया है।

> ए० के० सूरी सहायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनाक 21 दिसम्बर 1982

मं० 11/102/79-प्रणा०-ा (1)—इस कार्यालय की तारीख 19 जून, 1982 की समसंख्यक ग्रिधसूचना के ग्रनुक्रम मे राष्ट्रपति, निम्नलिख़ित सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) को उनके नामों के सामने दिणित कार्यालयों में तारीख 28 फरवरी, 1983 तक की ग्रौर ग्रविध के लिए या जब तक पद नियमित ग्राधार पर भरा जाए, जो भी ग्रविध पहले हो, विद्यमान भनों पर पूर्णत. श्रस्थायी रूप मे तस्थं ग्राधार पर पदोन्नति द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियकत करते हैं:—

कम प्रधिकारी का नाम	 जिस कार्यालय से कार्यरत है
मं ०	

म ०	
1	3
1. श्री ग्रो०पी० मर्मा .	भारत के महापंजीकार का
2. श्री एम० पचापकेणन .	कार्यालय, नई दिल्ली । जनगणना कार्य निदेशालय,
	तमिलनाडु, मद्रास ।

		
1	2	3
3.	श्री एस० पी० गर्मा	जनगणना कार्य निदेणालय, भ्रण्डमान भ्रौर निकाबार द्वीप
4.	श्री श्रार० पी० तोमर	समूह, पोर्ट ब्लेयर । जनगणना कार्य निदेशालय, सिक्किम, गंगटोक ।
5	श्रीएम० के० ग्रहना .	भारत के महापंजीकार का कार्यालय, नई दिल्ली
6.	श्री वी० पी० रस्तोगी	भारत के महापंजीकार का कार्यालय, नई दिल्ली
7	श्री ए० के० विण्वास .	भारत के महापंजीकार का कार्यालय, नई दिल्ली
8	श्री ए० पीर्थ .	जनगणना कार्य निदेशालय, श्रमणाचल प्रदेश, शिलांग ।
9	श्री वार्ड० जी० कृष्णमृति	जनगणना कार्य निदेशालयः, ग्रान्ध्र प्रदेश, हैदराश्वाद ।
10	श्रीभ्रार०के०सिह .	जनगणना कार्य निदेशालय. उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
11	श्री एस० पी० ग्रोवर	जनगणना कार्य निदेशालय, पजाब, चण्डीगढ़।
12	श्री राम सिह .	जनगणना कार्य निदेशालय,
13	श्री डी० एन० महेश	मध्य प्रदेश, भोषाल । जनगणना कार्य निदेशालय, विहार, पटना ।
14.	श्री एस० सी० सक्सेना	जनगणना कार्य निदेशालय, बिहार, पटना ।
1 5.	श्री श्रजीत सिंह .	जनगणना कार्य निदेशालय, पंजाब, चण्डीगढ़ ।
16.	श्री एम० नगप्पन .	जनगणना कार्य निदेशालय, तमिलनाडु, मद्रास ।
17.	श्री फूल सिंह .	भारत के महापंजीकार का कार्यालय, नई दिल्ली
18.	श्री ग्रार० के० भाटिया	
19.	श्री ए० के० दत्ता .	
20.	श्री स्नार० बी० मिह	जनगणना कार्य निदेशालय, बिहार, पटना ।
21	श्री एच० एल० कल्ला	जनगणना कार्य निदेशालय, जम्मू व कण्मीर, श्रीनगर ।
22	डा० के० एस० डे	जनगणना कार्य निदेशालय, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता ।
23.	श्री डी० पी० खोबड़ागडे	
24.	श्री एस० के० स्वैन	नहाराष्ट्र, बन्बद्दा जनगणना कार्य निदेणालय, उड़ीसा, भुवनेश्वर ।
25.	श्री बी० सत्यनारायण	जनगणना कार्य निदेशालय, श्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद ।
	·	- e e e e e e e e e e e e e e e e e e e

स० 11/102/79-प्रणा०-1 (2)—इस वार्यालय की तारीख 19 जून, 1982 की समसद्यांक ग्रिध्मूचना के अनुक्रम मे राष्ट्रपति, निम्निलिखित सहायक निदेशक जनगणना कार्य को उनके नामों के सामने दिश्यत कार्यालयां में तारीख़ 28 फरवरी, 1983 तक की ग्रीर श्रविध के लिए या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाए, जो भी श्रविध पहले हो, विद्यमान शर्तों पर पूर्णतः श्रस्थायी रूप में तदर्थ श्राधार पर पदोन्नति द्वारा उप नियेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियक्त करते हैं.—

कम ग्रिधकारी का नाम जिस कार्यालय में कार्यरत हैं सं०

श्री सी० डी० भट्ट जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, हिमाचल प्रदेश, णिमला
 श्री एस० एल० बहल जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, हिस्याणा, चण्डीगत ।

सं० 11/72-80-प्रणा०-1---इस कार्यालय की नारीख 4-12-81 की समसंख्याक ग्रधिसूचना के ग्रनुक्रम मे राष्ट्रपति कर्नाटक, बंगलीर, में जनगणना कार्य तिदेशक के कार्यालय के उप निदेशक जनगणना कार्य श्री बी० एस० नर्रासम्हा मृति की उसी कार्यालय में संयुक्त निदेशक जनगणना कार्य के पद पर पदोक्षति द्वारा पूर्णत. श्रम्थायी रूप में नदर्थ श्राधार पर नियुक्ति की ग्रवधि को नारीख 19-1-1983 नक या जब तक पद निर्यामत ग्राधार पर भरा जाए, जो भी ग्रवधि पहले हो, सहर्ष ग्राँग बढ़ात हैं।

श्री मूर्ति का मुख्यालय बंगलीर मे होगा।
 पी० पद्मनाभ,
 भारत के महापजीकार

श्रम एवं पुनर्वास मंत्रालय श्रम विभाग श्रम ब्युरो

शिमला-171004, दिनांक 8 जनवरी 1983

सं. 23/3/82-सी. पी. आई. — नवम्बर, 1982 मं औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूजकांक (आधार वर्ष 1960—100) अक्तूबर, 1982 के स्तर से पांच अंक बढ़ कर 496 (घार सी छियानवे) रहा। गवम्बर, 1982 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949—100) पर परिवर्तित किए जाने पर 603 (छ: सी तीन) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज निदेशक

वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग)

सीमा शुल्क उत्पाद शुल्क और स्वर्ण नियंत्रण अपील श्रधिकरण का कार्यालय नई दिल्ली दिनांक 16 दिसम्बर 1982

सं० 6-सी० उ० स्व० नि० ग्र० ग्र०/82—श्री टी० वी० श्रीनिवासन ने, जो कि पहले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रान्तरिक लेखा परीक्षा विभाग, मद्रास में परीक्षक के पद पर कार्य कर रहे थे, 11 दिसम्बर, 1982 पूर्वाह्म में मीना शुल्क उत्पाद शुल्क श्रीर स्वर्ण नियंत्रण श्रपील श्रधिकरण, नयी दिल्ली भ सहायक पजीकार के पद का कार्य भार ग्रहण कर लिया है।

दिनाक 17 दिसम्बर 1982

सं० ६-मी० उ० स्व० नि० अ० अ०—श्री ए० के० सिन्हा ने जो कि पहते वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) नई दिल्ली में अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे थे, 16 दिसम्बर, 1982 पूर्वाह्न में मीना णुल्क उत्पाद णुल्क तथा स्वर्ण नियंत्रण अधील अधिकरण नई दिल्ली में, सहायक प्रजीकार के पद का कार्य भार ग्रहण कर लिया है।

ग्रार० एन० सहगल, पंजीकार

न्नाथिक कार्य विभाग भारत प्रतिभूति मुद्रणालय नागिकरोड, दिनांक 17 दिसम्बर 1982

सं० 197/क---कार्यालय आदेण संख्या 181/क. दिनाक 16-4-1982 के क्रम में, श्री गों० नारायण सामी, उप नियंत्रण श्रिधकारी, भारत प्रतिभृति मुद्रणालय, नासिकरोड की प्रतिनियुक्ति प्रशासन प्रधिकारी, भारत प्रतिभृति मुद्र-णालय, नासिकरोड, के रूप में तदर्थ प्राधार पर दिनोंक 15 ग्रक्तूबर, 1982 से श्रगले छह माह के लिए बढ़ाया जाता है।

पी० एस० शिवराम महाप्रबंधक

विन ग्रायोग

नई दिल्ली, दिनाक 16 दिसम्बर 1982

म० वि० ग्रा०-2 (30)-ए/82—निदेशक, लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ला क कार्यालय में स्थानान्तरण होने पर श्री ग्रार० एल० खन्ना, लेखा परीक्षा ग्रधिकारी को 11 दिसम्बर 1982 के पूर्वाह्न से ग्रगला ग्रादेण होने तक ग्राठवे वित्त पायाग में 700-1300 के के वेतनमान में ग्रनुसंधान ग्रधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है।

एस० एल० माथुर, ग्रवर सचिव (प्रशा०)

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय महालेखाकार-! बिहार राची, दिनांक 17 दिगम्बर 1982

मं० प्र०-2-पदोन्नति/946---महालेखाकार-1, बिहार. रांची ग्रपने कार्यालय के स्थायी ग्रनुभाग प्रधिकारी श्रीमती नीलमानी सोके को ग्रपने कार्यालय मे दिनांक 11/10/1982 के पूर्वाह्न से श्रगला श्रादेण होते तक स्थानापक्ष लेखा श्रधिकारी के पद पर सहर्ष पदोक्षत करने हैं।

सं० प्र०-2/पदोन्नति/954—महालेखाकार-1, बिहार, रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग श्रिधकारी श्री राबर्ट केरकेट्टा को श्रपने कार्यालय में दिनांक 11/10/1982 के पूर्वाह्न में अगला श्रादेण होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

टी० सी० एन्टोनी वरीय उप- महालेखाकार (प्र०), बिहार

कार्यालय महालेखाकार, हरियाणा

चण्डीगढ़, दिनांक 6 नवग्वर 1982 कार्यालय आदेश

सं० डब्ल्यू० एम० /डी० ए०/पी० एफ०/सेठी /81-82/2019——श्री एच० एम० सेठी जबिक ग्राउंड-वाटर पिब्लिक हैल्थ इन्वेस्टीगेशन डिबीजन, श्रम्याला श्रीर मैंकेनीकल डिबीजन, पी० इब्ल्यू० डी०, बी० एण्ड श्रार०, श्रम्याला में कम्स 28-6-79 से 6-11-80 ग्रीर 10-11-80 मे 28-4-82 के दौरान मण्डल लेखाकार के रूप में काम करते.

1. ग्राऊंड वाटर इन्वेस्टीगेशन डिवीजन, श्रम्बाला

हए, कार्यालय महालेखाकार, हरियाणा, चण्डीगढ़ के डब्ल्यू० एम०-XI श्रनुभाग द्वारा जारी हुई दावा की गई कपटपूर्ण ग्रौर जाली जी० पी० एफ० संस्वीकृतियों के स्राधार पर कपट से 500 रुपये, 2000 रुपये, 2000 रुपये, 9000 रुपये श्रौर 7000 रुपये की सरकारी धन राशियां जनवरी 1980, श्रक्तूबर, 1980 दिसम्बर, 1980, जुलाई 1981 श्रौर जनवरी 1982 में निकलवाई थी। ये श्राहरण रोकड़ बही में लेखा शीर्ष "805--जी० पी० एफ० के श्रन्तर्गत दिखाए परन्तु पता लग जाने को छिपाने की दृष्टि से, लेखा परीक्षा कार्यालय को मासिक लेखा भेजते समय श्री सेठी ने इन राशियों को शीर्ष "स्टाक" को नामे डालते हुए फार्म पी० डब्ल्य० ए० 29 में गामिल किया। वैसे ही तदानुरूपी श्रांकड़ों की स्फीति उन्हीं महीनों में फार्म पी॰ डब्ल्यू० ए० 41 भ्रीर पी० डब्ल्यू० ए० 42 में उपशीर्ष "1—उचन्त स्टाक" के विरुद्ध दर्शाइ। इन सरकारी धन राशियों के कपटपूर्ण श्राहरणों के समर्थन में मासिक लेखाश्रों के साथ श्री सेठी ने वाउचर कभी नस्थी नहीं किए परन्तु स्टाक के श्रनुसूची डाकेट के समर्थन में भेजे गए बाउचर फार्म पी० डब्ल्य्० ए० 29 में दिखाई गई राणियों से कम राशियों के थे श्रीर इससे लेखा परीक्षा कार्यालय में कपट का पता लगना सरल हो गया। श्री मेटी द्वारा कपटपूर्ण लेखांकन के ब्यौरे नीचे दिए गए हैं:--

ऋ म माम सं०	फार्म संख्या	वास्तविक राणि	दण <i>६</i> राणि	ग्रन्तर
		रुपये		 रुपये
1. 1/80	पी० डब्ल्यू० ए० 29 पी० डब्ल्यू० ए० 41 पी० डब्ल्यू० ए० 42 पी० डब्ल्यु० ए० 29	8,19,898.52 4,75,575.99 7,91,595.81	8,20,398.52 4,76,075.99 7,91,095.81	500.00
2. 10/80 II. मकैनीकल (पी० डब्ल्यू० ए० 29 पी० डब्ल्यू० ए० 41 पी० डब्ल्यू० ए० 42 (बी० एण्ड भ्रार०) डिवीजन, श्रम्बाला	2,56,795.28 7,44,391.14 1,52,880.42	$2,58,795.28 \\ 7,46,391.14 \\ 1,50,880.42$	2000.00
3. 12/80	पी० डब्ल्यू० ए० 29 पी० डब्ल्यू० ए० 41 पी० डब्ल्यू० ए० 42	1,43,109,41 3,56,006,93 27,944,69	$ \begin{array}{c} 1,45,109.41 \\ 3,58,006.93 \\25,944.69 \end{array} $	2,000,00
4. 7/81	पी० डब्ल्यू० ए० 29 पी० डब्ल्यू० ए० 41 पी० डब्ल्०्यू ए० 42	2,43,016,41 12,25,641,89 11,90,497,47	3,52,016.53 12,34,641.89 11,99,497.47	9,000.00
5. 1/82	पी० डब्ल्यू० ए० 29 पी० डब्ल्यू० ए० 41 पी० डब्ल्यू० ए० 42	3,18,260.60 6,44,202.51 54,195.28	3,25,260.60 $6,51,202.51$ $61,195.28$	7,000.00
			- जोड़	20,500.00

जनवरी 1982 के मासिक लेखे में किए गए 7,000 रुपये के फर्जी समायोजन का श्री मेटी ने कार्यकारी श्रिभयन्ता, मकैनीकल डिबीजन, पी० इब्ल्यू० डी० (बी० एण्ड श्रार०) श्रम्बाला के श्र० स० सख्या 31440 दिनाक 31-3-82 के साथ भेजे पत्र संख्या 30 दिनाक 31-3-82 में इन्कार किया गया परन्तु बाद में श्रपने पत्र दिनांक 29-4-82 द्वारा 13,500 रुपये के दूसरे श्राहरणों के साथ मान लिया। उपर्युक्त 20,500 रुपये की राशि के विरुद्ध, उपर्युक्त नाभों के श्रांशिक समायोजन द्वारा श्राम जी० पी० एफ० लेखे को जमा करने के लिए श्री मेटी ने 8,000 रुपये का एक बैंक ड्रापट संख्या टी० टी०/ए०/8-676835 दिनांक 30-4-82 भेजा।

जबिक अनुशासनिक कार्यवाही श्री एच० एस० सेठी के विरुद्ध प्रारम्भ की गई थी श्रीर लेखा परीक्षा कार्यालय से जारी हुए कार्यालय आदेश संख्या उब्ल्यू० एम०-1/डी०ए०/पी० एफ०/कोनफीडल०/1221 दिनांक 16-6-82 हारा श्रारोप पत्न दिया गया था, श्री सेठी ने पत्न संख्या 15 दिनांक 10/14/7/82 हारा प्रस्तुत बचाव के ब्यान मे इस श्रारोप को स्वीकार नहीं किया था परन्तु बाद में श्री सेठी ने प्रपने पत्न संख्या 18 दिनांक 15 जुलाई, 1982 हारा भेजे बचाव के प्रत्युत्तर ब्यान मे श्रारोप को स्पष्ट रूप से स्वीकार किया श्रीर निम्नलिखन बताया :----

'क्योंकि मैंने श्रपने दोष को मान लिया है और परि-स्थितियां बता दी हैं, यह नम्म निवेदन है कि मुझे माफ किया जाए श्रौर सदय विचार किया जाए"।

उसने इस कार्यालय के पक्के निदेशों के अन्तर्गत 20,500 रुपये की सकल राशि को अन्ततः लौटा दिया था जैमा नीचे ब्यौरा दिया गया है:——

रुपये

बैंक ब्राफ्ट मं० टी०टी०/
ए०/वी०/6835 दिनांक 30-4-82,
महालेखाकार, हरियाणा चण्डीगढ़
के पक्ष में दिया गया

8,000.00

 बैक ड्राफ्ट संख्या डी० डी०/ 40/5026/6792553 दिनाक 8-7-82, कार्यकारी प्रभियन्ता, मैंकेनिकल (बी० एण्ड० आर०) अम्बाला के पक्ष में

10,000

 बैंक ड्राफ्ट संख्या डी० डी०/40/ 5027/18,61,925 दिनांक 8-7-82 कार्यकारी अभियन्ता ग्राउंड बाटर (पी० एच०) इन्वे-स्टीगेशन डिबीजन, श्रम्बाला के पक्ष में

2,500.00

जोड़ 20,500.00

करते हुए, गामले के तथ्यों धौर परिस्थितियों धौर प्रगतियों के साथ-साथ का विचार करते हुए मैं, उचित विचार के बाद, इस निष्कर्प पर पहुंचा हूं कि श्री एच० एस० सेठी पूरी ईभानदारी को बनाए रखने में असफल होने के दोषी साबित हुए हैं, और इस तरह सी० सी० एस० (कन्डेक्ट) नियम, 1964 के नियम 3 (I) (I) के उपबन्धों की उल्लंधना की। उसने जाली संस्वीकृतियों के आधार पर कपटपूर्ण सरकारी धन राणि का आहरण करने और सरकारी लेखाओं की जालसाजी द्वारा एक बड़ा भारी अपराध किया है। ऐसे व्यक्ति को सरकारी नौकरी में रखना बहुत नावाजिव है और न्याय के हित में शिक्षात्मक तथा प्रतिरोधक दण्ड के योग्य है।

4. श्रव, इसलिए मैं, सी० सी० एस० (मी० सी० ए०) नियम, 1965 के नियम 15 द्वारा प्रदत्त मित्रयों के श्रन्तगंत इसके द्वारा नवैव नियम 11 (1X) के श्रन्तगंत उपर्युक्त श्री एच० एस० सेठी, मण्डलीय लेखाकार पर तत्काल प्रभाव से सेवा से वरखास्तगी का कड़ा दण्ड लगाता हूं। यह दण्ड माधारणतः सरकारी नौंकरी में श्रागे नियुक्ति के लिए श्रयोग्यता होगा।

5. यदि श्री एव० एस० सेठी ग्रादेश के विरुद्ध ग्रपील करना चाहे, तो वह सी० सी० एस० (सी० सी० ए०) नियम, 1965 के नियम 25 के ग्रन्तर्गत ग्रपील प्राधिकारी ग्रथीत् महालेखाकार, हरियाणा, चण्डीगढ़ को ग्रादेश के मिलने से 45 दिनों के ग्रन्दर ऐसा कर सकता है।

6. उसके श्रादेश की एक प्रति उसकी गोपनीय रिपोर्ट फाईल में रखी जा रही है।

> शीतेपल्लि एस० राव बरिष्ठ उप महालेखाकार (वर्क्स)

रक्षा मत्नालय

भारतीय ब्रार्डनेन्स फक्टरियां सेवा श्रार्डनेन्स फक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 3 दिसम्बर, 1982

मं० 54/जी/82—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित श्रिधि-कारियों को स्थानापन्न डी० डी० जी० श्रो० एफ०/महाप्रबन्धक/ (1 में) एम० ए० जी० स्तर 1 के रूप में उनके सामने दर्शायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं:--

- 1. श्री बी० बी० घोष, 16 अन्तूबर, 1982 डी० डी० जी० ग्रो० एफ० (एस० ए० जी० स्तर-2 में)
- श्री पी० के० बनर्जी, 16 अक्तूबर, 1982 महाप्रबन्धक (एस० ए० जी० स्तर-2 मे)

^{3.} श्रीर जर्वाक सी० सी० एस० (सी० सी० ए०) नियम, 1965 के नियम 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग

सं० 55/जी/82—-राष्ट्रपति महोदय निम्निलिखित श्रिधि-कारियों को स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक/संयुक्त निदेशक के रूप में उनके सामने दर्शायी गई तारीख से नियुक्त करते. हैं:---

- श्री बी० एन० हस्ते,
 उप निदेशक
- श्री बी० बी० मुख्या राव, 30 सितम्बर, 1982 ववर्स मैंनेजर
- श्री श्रार० सतगोपन, 31 श्रगस्त, 1982 वक्सं मैनेजर
- 4 श्री श्रार् एस० मखीजा, 30 सितम्बर, 1982 वर्क्स मैनेजर

मं० 56/जी/82—-राष्ट्रपित महोदय निम्नलिखित अधि-कारी को स्थानापन्न वर्क्स मनेजर के रूप में उनके सामने दर्णायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं:---

श्री ए० के० सिंह, 30 सितम्बर, 1982 सहायक वर्क्स मैंनेजर (परखावधि)

> वी० के० महता निदेशक

वाणिज्य मंत्रालय (वस्त्र विभाग)

ह्यकरघा विकास ग्रायुक्त का कार्यालय नई दिल्ली, दिनाक 8 दिसम्बर, 1982

स० ए-12025(1)/1/82-प्रणासन II (क)—राष्ट्रपति श्री णिव शंकर को 15 नवम्बर, 1982 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशों तक के लिए भारतीय हथकरघा श्रौद्योगिकी संस्थान, गोहाटी में विर्ष्ट प्राध्यापक, वस्त्र रसायन के पद पर नियुक्त करते हैं।

विनय झा भ्रपर विकास श्रायुक्त (हथकरघा)

उद्योग मंत्रालय

(श्रौद्योगिक विकास विभाग) विकास स्नायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनाक 14 दिसम्बर, 1982

मं० ए०-19018 (664)/82-प्रशासन (राजपितत)— राष्ट्रपित, गृह मन्नालय के उप ग्रधीक्षक (कैंद) तथा भारतीय प्रशासनिक ग्रधिकारी (उ० प्र० . 69) श्री पी० सी० रावल को दिनांक 29 नवम्बर, 1982 (पूर्वाह्म) से, ग्रगले ग्रादेशों तक, विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली मं निदेशक, ग्रेड-1 (ए० ई० ई०) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 दिसम्बर 1982

सं ए-19018 (507)/81-प्रशा (राज) — भारत लैंदर कारपोरेशन लिमिटेड, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति कि प्राधार पर उप-प्रबंधक (पादुका) के रूप में नियुक्ति होने पर, श्री के श्रार बाधन ने लघु उद्योग मेवा संस्थान, जयपुर के सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (चर्म/पादुका) का कार्यभार 5-8-1982 के अपराह्म से छोड दिया।

दिनांक 21 दिसम्बर, 1982

सं० 12 (29)/61-प्रशासन (राज०) खंड-2---राष्ट्रपति लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली के सहायक श्रीद्योगिक डिजाइनर श्री एम० ए० जोमराज को दिनांक 6 श्रक्तूबर, 1982 (पूर्वाह्न) से, श्रगले श्रादंशो तक, उसी संस्थान में तदर्थ श्राधार पर श्रीद्योगिक डिजाइनर के रूप में नियुक्त करते हैं।

मं० ए-19018 (161)/75-प्रणा० (राज०)—-राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, तिचूर के सहायक निदेणक, ग्रेड-II (ग्रोद्योगिक प्रबन्ध एवं प्रशिक्षण), श्री एम० एम० एन० मूर्ति को दिनाक 21-10-1982 (पूर्वाह्न) से अगले ग्रादेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलौर में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (ग्रौद्योगिक प्रबन्ध एवं प्रशिक्षण) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19018 (-635)/82-प्रमा० (राज०)— विकास ग्रापुक्त, लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास के अन्तर्गत केन्द्रीय पादुका प्रमिक्षण केन्द्र के लघु उद्योग मंबर्द्धन ग्रधिकारी (चर्म/पादुका), श्री पी० बी० बरदराजुलु, को दिनांक 4-10-1982 (पूर्वाह्र) से ग्रगले श्रादेशों तक, उसी संस्थान में सहायक निदेणक, ग्रेड-II (चर्म/पादुका) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19018 (666)/82-प्रशा० (राज):— विकास आयुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान, पटना के अधीक्षक, श्री एम० एच० अमकरी को दिनांक 10-11-1982 (पूर्वाह्म) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, श्रीनगर में सहायक निदेशक, ग्रेड-II (सामान्य प्रशासन प्रभाग) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करने हैं।

सं ए-19018 (688)/82-प्रणा० (राज०)---राष्ट्रपति, निर्माण तथा भ्रावास मंत्रालय के निदेशक श्री के० सी० श्रीवास्तव, श्राई० ए० एस० (एम० एच०-66) को विकास भ्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली में दिनांक 17 दिसम्बर, 1982 (पूर्वाह्न) से, अगले श्रादेशों तक, संयुक्त विकास भ्रायुक्त के रूप में नियुक्त करते हैं।

सी० मी० राय उपनिदेशक (प्रणा०) पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रणासन प्रनु०-1)

नई दिल्ली, दिनांक 7 दिसम्बर, 1982

सं० प्र०-1/1 (374)—राष्ट्रपति, उप निदेशक, पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा, समूह-1 के ग्रेड-2) श्री श्रार० नटराजन को दिनांक 26-11-82 के पूर्वीह्न से 31-12-1982 तक श्रथवा नियमित श्रधिकारी के उपलब्ध होने तक जो भी पहले हो, पूर्ति निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा समूह-1 के ग्रेड-1) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियक्त करते हैं।

श्री नटराजन ने उप निदेशक पूर्ति का पद भार दिनांक 26-11-1982 से छोड दिया श्रीर दिनांक 26-11-82 के पूर्वाह्र से ही पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली-1, में पूर्ति निदेशक का पद भार संभाल लिया।

सं० प्र०-1/1 (977)— राष्ट्रपति सहायक निदेशक, पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा, समूह-1 के ग्रेड-3) श्री श्रो० पी० शर्मा को दिनांक 27-11-82 (पूर्वाह्न) से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निदेशक, पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा समूह-1. ग्रेड-2) के रूप में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री ग्रो० पी० गर्मा को उप निदेशक के रूप में तदर्थ नियुक्ति से उन्हें नियमित नियुक्ति के लिए दावा करने का कोई हक नही होगा श्रोर तदर्थ श्राधार पर की गई सेवा उस ग्रेड में वरीयता श्रोर ग्रागले उच्च ग्रेड में पढ़ोन्नति तथा स्थायीकरण की पावता के लिए नहीं गिनी जाएगी।

ाप्स० बालासुन्नमणियन उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात श्रीर खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 14 दिसम्बर, 1982

सं० ए-19011 (73/75)-स्था० ए---निवर्तन की भायु पूर्ण करके सेवानिवृत्त होने पर श्री जे० सी० मिसल, उप खिनज अर्थणास्त्री (सांख्यिकी) को 31 श्रक्तूबर, 1982 के श्रपराह्म से भारतीय खान ब्यूरो के कार्यभार से मुक्त किया है श्रीर तदनुसार उनका नाम इस विभाग को प्रभावी स्थापना से काट दिया है।

व० घ० मिश्र कार्यालय ग्रध्यक्ष, भारतीय खान ब्यूरो

स्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 दिसम्बर, 1982

सं० 4 (49)/7.5-स्टाफ-I--जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य धकादमी, इम्फाल में सहायक सचिव के पद पर नियुक्त

होंने के परिणासस्वरूप श्री ख्रमंथम् प्रकाण सिंह, कार्यक्रम निष्पादक, श्राकाणवाणी, इम्फाल को जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य श्रकादमी, इम्फाल में प्रतिनियुक्ति पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु 30-9-1982 (श्रपराह्म) को उनके कार्यभार से मक्त कर दिया गया।

> हरीण चन्द्र जयाल प्रणासन उप निदेणक कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य मेवा महानिदेशालय

नई निल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

सं० ए-19018/2/80-सी० जी० एच० एस०-1-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने हकीम सलमान जफर लारी को 2 नवस्बर, 1982 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में यूनानी चिकित्सक के पद पर श्रम्थायी श्राधार पर नियुक्त किया है।

> टी० एस० राव उप निदेशक (प्रणांसन) (मी० जी० एच० एस०)

, नई दिल्ली दिनांक 16-12-82

मं० ए० 12025/2/82-(मी० ग्रार० धाई०)-प्रणा सन-1/ई० पी० ग्राई--राष्ट्रपति ने श्री हीरालाल वांगनियो को 8 नवम्बर, 1982 पूर्वाह्म में ग्रागामी श्रादेशों तक केन्द्रीय ग्रमुसंधान मंस्थान, कमौली में बायो-मेडिकल इंजीनियर के पद पर ग्रस्थायी ग्राधार पर नियुक्त किया है।

संगत सिंह् उप निदेशक प्रशासन (ई० एण्ड जी०)

नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर, 1982

सं० ए० 38012/2/82-प्रशासन-1—सेवा निवर्तन की आयु के हो जाने पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के श्री एस० एल० कुठियाला उप निदेशक (प्रशासन) 30 नवस्बर, 1982 अपराह्म से सरकारी सेवा से रिटायर हो गये हैं।

विलोक चन्द जैन उप निदेशक (प्रशासन)

भारतीय डाक नार विभाग प्रधान प्रबंधक, दूरवाणी का कार्यालय, बेंगलूर, दिनांक 23 फरवरी, 1982 केन्द्रीय ग्रसैनिक सेवा नियम 5(1)—1965 के ग्रन्तर्गत सेवा समाप्ति की सूचना।

सं० पी० एफ० 4259/17—केन्द्रीय श्रसैनिक सेवा नियम 5 धारा 1 (श्रस्थायी सेवाएं) 1965 के श्रन्तर्गत मैं, के० ग्रार० सुक्रमण्यम, सहायक प्रधान प्रबंधक, (शासन) वेंगलूर टेलिफोन्स, बेगलूर यह सूचना देता हूं कि श्रीमती शीला मारगरेट पीटर, टेलिफोन प्रचालाक की सेवाएं, इस सूचना के पावती के एक महीने के पश्चात् समाप्त की जाती हैं।

के० श्रार० मुक्रमण्यम सहायक प्रधान प्रबंधक (णासन) बेगल्र

सेवा में,

श्रीमती णीला मारगरेट पीटर, टेलिफोन प्रचक 293, बिन्नमंगला 2 स्टेंज, इन्दिरा नगर, बेंगलूर-560038

पावती

मैं मेत्रा समाप्ति (मामला सं० पी० एफ० 4259/17 दिनांक 23/2/82) की पात्रती इस दिन को करता हू। ध्यप्टिक का हस्ताक्षर

िदनांक

पदनाम

बेंगलूर दिनांक 6 मार्च, 1982 केन्द्रीय अमेरिक सेवा नियम 5(।)-1965 अन्तर्गत सेवा समाप्ति की सुचना।

मं० पी० एफ० 4491/21—केन्द्रीय श्रमैनिक मेवा नियम 5 धारा 1 (श्रम्थायी सेवाएं) 1965 के श्रन्तर्गत मै, के० श्रार० सुब्रमण्यम, सहायक प्रधान प्रबंधक (शासन) बेंगलूर टेलिफोन्स, बेंगलूर यह सूचना देना हूं कि श्री के० श्रब्दुल रहीम, समायमान टैक्नीशियन की सेवाएं, इस सूचना के पावती के एक महीने के पश्चात् समाप्त की जाती है।

> के० भ्रार० सुब्रमण्यस सहायक प्रधान प्रबंधक (णासन) बेगलूर

सेवा में.

श्री के० श्रब्दुल रहीम, टेक्नीणियन, पिता का नाम—श्री श्रब्दुल खुद्दस, (रिटयर्ड श्राक्ट्राय इन्सपैक्टर) के० श्रार० एक्से एक्सटेंशन, चिन्तामणी-563125

पावती

मैं सेवा समाप्ति सूचना (मामला सं० पी० एफ० 4491/21 दिनांक 6~3-1982 की पावती इस दिन को करता हूं।

व्यष्टिक का हस्ताक्षर

पदनाम :

विनांक:

बेंगसूर दिनांक 27 स्रप्रैल. 1982 केन्द्रीय अमीनिक सेवा नियम 5(1)-1965 अन्तर्गत सेवा समाप्ति की सूचना।

सं० पी० एफ० 5308/13—केन्द्रीय असैनिक मेवा नियम 5 धारा 1 (अस्थायी मेवाएं) 1965 के अन्तर्गत में के० आर० सुन्नमण्यम, सहायक प्रधान प्रबंधक, (शासन) बेंगलूर टेलिफोन्स, बेगलूर यह सूचना देता हूं कि श्री एम० आर० राधवेन्द्रा, समायमान टेक्निशियन की मेथाएं, इस सूचना के पावती के एक महीने के पश्चात् समाप्त की जाती है।

के० घ्रार० सुक्रमण्यम सहायक प्रधान प्रबंधक (शासन) बेंगलुर

मेवा में.

एम० म्रार० राघवेन्द्रा, समायमान टेक्निणियन 57, 5 ब्लाक, सर्पेन्टैन रोड, कुमारी पार्क वेस्ट एक्सटेशन वेगलूर-560020

पावनी

मैं सेवा समाप्ति (मामला सं० पी० एफ० 5308/13 दिनांक 27-4-82 की पावती इस दिन को करता हुं। व्यप्टिक का हस्ताक्षर

दिनांक

पदनाम :

बेगलूर, दिनांक 22 जुलाई, 1982 क्रेन्द्रीय अर्नेनिक सेवा नियम 5(।)-1965 अन्तर्गत सेवा समाप्ति की सुचना।

मं० पी० एफ० 5652/16—केन्द्रीय श्रसैनिक सेवा नियम 5 धारा 1 (श्रस्थायी सेवाएं) 1965 के श्रन्तर्गत मैं के० श्रार० मुश्रमण्यम, महायक प्रधान प्रबंधक, (शासन) बेंगलूर, टेलिफोन्स, बेंगलूर यह सूचना देता हूं कि श्रीमती एम० शैंलेजा, टेलिफोन्स प्रचालक की सेवाएं, इस सूचना के पावती के एक महीने के पश्चान समाप्त की जाती है।

के० श्रार० सु**क्र**मण्यम ,सहायक प्रधान प्रबंधक (<mark>शासन)</mark> वेंगलूर

मेवा में, श्रीमती एस० घैलेजा, टेलीफोन प्रचालक, 55ए, 4 ब्लाक, राजाजी नगर, बेंगलूर-560010

पावती

मैं नेवा समाप्ती सूचना (मामला स० पी० एफ० 5652/16 दिनांक 22-7-82) की पावती इस दिन को करता हू।

व्यष्टिक का हस्ताक्षर

पदनाम :

दिनांक:

ग्रामीण विकास मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेणालय

फरीदाबाद, दिनाक 14 दिसम्बर, 1982

मं० ए० 19023/4/82-प्र०-II[---संघ लोक मेवा श्रायोग की संस्तृतियों के श्रनुसार श्री मुंदर राम, सहायक विपणन म्रधिकारी को इस निदंशालय के म्रधीन फरीदाबाद में दिनांक 12-11-82 के पूर्वाह्न से भ्रगले आदेश होने तक स्थानापन्न विपणन ग्रधिकारी (वर्ग-1) के रूप मे नियक्त किया जाता है।

2. विपणन प्रधिकारी के रूप में नियुक्ति होने के पश्चात् श्री मुंदर राम ने दिनाक 3-11-82 के प्रविद्ध से भोपाल में सहायक विषणन ग्रधिकारी के पद का कार्यभार छोड दिया है।

> गोपाल शरण शक्त, कृषि विपणन सलाहकार

फरीदाबाद, दिनाक 17 दिसम्बर 1982

म० ए० 19024/1/81-प्र० III---इम निदेशालय के श्रधीन केन्द्रीय एगमार्क प्रयोगशाला, नागपुर से कनिष्ठ वैज्ञानिक प्रधिकारी के पद पर श्री श्रार० डी० गप्ता की तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 1-4-82 से 31-12-82 तक की श्रवधि के लिए, या जब तक पद नियमित स्राधार पर भरा जाता है, दोनों में मे जो भी पहले हो, बढ़ाया गया है।

> जी० ग्रार० भाटिया संयुक्त कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार

भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 1 दिसम्बर 1982

सं० पी० ए०/79 (4)/80-ग्रार०-III---नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री बालकृष्ण महादेव नाइक, एम० जी० सी० को सहायक कार्मिक ग्रधिकारी (650-960 रू०) के पद पर कार्य करने हेतु इसी श्रनुसंधान केन्द्र में 4-10-1982 (पूर्वाह्न) से 26-11-1982 (श्रपराह्न) तक की समयावधि के लिए तदर्थ रूप में नियक्त जरते

दिनांक 7 विसम्बर 1982

परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री बैंद्यन।थन कृष्णमृति, सह।यक सुरक्षा अधिकारी को सुरक्षा अधिकारी के पद पर कार्य करने हेत् इस अनुसंधान केन्द्र में 18-10-1982 (भ्रपराह्म) से 20-11-1982 (अपराह्म) तक की समयावधि के लिए तदर्थ रूप में नियक्त करते हैं।

> बी० सी० पाल उप स्थापना ग्रधिकारी

परमाण ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना स्रभियांविकी प्रभाग वम्बई-5, दिनांक 13 दिसम्बर 1982

सं० वि० प० ग्र**० प्र०/3 (236)/82-स्थापना-**[/ 16979-- विद्युत परियोजना अभियांत्रिकी प्रभाग, बम्बई के निदेशक इस प्रभाग के निम्नलिखित कर्मचारियों को जुलाई 31, 1982 के अपराह्म से अगले आदेण तक के लिए उसी प्रभाग में भ्रस्थायी रूप से वैज्ञानिक श्रधिकारी/भ्रभियंता ग्रेड "एस० बी०" नियक्त करते हैं ---

ऋम सं०	नाम	वर्तमान ग्रेड
1.	श्री जे० राधवन	वैज्ञानिक महायक ''सी'' (स्थायीवत नक्ष्णानवीस ''बी'')
2.	श्रीजे० डी० जोशी	वैज्ञानिक सहायक ''सी'' (स्थायी वैज्ञानिक सहायक ''वी'')

दिनांक 14 दिसम्बर 1982

मं० वि० प० ग्र**० प्र०/3 (282)/82-स्थापना-1/** 960009-विद्युत परियोजना श्रभियांत्रिकी प्रभाग, बम्बई के निदेशक भाभा परमाण अनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा ऋय तथा भण्डार निदेशालय (कोटा क्षेत्रीय लेखा एकक) के स्थानापन्न लेखा ग्राधिकारी-II, श्री बी० डी० ताबें को, उनका कोटा क्षेत्रीय लेखा एकक (ऋय तथा भण्डार निवेशालय) मे स्थानान्तरण हो जाने के फलस्वरूप इस प्रभाग में लेखा अधिकारी--!! के पद पर रुपये 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में नवम्बर 4, 1982 के पूर्वीक्ष से ग्रागामी ग्रादेश जारी होने तक के लिए नियक्त करते हैं।

> रा० व० बाजपेयी सामान्य प्रशासन श्रधिकारी

ऋय और भण्डार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 17 दिसम्बर 1982

क्रभनि ० / 2 3 / 1 / 8 2 रथापना / 3 8 0 3 6 -- परमाणु ऊर्जा विभाग के कय ग्रीर भंडार निदेशालय के निदेशक ने महायक लेखा ग्रधिकारी श्री एल० उन्नीकृष्णन की खुट्टी मंजूर किये जाने पर स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक ग्रौर स्थाना-पन्न सहायक लेखापाल श्री दर्णन सिंह को रुपये 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के 4-10-1982 (पूर्वाह्न) से 12-11-82 (ग्रपराह्न) तक के लिये तदर्थ प्राधार पर इसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप में सहायक लेखा प्रधिकारी नियुक्त किया है।

विनांक 18 दिसम्बर 1982

मं० ऋभिनि०/ए०/32011/3/76-स्थापना/38116—परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने सहायक कार्मिक प्रधिकारी श्री सी० वी० गोपाल क्रुष्टणन की छुट्टी मंजूर किये जाने पर स्थायी बरिष्ठ श्राणु-लिपिक और स्थानापन्न प्रवरण कोटि श्राणुलिपिक श्री एम० वेनुगोपालन् को रुपये 650—30—740—35—880—द० रो०—40—960 के वेतनमान में 10-11-82 (पूर्वाक्क) से 10-12-82 (ग्रपराह्म) तक के लिए तदर्थ श्राधार पर इसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक श्रिधकारी नियुक्त किया है।

के० पी० जोसफ प्रशासन श्रधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक दिसम्बर 1982

सं० प० ख० प्र०-4/1/82-भर्ती, खण्ड-II—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी सर्वेक्षक (सिविल) व स्थानापन्न पर्यवेक्षक (सिविल) श्री एन० जी० नायर को उसी प्रभाग में 7 ग्रगस्त, 1982 के पूर्वाह्न से लेकर ग्रगले आवेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक ग्राधिकारी/ग्राभि-यन्ता ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

टी० डी० घाडगे, वरिष्ठ प्रशासन व लेखा श्रधिकारी ¹

भारी पानी परियोजनाएं बम्बई-400008, दिनोक 17 दिसम्बर 1982

सं० 05052/82/375—भारी पानी परियोजनाधों के प्रधान कार्यकारी, श्री एन० पवनकुमार, श्रधं-स्थायी वैज्ञानिक सहायक 'बी' तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक 'सी' भारी पानी संयंत्र (तूतीकोरिन) को 1-8-1982 (पूर्वाह्न) से ग्रागे श्रावेश होने तक के लिए उसी संयंत्र में स्थानापन्न वैज्ञानिक श्रधिकारी/ग्रभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 दिसम्बर 1982

सं० 05012/ग्रार-3/266—भारी पानी परियोजनाश्चों के, प्रधान कार्यकारी, राजस्थान परमाणु बिजली परियोजना के श्री जसवंत सिंह, स्थायी सहायक सुरक्षा ग्रिधकारी को भारी पानी परियोजना (कोटा) में ग्रपराह्न 23 ग्रक्तूबर, 1982 से ग्रागे ग्रादेश होने तक के लिए स्थानापन्न सुरक्षा ग्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 दिसम्बर 1982

मं० 05012/म्रार०1 म्रो० पी०/4384—भारी पानी परियोजनाभ्रों के प्रधान कार्यकारी, श्री श्रीकृष्ण श्रीहरि खानो- लकर, भारी पानी परियोजनाएं (मुख्य कार्यालय) के स्थायी-प्रवर श्रेणी लिपिक को, उसी कार्यालय में ग्रस्थायी रूप से तदर्थ ग्राधार पर 10 सितम्बर, 1982 (पूर्वाह्म) मे 22 श्रक्तूबर, 1982 (ग्रपराह्म) तक के लिए, श्रीमती के० पी० कल्याणीकुट्टि, सहायक कार्मिक ग्रधिकारी, जो छुट्टी पर हैं, के स्थान पर सहायक कार्मिक ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

> श्रार० सी० कोटियानकर प्रशासन भ्रधिकारी

रिऐक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपायकम, दिनांक 16 नवम्बर 1982

सं० श्रार० श्रार० सीं०/ए० 32023/1/77/प्रार०/
14899—रिऐक्टर श्रनुसंघान केन्त्र के निदेशक मद्रास परमाणु
विद्युत परियोजना के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा रिऐक्टर
प्रनुसंघान केन्द्र के स्थानापन्न प्रचरण कोटि लिपिक श्री वादिवेल वेबियन को 1-11-82 से 30-11-82 तक की प्रविध्व
के लिए उसी केन्द्र में स्थानापन्न रूप से तदर्थ श्राधार पर
सहायक प्रशासन-श्रधिकारी नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति
श्री ए० सेतुमाधवन, सहायक प्रशासन-श्रधिकारी के स्थान पर
की गई है, जो छुट्टी पर गए हैं।

सं० भ्रार० भ्रार० सी०/ए० 32023/1/77/म्रार०/14899-ए—िरऐक्टर श्रनुसंधान केन्द्र के निदेशक रिऐक्टर श्रनुसंधान केन्द्र के निदेशक रिऐक्टर श्रनुसंधान केन्द्र के स्थायी सहायक लेखापाल श्री किल्ली-कुलंगरा मामन वेलेउधन को 14-10-82 से 10-12-82 तक की भ्रवधि के लिए उसी केन्द्र में स्थानापक रूप से तदर्थ श्राधार पर सहायक लेखा श्रधिकारी नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री एम० गुरुस्त्रामी, सहायक लेखा श्रधिकारी के स्थान पर की गई है जो छुट्टी पर गए हैं।

ऐस० पद्मनाभन प्रशासन श्रधिकारी

म्रन्तरिक्ष विभाग

भारतीय श्रन्तरिक्ष श्रनुसंधान संगठन

श्रन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

श्रहमधाबाद-380053, दिनांक 29 नवम्बर 1982

सं० स्था०/झाई० एस० सी० ई० एस०/5394/82— निदेशक श्रं० उ० के० ने० श्री बी० सी० जैन श्रस्थायी वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० का इस केन्द्र की सेवा से उनका स्थागपक्ष श्रंप्रैल 17, 1982 के श्रपराह्म से प्रसन्ननापूर्वक स्वीकार कर लिया है।

> सी० म्रार० शाह, प्रशासन मधिकारी

नागर विमानन एवं नागर पूर्ति मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ली-3, दिनांक 16 दिसम्बर 1982

सं० स्था० (1) 00252—राष्ट्रपति, डा० घीरेन्द्र सक्सेना, हिन्दी ग्रधिकारी (तदर्थ), नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, बमरौली (इलाहाबाद) को भारत मौसम विज्ञान विभाग के सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह (क) (राजपित्रत) में हिन्दी ग्रधिकारी के रूप में 1 प्रक्तूबर, 1982 (पूर्वाह्न) से छः महीने या ग्रागामी ग्रादेशों, जो भी पहले हो, तक के लिए तक्ष्य ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

> एस० के० दास भ्रपर मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई बिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

सं० ए०-32013/18/82-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री बी० एम० राय, उपनिदेशक, कलकत्ता एयर-पोर्ट को दिनांक 1-12-1982 से ग्रौर ग्रन्य ग्रादेश होने सक क्षेत्रीय विमानक्षेत्र नियन्त्रक, कलकत्ता एयरपोर्ट के पद पर नियुक्त किया है।

श्रोम प्रकाश जैन सहायक निदेशक (प्रशासन) कृते महानिवेशक, नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 1 दिसम्बर, 1982

सं० ए० 32013/16/82-ई०-I—राष्ट्रपति ने श्री बी० के० कालड़ा, उप-निदेशक संचार को दिनांक 4-11-1982 (पूर्वाह्म) से 10-12-1982 तक छुट्टी रिक्ति में निदेशक संचार, पालम के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 2 दिसम्बर 1982

सं० ए०-32013/7/82-ई०-I---राष्ट्रपति ने श्री टी० श्रार० चन्द्रामौलि, उपनिदेशक, विमानमार्ग श्रौर विमानक्षेत्र, मद्रास को दिनांक 16-10-1982 (ग्रपराह्न) से 16-4-83 (ग्रपराह्न) तक छः मास की श्रवधि के लिए या ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थ श्राधार पर निदेशक विमानक्षेत्र के ग्रेड में नियुक्त किया है।

दिनांक 7 दिसम्बर 1982

स० 19011/17/82-ई०-I—महानिवेशक, नागर विमानन के कार्यालय के श्री कृपाल सिंह, सहायक संचार ग्रधिकारी निवर्तन ग्रायु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप दिनांक 30 नवम्बर, 1982 (पूर्वाह्म) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

विनांक 9 विसम्बर 1982

सं॰ ए॰-32013/9/82-ई॰-I—इस कार्यालय की दिनांक 17-8:1982 की अधिसूचना सं॰ ए॰-32013/9/82-ई॰-I के कम में राष्ट्रपति ने श्री बी० एस० प्रभला की मुख्यालय में श्री एस० वैंकास्वामी की छुट्टी रिक्ति में निदेशक उपस्कर के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति दिनांक 1-8-1982 से 8-8-1982 (ग्रपराह्म) तक की ग्रवधि के लिए जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है।

> श्रोम प्रकाश जैन महायक निदेशक (प्रशासन)

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 17 दिसम्बर 1982

सं० 1/344/82-स्था०---विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वारा कलकत्ता शाखा के पर्यवेक्षक, श्री ए० के० षटर्जी को स्थानीय व्यवस्था के रूप में तदर्थ ग्राधार पर ग्रस्पकालिक रिक्त स्थान पर 2-2-82 से 27-2-82 तक की श्रविध के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप-परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/344/82-स्था०---विवेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतव्द्वारा कलकत्ता शाखा के पर्यनेक्षक, श्री ए० के० चटर्जी को स्थानीय व्यवस्था के रूप में तदर्थ ग्राधार पर 15 मार्च, 1982 से ग्रागामी ग्रादेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप-परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 दिसम्बर 1982

सं० 1/523/82-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतव्दारा मद्रास शाखा के पर्यवेक्षक, श्री के० पी० सेल्वराज को स्थानीय व्यवस्था के रूप में तदर्थ श्राधार पर श्रन्पकालिक रिक्त स्थान पर 13-9-82 से 1-10-82 तक की श्रवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप-परियात प्रबंधक मियुक्त करते हैं।

> एच० एन० मलहोता उप निदेशक (प्रशा०) कृते महानिदेशक

वन प्रमुखंघान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहराषून-1, दिनांक 20 दिसम्बर 1982

सं० 16/398/82-स्थापना- --- प्रध्यक्ष, वन प्रनुसधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री ज्ञानेन्द्र कुमार. अनुसंधान सहायक-1 (च० व०) को दिनांक 26 नवम्बर, 1982 के पूर्वाह्न से धागामी भादेशों तक भस्थायी तीर पर सहर्ष प्रमुख कलाकार के पद पर नियुक्त करते है।

रजत कुमार कुल सचिव **वन प्रनुसंधान** संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय जल ग्रायोग

मई विल्ली, विनांक 15 विसम्बर 1982

 30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०
रो०-40-1200 के वेतनमान में प्रतिरिक्त सहायक निवेशक/
सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 30 नवम्बर,
1982 की पूर्वीह्न में एक वर्ष तक की श्रवधि श्रथवा पद को
नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो,
नितात श्रस्थायी एवं तदर्थ ग्राधार पर नियक्त करते हैं।

दिनाक 16 दिसम्बर 1982

सं० ए०-19012/969/81-म्था०-पांच--ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग, श्री त्रिपति प्रकाण पाल, पर्यवेक्षक को ग्रतिरिक्त सहायक निदेशक/महायक इजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में क० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 23 नवम्बर, 1981 से फरवरी, 1983 के ग्रन्त तक की श्रविध ग्रथवा पद को नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नितांत ग्रम्थायी एवं तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

सं ए०-19012/990/82-स्था०-पांच--- प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग, श्री जादू लाल राय, पर्यवेक्षक को रु 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 31 मार्च, 1982 की ग्रपराह्म में 31-3-1983 तक की ग्रविध प्रथवा पद को नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, निसांत श्रस्थायी एव नदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

एस० भट्टाचार्य ग्रवर सम्बद केन्द्रीय जल श्रायोग

निर्माण महानिदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग मई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर 1982

स० 27-ई०/जी० (25)/69-ई० सी०-2—राष्ट्रपति ने इस विभाग के कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) श्री एन० सी० गुप्ता को जो कि इस समय ग्रधीक्षक निर्माण सर्वेक्षक (खाद्ध) के कार्यालय में निर्माण सर्वेक्षक (खाद्ध) के पद पर नियुक्त हैं, के स्वैच्छिक मेवा-निवृक्ति के नोटिम को स्वीकार कर लिया है। तदनुसार श्री एन० सी० गुप्ता, 31 दिसम्बर, 1982 (दोपहर बाद) से सरकारी सेवा से सेवा-निवृक्त हो जायेंगे।

नीना गर्ग प्रणासन उप-निदेशक कृते निर्माण महानिदेशक

नई विल्ली, दिनांक 16 विसम्बर 1982

मं० 33/1/82-ई० सी०-9—राष्ट्रपति सहर्प संघ लोक सेवा ग्रायोग के निम्नलिखित नामितों को उप-वास्तुकों के ग्रस्थायी पदों पर (सामान्य सिविल मेवा ग्रुप "क") के० लो० नि० विभाग में रुपये 700/- प्रतिमाह वेतन पर रुपये 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 के वेतन-मान में) ग्रेतिरिक्श भत्तों सहित सामान्य नियमों एवं णतौं पर प्रत्येक के सामने दर्णायी निथियों से नियक्त करते हैं ---

1. श्रीमती सुभाषिणी जनेजा

3-11-82

2 श्री कमलप्रीत सिंह

12-11-82

- 2. श्रीमती जुनेजा का वेतन नियमानुसार निर्धारित किया जायेगा, जबकि श्री सिंह का वेतन, वेतनमान का कम में कम होगा।
- 3. इन्हें नियुक्ति तिथियों से 2 वर्ष की भ्रविध के लिए परिवीक्षा पर रखा जाता है।

ए० के० नारंग प्रणासन उपनिदेशक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर मैं० ज्योति फार्मास्यू-टिकल्म वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनाक 6 नवम्बर 1982

सं० 4067/20727—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैं० ज्योति फार्मा-स्यूटिकल्स वर्क्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

डी० एन० पेगू महायक कम्पनी रिजस्ट्रार दिल्ली व हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रौर मैसर्स रानी दुर्गावती चिट फण्ड फायनेन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर, दिनाक 13 दिसम्बर 1982

मं० 1272/पी० एस०/सी० पी०/3309—कस्पनी म्रिधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनु-सरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि मैसर्स रानी दुर्गावती चिट फण्ड फायनेन्स प्रा० लि० का नाम भ्राज रिजस्टर से काट किया गया है श्रीर उक्त कस्पनी विघटित हो गई है। कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 ग्रौर मैसर्स सेन्ट्रल इण्डिया डेबलपमेट एण्ड क्न्सट्रक्णन प्रा० लि० सतना के विषय मे ग्वालियर, दिनांक 13 दिसम्बर 1982

म० 352/पी० एस०/सी० पी०/3312—कम्पनी श्रिधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण मे एतद्द्वारा यह सूचना दी जानी है कि मैसर्स सेन्ट्रल इण्डिया डेवलपमेन्ट एण्ड कनस्ट्रक्शन प्रा० लि० का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> मुरेन्द्र कुमार सक्सैना कम्पनी रजिस्ट्रार मध्य प्रदेश, ग्लालियर

कम्पनी ग्रंधिनियम, 1956 ग्रौर गोमन्तक फर्टीलाइजर्स एण्ड मिनरन्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

पणजी, दिनाक 15 दिसम्बर 1982

म० 203/जी-कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतदृहारा सूचना दी जाती है कि गोमन्तक फर्टीलाइजर्म एण्ड मिनरल्स प्राईविट लिमिटेड का नाम आज रिजरटर में काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० एल० गणविर कम्पनियों का रजिस्ट्रार गोवा, दमण श्रौर दीव प्रकृष आहे. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म्(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 नवम्बर 1982

निर्देश नं. पी. आर. नं. 2168/23-1/82-83— अतः मुझे, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. सी. एस. नं. 3, 1952 हैं, तथा जो वल्लभी पटेल रोड, स्टेशन रोड, पोरबंदर में स्थित हैं (और इससे उपावव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोरबंदर में रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1982 को पूर्विक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान

- को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सें, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंसरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :—
 - (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
 - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;
- अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

- 1. श्री वेनी शंकार मोरारजी वासु
 राधा रमनकांज बजाजवाडी स्टोशन रांड,
 शान्ताकांज वेस्ट, बोम्बे-400054
 - श्री विजयशंकर मोरारणी वासु गोपाल भवन, 101.28 आजाद रोड. अंधेरी ईस्ट बोम्बे-400069
 - श्री भाई शंकर एम बास् सहयांग को . ओ . हा . सांसायटी लिमिटेड . एम . थी . रोड , अंधेरी ईम्ट , बोम्बे - 400069

(अन्तरक)

 श्री नीमेल कुमार आर. थानकी हीमांशु आर. थानकी नीलचील कुमार आर. थानकी स्टेशन रोड, पोरबंदर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के वर्णम् के सिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बबूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित गमा है।

अमस्ची

अमीन जिसका क्षेत्रफल 276+276+276 वर्ग यार्ड हैं ओ बी. पी. पटोल रोड, स्टोशन रोड, पोरबंदर में स्थित हैं तथा सब रिअस्टार पोरबंदर रिजस्ट्रीकर्ता विकशिसत नं. 1579, 1580 और 1581/अप्रैल, 1982 हैं।

> अ:र आर शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

तारील: 20-11-1982

मोहर :

प्ररूप नार्चः टी. एन्, एस., ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 नवभ्जर 1982

निर्देश नं. पी. आर नं 2169/23-1/82-83— अतः मुझे, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्कर्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं. आर. एस. न. 29 और 30 पैकी है तथा जो कथोरीया की जमीन, अमरेली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री- कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 14 अप्रैल, 1982

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---- श्री अभीज रहेमान अन्दूल रहेमान मीयां की हावेली, रासबाबाइ, अमरोली (सौराष्ट्र)।

(अन्तरक)

2. श्री गीरोराज नगर कां-आं-हा. सासायटी लिमिटोड

> 2. श्री एम. आर. नेरंगा के/ओ श्री अजीअरहोमान अब्दुलरहोमान कावरी मीयां की हवेली, रासबाबाड, अमरोली (साराष्ट्र)।

> > (अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के फिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यव्यक्तिरणः :---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 2 एकड़ 37 गूडा है, जो कथो-रीया की जमीन अमरोली में स्थित है तथा सब रिजस्टार अमरोली रिजस्ट्रीकर्ता विकिश्वित नं. 585/24-4-1982 है।

> आर आर शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-१, अहमदाबाद

तारी**स** 20-11-1982 मोहर ६ प्ररूप आई.टी एन.एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनाक 20 नत्रम्बर 1982

निदेश न पी आर न 2170/23-। 82-83--अत मुझे, आर आर शाह,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी स शांप/गांडाउन है तथा जा 'नमफ्लटस', सदर बाजार, मुख्य राड, राजकांट म स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकाट म रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशति से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अतरित्ती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्च हेय से चक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आण्कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिक्त व्यक्तियों, अधीत .—

1 देशाई बिल्डर्स भागीदार-श्रीजयस्यलाल मोहनलाल देशाई और अन्य 'पितृस्मति' 56, जनकल्याण सोसायटी, राजकाट।

(अन्तरक)

2 ट्रंड इण्डस्ट्रीज फ्रेन्डस सामायटी प्रमुख-हरिकशन भाई मीरालाल महोता 'अमृत मथन' जनसत्ता चौक, राजकोट।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

शोप/गांडाउन जिसका क्षेत्रफल 240+286 वर्ग यार्ड है जो पूनम फ्लंटस, सदर बाजार मूख्य रोड,राजकोट में स्थित है तथा सब रिजस्टार राजकोट रिजस्ट्रीकर्ता विकीसत न 1967, 2191/अप्रैल, 1982 है।

आर आर शाह सक्षम प्राधिकारी , सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण,) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

तारीस 20-11-1982 मोहर प्रकप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 नवम्बर 1982

निदंश नं. पी. आर. नं. 2171 अर्जन रॉज-23-1/82-83---अत: मुफ्ते, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 326 पैकी प्लांट नं -11 है। तथा जो राजकोट में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण एप स वर्णित हैं), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्य, राजकोट में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुबिधा के लिए; और/या
- (भ) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 3-406GI/82

 थी म्कंशचंद्र नवीन चंद्र शाह, 9, जयंत सोसायटी, राजकोट।

(अन्तरक)

 श्री जलीनीबेन संबंती लाल महोता 6, दीवानयरा, राजकाट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पत्रेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समाप्ति में हित बद्ध किसी बन्य व्यवित द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पिरभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसा अध्याया में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका काल क्षेत्रफल 1500 वर्ग यार्ड है जो राजकोट मों स्थित है तथा सब रिजस्टार राजकोट रिजस्ट्रीकर्ता बिकिश्यत नं. 1903/अप्रैल 1982 है ।

> आर. आर. घाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

नारीस: 20-11-1982

मोहर 🕄

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. - - - - --

आयवश्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 नवस्बर 1982

निद्येश नं. पी. आर. न. 2172 अर्जन रंज-23-।/82-83——अत. मुफ्ते, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं। अधिर जारीय अधीय है तथा जारे

25,000/-ए. से आविक हैं और जिसकी पं हिं तथा जा शरी नं. 14, जगराज प्लाट, राजकोट से स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-4-82 को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अंतरिस की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिचित उद्देष्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

श्रीमती कान्ताबन श्वद्यताल गामीया शंभी न 8, जयराज प्लोट, योगीक्ज, राजकांट। (अन्तरक)

2 श्रीमती तनमनबंन जयतीलाल गुमानी और अन्य प्रकाश भवन , मार्च की , (कच्छ)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहरूनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमो प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका जमीन का क्षेत्रफल 150 वर्ग यार्ड है, जो शेरी नं. 14, जयराज पाट राजकोट में रिथत है तथा सब राजस्यार राजकोट राजस्ट्रीकर्ता विकिथित न 2764/30·4-82 है।

> आर. आर. काह सक्षम प्राधकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्स (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्निचिसत व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीस : 20-11-1982 मोहार : प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अजन रॉज-१, अहमदाबाद

अहमदावाद, दिनांक 20 नवम्बर 1982

निवस न पी. आर. न. 2173 अर्जन रज-23-1/82-83—अतः मुक्ते, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/-रत. से अधिक है

आर जिल्ली सं. मकार है। तथा जा महाइंचराकी राजव रांड, गाँडन का रिश्वत है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप का वर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यावय, गांडन मो र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 3-4-1982

को पूर्वावत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रोत्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकतः अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था खिमाने में स्विधा के लिए;

- श्री प्रकाश भाई सुखलाल भाई पाला छबील भाई सूबलाल भाई पाला नीताबेन प्रकाशभाई पाला उषा-वेन स्वलालभाई पाला महावीर अपार्टभेन्ट, सदर धानफी के नेजदीक, राजकाट ।
 (अन्तरक)
- 2. श्री स्रोक्षभाइं वृजलाल गोटोचा के/ओं त्रीकूल कन्स्ट्रवशन महादेव बाडी, रोलीग रोड, गोंडा (जिला- राजकोट)

(अन्तरिसी)

को यह राज्यना जारी करके प्रवेक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हु।

उक्त संपरित के वर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में द्विष्युष् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

मकान जो महादोववाडी, रंलींग रांड, गोंडल जीला-राज-कांट मो स्थित है। तथा सब रिजस्टार गोंडल रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीसत नं. 835,836, 837, 838/3-4-82 है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

तारीख : 20-11-1982

मोहार 🗵

प्रकप बाई• टी• एन• एस•----

प्रापकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 नवम्बर 1982

निदोश न पी आर न. 2174/अर्जन रॉज-23-1/82-83—अतः मुक्ते, आर. आर. शाह, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- इपये मे अधिक है

और जिसकी सः सर्व नः 577 से 581 है तथा को आध्य जिला अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 22-4-1982

को पूर्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है गौर मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोंकन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरिति गं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रींक को से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रीध-नियम के अधीन कर देने के प्रक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
 - (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-अर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनयम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण म, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात —— । श्री धनाभाई जठाभाई और अन्य, गाव आठव, जिला अहमवाबाद ।

(अन्तरक)

अमली कीपच्पा को ओ हा सामायटी लिमिटेड मी/ओ चयरमेन-अरिवन्द कामार कॅशवलाल 15, कर्मज्यात सामायटी, सन्दर नगर के नजदीक, चार रग्ता, नारनपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्थंत के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

खका सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आ**लेप :--**

- (क) ६न नूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 अविनयों में ने किनो व्यक्ति द्वारा;
- ं(ख) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रील ने हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पडितकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर एटों का, जो उपत अधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं; बही ग्रबं होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 10689 वर्ग यार्ड है जो आध्य जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा मब रिजस्टार अहमदाबाद रिज-स्ट्रीकर्ता जिक्कीखत नं . 6104, 6109 और 6110/22-4-82 है ।

आरं. आरं. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

तारील : 20-11-1982

मोहार 🗓

प्ररूप आई टी एन एस -----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुवत (निरीक्षण)

अर्जन रज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 20 नवम्बर 1982

निदाश न भी आर न 2175/अर्जन रॉज-23 । 82-83—अत मुके, आर आर शाह, ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (ितमे इसर्बे इसके पश्चात् 'उन्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिल्लाका उचित वाजार मृल्य 25,000/-क मे प्रधिक है

और जिसकी स सर्व न 577 स 581 है तथा जा आख जिला अहामदाबाद म स्थित है (और इसस उपाबद्द अनसची म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी क कार्या लय, अहमदाबाद म रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 22-4 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रति-फत के जिये अन्तरित की गई है और पृष्ठे यह निश्चात करों का कारण है कि ययापूर्वोक्त जम्मति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिणत में प्रविक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरफ के लिये तथ पाया गया प्रतिफल निश्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप में क्यित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ये हुई किसी भ्राय की बाबत, उपत अधिनयम के अधीन कर देन के अन्तरफ के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसा जिसा प्राय गा कि । जन या अन्य अ स्तियो की जिन्हें भारताय आयकर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधितियम, प्रा धन-कर भिष्ठितियम, प्रा धन-कर भिष्ठितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अमृधरण मो, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियो, अर्थात् —— । श्री धनभाह जांटाभाइ आरं अन्य , गान आधाव , जिल्ला अहमलाल्द ।

(अन्तरक)

2 सपार्शनाथ आधव का-आ-हा सासायिटी सी/क्षा चयरमन-पट त अशांक के मार चीमनलाल एम न 970, पूराना नारनपरा, गांव नारनपरा, अहमदाबाद 380003 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचता चारों कर ह पूर्वाव भ समिति है यर्जन र लिए कार्यवाहिया करता हु।

उनन सम्पत्ति क अर्जन क सम्बन्ध म काई वी छाक्षीर :---

- (क) इस स्वाध के राजाव । प्रधाणा को तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्त्रम्बश्धी व्यक्तियाँ पर स्वाम की तामीत से 30 दिन की अवधि, जो भा धविध बाद में समाप्त होती हो, के सीतर प्रवीवन यक्तियों में से किसी व्यक्ति तारा
- (ख) इस सूबना ६ राजपात मात्राला १ । तारीला १ 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति मा हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार प्रधीपृत्ताकरों । पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्थाबी हरा: --- इन्तेयामा (ज्या क्रींगणा का, गण्डका प्राणि नियम क पृथ्याय 20-क म परिभाषित हैं, बढा प्राथ होना जो उन मध्याप प दिया गया है।

अभूसूची

जमीन जिसका क्षत्रफल 10152 वर्ग यात्र ते जा आह्म, जिला-अहमदाबाद मा स्थित हो तथा सब रिजिस्ट्रार अहंगराबाद रिजिस्ट्रोकर्ता बिक्कीसत न 6096, 6097 और 6103/22-4-1982 हो।

आर आर शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायका (निरीक्षण) अर्जन रज ।, अहमदाबाद

तारीख 20-11-1982 मोहर प्ररूप आईं. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) जर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 20 नवस्वर 1982

निहास पी. आर. स. 2176/जनेन राज-23-1/82-83--जतः स्कें, जार. शाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् उपा अनिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह चिश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी ग. मर्त न. 577 से 581 ही तथा जा आठव, अहमदाबाद म स्थित ही (और इसम उपाबद्ध अनुम्बी मी और पूर्ण इस में बेलित ही), रीजस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद मा रीजस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 22-4-1982

को पूर्वो कत संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफर्ल के लिए अंतरित की गई है और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिकृत से, एम ह्ययमान प्रतिकृत के पन्द्रह प्रतिकृत जी कि वैच एसे अन्तरक (अतरको) और अतिपत्ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्मिलिख उद्देश्य से उन्त अन्तरण विश्वित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृतिधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया कां, जिल्हें भारतीय आयक्तर अधिन्यम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री धनाभाई जठाभाई और अस्त गाव अधिव, जिला अहमदावाद ।

(अन्तरक)

 श्री अजीतनाथ आधव का-आं-हा. सामायटी निर्मिट इकी आर स सी /आं. चयरमंन-जनक क्मार बी. पिस्त्री, 1109, अफाबाउनी कदानी फल रायप्य चकला, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्भान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संवंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि लाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों वत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा,
- (स) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारोक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सपिता मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मों किए जा सकोंग।

स्पष्टीकरणः—-इसभे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह^{र्ड}, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में पिया गया ह^{र्ड}।

अनुसूची

जमीन जिस्का क्षत्रफरा 27922 वर्ग यार्ड हुँ जो आधव जिला अहमदाबाद पास्थित हुँ तथा गव-र्राजस्त्रार अहमदा-बाद र्राजस्ट्रीकता विक्रीयन रा 6094, 6095, 6101, 6102, 6107, 6108, 6113/22-4-1982 हुँ।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

मतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, भैं, उक्त ऑधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ अधितः —

तारीय : 20-11-1982

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 20 नवम्बर 1982

निदंश नं पी आर न 2177/अर्गन रेज-23-1/82-83—-अत मुफो, आर आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से शिधक है

और जिसकी स सर्गे न 1193-1-1- पैकी है तथा जो नरोंडा अहम्यायाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण राप से अणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यान्य, अहमदाबाद से रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 7-4-1982

को पूर्वावन सम्पत्ति हो उचित योजार मूल्य में काम को दश्यमान प्रतिफल के लिएअन्हिरित की गई है और मुझे यह बिश्वाम करन ना कारण है कि यथापूर्वोश्व अध्योत का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (भन्तरको)और अन्तरिती (भन्निकिन के बीच ऐसे अन्तरण के िए तथ पाया गया प्रतिफल, निन्निलिकिन उद्देश्य से उका अन्तरण ना इत रवंभाविक कर ने कथित नहीं किया गया

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
 - (ब्रं) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चीाहए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्री शकरीबेन, नारनभाई लचाभाई की पत्नी और अन्य म्दारवी फाली, गरोडा, अहमदाराद । (अन्तरक)
- पित्त को-आ-हा-सोसायटी लिजिट उ सी/ओ चेयरमन-श्री अञ्चनभाई प्रहेल, पीपलावाली फाली, नरों अहपदावाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृदों का, जो उक्त द्रिधिनयम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुस्ची

जमीन जिसका कल क्षेत्रफल 16564 वर्ग यार्ड है जो नरोडा अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रिजस्ट्रार अहमदाबाद रिज-स्ट्रीकर्ता बिकाखित न 5181, 5182, 5183, 5184, 5185, 5186, 5187/7-4-82 है ।

आर. आर. काह सक्षम प्राधिकारी महायक ऋायकर ऋायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

तारीख : 20-11-1982 मोहर 3 प्ररूप आई. टी एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^नज-।, अहमदाबाद

अहमजनाद, दिनान 20 नतम्तर 1982

निदिश न पी थार न 2178 अर्जन रॉंग 23-1/82-83—-पा सभी, आर आर आह,

जारकर अधिरियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-र र अधिन सक्षम प्राधिन्हारों को, यह विद्रास करने का कारण है कि रथावर सप्रित, जिसका प्रचित वारार मृत्य 25,000/-र से अधिक है

आरे जिसही स 1193-22 और 1193-2 पैकी है। तथा जो नगड़ा, अत्मदााद में स्थित है (और इस्सी उपाद्ध अनम्भी में आर पूर्ण एट स निर्णत है), रिज्ह्तिका अधिकारी के कार्यातम, अहम तबाद मा रिज़्ह्तिका पितियम, 1908 (1908 का 16) के अनीन, 7-4-1982

को पूर्वाक्त सस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल है, एने दृश्यमान प्रतिफल का पदृह् प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अतिरती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्निचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण विश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं ---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय्-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अद्यः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, सक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिष्टित व्यक्तियों, अर्थात —

श्री रामभाइ लियाभाई पटाल मादिरताती गली, नराडा, अहमदाबाद । (अन्तरक)

2 पित्रत का आपरिटिव सासायटी लिमिटांड श्री अधिनभाई प्रहलादभाई पटोल यीयलावाली कली, नरांडा, अहमदाबा ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या नन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारिस से 45 दिन की अविधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 15657 वर्ग यार्ड है जो नरोडा अहमदाबाद से स्थित है तथा सब रिजिंग्टार अहमदाबाद रिजिंग्ट्री- कर्ता विक्रीस्त न 5188, 5189, 5190, 5191, 5192 और 5193/7-4-1982 है ।

आर. आर शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमवाबाद

तारील 20-11-1982 मोहर प्रक्ष आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 नवम्बर 1982

निद्या नं. पी. आर. नं. 2179 अर्जन रॉज-23-1/82-83—--अतः म्भे, आर. आर. शाह,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क्पए से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वों न. 46, सब प्लोट न. 2, मेमनगर टी. पी. एस. 2 है। तथा जो एफ. पी. 18 ए. पैकी, थल-ताज, अहमदाबाद में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अन्म्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 8-4-1982

को प्विति सम्पत्ति के उचित बाजार मल्प से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में किंद नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी झाय की यावत जक्त अधिनियम के अधीम कर देने के अन्तरक के पायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तन अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट वहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिया के लिए,

अतः अस, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——
4—406GI/82

- । श्रीमती स्थाबन जसभाइ पटोल, 'वीमल' प्रजांत सोनायटी कॉर्नर, अहमदाबाद-380014 । (अस्तरक)
- 2 न्य साझ्यन को. ओ. हा. सोमायटी प्रमोटर-श्री जितन्द्रभाई रामभाई पटेल पार्श्वनाथ सोसायिटी नारनपरा अहमदाबाद ।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की सारौब से 45 चिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मे तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिस्सित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हः, बही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सुची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 1004 वर्ग यार्ड है जो थलतेज, टी., पी.एस.2, मोमनगर अहमदाबाद मो स्थित है तथा सब रिज-स्टार अहमदाबाद रिजस्ट्रीटर्ला विक्रीयन नं. 5275, 5276, और 5277/8-4-82 है।

आर. आर. शाह चक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉजना, अहमदाबाद

तारीख: 20-11-1982

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 नवम्बर 1982

निद्देश नं. पी. आर. नं. 2180 अर्जन राज-23-1/82-83--अतः मभ्ते, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक ह⁴ आरै जिसकी सं. एफ. पी. नं. 320 सब प्लोट नं. 8 है तथा जो पैकी, चंगीसपूर, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 22-4-1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

 मीनल लेन्ड डोबलांपमेन्ट कांपनी प्रमादेशाई रतीलाल और एच. यू. एफ. के कर्ता श्री हसमुख कस्त्रचंद शाह नवरंगपूरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. पल्लवी पार्क अपार्टमेन्टस भागीवार - श्रीमती सरोज-बेन सूरोशचंद्र (फ्लैंट नं. ए-2), नवरगपुरा म्य्-निसिपल मार्किट के नजबीक नवरंगपुरा, अहमदा-बाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपक में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्मर्व्डीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणि हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फलेट नं. ए-2 जिसका क्षेत्रफल 136.57 वर्ग यार्ड है जो नवरंगप्रा अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रिजस्टार अहमदा-बाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकीसत नं. 6092/22-4-82 है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर** आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

तारीय : 20-11-1982

मोहर 🛭

प्ररूप मार्च टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 नवम्बर 1982

निदंश नं. पी. आर. नं. 2181/23-1/82-83--यतः मुझे, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एफ. पी. नं. 320, सब प्लांट नः 8, है तथा जो चंगीसपूर, अहमदाबाद मा स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मां और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय., अहमदाबाद मो रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-4-1982

को पूर्वोक्न सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा भा या किया जाना चाहिए था छिपान में सूबिधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) की अभीन, निक्निलिसित स्पितवर्षों, मुर्थात् :--- मलल लेन्ड डोवलेपमेन्ट कम्पनी
 श्री प्रमोद रतीलाल, कर्ता एच यू एफ के नवरंगपुरा, अहमदावाद।

(अन्तरक)

पल्लवीपार्क एपार्टामेन्ट की ओर से
 प्लेट नं. ए-।,
 नवरगपुरा म्य्निसिपल मार्कोट के नजदीक,
 नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपहित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फलंट नं. ए-।, जिसका क्षत्रक व 136.57 वर्ग यार्ड है जो नवरंगपूरा, अहमदाधि मो स्थित ही तथा सब-रिजस्ट्रार, अहमदाधि मो स्थित ही तथा सब-रिजस्ट्रार, अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ला विकी सत नं. 6098/22-4-82 है।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निर्रा**क्षण)** अर्जन रॉज-।, अ**ष्ट्रमदाबाद**

तारी**य : 20-11-198**2

मोहर:

प्ररूप आई. टो. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहसदानाद, दिनाक 20 नवरंगर 1982

निदंश न. पी. आर. न. 2!८१⁷२३७⁷82-83~~ यतः मुझे, आर. आर. शाह,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/-रु. से अधिक है

और जिसको स. एक पी नं 320, सब लोट नं 8 पैकी है तथा जो चगीसपुर, अहमदाबाद मों स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मा आर पूर्ण किए स विभिन्न है) र जिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद मों रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस 22-4-1982

22-4-1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यशापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल म एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिसित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया :--

- (स) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) एंनी किसी आय या जिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, अवन अधिनियम को धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उदत अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निरियन व्यवित्यमें, अर्थात् ——

मीनल डंबलापमंन्ट कम्पनी
प्रमांद रतीलाल - कर्ता-एच . यू . एफ . के .
हसम्बभाई कस्तुरभाई शाह,
नवरगपुरा, अहमदाबाव।

(अन्तरक)

 पल्लवीपार्क एपार्टमेन्ट की ओर से श्री जीतेन्द्रभाई नरसीभाई शाह फ्लेट नं. ए-3, नवरगप्रा म्य्निसिपल मार्कोट के नजबीक, नवरगप्रा, अहमवाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया क्रा करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तिया में संकिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक्षा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गम्पत्ति मी हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकेंग ।

स्पब्हीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्लंट न . ए-3, जिसत्वा काल क्षत्रफल 136 57 वर्ग यार्ड हो जो नवरांगपुरा, अहमदाबाद मे स्थित हो तथा गत्र-राजिस्तार, अहमदाबाद राजिस्ट्रीकर्ता तिकी खत नं . 6105/22-4-82 हो।

तारीम : 20-11-1982 मोहर : ग्रधिक है

प्ररूप आई॰ टी० एन० एस०-

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मिनी सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन राज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 20 नवमार 1982

निदंशे न पी आर. न 2133/23-1/82-83--यत. मूझे, आर. आर राह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ^बजकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-**ख** के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसेका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ६० से

और जिसकी स. एफ पी न 320, सब प्लोट नं. 8 पैकी है तथा जो चगीमप्र, अहमदाधाद गे रिथत है (और इससे उपाबद्ध अनुसक्ती मा और पर्ण क्या स विधित है) रिजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालया, अहमदाबाद मा रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-4-1982

की पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार सूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने जा कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत गर, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अजिक है और पन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) अ बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्तितिवित उदेश्य य उनत अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं जिया गया है:—

- (क) अन्तरण पं हुई किसो आय की बाबत उक्त श्रिक्षि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में भृतिधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी हिसी ब्राय पा हिसी बन या प्रस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1902 को 11) या उनन अधिनियम, या धन-कर अविनियम, 1907 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जल्ला चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए,

श्रवः अब, उन्त श्रोधनियन ना धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उन्त श्रीधनियम की शारा 269-ध की उपनारा (1) के भूषीन, निस्नुहिस्तित कानित्यों, वर्णातः मीनल लेन्ड ड्रावलोपभन्ट की आर सो, श्री प्रमोद रतीलाल और अन्य के/ओ रतीलाल बाडीलाग रवेडी बाजार, अलोन वीना हाटल कें, कालुपुर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

पल्लवीपार्क एपाट मेन्ट आनर्स एसासिएशन फ्लेट ने 3-बी,
 श्री स्भाष रतनचद जैन नषरगप्रा म्य्निस्थल मार्कट के नजदीक, नवरगप्रा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहिया अ्ट करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के भम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस मुक्ता ह राजात में त्र शकान की तारीख से 45 दिन को श्वाध या तर महत्त्वी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की त्रवित्व, जोभी प्रवधि बाद में समाप्त हाती हो, त नोहर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा,
- (बा) इस म्बना के राजपत ये प्राणन की तारीख से 45 दिन के पीनर उदा स्थावर स्थाति में हित-बद्ध किती मन्य कार्टिश हाई प्रधातस्वाक्षरी के पास निवास में दिए एए नकेंगे।

स्वब्दोक्तरण:—इशमं प्रयुक्त प्रवास भीत पर्दा हा, जो स्वन प्राथितियाम ना मध्यत्य 20-क में परिभाषित हैं, नहीं प्रशे होता, जो जा अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लट नं 3-बी, जिसका भाषकात 13, 57 वर्ग बार्ड ही जो नवर गपुरा, अहमदाबाद का स्थित ही, तथा सब-रिजस्ट्रार, अहमदाबाद का स्थित ही, तथा सब-रिजस्ट्रार, अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकों सत ग. 6157/22-4-82 ही।

आर आर शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजा, अहमदाबाद

तारीय : 20-11-1982

गोहर 🖪

प्रथप बाइं.टी. एन . एस . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहगदाबाद, दिगाक 20 नवस्वर 1982

निदांश न पी आर. नं. 2184/23-1/82-83--यस: मुझे, आर. आर. शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उद्धा अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि नथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको रा ार्वा नं 408 पैकी 394 पैकी प्लाटन 54 हो एथा जा जराना, अहमदाबाद मा स्थित हो (और इसस उपा- बद्ध अन्सकी । और पूर्ण रूप से विणित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी है कार्यानय, अहमदाबाद मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 21-4-1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यभण प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि पिस्किन है जी एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि पिस्किन हों किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या बन्ध अस्तियों न्हों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रियाने में स्विधा के लिए;

अतः शवः, उकत लिधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण मों, मीं, उकत अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अभीन जिम्मिलिसन व्यक्तियों, अर्थात्:--- मंसर्स अजन्ता आयरग वर्क्स की ओर से श्री गीरीशभाई रावजीभाई पटोल श्री वीपीनभाई रावजीभाई पटोल पचगील सोसायटी, उस्मानपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

- 2. श्री राजकमल री-रांलिंग एण्ड इजीनियरिंग वर्क्स की ओर से
 - (1) महोशभाद्य वाडीलाल पचाल
 - (2) एच एम. बोकाडीया
 - (3) एसमान फांजूनल कि/ओ अजन्ता आयरन वक्स नरोड, जी. आर्ड, डी. सी. एस्टटेट, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

का यह स्चना जारी करके पृवां कर सम्पृत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं के 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्यो

फौक्टरी जिसका जमीन का क्षेत्रफल 1037 वर्ग मीटर है जो नरोड़ा, जी. आर्ट डी. सी. एस्टेट, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्सा बिकी बत न. 5983/21-4-82 है।

आर. आर शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर्त्र्यायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

तारीख . 20-11-1982 मोहर प्ररूप आई ० टी० एन० एग० - - - - अगयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 नवम्बर 1982

निक्शें नं. पी. आर. नं 2185/23-1/82-83-- यतः मुझे, आर. आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं, सर्वों नं. 60-2 पैकी सन प्लाट नं. 60-2-1, टी. पी. एस. 20 है तथा जो चंगीसप्र, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से निर्णत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-4-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती मंजुलावंन स्यंकान्त पटांल, 'अमीत' सरदार पटांल नगर, राजहाउत्म ससायटी रोड, वैभव फ्लेट्स के पीछ, नवरगप्रा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. शीतल सागर एपार्टमेन्ट ओनर्स एसोसिएबन श्री ममीर एन. पटेल, 'यमुना', नवरगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यनाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के गुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस भूचना के राजपत्र हो प्रकाशन की जारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से १० दिन की जवाब जो भी अवधि बाद में सभाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्रूप किसी जन्म व्यवित द्वारा, अधाहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्सीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित रू⁵, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

जमीन जिसका काल क्षेत्रफाल 334-64 वर्ग यार्ड है जो चंगीसपुर, अहमदाबाद में स्थित है तथा मब-रिजस्ट्रार, अह-मदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकी खन ग 6087/22-4-82 है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

तारीख: 20-11-1982

मोहर 🗓

प्रस्य आरं. टो. **एन. एस**.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 20 नजनार 1982

निदोश नं. पी आर. न 2196/27-1/82-83---यतः मुझे, आर. आर. शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म सर्त न 4300, कालपर वार्ड-। है तथा जो कालुपुर, अहमदाबाद न निथत है (अरे इससे उपाबद्ध अनुस्ची में और पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-4-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

जत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री मोहमद हुसेन वलीभाई और अन्य मरधावाड, पाचकपा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

 श्री भगवानदास टोकचंद और अन्य पुनीत आश्रम के नजदीक, मनीनगर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के तिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया प्या हैं।

वन्स्ची

मकान जिसका जमीन का क्षेत्रफल 25-92-00 + 25-92-00 वर्ग मीटर है। जो कालपुर, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्की खत नं. 5288 और 5289/8-4-82 है।

आर. आर जाह संक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

तारीख : 20-11-1982

मोहर :

प्र**रूप पाई • टी •** विन • एस • --

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 नवस्थर 1982

निद्यान पी आर नं 2187/23-1/82-83--यतः मुझे, आर. आर. शाह, आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात् 'उक्त अक्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुल्प 25,000/-र॰ से प्रधिक है और जिसकी सं. सर्वे नं. 131 पैकी ओल्ड एफ पी. नं. 647 पैकीटी पी एस 3 है तथाजो एक पी 528 पैकी इस्टर्न/ वेस्टर्न, छड़ापड, अहमदाबाद में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुम्भी में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), र जिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 14-4-1982 को पूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य मं कम के इ-श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उत्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- '(का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे दचने में सृविधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मों, मीं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--5-406GI/82

- वार्झ दीपाली-शंकरलाल हरजीयन दास पढ्या की पत्नी (विध्या) नवधानीड की पाल, रागीला पोल, शाहप्र, अहमदाबाद।
 - (अन्तरक)
- अमालक्ष्मार स्बन्ध त्रिवेदी और अन्य 11, कौलाम भवन टाउन हाल के सामने, गीला भारती आश्रम के नंजवीक, एलिसब्जि, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **अर्थन** के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी श्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोतन व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किमी अन्य व्यक्ति द्वारा ध्योहस्ताक्षरी के पाम
 विश्वित में किए जा तर्केंगे।

स्पट्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत श्रिष्ठितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जा उस श्रध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

जमीन जिसका क्षेत्रफाल 716.5+716.5 वर्ग प्रार्ड है जो छड़ापड़, माहलपुर, अहमदा ाद रा रिथन है तथा सब-रिजस्ट्रार, अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिक्री खत नं. 5541 और 5542/14-4-82 है।

आर. आर. शाह् सक्षम प्राधिकारः सहायक श्रायकर ऋायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

तारीत : 20-11-1982 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 नवम्बर 1982

निविधा नं. पी. आर. नं. 2188/23-1/82-83--यतः मूझे, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात 'अवत अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269- ह ते अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. मकान ही तथा जो शेखपूर-खानपूर, अहमदा-बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुस्ची में और पूर्ण रूप से याणित हो), रिजम्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्नमदाबाद मो रिजस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 13 अप्रैल, 1982 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवाँक्त सम्पत्ति का उषित बाजार भाल्य उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिकात ने अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिली (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बजने में सृविधा के लिए; और/या
- कि, एक्से किने स्य द्या विश्वी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने की स्थितिय। सानिया,

अत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित्--- श्री रतीलाल हीराचंद पटेल मीनीता एपाटमेन्ट, सन्ट अवियम स्कूल रोड, नयरंगपुरा, अहमदाबाद-14 ।

(अन्तरक)

श्री गेनपत सेजराज जैन
 19-प्रतीमा सांसायटी,
 दशा साहोब के पंगला के नजवीक,
 नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह समाना जारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म स्थावत व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल विवित में किए का सकोंगे।

स्थण्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया स्था है।

मनुसूची

मकान जो शेखपुर-सानपुर, नवर गपुरा, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रिजस्ट्रार, अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिक्री खत नं. 5107/13~4-1982 है।

आर.आर.शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

तारील : 20-11-1982

मोहर:

प्ररूप गाइँ. टी. एन. एस.----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अथीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 नवम्गर 1982

निद्शा नं. ्पी आर. न. 2189[/]23-।/82-83— यतः मुझे, आर. आर. शाह, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. एफ . पी. 2,55 टी. पी. एस . 3 है तथा जो शेखपुर-खानपुर, अहमवाबाद में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से विणित ही), रीजस्ट्रीकता अधिकारों के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13 अप्रेल, 1982 को पूर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित भाजार मुस्य, उसके धरयमान प्रतिफल से एसे धरगमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बुन्तरण से हुई किसी बाय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूबिधा के लिए; और या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों क्ये, जिनें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या भा किया जाना चाहिये था स्त्रिपाने में ब्रिया के सिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-मृकी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्पक्तियों, अर्थात् .— श्री अनुभाइं रमनलाल गज्जर और अन्य मीठाखली के नजदीक, रोलबे कारियंग, एलिसब्रीज, अष्टमदाबाद।

(अन्तरक)

 श्री रमेश भाई लक्ष्मीचन्द गोसालीया 'अयहिन्द' प्रेम, आश्रम रोड, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीकत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्ध्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त एव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हागा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

फ्लैट जिसका क्षेत्रफल 121.65 वर्ग यार्ड है जो नवरग-पुरा, अहमवाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, अहमवाबाद रजिस्ट्रीकर्सा बिकी खत नं. 5503/13-4-1982 है।

> आर.आर.शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

तारीच - 20-11-1982 मोहर उ प्ररूप आई. टी. एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, अहमबाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 20 नवम्बर 1982

निदंश नं. पी. आर. न. 2190/23-1/82-83--अतः मुझे, आर. आर. शाह, नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उक्त अभिनियम कहा गया है) की धारा 269-स के निमीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित नाजार मृत्य 25,000/-

रा. में बिधिक हैं और जिसकी मं. एफ. पी .न. 13, 14, 15 पैकी सब प्लोट नं. 15/1, 15/1/बी हैं तथा जो पैकी टी. पी. एस. 3, अहमदाबाद में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिअस्ट्रीकर अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 19 अप्रैत, 1982 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उकत अन्तरण मिवत में भास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्री रघुनाथ गारधनदास परीस
6-बी, जीनको सोसायटी,
स्वामी विवंकानंद रोड, कांदीवली,
(वंस्ट), बांम्बे-40006

(अन्तरक)

 डा. नीसील जशवंत भाई भट्ट की ओर से कुल मुस्तयार—— श्री जशवंतभाई स्याम भट्ट 8, प्रीतम नगर, एलिसब्रीज, अहमदाबाद-380006

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहिया करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वक्तित ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ब 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धींकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्स्ची

जमीन जिसका क्षेत्रफन 499 वर्गयार्ड है, जो उस्मानपुरा, अहमदाबाद में स्थित हुँ तथा सब्-रजिस्टार अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विक्रीयत नं 5857/19-4-1982 हैं:

आर.आर.शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रामकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

अतः वन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अध्याद (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारोख: 20-11-1982

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 नवम्बर 1982

नि**व**श नं. पी आर. नं. 2191/23-1/82-83--यतः मुझे, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000 ∕ - रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. एफ. पी. नं. 722-बी. टी. पी एस 3 और 3-5, हिस्सा-1 है तथा जो फ्लंट नं. ए-10 अमीज्योत एपाट मेन्ट, एलिसब्रीज में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्-सूची मृ और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीक तो अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीच 1 अप्रैल, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उिषत बाजार मुल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :--- श्री चंपक लास परसोत्तमबास मंहता 'अमीज्योत' परीमल, एलिसवृजि, अहमबाबाद-380007

(अभारक)

2. श्रीमती क अनदेवी लक्ष्मीनारायन काबरा ए-10, अमीज्यात एपार्टमेन्ट, परीमल, एलिसक्जि, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की नारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बंधोहस्साक्षरी के पास निश्चित में बन्य किए जा सकेंगे।

स्पक्किरण: ---इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिषम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं. ए-10, जिसका क्षेत्रफल 157.08 वर्ग मीटर है जो अमीज्यात एपार्ट मेन्ट, एलिसङ्गीज, अहमदाबाद में स्थित है तथा सक्ष-रजिस्ट्रार, अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्री खत नं. 4920/1-4-1982 है।

आर.आर.साह सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर बायक्स (निरीक्षण) अर्थन र`ज-≀, बहमदाबाद

तारीख : 20-11-1982

मोहर 🛭

प्रकान नार्च. दी. एन. एस.------

प्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंष, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 20 नवम्बर 1982

निद्शे नं. पी. आर. नं. 2192/23-1/82-83--यतः मृझे, आर. आर. शाह, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपये

से अधिक हैं और जिसकी सं. एफ. पी. नं. 722-बी. टी. पी. एस. 3 और 3-5, हिस्सा-1, है सथा जो फ्लैट ए-5 अमीज्यांत एपार्ट-मेन्ट, एलिसब्रीज में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 1 अपन, 1982

(1908 का 16) के अधीन, तारीस 1 अप्रैल, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से विधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :--

- (क) सन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत; उक्त झिंड-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में उमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (था) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिनारे में सुविधा के जिए;

वत: वध, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वजुसरण में, में,, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के वधीन, निम्नितिश्वत व्यक्तियों, वर्धात् हिल्ल- श्री चंपकलाल परसोत्तमदास महेता
 "अमीज्यात" परीमल, एलिसब्रीज,
 अहमदाबाद।

(अन्तरक)

श्री बजरगलाल देवीसवार
एच यू. एफ, के कर्ता
श्री बजरगलाल देवीदास बजाज,
ए.5, अमीज्यात एपार्टमेन्ट, परीमल,
एलिसक्जि, अहमधाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाष्ट्र होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) तम सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य स्थिकत द्वारा अधीहस्ताकरों के पाम लिखित में किए जा सकेंगे '

क्यांक्टीकरण :--इसमं प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदो का, जो उक्त धाध-नियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैंट नं. ए-5., जिसका क्षेत्रफल 157.08 वर्ग मीटर हैं जो अमीज्योत एपार्ट मेन्ट एसीसब्रीज, अहमदाबाद में स्थित हैं तथा सब-रिजस्ट्रार, अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकी बत नं. 4917/1-4-1982 हैं।

आर.आर.शाह सक्तम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) जर्जन रोज-।, अहमयाबाध

तारीब : 20-11-1982

मोहर:

प्रकृप बाइ . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अहमदाबाद

अहमवाबाव, दिनांक 20 नवम्बर 1982

निद्देश नं. पी. आर. नं. 2193/23-≀/82**-83**---यतः मुझे, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक ही और जिसकी सं. एक. पी. 722-बी. टी. पी. एस. 3 बौर 3-5 पैकी ही तथा जो हिस्सा-1, अमीज्योत एपार्टीमेन्ट, एलिसब्जि, मे स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 1 अप्रैल, 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके उदयमान प्रतिफल से एसे उदयमान प्रतिफल का पन्त्रह्मितिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तारण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने के सूविधा के लिए; और√या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जानी चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- भी चंपकलाल परसोत्तमवास महता
 "वमीण्योत" परीमल, एलिसब्रीज,
 जन्नस्थाबाद।

(मन्तरक)

 श्री अफन शान्तीलाल शेठ एच. यू. एफ. के कर्ता श्री मदन शान्तीलाल शेठ ए-7, अमीज्यात एपार्टमेन्ट, परीमल, एलिसब्रीज, अहमदाबाद।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां बुरु करता हुं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैट नं. ए-7, जिसका क्षेत्रफाल 157.08 वर्ग यार्ड है, जो अमीज्यात एपार्ट मेन्ट, एलिसब्जि, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रिजस्ट्रार, अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विकी सत नं. 4918/1-4-1982 है।

आर.आर.शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, सृष्ठमदाबाद

तारीच : 20-11-1982

मोहर ः

प्रकृष कार्षं , टी . एन , एस . ------

काथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) जर्जन रंज, अहमदाबाच

अहमदाबाद, विनांक 20 नवम्बर 1982

मिवाझे नं. पी. आर. नं. 2194/23-1/82-83---यतः मुझे, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000 ∕- रा. से अधिक **है** और जिसकी सं. एक. पी. 722-बी.टी पी. एस. नं. 3 और 3-5 है तथा जो हिस्सा-1, फ्लेट नं. ए-9., अमीज्योत एपाट मेन्ट, एलिसब्जि में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनु-स्ची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमेदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 अप्रैल, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफूल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीं सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रवयमान प्रतिफल सं, एसे रवयमान प्रतिफल का परवह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविभा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भौ, मौ, उक्त अभिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) को जभीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री वपकलाल परसोत्तमवास मेहता
 "अमीज्यांत" परीमल, एलिसर्जाज,
 अहमदाबाद।

(अन्तरकः)

 श्री धनस्थलाल पी पतलावाला ए-9, अमीज्यात एपार्टमेन्ट, परीमल, एलिसब्जि, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृश्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (श) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पारिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसुची

फ्लंट नं. ए-9, जिसका क्षेत्रफल 157.08 वर्ग यार्ड हैं., जो अमीज्यात एपार्टमेन्ट, एलिसब्जि, अहमदाबाद में स्थित हैं तथा सब-रजिस्ट्रार, अहमदाबाद रजिस्ट्राकर्ता बिकी खत नं. 4919/1-4-1982 हैं।

आर.आर शाह सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रजे-।, अहमदाबाद

तारील : 20-11-1982

मोहर ः

प्रारूप आई.टी.एन.एस.------

आपश्चर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ল (1) क जधान मुचना

भारत यरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 गयम्बर 1982

निदंश न पी आर न 2195/23-1/82-83---यत मुझे, आर आर शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्ण है कि अधार सम्बन्ध 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी स एफ. पी. 985/बी. टी. पी. एस 3, पालडी है तथा जो पालडी, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपादद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीस 15 अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अपिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिषित न्द्वेश्य से उक्त अन्तरण निष्टित में शस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत. उतन मिश्रीनथम के क्षीन कर दोने के मन्तरक के दायित्व में कभी करतेया उससे जनने के सन्तिशा के लिए; और/वा
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्पियों कर जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या उत्त-कर अभिनियम, या उत्त-कर अभिनियम, 1957 (1967 का 2° के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में स्विधा के निष्य ।

जतः जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अभीन नियमितियित स्वीत्रतयों अर्थात '--- 6—406 GI/82

- श्री सुरश्चेष वाडीलाल शाह
 श्रीमती सरलाक्षेत सुरशेष शाह
 श्री प्रमान सुरशेष शाह
 श्री मीतेन एस. शाह
 सगीर शालील मीतेन ल्मार, कालम्बत्यार
 डी डी जी व्यास,
 वंगला 26-ए, मौराष्ट्र मासायटी, पालडी,
 अहमदाबाद-7
 - (अनतरक) पालडी महाबीर टावर का अो .हा . सोसायटी

पालडा महावार टावर का जा हा सामायटा लि -प्रोमोटर-श्री दुर्गासिह मेधसिंह राठोर 168, न्यू क्लोथ मार्किट, रायपुर दरवाजा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यशाहियां शुरू कारता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्मक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

मकान जिसका जमानि का क्षेत्रफल 2140 वर्ग यार्ड है जो पालडी, अहमदाबाद में स्थित है तथा मब-रजिस्ट्रार, अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिक्री सत न 5668, 5669, 5670 और 5671/15-4-1982 है।

कार. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रा<mark>युक्त (निरीक्षण)</mark> अर्जन र^{*}ज-।, अहमदाबाद

तारीच : 20-11-1982 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 नवम्बर 1982

पी. आर. नं 2196/23-+/82-83**--**-यत. भूझे, आर. आर. शाह, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करों का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रः. से अधिक **है** और जिसकी संगोबिद ओरल मील है तथा जा मानावदर, जिला-जुनागढ में स्थित ही (और इसम उपावद्य अनल्यी म और पूर्ण रूप स विभिन्न ही), रिजिस्ट्रीकर्ना जिथकारी के कार्यालय, मानाददर में एजिस्ट्रीकारण अभिनिष्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 14 अपैल, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया . प्रतिफल., निम्नलिखित उद्देश्या से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कभी करने या उससे बधने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना इपिहाए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अत अब उम्रत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिधित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री भगभार नीरबाई और अन्य गांच-पेरका, तालुका-मानावदर, जिला-जुनागढ।

(अनुतरका)

 श्री पथालजी नाथाभाई चापडी बुकार कलीया ''यदुनंदन'' जनगढ़।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्टरी मकान जिसका जमीन का का केल क्षेत्रफल 8243.39 वर्ग यार्ड है, जो गोविंद औरल मील नाम से प्रचित्ति है, मानावदर, जिला-ज्नागढ़ मा स्थित है तथा सब-रिजस्ट्रार, मानावदर रिजस्ट्रीकर्ला बिक्ती खन न. 584/14-4-1982 है।

जाड ्र आर. र र सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) अर्जन रंज-ा, अहमदाबाद

नारौब 27-11-1982

मोहर :

त्ररूप बाइ टी. एन . एस . ------

जासभार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वल (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1982

निद्देश नं. पी. आर नं 2197/23-।/82-83---यसः मुझे, आर. आर. शाह,

अंग्रिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहत से अधिक है

और जिसकी स 1198-बी. 387 वर्ग मीटर है तथा जां धांधा सर्कान कृष्णनगर, भावनगर में स्थित है (और इसस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिक्रियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 26 अधीन, 1982

को पूर्वो स्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई हैं और मुम्में यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूष्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एमें अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्मतिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप से किया गया हैं ——

- (क) अन्तरण सं **हुइ किसी आय की बाबत,** उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं., उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निक्नीलिकित व्यक्तिकों, अर्थात् :--- श्री मोतीराम सुगनीमल उगाडी रसीला कम्प, नवापरा, स्मा न 341-342, भावनगर।

(अनंतरक)

2. श्री सतदास गुमानमल लाहारी नानभावाडी प्लोट नः 19, भाषनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्रत संपत्ति के अर्जन के संबंध मा कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी क्षित द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमं प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितु हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचीं

मील्कत जा भव-रिजस्टार भावनगर रिजस्ट्रोशन न । 1095/ 26-4-1982 हो।

> आरः आरः शाह स**क्षम प्राधिकारी** सहायक[े] ग्रायकर ग्रायुक्त (नि**रीक्षण)** अर्जन रोज-।., अ**हमवाबाद**

तारील : 29-11-1982

माहर :

प्ररूप आह. .टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 30 नवम्बर 1982

निक्श न. पी. आर न 2198/23-।/82-83---अतः भृक्षे, आर. आर. शह,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुट से अधिक है

अरि जिसकी स 104, की शोलिक को आ-हा सांसायटी हैं तथा जो विधानगर, भावनगर में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची मं और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 13 अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुभ्ने यह विन्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में नास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के पूल्ए; और/या
- (ब) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अन्सरणं में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधास (1) के अभीन, निम्नीलिसित व्यक्तियो, अर्थीस् :-- श्री हैदरअली जाफरअली नाथानी खुनी खांचों, महावा, जिला-भावनगर।

(अनतरक)

 श्री रामजुभाई दाउदभाई शेख बाहर की बोहराबाड, ठबुरीया चौंक, भावनगर।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्म्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मील्कत जिसका सब-रजिस्टार, भावनगर रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन न 948/13-4-1982 है।

> आर. आर. शाह सक्षम श्रिष्ठकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।,, अहमदाबाद

ता**रीस** 30-11-1982 मोहर_ः प्रस्प बाइं. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1982

निवाश न. पी. आर. न. 2199/23-1/82-83—— अतः मुझे, आर. आर. शाह,

जायकार मुधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सा प्लांट सं. 27-28 वि। कृष्णा को-जा न्हा साभायटी है तथा जा कृष्णसगर, भावनगर मा स्थित है (और इसमें उपायद्ध अनुसूची मो और पूर्ण च्या से विणित है), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रिजम्हाकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 26 जर्जन, 1982

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के खिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिगों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (वा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिक्ति व्यक्तियों, नर्भात् ह—— श्री प्रयोगचांद्र ह्रीताल आंका 3, साथानी नगर, ज्नागढ़।

(अन्सरक)

2 श्री प्रदोग क्यार रतीलाल भट्ट लक्ष्मी एपार्टमन्ट, भरदार नगर, भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध मा कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मील्कत जिसका मब-रजिस्टार भावनगर रजिस्ट्रीकर्ता रिज-ट्रोशन नं. 1093/26-4-82 है।

> आर आर शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

नारका . 30-11-1982 मोहर : प्रकप बाइ. टी. एक. एस. ------

अ।यभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र ज, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1982

निदेश नं. पी. आर. नं. 2200/23-1/82-83--अतः मृक्षो, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं. जैन दोरासर के सामने ही तथा जो नानचंद फतेंचंद स्ट्रीट महावा में स्थित ही (और इससे उपावद्ध अन्स्ची मो और पूर्ण रूप से विणित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महावा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 अप्रैल, 1982

को पूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है बौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी आम की बाबतः, उक्स अपुर्भाग्यम को अभीन कर दोने की अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी नाम या किसी भन वा अन्य कास्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था को करो जाना पाहिए का, उद्योग मा स्विभा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (१) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियां, अर्थात् --- श्री प्रतापराय श्रीभावनदास बरीया
एखा. यु. क. कर्ता
प्रताप त्रीभावनदास वरीया,
श्रीभावनदास निवास, स्टेशन होडे,
बीजापुर, (कर्णाटक स्टेट)

(अन्तरक)

 श्रीमती रमागौरी कान्तीलाल चीतालीया कन्दालिया शोरी, महुआ, जिला-भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्परित के वर्षन की सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 8-व

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस स्चना के उाजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों बा, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में पारभाषित हैं, अही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्सूची

मील्कत, मकान जो जैन दोरासर के सामने, नानचंद्र फतेचंद्र स्ट्रीट, महावा मो स्थित हो, जिसका सब-रजिस्टार, महावा रजिस्ट्रीकर्ता विकासित नं. 719/1-4-1982 हो।

> आर. आर. साह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र'ज-।, अहमदाबाद

तारीख: 30-11-1982

माहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, अहमदाबाद

अहमदावाद, दिनाक 30 नवम्बर 1982

निवंश नं. पी. आर. गं. 2201/23-1/82-83---यतः मुझे, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. स अधिक है

और जिसकी स. एफ पी. नं. 36 और 52 पैकी सब प्लोट नं. 1 1/5 है तथा जो चभीसप्र, गुलबाई टेकरा, अहमदा-बाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पृष्ट रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ला अधिकारों के कार्यालय, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 अप्रैत, 1982

को पूर्विका सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तर्गितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विद्या जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिश के निए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिमित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. 1. शी नरसिंह भवालाल नाणावटी
 - श्री दीनकर चंद्रात नाणावटी
 - 3. भ्यन्द्र चन्द्रालाल नाणावटी
 - 4 अमीत बद्लाल नाणावटी कमलाबेन, चंद्लाल नाणावटी की पत्नी तलाटा की चॉल, स्प्राप्तर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

 श्री भूपेन्द्र भगवतीप्रसाद डायर दटर ग्जरात फम पार्क प्राईवेट लिमिटोड 75, न्यू क्लोथ मार्किट, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 जिन के भीतर उक्त म्थावन सम्पन्ति में हिन्वव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधान्नस्ताधारी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका जमीन का क्षेत्रफल 600 वर्ग यार्ड है (1/5 बिन वर्गचनी किया शेर) जो चंगीसप्र, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ना बिक्री खत नं. 5951, 5947, 5942, 5936 और 5955/28-4-1982 है।

आर. आर. साह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

तारील : 30-11-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी एन एस -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-ष (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, अहमदावाद

अहमवाबाद, दिनाक 1 दिशम्बर 1982

निर्दोश न पी आर न 2202/23-1/82-83--यत मुझे, आर आर शाह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-त्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी कर यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी स सर्वों न 281/1 संटोलाइट रोड ही तथा जा
मूख्य यित्रय बस स्टीण्ड के नजदीक, अहमव्याबाद मा स्थित है
(और इससी ज्याबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से टिण्लि हो)

मुख्य यित्रयं बस स्टण्ड के नजदाक, अहमलाबाद मा स्थित हैं।, (और इससे उपाबद्ध अनुमूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित हैं),, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के टार्यालय, अहमदाबाद मो रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 रा 16) है अपीन तारीख 29 अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ज्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, एमे इध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अस्तः अस्त अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात --- श्री रामसिंह बाबाजी जीर जन्म उमीया निजय मोतायटी के नजदीक, जाधप्र, नजलपुर, सटोताइट रोड, अहमदाबाद ।

(अस्ट-स्टा)

2 माथरान तिला आनर्थ एसासियशन की/जो श्री कान्तीलाल रामदास पटोल 6-ए महावीर छाया एपार्टमेन्ट, पानची, अहमदाबाद।

(अन्तिभिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 995 वर्ग मीटर है, जो वंजल-पुर जिला अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, अहमदा-बाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्री खत न 4134/29-4-1982 है।

> आर आर शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदावाद

तारीस 1-12-1982 मोहर

प्रकृप शाई । टो० एत । एवं ----------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 2**69-व(1)** के <mark>प्रधीत नूच</mark>ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, अहमकाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 दिसम्बर 1982

निदोश नं. पी. आर. नं 2203/23-। [/]82-83--यतः मुझे, आर. आर. शाह,

श्राय हर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के स्रशीन सक्षम शिक्षकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका विश्वत बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से पश्चिक है

और जिसकी सं. 281/1 है तथा जो उमीया विजय बास स्ट्रेण्ड के नजविक, संटेलाइट रोड में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची म और पूर्ण रूप से विजित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 24 अप्रैल, 1982

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पंयह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिकल किन निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त धिविष्म के ध्रशीन कर देने के ध्रश्नरक के वायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविद्या के लिए धौर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर विश्वास्थम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिविषम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं पिया भया या या किया जाना चाहिए था, फिपाने में मृविदा के लिए.

अत:, बब, उर? अधिनियम, की बारा की 269-ग के सनुसरण में, में, उरत स्रधिनियम की बारा 269-व की उपदारा (1) के अर्थान निस्त्रतिक्कित ध्यक्तियों, स्वर्णत ाकः 7-406G1/82

श्रीमती मोतीबेन बापाजी उमीया विजय सांसायटी के नजदीक, जोधपुर, बेजलपुर, अहमदाबाद ।

(अस्तरक)

 माथेरान बीला आनर्स एसोस्थिका श्री महोन्द्र क्मार पोपटलाल शाह 6-ए महाबीर छाया एपार्टमेन्ट, पालडी, अहामदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उपन सम्मिति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :→→

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजरत में प्रकानन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यांकर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्राघोड्स्ताकारी के पास सिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाधित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 995 वर्ग यार्ड है, जो वंजलपूर जिसा-अहमवाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकी खत नं. 4140/29-4-1982 है।

> आर आर. शाह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, अहमदाबाद

तारील : 1-12-1982 मोहर : प्ररूप आर्द्द. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षीण)

अर्जन रोज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 दिसम्बर 1982

निदेश न पी. आर. नं. 2204/23-1/82-83---यत मुझे, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-रा. से अधिक **ह** और जिसकी सं. एफ. पी. नं. 281 टी. पी. एस. 22 ही तथा जो मांसम सोसायटी के नजवीक, जवाहर नगर रोड, पालडी मं स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15 अप्रैल, 1982 को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के अध्यक्षान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशल अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ल) ऐंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थातः --- श्री इब्राहीम भाई फीदादुसेन बोरा सीदी कालोनी, कालुपुर, अहमदाबाद।

(अन्सरक)

 श्री बंसीधर एपार्टमेन्ट ओनर्स एसोसियेशन डीस्ट्र्स ज्युलर्स 32/53, शांती सदन एस्टेट, दीनभाई टायर के सामने, मीरजापुर रोड, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जरें भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीत,र उक्त स्थावर सम्भित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका जमीन का क्षेत्रफाल 543 वर्ग यार्ड है, जो पालडी, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, अहमदा-बाद रजिस्ट्रीकार्ता बिक्की खत नं 5648/15-4-1982 है।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज-।, अहमदाबाद

क्षा**रीस** : 1-12-1982

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 1 दिसम्बर 1982

निद्धां न पी. आर. न. 2205/23-1/82-83--यतः मृक्षो, आर. आर. आह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एफ. पी. नं. 279, टी. पी. एस-22 हैं तथा जो मासम सासायटी के नजदीक, पालड़ी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15 अप्रौत, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्त्राकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिय नय पाया गया प्रतिफल निम्निसिश्चत उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिसित में शास्त्रिक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के वायित्व में कभी करने या उससे अपने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीस् —— श्री सलीमभाई फीदाव सेन सीदी कानोली की पोल, कालुपुर, महमदाबाद।

(अन्तरक)

 बेनुनाव एपार्टमेन्ट ओनर्स एसोसियेशन के/ओ बृीसकास जील्डर्स 32,53 शान्तिसादन एस्टेट, दीनबाई टावर के सामने, मीरजापूर रोड, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सुम्बन्ध में कोई भी वालेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्षं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (च) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका जमीन का क्षेत्रफल 536 वर्ग यार्ड मीटर है, जो मोसम सोसायटी को नजदीक, जवाहर नगर रोड, पालडी, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार बहमदाबाद रिज-स्ट्रीकर्ता बिकाश्वित नं. 5649/15-4-1982 है।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

ता्**रीस** : 1-12-1982

मोहर 👍

प्रस्थ बाइं. टी. एन. एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, जहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 दिसम्बर 1982

निदंश नं. पी. आर. नं 2206/23-1/82-83 — यत: मुझे, आर. आर. शाह, आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्नास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-रु. से अधिक है

25,000/-रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं. एफ. पी. नं. 100-ए, टी. एस. 16, प्लोट नं. 89/ए/2 हैं तथा जो एस. आर. नं. 132 (हिस्सा) शहर कोटडा, अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अमुसूची में और पूर्ण रूप से विजित हैं), रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिअस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 अप्रैल, 1982 को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उखत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा- 269-ग के अनुसरण बें, बें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधाड़ा (1) के अधीग, निम्निलियित व्यक्तियों, अधीग् :- श्री उमेबभाई जबेरभाई पटोल और अन्य के/ओ मैसर्स सी. पटोल एण्ड कंपनी, पादान चैम्बर्स, पारसी बाजार स्ट्रीट, फोर्ट, बाम्बे-1

(अन्तरक)

2. श्री मुकुददास वीट्ठलवास राठी गोकुलदास विट्ठलदास राठी और अन्य के/आं मैसर्स फोठ ठाकुरदास खीन्नपराज राठी बीवार (राजस्थान) ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के मर्जन के सिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स्व सं 45 दिम की अवधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्थाक रणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20 - कर्में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफाल 5000 वर्ग गार्ड है, जार्टा. पी. एस. नं. 16, शहर कांट्रेडा, मारगपुर, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रजिस्ट्रार, बोम्बे रजिस्ट्रीकर्ता बिकी कत नं. 711/75/21-4-1982 है।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

नारीस : 1-12-1982

महिर

प्ररूपः आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 1 दिसम्बर 1982

निदंश न. पी. आर. न. 2207/23-1/82-83--यतः मुझे, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुट. से अधिक है

और जिसकी सं. एफ. पी. नं. 300+305 सब प्लांट 30, टी. पी. एस. 3 है तथा जो कोचरब, एलिसब्रीज, अहमदा-बाद में स्थित ही (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1982

को पूर्वितत संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम् के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूमिधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिष्त व्यक्तियों, अधीत् :-- श्री कुमुद्दचंद्र धरम्जी जनानी 68, सुहाग एपार्टमन्ट, नययन्सी रोड, बोम्बे-6

(अन्तरक)

 शीतलम एपार्टमंन्ट आनर्स एसोसियशन चयरमंन~-श्री शरद अमरतलाल शाहु के/ओ 20, गांमा सोसायटी थलतेज रोड, डाइव इन सिनेमा के पीछं, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक एण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन जिसका क्षत्रफल 400 वर्ग यार्ड है जा काचरव, एलिसक्रीज, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब-रिजस्ट्रार, अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकी खत नं 6601/30-4-1982 है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

ता**रीख** . 1-12-1982 मोहर

प्रकृप बाइं. टी. एन्. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन स्मृता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-। , अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1982

निविश नं. पी. आर. नं. 2208-23-1/82-83--अतः मुफ्ते, आर. आर. शाह,

बायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं वार्ड नं 6, सनंद 30-34, प्लोट नं 152-ए ही तथा जो धीयांसोफीकल लोज, सूपानी सर्फाल के नजवीक भावनगर में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16-4-1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूं भे यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेध्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से स्विधा के लिए; वरि/या
- (क) एसी किसी अय वा किसी भून या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सृष्या के सिए;

 श्री रविशंकार मगनलाल याशिक नीनवक्षुमार चंद्रकान्त याशिक यानवाडी रोड, टोलीग्राफ आंफिस के नजबीक भावनगर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती खीयाबन अम इसानी बटलर हाउन्स, पान-याक्षी भावनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा बत संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाकिरणः - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मील्कत जिसका सब-रजिस्ट्रार भावनगर रजिस्ट्रीकर्ता रजि-ट्रेशन नं. 486/16-4-1982 है।

> आर. आर. घाह सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

मतः अव, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, भीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .—

तारीब : 4-12-1982

मोहर:

प्ररूप बाहै, टी. एन्. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 25 अक्तूबर 1982

निविध नं. पी. आर. नं. 1930/एकवी-23/11/82-83 ---अतः मफो, आर. आर. शाह,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स. नोंद नं. 3425/ए/2/ए/के-बी-है तथा जो वार्ड नं. 2, सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1982

को पूर्वित सम्पन्ति के उचित बाजार मून्य से कम के पूर्वितान प्रतिक्रत के लिए अग्निरित की गई है भौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यदापूर्वीक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे प्रत्यमान प्रतिकल है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितिमों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिए तय गया गया प्रतिकल, निश्नलिखिन उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है !---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बावत उक्स अधिनियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दासिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (अ) ऐ ी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आवकर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिशी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में मुविद्या के लिए;

अत: ग्रन, उक्त प्रश्नितियम की धारा 289-म के ग्रन-मरण में, में, उक्त प्रश्नियम की घारा 289-म की उपधारा (1) ने ग्रहीम निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रयौत्:---

- 1. श्री मोहमध असगार नूरमोहमद शेल, खुद औरसोहार-भाणु नूरमोहमद कादर शयिल का कल्समूकसयार, नाताली स्ट्रीट, साग्रामपुरा, सुरत। (अन्सरक)
- 2. विश्वकर्मा सर्विसीस, सम्रामप्रा, नर्सींग शेरी सुरत।

(अन्तरिती) कर्जनः के फिस

को यह सुधना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के घीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी प्रस्य स्पक्ति तारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पादीकरण !-- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उनत प्रवित्तियम के प्रक्षाय 20-क में परिकाषित है, नहीं भर्ष होगा को उस श्रद्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मिलकत्त जो नोद नं. $3425/\sqrt[3]{\psi}$ एके-बी वार्ड नं. 2 अप्रौत, 1982 में रिजस्ट्री की गयी है।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

तारीब . 25-10-1982

मोहर:

प्ररूप आर्ड टी एनं एसं -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 अक्तुबर 1982

निदोश नं, पी आर. न 1931/एकवी-23⁷।।/82-83 ---अतः मुफ्ते, आर आर शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी स भी एस ने 1723, नवागाम है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालयों सुरत में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

- श्रीमती मणीवेन, लीलाबेन छगनलाल प्रेमचन्द की विधवा, और द्मारो, मालीप्लीया, हरीप्रा, सूरत।
- (अन्तरक) २ श्री रमेशचन्द्रा लल्ल् भाई, बादवाली शंरी, क्षेगम-पुरा, सुरत।
 - (2) हरिजीभाइ धनजीभाई,
 - (3) भुनीबने भनजीभार्ड, गाव शाहपूर, ता. लाथी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो सी. एस न 1723, नवागाम, अप्रैल, 1982 में रिजस्ट्री की गयी हैं।

> आर, आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

अ.इ. अब , उत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

तारीस : 26-10-1982

मोहर .

प्ररूप आह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण अर्जन रोज-।।, अहमवाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 25 अक्तूबर 1982

निवोश नं. पी. आर. नं. 1932/एकवी-23/।।/82-83 — अतः मुक्ते, आर. आर. शाह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर पम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी गं. नोंद नं. 3384, वार्ड नं. 1, है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण

रूप में वर्णित हैं), रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अर्थेल, 1982

को प्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन्या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की जनसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) को अधीन निम्नितिसिन व्यक्तियों, अधित् :—— 8—406GI/82 श्री धर्मचन्द रतीलाल भवेरी, नादगुणावेन धर्मचन्द, 113-दाजी सघन, बालकेश्वर, बाम्बे-6,

(अन्तरक)

2. श्रीमती बीरमती जयन्तीलाल वासनवाला, नवापुरा, वलीया शोरी, स्रेता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरण :--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुसूची

मिलकत जो नोद नं 3384, वार्ड नं 1, सूरत अप्रैल, 1982 में रिजस्ट्री की गयी है।

जार. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर-म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

तारीब : 25-10-1982

मोहर :

प्ररूप भार्षः टी. एन. एस.-----

गामकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

अर्जन राज-।।, अहमदाक्षद

अहमदाबाद, दिनांक 26 अक्तूबर 1982

निद्देश नं. पी. आर. नं 1933/एक्वी-23/11 82-83 ——अल म्फो, आर. आर. शाह, **भायक**र अधिनियम । १९८१ (1961 का 43) (जिसे इसमे

इसके पच्चात 'सक्त अधिनियम' बहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम "पधिकारों का, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर मरपनि , जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000 रह.

से अधिक हैं

और जिसकी स नादनं 1462-63 तार्हनं. 1 है तथा जो भारवादी मोहल्ला, रास्त से रिशन है (और इसमें उपाबहन अन्स्ची में और वर्ण एव से तर्णित हैं), रिजिस्ट्री-कार्त्ता अधिकारी के कार्यालय सरत को रजिस्टीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अभीत अर्थन, 1982 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्डहै और मुक्तेय्हविस्वास करने का कारण है कि यथापृत्रीक्त संपरित का उपनित पाजार म्ल्यः, उसके दश्यमानः प्रतिफलासे, एसे दश्यमान प्रतिफलाजा पन्द्रल प्रतिष्यत में अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पति-फाल निम्नलिक्कित एवटोध्य से उक्त अन्तरण लिखित मो वास्तविक कप से ऋषित नहीं किया गया है '--

- (४) बन्तरण से हुई किसी जाय की शबत, उथत अधिनियम को आधीन कर गोने को अन्तरक को वर्ध गरू रों करों करने या प्रममें इसमें हे स्वित्त के लिए नक्ति वार
- (च) ऐंशी किसी आय गा किसी धन या अन्य उपिक्तवी को, जिन्ही भारतीय अधकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गण था या किया ाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा को लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनसरण भो., मौ, उक्त अधिनियम की धाग 269-इ की उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिस्तित व्यक्तियों, अर्थात् ---

- रमीकलाल मगनलाल की 1 श्रीमती स्लोचनाबीन, विश्वा,
 - (2) मुकंश रतीलाल, स्नील रसीदलाल, मारदाडी मोहल्ला, नानप्रा, सरन।

(4) शान्ताबेन, सांभागअन्द मगनलाल मलचन्द्र की पुत्री रायकवार्ड, वदारा, जिला सुरत।

(अन्तरक)

- 2. हस्तगीरी को-आं-हा-सोसायटीं का प्रमुख सचिव
 - (1) हसमुख भाई, त्रिकमल पटल, अयबाजी राष्ट्र, सरत
 - (2) धीरूभाई जीवनजी दशाई, गीधारो एपाटीमेन्ट, रिंग रोड, स्रत।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृयोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि गद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात निवित्त को किए जा राकांगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया ग्या है।

अन्स्ची

मिलकत जो भारवाडी मोहला, नोंद नं . 1462-63, नानपुरा अप्रैल 1982 में रिजिस्ट्री की गयी है।

> आर. शार. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्नाय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-११, अहमदाबाद

गारीस : 26-10-82

माहर:

प्रकार आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की स्वार (2005 का 4) में अविस्वार्थ

भारत सुरकार

अर्जन राज-।।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 25 अक्तूबर 1982

नि**दश** न.पि. आर. न. 1934/एक्यी-23/+1/82-83--अत मुभी, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961) का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह'), की धारा 269-घ के बधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विस्थास करते. का कारण ही कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से आधिक है ऑप जिसकी स \cdot नाद न \cdot 1255/के $\cdot 2$ और 1324 ह 3 तथा जो 0/3/13/1, नानपुरा, सूरत में स्थित हैं (और इस%उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप स वर्णित हैं)., रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैंन, 1982 को पूर्वोक्ट सम्पति के उचित बाजार मृस्य स अस के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरिए की गई है भार मक्षे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वीवन सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिवन से ग्राधक है और श्रतारक (राज्यको) और जन्तरि । (अनरितियो) के बीच ऐसे यन्तरण के लिए तय पाप म रिफ , निम्न**लिखित** उर्देश राज्यत अनारण दि उत में दास्तविक रूप से कथि। तहा किया गया है ---

- (क) जन्सरण से हुई किसी आय की शायह, उनका आधिनरम के अधीन कर दोने के सन्तरक वा दार्गियार में कमी करन था उनके बचने में यिविशा की निग्, और/वा
- (क) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1! के अधीन, निम्निखिस व्यक्तियों, अर्थातः— श्री माण्येकशाह कर्णवर्जी दरिश्री । ड्रंबर महालो, नानप्रा, म्रस ।

(अन्तरक)

याजय एपार्टामेस्ट कां-आं-हां- सांसायटी कां प्रस्तवक शी प्रमंजी भाई जसमत भाई पटोल, के द्वारा 610, महावीर एपार्टामेस्ट, अथवा लियन्स, सरत ।

(अन्त*िरती*)

का यह सूचना जारों करके प्वांकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि है। तत्मध्यन्त्री व्यक्तियां उर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, **षो भी** अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी त्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन को गारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा. अधाहस्ताक्षरों के पास निस्ति मां किए जा सकीगा।

स्थळ्डीकरणः---इसमे प्रयुक्त गब्दों तीर पदों का, जो उक्त जिम्हियम के पश्णात 20-क में परिभाणित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया। गया हैं।

अन्सूची

मिलकत जा नाद नं 1255/मी/2 और 1324/ए./बी/ी, नानपुरा अप्रैल, 1982 में रिजस्ट्री की गयी है।

आर. आर. **शाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र[ॉ]ज-।ो, अहमवाबाद

नारीब : 25-10-1982

मोहार

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-----

अभिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अधीन स्वना

भारत सरकार

भागांकिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अहमवाबाद, दिनांक 23 अक्तूबर 1982

अर्जन रंज-।।,, अहमदाबाद

निवंश नं पि. आर. नं 1935/एक्वी-23/11/82-83--अतः मुफ्ते, आर. आर. शाह, आयकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं 250/ए और बी. (पी.) है तथा जो वापी में स्थित है (और इससे उपावब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से

में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पारडी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गृह है और मुफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नृजिबित उद्देष्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण वे हुई किसी आम की बाबस, उक्स विधिनियम के अभीनु कर बोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः संब, उक्त निधिनियमं की भारा 269-ग के अमृतरण में, मैं, उक्त जिथिनियमं की धारा 269-व की उपभारा (1) के सुभीगं, नुम्मलिखित स्युक्तिकों, सुभूति :—— श्रीमती दकनानेन, भरनकुमार छोद्भाई दिशाई का पत्नी वापी, ता. पारडी।

(अन्तरक)

 श्रीमती सलमाबेन, मोहमद अमीन काजी का पुत्नी, 'सियद विल्ला' मराता मनदीर के पासे, बम्बे-400008 ।

(अन्तरिती)

का यह स्चना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इत स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाद्धकरणः - इसमें प्रयुक्त शन्यों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 250/ए और 250′बी (पी) वापी, अप्रैल, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

सार**ी**च : 23-10-1982

मोहरू 🤃

प्रकप आर्द्रः दी. एन. एस.-----

भायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के नुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण)

अर्जन राज-।।,, अहमदाबाद

अहमदाबाद,, दिनांक 23 अक्त्बर 1982

निद्धेश नं पि. आर. नः 1936/एक्वी-23/।।/82-83---अत. मुक्तें, आर. आर. शाह,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 231 रे12 (पी) पारसी, है। तथा जो बापी में स्थित हैं। तथा जो बापी में स्थित हैं। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पारडी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1982

अधान, अप्रल, 1982 को पूर्णक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वांस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का वन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिचित उद्दोह्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बानस, उक्त मधिनियम के अधीन कर दीने में अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँड/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर मिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था डिपाने में सूरिक्शा के हिए:

अतः जब, उक्त वीधनियम की धारा 269-य के वनुष्ठरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिनिस क्युक्तियों, अधीत् :--- श्री जनाराम मांसायटी और उनका भागीदारों, कापी, ता. पारडी ।

(अन्तरक)

2. श्री चीभनलाय सावचन्द दाझा और द्सरो, बाम्बं। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध म कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में ये किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्वष्क्रीकरण —-इसमे प्रयुक्त रुब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अधि होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकात जो एस. नं. 231 ± 12 (पी) वापी, अप्रैल, 1982 में रिजिस्ट्री की गयी है ।

आर. आर. धाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रा**युक्त** (निरीक्षण) अर्जन र[े]ज-।।, अहमदाबाद

तारीख: 23-10-1982

मोहर:

प्ररूप आईटी.एन.एस ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-६ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र्ज-।।,, अष्ठमवाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 23 अक्तूबर 1982

निद्देश नं, पि. आर. नं. 1937/एक्की-23/11/82-83--अत: मुक्ते, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं. न. 422, 426, 427, 442, 443, 447 (पी) है तथा जो चाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीक तो अधिकारी के कार्यालय, पारडी में रिजस्ट्रीक रण अधिनियम, 1961 (1961 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1982

को पूर्विवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुफ्ते यहविष्याम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल तो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण मं हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए।
- ं अतः अब, उत्त अधिनियमं की धारा 269-ग के 'अन्सरण में, में. उत्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 स्वस्तिक लानड इवलपमें का को पेरियान, भागीदार श्री मणेकलाल भगवान वास रेडाय वाला और दूसर, कांक सफाली रोड, सुरत ।

(अन्तरक)

2. श्री नीतीन कामार अमृतलाल राखांड और दासरों, ग्रामाद, ता. यारही।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदा का, जे। अक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मिलकत जा एस. नं. 422,426, 427 (पी), चाला, अप्रैल, 1982 में रिजस्द्री की गयी है।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, अक्षमदाबाद

नारील : 25-10-1982

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार कार्यात्रय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 अक्तूबर 1982

निवंश न पि. आर. न. 1938/एक्त्री-23/11/82-83--अतः मुक्ते, आर. आर. शाह,

आयकर जिथिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने दा कारण है िक स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- छ. से अधिक **ह**ै

और जिसकी सं. नं. 422, 426, 427, 442,, 443, 447 (पी) ही तथा जो चाला में स्थित ही (और इसमे उपादद्ध अनुसूची मा और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकार्ता अभि-कारी के कार्यालय, पारडी में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1982

को पर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इर्थमान प्रतिफल से ऐसे इर्यमान प्रतिफल का पन्ग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल., निम्नलिखित उव्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित मा कमी करते या उससे बचने में सदिया के लिये और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 **क**ा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए:

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) क्रो अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. स्वस्तिक कानड डोवलमन्ट कार्पोरशन, भागीदार श्री सर्गकालाल भगतान्दास राज्यम नामा और दासर

(अन्तरक)

2 भी अमृतलाय वालाभी रालांड और द्सर, कें द्रारा अमृतलाल नालकी राजांड, भागीदार, ओरबाट । ता. पारडी ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

मिलकत जो एस. नं. 422, 426, 427, 442, 443. 447 (पी) चाला, अर्प्रैल, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।। अहमदाबाद

तारील . 25-10-1982 मोहर:

प्ररूप नाइ . टी. एत्. एस. -----

कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 49) की पारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॅज-।।,, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 अक्तूबर 1982

निदेश सं. पि. आर. नं. 1939/एक्वी.-23-11/82-83---यतः मुक्ते आर. आर. शाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 176 है, तथा जो अनक लेक्बर में म्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिषस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अनकलेक्बर में भारतीय रिषस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पिति का उचित आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मी सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए; और/या

 श्री अयन्तकुमार मंगनलाल विसार्धः, दोशाही पुलिया, अनकलेख्याः।

(अन्सरक)

- 2. (1) श्री सैयद नासरली मोहमदाली इनामदार, इमानदार होस, अनकलं अवर,
 - (2) श्री ताकोरलाल हीरालाल चोकशी, चोकशी बाजार, अनकलेश्वर।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथा कित सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिक्ति में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:--क्रममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह*, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

मिलकत जो एस. नं. 176, एप्रील, 1982 में अनकलेखर सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में रिजस्ट्री की गयी हैं।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात —

वा**री**ख: 26-10-1982

मोहर ः

प्ररूप आर्च .टी .एन ..एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के अभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रॉज-।।,, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 अक्तूबर 1982

निदोश मं. पि. आर. नं. 1940/एक्वी.-23-11/82-83—यत. मुक्ते, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं अपेर जिसकी सं 154, 175 है तथा जो अनकलेशवर में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अनकलेश्वर

अधीन, तारील अप्रैल, 1982
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्ति हित की गई है और मूक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्तु संपित्त का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण
निक्तित में वास्तिक रूप से काधित नहीं किया यथा है —

में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या कन्य आस्तियों कर जिन्हों भारतीय आयकर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिहरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जिनाने में सुनिया के तियः

अतः शब, उक्त विधिनियम, की भारा 269-ए के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अभीत् :--9-406GI/82

- 1. (1) श्री कृष्णकान्त मगनलाल बँशाई,
 - (2) श्री हारोन्द्र मगनलाल दोशाई,, देशाई पुलिया, अनकलेश्वर।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री ताकोरलाल हीरालाल चोकषी, चोकषी बाजार, अनकलंश्वर,
 - (2) श्री सैयव नसीरली मोहमवली ईनामदार, ईनामदार हाँसा, अनकलेश्वर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परितृ के शूर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हित-बृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहरताकारी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकर्ण् । — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, विश्वित्तवम् के बध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं वर्ष ह्योग को उस मध्याय में दिसा गया हैं॥

अनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 154, 175 बिकक्तित नं. 1356, 1357, 1358 और 1359 पर एप्रील, 1982 में अनकलेश्वर सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गयी हैं।

> श्रारः श्रारः शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज-।।, अहमदाबाद

तारील : 26-10-1982 मोहर ध

प्ररूप भाई • टी • एम • एस •

धायकर धिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के धिरीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-11,, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 25 अक्सूबर 1982

निविश सं. पि. आर. न. 1941/एक्की -23-11/82-83---यतः मुक्ते, आर. आर. शाह,

जायकर घ्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घ्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजिन बाजार मूख्य 25,000/-रुपए से घ्राधिक है

और जिसकी सं 155/2 है, तथा जो अनकलेशवर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं)., रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अनकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन, तारील अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्नरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पत्रह प्रतिकृत स्पित्रक है ग्रीर प्रन्तरक (प्रस्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐपे ग्रन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त ग्रन्तरण लिखित में शास्तविक रूप से कथित रहीं किया गया है:——

- (कं) जन्तरण से हुई किसी आय की नावत उक्त अधि-नियम के अभीन कर बोने के ज्न्तरक के वायित्व में कैमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; जरि/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

चतः लब, उक्त प्रश्वितियम की घारा 269-ग के प्रमुसरक में में. उक्त प्रधितियम की प्रारा 269-ल की उपचारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— (1) श्री कृष्णकान्त भगनलाल दशाई,
 दशाई प्लिया, अनकलश्वर।

(भ्रन्तरक)

2. (1) श्री ताकोरलाल हीरालाल चोकपी, श्रोकषी बाजार, अनकलेश्वर,

> (2) श्री सैयव नसीरली मोहमवली ईनामदार, ईनामवार हाँस, अनकलरेवर।

> > (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्षवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की भ्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) हम यूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों हा, जो उक्त श्रवि-नियम, के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में विधा गया है।

वनसूची

मिलकत को एस. नं 155/2 (स्तीथ 1354, 1355) एप्रील, 1982 में अनकलेश्वर, सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गयी हैं।

> आरः आर∶ शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-ाा, अहमकाक्षद

तारीस : 26-10-1982 महिर : प्रारूप आई.टी.एन.एस.-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 23 अक्तूबर 1982

निवोश स. पि. आर. नं. 1942/एक्बी.-23-11/82-83---यत' मुक्ते, आर. आर. शाह,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूठ. से अधिक है

और जिसकी स सी. एस. न. 4919, बी है, तथा जो तीतल रोड, वलसाड में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वलसाड में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अपैन, 1982

को पूर्वोकन सपित का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितियो) के बीच एमे अनत्रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

 श्रीमती माकीबन संवकशाह धैयुरा, होण-बी-वथ्-गणबो, स्ट्रीट फोरट, बाम्बे।

(अन्तरक)

- (1) श्रीमती जयाबन वालजीभाई शाह, हालार राड, बलसाड,
 - (2) श्रीकान्तीभाई गोविन्दजी चीपवाड², वलसाड।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त मर्पास्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सर्पात्त के अर्जन के संबंध मा कोई आक्षेप :--

- (क) इस मूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध विस्ती अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिलित में किए जा सकर्ग।

स्पट्टीक रण:--इसमा प्रयुक्त कल्दों और पदो का, ओ उन्स अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मा दिया गया हो।

अन्स्ची

मिलकत जा सी. एस. नः 4919/बी., तीतल रांड, यलसाड, अर्थन, 1982 मं रिजस्ट्री की गयी है।

आर. आर. काह मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, अहमबाबाद

अंत: अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वत व्यक्तित्यों, अर्थात् :--

तारीस 25-10-1982 माहर प्ररूप बाद्रे. टी. एन. एस..-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ख (1) की अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनाक 26 अक्तूबर 1982

निदंश स पि आर न 1943/एक्वी-23-11/82-83--अत मुभ्ते, आर आर. शाह,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रह. से अधिक है

25,000/ - पा. स जायक है जार जा आली मा स्थित है और जिसकी स व 34 है तथा जा आली मा स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप मे वर्णित है),, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बोच मो भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सृतिधा के सिए;

शतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, वर्धात् ८—०

- 1... श्री नारसीनह सोमिथन नाक्म, 2.ा कुमानसीनह सामसीनह नाक्म आली, ब्रोच। (अन्तरक)
- 2 नारायणनगर, नीलकानत महाबोब के पास। गूजरात हाँसिंग वाडो, बोच। (अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकोंग।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

मिलकत और एस ुनं च 34, आली, अप्रील, 1982 में इजिस्ट्री क्री गरी हैं।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्द्रीक्षण) अर्जन रूजि-११, अहमदाबाद

तारीख : 26-10-1982 मोह्यु :

भुक्ष्य वार्ड्ः टी. एन्. एक_{्र}-----

भायमर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के धमीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-≀ा, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 अक्तूबर 1982

निवरेश सं. पि. आर. न. 1944/एक्वी-23-11/82-83--अत मुफ्ते, आर. आर. शाह,

भायकर श्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्रीधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति, जिसका उचित बाजार मुक्य 25,000/-४० से अधिक है

और जिसकी स न 152/2-बी है, तथा जो उन्ग्री में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ब्रोच में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्राष्ट्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे दे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के शिए;

वतः वन, उक्त विभिनियम की धारा 269-ए कै वनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीम क्षेत्रकालिक व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. 1. मुसा मारयुद ई बृहिम बाबर माती, डुग्री ।
 - 2. अलीभाई अबाम-काढोपो, बोरभनदो, बोच ।
 - 3. आवम उमाजी अबाम-काळोपोर, बोरभनव, बोच।
 - 4. अहमद उमाजी अबाम-काढोपोर, बोरबनद, (अन्तर्क)
- 2. दी बाम्बं पटोल बेलफोयर सांसायटी । ट्रस्टी श्री मोहमदभाई इसिमोयिल पटोल, मानी (ड्राग्री) ड्राग्री, ब्रांच । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पृत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा लकेंगे।

स्पव्यक्तिक्रणः ----इसमें प्रयुक्त शृब्दों और पदों का, जो उक्त श्रविनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा जो उस श्रव्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 152/2-बी, ड्रापी, अप्रैल, 1982 में रिजिस्ट्री की गयी हैं।

भार आर काह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

ता्रीखः 26-10-1982

महिरु 🖫

प्ररूप आर्ध टी एन एम्स ------

आयकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रज ।।, अष्टमदाबाद

अहमदाबाद, दिनान 26 अक्तूबर 1982

निदाश न भी आर न 1945 एदमी-23-11/82-83 ---यत मुर्फे, आर शार दाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसको परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रा संअधिक है और जिसकी रा न 8, आली है, जा बराडा म स्थित है (और इसम उपावदथ अनुरुची मा और पूर्ण रूप स वर्णित हो), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारा क कार्याय, बराष्ट्रा म भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारींग अधीन, 1982 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफोल के लिए अन्तरित की गर्दा है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत न आंधक ही और असरक (अतरको) और असरिती (अन्तरितीयों) के बीच एरेंस अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप स कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण स हर्ष्ट किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (स) एसे िकसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों का जिन्हा भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए।

 श्री सामा भाई नारायण भाई प्रजापति बाच।

(अन्तरिती)

 स्वस्तिक कांभीरीशन का भागीदार, जसुबेन अम्बालाल डालवाडी, आली,ब्रोच।

(अन्त**िरती**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हू ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो आली एस न 8 (पी) जमीन, अप्रैल, 1982 म रजिस्ट्री की गयी है।

> आर आर शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियाः, अर्थात —

तारीय 26 11-1982 गोहर प्ररूप आई., टी. एन. एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त ((निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निष्येश सं. पी. आर. नं. 1946/एक्वी-23-11/82-83 --- यतः मुक्ते, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अर्थिक है **और जिसकी** सं. नं. 97/2 , प्लाट नं. 4 है, जो नीजामप्रा, बेरोडा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालये, बेरोड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय 12 अप्रैल, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्सरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उददोश्यों से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिषधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- श्रीमती नलनाबन स्थ्सूदन भगत क्ल्यमृक्तयार, पृष्यचन्द्रा एल. भगत, बराडा।
- (अन्तरक)
- असना कां-आ-हा-मांसायटी प्रमृह ज्ञानतीलाल एम. मिस्ती जानी ओंकद्रोयी नाका के पास, बेरोडा।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विस्त व्यक्तियों में में कि मी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकंगे।

स्पव्यक्तिरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मिलकत जो बेरोडा (चानी) जिसका नं 97/1, जिसका माप 6318, चोरम बार बिक्कीबत नं 2508, तारीख 12-4-1982 में सब-रिजस्ट्रार, बेरोडा के कार्यालय में रिजस्टी की गयी है।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निर्गक्षण) अर्जन रॉज-११, अहमदाबाद

तारील : 10-11-1982

मोहर :

र कर्मा अस्ति प्राप्त कर्मा कर्म प्रकृष आर्द्ध हो , एन , एस . ------ । थी पीताम्बर भाई पुरुगोत्तमदास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जा-।।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, विनांक 10 नवम्बर 1982

और जिसकी सं. 885 है, जो बावला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धालका में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनिवम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 15 अप्रैल, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

 थी पीताम्बर भाई पुरुगोत्तमदास प्रजापति, वालनद पुलिया, बावला, जिला अहमदाबाद।

(अन्तरक)

 श्री नलीन प्राणलाल वीधागर और दूसरो 19, सर्थि सासायदी, नवरंगप्रा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है [1]

भनुसूची

जमीन जो बावला एस. नं. 885 जिसका माप 1 एक अपर 31 गूंठा, सब-रजिस्ट्रार धोलका के कार्यालय में बिकी-खत नं. 385, तारीख अप्रैल, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> आर. आर. शाह मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-ा।, अहमदाबाद

तारीख : 10-11-1982

मोहर 🖫

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणः में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निवेश सं. पी. आर. न. 1948/एक्वी-23-11/82-83 --यतः मुक्ते, आर. आर. आह.

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 884 और 885 है, जो बाबला में मिथत हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धोलका में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितीयो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

भी गोविन्थ भाई पुरुषात्तमदास प्रजापति, बालानेद पुलिया, बावला, जिला अहमदाबाद।

(अन्तरक)

श्री भासकर प्राणलाल विभाकर
 त सौरभ सोसायटी, नवरगपुरा,
 अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितसक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

मिलकत जो भावला जिसका एस नं. 884,855 जिसका माप 2 एकड और 10 गण्डा जमीन बिक्रीवत नं. 383/82 सब-रिजस्ट्रार थॉलका के कार्यालय में अप्रैल, 1982 में रिजन्स्ट्री की गयी है।

आर. आर. झाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, अहमदाबाद

तारीख : 10-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्ाक्षण) अर्जन रोज-।।, अहमदाश्राद

अहमदाबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निदेश सं. पी. आर. नं 1949/एक्वी-23-।।/82-83 ---यतः मुभ्ते, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात कित्र अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स. न. 2202 है, जो नडीयाड में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप स बीर्णत हैं), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गडीयाड में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 3 अप्रैल, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्व है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- '(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269- च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निजियित व्यक्तियो, अर्थात् --- प्रमोद भाई राम भाई पटेल, नडीयाह।

(अन्तरक)

 अयाध्यापुरी को-ओ-हा-सोसायटी अध्यक्ष श्री टी. आर कल्ला, नडीयाड, जिला-क्रोलिश।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वीक्त सम्पुरितः के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्मित्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫 —

- (क) इस सूचना के राज्यम् में प्रकाशन की तारीस से 45 विम की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- '(स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाषित, ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्री

जमीन, जो नडीयाड, एस ्नं न 8006, 3259 चोरस मीटर में स्थित हैं। जो सब-रिजस्ट्रार निडयाड के कार्यालय, में विक्रीचत नं 3218/3-4-1982 पर रिजस्ट्री की गयी हैं।

आर आर घाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुवस (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

तारीस : 10-11-1982

अरूप आई. तटी. एन तएस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निदोश सं. पी. आर. नं.1950/एक्वी-23-।।/82-83 ~ यतः मुभ्ते, आर. आर. शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

आर जिसकी मं. 885, 886 है, जो बावला मं स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मं और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धोलका मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15 अप्रैल, 1982

करं पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सूल्य से कम के दृश्यमान भितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया। प्रतिफल, निम्निलियित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण भे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसिस त्यिक्तियो, अर्थात् --

श्री कानजीभाई पुरुषात्तमदास
 11, डुरग नगर सांसायटी,
 बावला, जिला अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. प्रीसीपन टौकलोटौब प्राइविट लिमिटोड और-बूसरो, 24, समर ता एपाटमेंट्स, खात उद्योग भवन क पास, अहमदाबाद-3800014 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के नबध म कोई भी आक्षप ---

- (क) इस मूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दि। दी अवधि, जो भी अवधि बाद मो समाण भोती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियो मो स जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस भूषना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराह 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकर्ण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के शध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुकी

जमीन जो चावला एस र 885 और 886 जिसका माप 2 एकड़ 28 गूण्डा, धिकीमत न 386/82 सब-रिजस्ट्रार धोलका के कार्यालय में रिजस्ट्री की गयी है।

> आर. आर. काह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रॉज-ा ा , अहमदाबाद

सारीस : 10-11-1982

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 नवम्बर 1982

निदंश सं. पी. आर. नं 1951/एक्बी-23-।।/82-83 ---यतः मुफ्ते, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं नं 78/1 है, जो जेनलप्र, बेरांडा में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेरांडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1982

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अनतरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६--

- 1. श्री महोश रोमाकानम हारीथकनी, गडीयाली पोल, बेरोडा,
 - 2. चन्द्रवती रमाकानम बेरोडा।
 - रमाकानम रतनलाल बेरोडा।

(अन्तरक)

2. मैंसर्स इनिडा नीपाण कौमिकल्स कम्पनी लिमिटोड 18, न्यू मरौधिन लाइन्स, बम्बई-400020

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित्स के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्ष्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्योकरणः-- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अक्षाय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन और मकान जो जेनलप्र में जिसका एस. नं. 78/1 माप 2054 चारस मीटर ध्वाइला म्ल्लीय रह. 465692 में बिकीखत नं. 2297, 2296, 2299 सब-रिजस्ट्रार बेरोडा का कार्यालय में अप्रैल, 1982 में रिजस्ट्री की गयी है।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।।, अहमदाबाद

तारीय : 10-11-1982 मोहर् :: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 10 नवम्बर 1982

निवंश सं पी. आर. न.1952/एक्वी-23-11/82-83
—-यतः ग्रुफे, आर आर. शाह,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थायर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रूत. से अधिक है

और जिसकी मं नाद नं. 2439, वार्ड नं. 3, है तथा जो टेंडवारी शंरी, मूरत मं स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची मं और पूर्ण रूप मे विर्णत हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, सूरत मे भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1982 प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, एक्पाने में सूबिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन, निम्नुलिस्त, व्यक्तियों, अर्थक्त :--

- 1 . 1 . ग्⊂ाबबेन , मोहनलाल गोविन्ददारा की विधवा , माडवाली शेरी , मालाबनप्रा , सुरत≀
 - शान्तिबंन मुगगलाल, माहनलाल गाँविन्दराय की पुत्री, पीपरीडी शोरी, सलाबनप्र, मुरत।
 - कलावती चम्पकलाल, माहनलाल गांचिन्दराय का प्त्री, कन्वाशेरी, सग्रामप्रा, स्रत।

(अन्तरक)

 श्री इंश्वरलाल मूलचन्ददास गुनना शरी,, सग्रामपुरा, स्रतः।

- (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृथों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उचतः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वृद्धी कुन होता को उस कुन्यास में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोंद न 2439, जो माडवेली शेरी, सालाबन-पुरा, अप्रैल, 1982 में रिजस्ट्री की गयी है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक **भायकर** भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

तारीख 10-11-1982 मांहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।।, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निद्देश सं. पी. क्षार. नं. 1953/एक्बी-23-11/82-83 ——अतः मुभाः, आर. आर. शाह, आयकर ऑधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं और जिसकी सं. न. 4713, आर. एस. नं. 160/3, है, जो वार्ड न 1, छपरा राड, नवसारी म स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्युक्ती भा और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), र्राजरद्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1982 को पूर्वा कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उदा अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नितियन व्यक्तियों, अर्थात्:--

- श्री गुणवन्त भाई भूला भाई अमृत भाई भूला भाई पटोल का कर्त्ता और कालमुख्सयार, गकाल निवास लानसीकायी, नवसारी।
 - (अन्तरक)
- 2. (1) श्री मणीभाई दया भाई नायीक, देशाई पुलिया वेजलपरा।
 - (2) श्रीमति कोकीलाबेन ऱाजेश देशाई, आशानगर नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी कक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्कृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्थव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया हाँ।

नन सची

मिलकत नं जो टिका नं 4713, एस. नं. 160/3, चापा रोड, नवसारी अप्रैल, 1982 में रिजस्ट्री की गयी है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन र^नज-।।, अहमदाबाद

तारीख : 10-11-1982

मोहर .

प्रस्प गाई• टी• एन• एस•~-

भावकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीत सूचना

मारस सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॅज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 नवस्बर 1982

और जिसकी सं. आर. एस. नं. 29व 30 है, जो मकतामपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, कृष में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1982

को पूर्ण कि अधान, अप्रलं, 1982 को पूर्ण ते समसे दृश्यमान प्रतिफल के पूर्ण मरादिफ के उचित बाजार मृख्य से कमके दृश्यमान प्रतिफल के लिए मरादिफ की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परदूर प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया अनिफल, निम्नलिखित के देह ये उकत सम्तरण कि जित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है।——

- (क) भन्तरण में हुई किना प्राप्त की बाबत, उनत अधि-नियम के भ्रधीन कर दने के भन्तरक के वायक्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (च) ऐसी किसी माय या किसी बन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या भ्रत-कर ग्रधिनियम, या भ्रत-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के क्यीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री मोहमदहसैन गुलामहा्सैन मोमी,
 - (2) पन्नालाल मनाहरलाल मोकार, कबीरप्रा, जिला बोच।
 - (3) न्यू सोजल एन्टरप्राईस, ब्भदेव मार्केट, ब्रोच।

(अन्तरक)

2. श्री राज्भाई पी. पटेल, राधाकृष्णनगर को-ओ-हौ सोसायिटी का प्रमुख, मकतामपर, बोच।

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त पम्पत्ति दे अर्जन के लिए कार्यवाहियो गुरू करता हूं।

उश्न सध्यन्ति के श्रर्जन के पन्वस्थ म होई या आक्षर :→-

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकन व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उका स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य अथिकत बारा अधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणा---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधि -नियम के बाध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो खन श्रुक्त से दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो आर. एस. नं 20-29, और 30, माइताभ-पूर, अप्रैल, 1982 में रजिस्ट्री की गयी है।

> आर आर काह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोजें-।।, अहमदाबाद

तारील :: 10-11-1982 भोहर : प्रक्ष काई.टी.एन.एस.-----

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निद्धांस. पी आर. नं 1955/एक्की-23-।।/82-83 --अतः मभ्हे, आर आर शाह,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रा. में अधिक है

और जिसकी सं न 93/1घ93/2 है, जो इ भी मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुस्ची में और पूर्ण रूप से विणित है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दोच में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1982

को प्यों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रिक्षिक के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्यों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) को बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिक कत निक्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियी द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) हो अधीन, निस्त्रचिक्ति व्यक्तियों अथितः-- श्री इ ममियित आवम अहमद गायन, इ समियिल इ ब्राहीम अहमद, मोहमद म्मा असमाल गायन ड ग्री-तह, ब्रोच।

(अन्तरक)

2. भूमि डवलपमेन्ट कारपारोशन का भागीदार श्री भक्भाई जीवाभाई पटेल, कृष्ण नगर सोसायिटी, बोच।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जभ के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ , जो भी
 अविभ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों भे से किमी व्यक्ति द्वारा,
- '(च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 सिवित में किए जा सकेंगें।

स्थळीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

मिलकत जो में नं 93/1, 93/2 डा्ग्री, अप्रैल, 1982 में रिजिस्ट्री की गयी **ह**ै।

> आर आर हाह सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

तारीख : 10-11-1982 मोहर : प्रकप माई∙ टी० एन∙ एस∙--

आयकर **भिवित्यम, 1961 (1961 का 43)** की धारा **26% व (1)** के **भिधीत सूच**ना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयक र आय्क्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-।।, अहमवाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निद्यो स. पी. आर. न. 1956/एक्वी-23-11/82-83
---अत मुक्ते, आर. आर शाह,
धायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चान 'उक्न प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्रधिकारी को बह विश्वास करने का कारण
है कि त्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/क• में प्रधिक के

और जिसकी स नोद नं 1346, वार्ड न 6, जादारवड़ी है, जो स्रत में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, स्रत में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अर्जल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार पूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रवापवींका प्रम्पति का उचित बाजार मूल्य, उपने वश्यमान पतिफल ने ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह पिल्मान से क्षिज्ञ के घीर ध्रम्तरक (ध्रन्तरकों) और पन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ध्रम्तरण के लिए स्य पाया गया पतिफल निम्निखित उद्देश्य से उक्त ध्रम्तरण कि लिए स्य पाया गया पतिफल निम्निखित उद्देश्य से उक्त ध्रम्तरण कि लिए स्य पाया गया पतिफल निम्निखित उद्देश्य से उक्त ध्रम्तरण कि लिए स्य पाया गया कि

- (क) अन्तरण ने हुई किसी साय की वावत, कक्स शिवित्यम के राष्टीन कर देने के सम्हरूक के पर्णबह्य में कृशी करने गाउसके दवने में सुविधा क लिए, सौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राप या किसी धन या मन्य भास्तियों
 तो, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या
 धनकर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के पनोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 भवा या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 स्थिश के निर्णा

- (1) श्री कान्तीतास हीरालाल, सैनेजर और कर्ता, एथ यू. एफ.,
 - (2) चन्द्रकान्साबेन कान्सीलाल और दूसरो, सोनावाला विलिडग, 2-बी, ब्लाक, पहला मिजला, नारदेओ, बाम्बे।

(अन्तरक)

- 2 (1) श्री नाकोरभा<mark>र्द्ध वीनसभार्द्ध पट</mark>ेस।
 - (2) श्रीमती मंजुलाबेन नाकोरभाई पटोल स्तेष्ठ सुपूत्री सांसायटी, अडाजन रोड, स्रत।

(अन्तरिती)

को यह मूचना वारी करके पूर्वीका समाति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के पम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख ने 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जी भी अविधि बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत स्थानियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजाब में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध श्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त जस्दा और पर्वो का, जो उकत बिश्वित्यम के भ्रष्टयाय-20क में परिभाषित है, यही प्रयंहीमा त्रो सम श्रद्धवाप में दिया नया है।

जनसंची

मिलकत जो सुरत से नंबीन 1346, वार्ड नं. 6. जदा-सडी अप्रैल, 1982 से रिजस्ट्री की गयी है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)∎ अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

तारीच 12-11-1982 मोहर

प्रकाप बार्ड .टी .एन .एस्., -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॅज-।।, अहमदावाद

अहमदाबाद, दिनाक 12 नवस्बर 1982

निवंश स पी आर न 1957/एक्वी-23-11/62-83 --अत मुफे, आर आर शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

269-ख के अधान सक्षम प्राधिकार। का यह विषया करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी स आर एस न 317 (पी) कटासन है, जो सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के व्यानिय, स्रत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के व्यीन,

अगस्त, 1982

को पृशेकित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिन की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्योक्त संपर्तित का उचित साजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखिस में वास्त- विक हम में विश्वत नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्तरण नंतुर्क किसी नाय की बाबन, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां करे, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना वाहिए था छिपाने में स्विभा के सिए,

अत अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की, अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— 1 श्री शान्तीसाल धोरी भाइ पटल भानुमती छाटाभाई का क्लम्बस्यार, 30065, सहयाग सोमायिटी, मुम्ल डायरी रोड, म्रत।

(अन्तरक)

2 श्री भी साभाई सामाभाई पटल, कृष्ण सिनेमा के पास, भारत राम होलेरा सुरत

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना वारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुधारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटिकरणः - इसमें प्रयुक्त कव्यो और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो कटोसन, बार एस न 317 (पी) अप्रैल, 1982 में रिजस्ट्री की गयी है।

आर आर बाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

नारीस 12-11-1982 मोहर :

प्रकल आहाँ, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-।।, अहमदाबाद अहमवाबाद, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निदेश सं. पी. आर. नं. 1958/एक्बी-23-11/82-85 --अतः मुझे आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी स. आर. एस. न. 27, नयी प्लाट है तथा जा नं. 240, नयसारी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मं और पर्ण रूप संवर्णित हैं), रिजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्द्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अभीन अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफेल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, नम्नलखत उबुदिय से उक्त अन्तरणि लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सुनिधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए।

अत: अब उक्त अधिनिवम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन , निम्नलिबित व्यक्तिकों , वर्षात् :---

1. श्री मोहनसास छण्नसास डुभसावाला, मोहननगर, गीतान्जली, सिनेमा के सामनं, वरास्त्रा रोड, सरत।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री भगवान भाई धनजीभाई।
 - (2) कालीबेन जीवनभाई, कांहीन्र सोमायदी, वराछा राड, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगाजो उस अध्याय में **वि**या गया है।

अम्सूची

मिलकत जो आर. एस. न. 27, न्युप्लाट न. 240, नव-सारी, अप्रैल, 1982 में रिजिस्ट्री की गयी है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-११, अहमदाबाद

ता**रीन** : 12-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज-११, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निदोश सं. पी. आर. न. 1959/एक्बी-23-।।/82-83 ---अतः मुक्ते, आर. आर. साह.,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमं इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धांग 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 528/9, नं. 1, सुरत है तथा जो सुरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और एर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, मूरत में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उच्च अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- उन्निधनदनगर अवलोपमेन्ट कार्पीरोशन वास्ते श्री हस-मुखलाल राइचिनद शाह, नवसार।

(अन्तरक)

 श्री राम एपार्टमेन्ट को-ओ-हौ सोसायिटी का प्रमुख श्री इन्विदन कान्तीलाल रावल।

(अन्सरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वाक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध मं कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नांद न 528/9, वार्ड-1, सुरत अपैल, 1982 में ट्राजिस्ट्री की गमी है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, अहमदाबाद

सारीब : 12-11-1982

मोहर ∄

प्रकथ आई • टी • एर • एस • - -

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 नव्म्बर 1982

निदंश सं. पी. आर. गं. 1960/एक्वी-23-।।/82 83 ---अतः मुझे आर. आर. काह,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269- छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास कारने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संे ब्लाक नः 143 है तथा जो अडलण मो स्थित है (और इसमें उपायम्ध अनुसूचि मो और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर मो रिज-म्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-4-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत की निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त सन्तरण निम्नलिशित में वास्त्रिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई जिसी बाय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरल के टायिट्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (ण) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ बन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में मृतिधा क लिए,

शतः स्था, उनते विधिनियम की भारा 269-ग की, वनुसरण को, मों, उनते विधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन, निस्निविद्या व्यक्तियों, वर्धात् ∷——

- शीमती भानुक्रती वनकाम भाई, जमीयन प्रा, त. गांधीनगर.
 - (2) जंठालाल **जायीनराम**

–व**ह**ी−

(3) म्केशभाई गुठालाल,

–व**ह**ी– –५ही–

(4) हनसर्वन मुक्तेशभाई,(5) कान्तावन जेठालाल पटोल,

-व**ह**ी-

(6) गणशाम भार्ध जेठालाल

--बहाे-(अन्सरक)

 पाठनगर का-आ-हाँ-सोसायटी के द्वारा भाणभाई बाबुलाल पटेल,
 त, सरदार पटोल कालांगी,
 अहमदाबाद।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके प्वांकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इन सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, भे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो अडालण में ब्लाक नं 143 में स्थित है, उसका विस्तार 5 एकड़ 11 गूंठा है, जो बिकीखत नं 618/3-4-82 पर सब-रिजस्ट्रार, गांधीनगर के कार्यालय में रिजस्ट्री की गयी है।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

ता**र**ीब : 30-11-1982

प्ररूप बाहै.टी.एन.एस.------ग्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)की भारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमबाबाद, विनांक 30 नवम्बर 1982

निद्देश नं. पी आर. नं. 1961/एक्बी./23-11/82-83--जतः मुभ्ते, आर. आर. शाह, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), नी धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- घ्यये से अविक है उचित बाजार मुल्य' और जिसकी सं. ब्लाक नं. 829 (पी) और 854 है, तथा जं अडालज में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13-4-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमाः अतिकत का स्टब्ह प्रतियान अधिक है और प्रस्तरक (जन्तरकों) भौर भन्तरिती (अस्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिफल, तिम्तलि विक उद्देश्य से उक्त प्रत्तरम ।लखित म शास्त्रविष्ट भा 🕆 कथित नहो निया गया है :----

- (क) अन्तरण म हुए किसी आध की बबत उपन विधि-तिएन के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिल में कथा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय था किसी धन या भन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय याय-कर प्रधिनिगम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुबिधा के लिए;

धत: भव, उक्त प्रधिनियमं की धीरा 269-ग के भन्सरण में, में उन्त मधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

1. भी सकामार अवरानव रार्ड, जी-3, बीलचन्द्रा एपाट मेस्ट्र, वासना, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. मेनका को-ओ-हा-सोसायटी के द्वारा भी पी. वी. भाटिया, 2, कौलाश सोसायटी, नवरंगप्राः, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उनत सम्यत्ति के अर्जा के स्थन्य में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या नर्लाबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंग ।

स्**राष्ट्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त सम्दों** घीर पत्नी का, जा उक्त परिन नियम के अध्याय 20- ह में परिभाषित है, बहा पर्य होगा, जो उस प्रस्थाय र विया गया है।

नन्स्ची

जमीन जो अडालज मो ब्लाक न 829 (पी.) और 854 जिसका माप 3 एकर्स और 9 गुणज पर स्थित ही, जो गांधीनगर सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में बिकाखित नं. 669, 680, 681/13-4-82 में रजिस्ट्री की गयी ह**ै**।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-११, अहमदाबाद

तारी**न** 30-11**-**1982

प्रकृष बाई• टी• एन• एस०---

आयकर अभिनियय, 1 भा ! (1941 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११,, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1982

निबंश न. पी. आर. न. 1962/एक्यी.-23-11/82-83---अतः सफे, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) िषसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका अधित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 192/1/1981 है, तथा जो कोबा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप सं विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालया, गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक अप्रैल, 1982

को पूर्विक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किम्निलिखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण किखित में बास्तिवक कृष में किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

। भी **पीनेशक मार जसक्तलाल और** थी**मनी शारका केन**, 22, चिकाकाट फलैट, आथम राड, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

 शाबरी को-ओ-हा-स्मायटी, कोबा, ता. गांधीनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्विक्त संपरित के अर्चन के निए एतददवारा कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त नम्पत्ति के प्रार्थन के संबंध में कोई भी बाजेप !---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवित, जो भी भवित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकरी
 के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टी हरण : → इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौँ का जो 'छक्त अधिनियम' के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, बही अर्थ होया, जो उस मुख्यात में दिएए गुण्ड ै।

मन्स्ची

जमीन जो कोवा में सर्वे नं. 192/1/1981 जिसका माप 8 एकर्स 23 गुणज दशया मूल्य रह. 86500, गांधीनगर सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में विकिथित नं $668/\pi$ । 12-4-82 में रिजस्ट्री की गयी है।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज-।।, अहमदाबाद

अत , अब , उक्त अधिनियम , की धारा 269-ग के अनसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन . निम्निलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :---

नारीस : 30-11-1982

प्ररूप आई. टी. एम. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज-।।,, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1982

निष्टेश न. पी. आर. नं. 1966/एक्वी.-23-11/82-83--अतः मभ्हे, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रत. से अधिक है और जिसकी सं. नं 197 है, तथा जो कोबा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12-4-1982 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के धरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितीया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उददोश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसे फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

 श्री वीतेशक मार असवस्ताल और श्रीमसी शारवा बेन,
 22, चित्राकाट फ्लॅट,
 आश्रम रोड, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. क्वेंबट कां-आं-हा-सोसायटी, कोंबा, ता. गांधीनगर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हिसबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकींगे।

स्पव्योकरण: -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो कोबा में सर्वे नं. 197 5.24 एकर्स गुणका द्राधामा मूल्य रः. 56, 750/-में गांधीनगर सब राजिस्ट्रार के कार्यालय में बिकीसप्त नं. 667/ता. 12-4-82 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर. आर. झाह सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-।।, अहमदाबाद

जतः अब उक्त अधिनियम की धाय 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधाय (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीम ' 30-11-1982

भोहर :

श्रुरूपृथार्दं. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।।,, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1982

निदोश नं. पि. आर. नं. 1964/एक्की.-23-11/82-83---अतः मुक्ते, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/-रत. से अभिक **ह**ै।

23,000/ -() से जायक है कोर जिसकी सं. नं. 252 हैं, तथा जो कलोल में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी व कार्यालय, कलोल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 26-4-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितीयार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

श्री कालाजी राणाजी,
 रोनचे स्टोशन के सामनी,
 कीरा क्राणवर्जी चाल के पास,
 कालोल, जिल्ला मेहसाना।

(अन्तरक)

2 गीरोराज को-ओ-हा-सोसायटी, के ब्वारा श्री ताकोरभाई भीमभाई दोसाई, जातीनी पोल, राहपुर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वाग अक्षोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए औा सकेंगे।

स्यक्रीकरण: ----इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अभीन को कालोल सर्वे नं. 252 जिसका माप 1 एकड़, 39 गुजाठा काम मुल्लीय रा. 177349/- विक्रीलत नं. 1206/ता. 26-4-82 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी स**हाय**क आयकर आयक्स (निरक्षिण) अर्जन र^मज-।।, अहमदाबाद

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उप्धारा (1) के अधीन निम्निलिकत व्यक्तियों, अधीत् :---

ता**री**व : 30-11-1982

प्ररूप आर्थः, टी. एत्. एसः. ~ -----

सायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सुरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1982

निद्यो नं. पि. आर. नं. 1965/एक्बी.-23-11/82-83--अतः मुक्ते, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं ब्लाक नं. 159 है, तथा जो अञ्चलज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20-4-1982

को प्रवेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उधित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) दो बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपिस्तयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिया व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती वाहीबेंग,
 श्री नाथाभाई, मोतीभाई और बुसरे का विधवा, जीवयतपुरा, ता. गांधीनगर।

(अन्तरक)

2. आलकोक को-ओ-हा-सोसायटी लिमिटेड, के द्यारा श्री नटवरलाल वनमालीदास., कल्पतारू फ्लाटस, नाराणपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्थयाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- श्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकागे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्कर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं:

अनुस्ची

मिल्कत ब्लाक नं. 159 अंडालज जिसका माप 1 एकड़, 37 गुणठा द्रशया म्ल्लीया रु. 95934/- में गांधीनगर सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में बिकसित नं. 772, 773 पर ता. 20-4-82 में रिजस्ट्री की गयी है।

आर. आर. काह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, अहमक्षाबाद

तारी**ल** : 30-11-1982

प्रकप शाहै, टी. एत्., एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॅज-।।,, अहमदाबाव

अहमदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1982

निवेश नं. पि. आर. नं. 1966/एक्वी.-23-11/82-83—जतः मभते, आर. आर. शाह, श्रायकर प्रशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रशिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-ज प्रश्चीन पक्षम प्राधिकारी को. पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. ब्लाक नं. 164 है, तथा जो अडालज मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर मे रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-4-1982 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसि: विश्वी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-वर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नृविधा के लिए;

 श्रीमती बहीबेन,
 श्री भ्ताभाई, मूलजीभाई और दूसरे की विधवा,
 जिस्तिपुरा, ता. गांधीनगर।

(अन्तरक)

2. आलकोक को-ओ-हा-सोसायटी लिमिटेड, अध्यक्ष श्री नटवरलाल वनमालीदास., कल्पतारू फ्लाटस, नारयणपूरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस स्वना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आदि पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ⁴, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा इ⁶।

अनुसूची

ब्लाक नं. 164 जो अंडालंज में 3 एकर्स, 28 गुणठा में स्थित हुं, गांधीनगर सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में बिक्रीलंस नं. 835 /23-4-82 में रिजस्ट्री की गयी है।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

अतः जन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु .--

ता**रीब : 30-11-1982**

मोहर 🔢

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, अहमेदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1982

निक्रो सं. पि. आर. नं. 1967/एक्की.-23-11/82-83--अतः मभ्रे, आर. आर. शाह, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'वक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाय 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुज. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं नं ब्लाक नं 163 है, तथा जा अडालज में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-4-1982 को पूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूप्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्बदेश से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/बा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत :——

- (1) श्री गणशाय इंश्वर पटोल और दूसरो, जमीयतपुरा, ता. गांधीनगर।
 (2) श्री वीनलभाई हीराभाई पटोल और दूसर जमीयतपुरा, ता. गांधीनगर।
 (अन्तरक)
- अल्कोक को-ऑ-हा-सोसायटी लिमिटोड अध्यक्ष श्री नटवरलाल वनमालीदास, कल्पतारू फ्लाटस, नाराणप्रा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्बवाहियाँ करता हों।

उन्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपस्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकी।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह[†], वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया ह[†]।

अनेसची

ब्लाक नं 163 जो अडालज 2 एकड़, 34 गूणठा में स्थित है, गांधीनगर सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिकीसत नं 837 और 838 पर ता 23-4-82 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, अहमदाबाद

तारीख: 30-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रॉज-११, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 30 नवम्बर 1982

निवश स. पि. आर. न 1968/एक्सी -23-11/82-83—अत: म्फे, आर. आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ब्लाक नं. 162 हैं, तथा को अडालज में स्थित हैं (और इससे उपाधव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संविगत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 20-4-1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्यों से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .--

- (1) श्री माणेकलाल केशवलाल पटोल,
 - (2) श्रीमती दर्गाबेन माणेकलाल.,
 - (3) श्री भरत माणेकलाल,
 - (4) श्री विनेश कुमार शकराभाई
 - (5) भी रमेश प्रल्हाद पटल,
 - (6) श्रीमती हसाबहत रमेशभाई,
 - (7) श्री शकराभाई कोशवलाल,
 - (8) श्रीमती रमीलाबहन शकराभाई,
 - (9) श्री दिनेशक मार शकराभाई,
 - (10) श्रीमती निताबहन शकराभाई,
 - (11) श्री प्रहलादभाई पुन्जीभाई और अन्य
 - (12) श्रीमती रईबहन प्रहलादभाई,
 - (13) श्री प्रकाशभाई प्रहलाबभाई,
- (14) श्रीमती ज्योतिबह्न प्रहलादभाई,,
- (15) श्री राजेन्द्र शकराभाई पटेल,
- (16) श्रीमती भालतीबहन माणेकलाल पटेल,
- (17) श्रीकल्पेशभाई माणेकलाल।

(अन्तरक)

2 अलोक कोओ-हा-नांसायटी लिमिटंड अध्यक्ष श्री नटवरलाल वनमालीदास, कल्पतारू प्लाटस, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: --इसमं प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो गाव, अडालज, ब्लाक न. 162 गाधीनगर सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में बिक्रीसत नं. 774, 776, 778, 780, 782, 784, 788, 790, 792, 800, 802, 804, 940, 932, और 944 पर तारीस 20-4-82 और 25-5-82 में रिजस्ट्री की गयी है।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, अहमदाबाव

नारीख 30-11-1982 मोहर . प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, अहमधाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 30 नवम्बर 1982

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ब्लाक 180 है तथा जो अडालज में स्थित है और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, गांधीनगर में रिजिस्ट्रीकर्रा अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23

अप्रल, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार
म्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तियक हुए से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्थिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) बकारभाई रणछोड़भाई पटल आर दासरी, जिमयतपुरा, तह गाधीनगुर।
 - (2) बार्ड दाही, भुल्लाभार्ड मुलिजभार्ड की विधवा
 - (3) बालु भाई मगन भाई
 - (4) आशाभाई मगनभाई।

(अन्सरक)

 अलोक कां-आं-हां-सांसायटी लिमिटोड अध्यक्ष नटवरलाल वनमालीवास कलपतारू प्लाटस, नारायणप्रा, अक्षमवाबाद।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिल की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेदित व्यक्तियों समें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त जीधनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं. 160 जो अखालज में जिसका माप 10 एकर्स, 8 गुंठा, गांधीनगर सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में विकिश्वत नं. 843-850 पर ता. 23-4-82 में रजिस्ट्री की गयी है।

आर. आर. शाह सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमवाबाद

तारील : 30-11-1982 भोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 नथम्बर 1982

निविधा सं. पी. आर. नं 1970/एक्वी-23-11/82-83 —-यतः मुभ्हे, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं और जिसकी मं ब्लाक नं 198 हैं, जो अडालज में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 -4-1982 व 5-5-1982

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एहे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. (1) माणेकलाल केंशवलाल पटोल
 - (2) दुर्गाबहन माणेकलाल
 - (3) भरतक मार माणेकलाल

- (4) रणकाबहन भाणकालाल
- (5) रमेशभादी पहलावभादी पटील
- (6) हासाबहन रमेशभाई
- (7) शकराभाई केशवलाल
- (8) रमीलाबहन शकराभाद
- (9) विनेशभार्क शक्षराभार्क
- (10) निताबह्न शकराभाई
- (11) प्रहलादभाई पूंजाभाई
- (12) रइ बहुन प्रहलावभाइ
- (13) प्रकाश प्रहलादभाई पटल
- (14) ज्योतिबहन प्रहलादभाई पटल
- (15) राजेन्द्र शकराभाई पटल
- (16) मालतीबहुन माणेकलाल
- (17) कल्पेश माणेकलाल

(अन्तरक)

 अलोक को-आं-हाँ-सोसायिटी निमिटेड, अध्यक्ष . नटवरलाल वनमालीदास कल्पतारूपलैट्स,

नारणपूरा, अहमवाबाद ।

(अन्तिरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति हो अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सूची

जमीन जो ब्लाक नं 198 अखालज जिसका माप 31 एकड़, 5 गुंठा दर्शाया मूल्य रह. 408011/1- में सब-रिज-स्टार गांधीनगर के कार्यालय मे दिकी खत नं पर तारीख और 20-4-1982 और 5-5-1982 में रिजस्ट्री की गई है।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, अहमदाबाद

तारीख: 30-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन मचना

भारत सरकार

कार्यानिया, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रॉज-।।, अहमवाबाद अहमवाबाद, दिनाक 30 नवम्बर 1982

निवेश स पी आर न 1971/एक्बी-23-11/82-83 — यत मुक्ते, आर आर शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

और जिसकी स ब्लाक न 158 है, जो अडालज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाधीनगर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 अप्रैल, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप में किया गया है ——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 श्री शकराजी मानाजी ठाकार और दूसरे, जमीयतपरा जिला गांधीनगर।

(अन्सरक)

अलांक का-ओ ही- सांसायटी लिमिटांड अध्यक्ष नटवरलाल बनमालीदांस कल्प्लारू फ्लैंट्स, नारणप्रा, अहमवाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया घुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्यत में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक न 168, जा अडालज जिसका साप ए-2, जी-17, सब-रिजस्ट्रार, गाधीनगर के कार्यालय में विक्रीसत न 760 और 761 पर ता 20-4-1982 में रिजस्ट्री की गई हैं।

आर आर शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदादाद

तारील 30-11-1982 मोहर प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-इ. (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 30 नवम्बर 1982

निविश सं. पी. आर. नं 1972/एक्बी-23-11/82-83 — यत: मुके, आर. आर. आह. आह. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/-रु. से अधिक ही

और जिसकी सं. ब्लाक नं. 185, 186 है जो अडालज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप स्थे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 20 अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिप्तल, निमालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिप्तल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिप्तल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिप्तल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित काकिसयों, अधीत्:——
13—406 GI/82

 श्री माणेकलाल फेशवलाल पटोल और शकराभाई केशवलाल पटोल, जीमयतपुरा, ता. गांभीनगर।

(अन्तरक)

2 अलांक को-ओ-हा-सांचायटी लिमिटोड अध्यक्ष . गटबरलाल बनमालीदाम कल्पसारू फ्लेट्म, नारणपारा, अहमबाबाद।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगिहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृत्रोंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गांव अडालज मे आया हुआ ब्लोक नं 185 और 186 जिसका माण 4 एकड़ 3 गुंठा है और उसका दश्य कीमत रूपये 140877 है सब-रिजिस्ट्रार, गांधीनगुर के कार्यालय मे बिकी- बत किया हुआ है जिसका हं 767 में 769. ता. 20-4-82 है।

आर. आर. शाह मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रजना ।, अहनदाबाद

दारी**स** - 30-11-1982 मोहर :

प्रक्रम्प आहु^६ टी, एन एम ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रीज-।।, अहमदानाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1982

निविधा सं. पी. आर. न 1973/एक्वी-23-11/82-83
--मतः मुफे, आर. आर. आह,
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं ब्लाक नं 16, है, तथा जो अडालज में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप रो अणित
है), रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1961 (1908 का 16) के अधीन
20-4-1982

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रुयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके श्रुयमान प्रतिफल से, एमे श्रुयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ----
 - (क) अंतरण संहुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए: और/या
 - (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिचिन व्यक्तिमयों, अर्थातः:—— मकाराजी नामणी माकार,
 मुगीसमपण, तक गांधी नगर।

(अन्तरक)

2. अलांक का-ऑ-हा-सोसामिटी निमिटेड, अध्यक्ष नटबरनाल वनमानीदास कल्पतारू फ्लेटस्., नारायणपरा. अहमदाबाद ।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अपिस, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मंं से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो ब्लाक नं. 16, अडालज जिसका माप ए-1, जी-14, गांधीनगर सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में बिकिश्वित नं. 758/ता. 20-4-82 में रजिस्ट्री की गयी हैं:

> आर. बार. बाह सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोजनार, बहसदाबाद

तारीब : 30-11-1982

प्ररूप० भाई• टी• एन० एस०-----

पायकर ग्रीधनियम, 1961 (1961 हा 43) की घारा 269-च (1) के ग्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-११, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 30 नवग्बर 1982

निविश स. पी आर न. 1974/एक्बी-23-11/82-83 --यतः म्फ्रे, आर आर. शाह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- एत. से अधिक है और जिसकी संब्लाक न . 161 है, जो अउलिज मास्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रेजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-4-82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य स कम के दश्यमान प्रतिफल क निए अन्तरित को गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का दौरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का प्रचित बाजार मुरूप, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है। प्रौर शन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच हेसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उपत प्रन्तरण लिथित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया पया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर ब्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः शब् उक्तु अधिनियम की भाग 269-म के अनुसरण भें, मी, उक्त अधिनियम की भाग 269-म की उपभाग (1) के अभीन, निम्नतिकित अधिकत्यों, जभीत् ।——

- (1) श्री बालुभाई मगनभाई पटले और दूसरे, अमीरतपूरा, तह गांधीनगर।
 - (2) आकाभाई मगनभाई पटेल और दूसरे, जमीयसपुरा, तह गांधीनगर।

(अन्तरक)

 अलांक को-ओ-हा-सोसायिटी लिमिटेड, अध्यक्ष नटवरलाल वनमालीदास, कलपतरू फ्लैट्स,, नाराणपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

की यह भूचना आरी हरके भूवोंका सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

चका सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुसूची

ब्लाक नं. 161 जा अडालज गाय में जिसका माप ए-1, जो 38 पर स्थित है सब रिजिस्ट्रार, गांधीनगर के कार्यालय में बिकिखत नं. 840, 841 पर ता. 23-4-82 में रिजिस्ट्री की गयी है।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर **ग्रायुक्त (निरीक्षण**) अर्जन रोज-।।, अहमवाबाद

तारी**स** . 30-11-1982 मोहर 🖰

प्ररूप आई. टी. एप. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-५ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, अहमदानाद अहमदाबाद, दिनांक 30 नवस्त्रर 1982

निवोश सं. पी. आर. नं. 1975/एक्बी-23-11/82-83 ---यतः मुक्ते, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. सं विद्याह

आर जिसकी सं. ब्लाक नं. 165 है, जो अडलाज में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-4-1982

को प्रांचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रथमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यशापूर्वीक्त नंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्रयमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक पहुसे किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसमी, अर्थातः—

 श्री शकराभाई क्षेत्रवलाल पटेल, जिमयतपुरा, ताल्का--गांधीनगर।

(अन्तरक)

2. अलोक कां-आं-हां-सोसायिटी लिमिट इ, अध्यक्ष नटवरलाल वनमालीदास, कलपतक फ्लैट्स, नाराणपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां कारता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 4 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवास में किस आ सक्तरी।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त धट्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

अडलाज गांव में आया हुआ ब्लाक नं. 165 जिसका माप 3 एकड़ 36 गुंठा है। सब रिजस्ट्रीर गांधीनगर के कार्यालय में बिकीसत किया हुआ है जिसका नं. 764 में 766 ता. 20-4-82 है।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक **प्राय**कर श्रायुक्त (निरी**क्षण)** अर्जन र^{र्}ज-।।, अक्षमदाबाद

ता्रीख : 30-11-1982

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ. दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन र्ज-।।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 6 दिसंबर 1982

निद्येश सं. पी. आर. नं. 1976/एक्की-23-11/82-83 --यतः मुक्ते, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स. नोद नं. 3793-समीन किनारी एपार्टमेन्ट हैं, जो सुरत में स्थित हैं (और इससे उणवस्थ अन्सूची में और पूर्ण रूप संवर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 82

को पृथेकित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्निणिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥——

- बी. की. कार्परिकान का भागीवार्य और अक्सीनी-स्टर '---
 - (1) श्री बाबुभाई जशाभाई पटोल, काजीस मैदान, गोपीपुरा, सुरत।
 - (2) श्री जगदीशकुमार रोवाभाई पटोल, सागाडीना वास., गोपीपुरा, सुरत ।

(अन्तरक)

2. सुमीन किनरी एपार्टमेन्ट को-ओ-हाँसिंग साँसायिटी लिमिटोड, अडमीनीसटर श्री जगदीश भाई वालजीभाई राठाँड, गोपीप्रा, स्रत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या प्रत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रारिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोंद नं 3793, वार्ड नं 2 समित किनरी एपार्टमेन्ट को-ओ-हौ-सोसायिटी लिमिटेड, अप्रैल, 1982 में रिजस्ट्री की गई है।

आरः आरः शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

ता्रीख : 6-12-1982

मोहर 🕾

-वसी-

–वही--

प्ररूप बाद . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 दिसंबर 1982

निद्या सं. पी. आर. न 1977/एक्की-23-।।/82-83 ——यतः मुक्ते, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह धिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, िषसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

बीर जिसकी सं. 350/3 और 356 पैकी, टी पी. एस. 4 है जो कटारगाम में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), र जिस्ट्रीकर्ता अभिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पेम्नह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के लिए।

अतः अब इक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिधित व्यक्तियों, अर्थात् हः——

- 1. (1) श्रीम्ताी दीवालीबन रोनगीलवास पटोल,
 - (2) नवीनचन्द्रा
 - (3) महोशचन्द्रा
 - (4) भूपनभार्ष -- वही-नभा शेरी, महीदारपुरा, सुरत ।

(अन्तरक)
2. प्रांमाटर आफ, वीवाली भाग इन्डस्ट्रीयल का-ओ-सर्विम सांसायिटी, श्री व विषी भाई कल्याणभाई पटेल, 89, वल्लभनगर सांसायिटी, वरांछा रांड,, सूरत । श्री बाबाभाई वीयालभाई पटेल अग्नविन सांसायिटी वरराछा ,रांड, सूरत। श्री गांवर्धनभाई पांपटभाई महाद वनगर सांसायिटी, वराछा रांड, सूरत।

(**अन्सरिती**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उभत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पंध्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है , वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो मर्जे नं. 350/3 आर 356 (पी), टी. पी. एस. 4, एफ. पी. नं. 23, कटारगाम, अप्रैल, 1982 में रिजस्ट्री की गयी है।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^रज-।।, अहमदाबाद

तारील : 6-12-1982 मोहर ॥ प्रस्प आहे. टी. एन. एत. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सृपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 नवम्बर 1982

निदेश नं. ए. एस आर./82-83/369—–यतः म्फे, आनंद सिंह, आइ आर एस,

आयं कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

और जिसकी सं.एक जयदाद कोट बाबा दीप सिंह क्सातमर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्य, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ए'से दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्निविधित उद्योध्य से उच्च अन्तरण निम्निविध ते देव में वास्तविक क्ष्ण से किश्त नहीं किया गया है क्ष्म

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रवा था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में मिषधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री जीन सिंह पुत्र हीरा सिंह, बलबीर कार पत्नी जीत सिंह बाजार नं. 3 कोट बाबा दीप सिंह अमनगर।

(अन्तरक)

 श्री दिविन्दर पाल पृत्र सत प्रकाश गली नं . 3½ बार्ग राजा नंद अमृतसर।

(अन्तरिती)

3 जैमा ऊपर सं 2 में कोई किरायंदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति ही)

4 और कोई (बह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सङ्गरित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी तविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से विश्वी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकर्य :

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदों का, जो 'उक्दा अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं", वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसधी

एक जायधाद बाजार नं 3 कोट बाबा वीप सिंह 67 वं ग 5 जैमा सेल डीड नं 2628/4-5-82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद गिंह, आइ आर एस सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रॉज-3, चंद्रप्री, अमृतसर

तारी**स** : 29--11-19**8**2

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

मान्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

सार्यालय, सहायक भायकर बायूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 नवम्बर 1982

निद्धे नं. ए. एस. आर. /82-83 /370—यतः म्फे, आनंद सिंह, आइ आर एस, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. एक जायवाद नं. 74 लिंक रोड अमृतसर में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अन्स्ची में और पूर्ण रूप में विणत ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अधीन 1982

को पूर्वोक्ष संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और मंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अवं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व को अनुसरण भं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री हरभष्म सिंह पुत्र करम सिंह दासी गांत जामा गए तहसील तरन तारन जिला अमृतसर ।

(अन्तर्क)

2 श्रीमती गुरमीत काँर पत्नी श्रकाश सिंह, करतार कारे विधवा बलवंत सिंह, नशहिरा पनवा नहसील तारन जिला अमृतसर।

(अन्तरिनी)

- 3. जैसा ऊप्र स. 2 में कोई किरायंदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हो)
- और कोई
 (बह व्यक्तिः, जिनके बार में अक्षोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्थविकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस मुध्याय में दिया गवा हैं।

असमधी

एक जयवाद नं. 74,101.38 व. ग. जो लिंक रोड, सामने रोलवे स्टोशन अमृतसर में ही जैसा सेल डीड नं. 1811/25-4-82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज ही।

आनंद सिंह, आइ आर एस स**क्षम प्राधिकारी** स**हायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)** अर्जन रोज, 3 चंद्रण्री, अमृतसर

सारीस : 30-11**-1982**

प्ररूप आई टी. एन. एत. ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 दिसंबर 1982

निदोश नं. ए. एस. आर./82~83/371--यतः मुभ्ते, आनंद सिंह, आइ आर एस,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं एक जायदाद है तथा जो कटड़ा घर सिंह अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुनी में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अप्रैल 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीभिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
14—406 GI/82

श्री चमन लाल पृत्र गर्वधन दास
 34 एम . ग्रीन एक्न्य , अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री विजे कुमार अशवनी क्मार प्त्रान शिव दास 37 चोक फरीद अमृतसर।

(अन्तरिसी)

- 3. औंसा उत्पार सं. 2 में कोई किरायदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- और कोई
 (बह व्यक्ति, जिनके बार मं अभोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्द्रभ हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्वक्षतीक रण: --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पिरभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उसा अध्याय में विया गवा ही।

वग्स्ची

एक जायवाद 61 व. ग. जो कटड़ा शेर सिंह अमृतसर में हैं जैसा कि सेल डीड नं. 990/12-4-82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज हैं।

आनंद सिंह, आह आर एस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख: 8-12-1982

प्ररूप भाई० टी• एन• एस•----

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ए(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अग्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 दिसंबर 1982

निद्रोश नं. ए. एस. आर./82-83/372--यतः मुक्ते, आनंद सिंह, आइ आर एस,

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो कटड़ा शेर सिंह अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रश्नि प्रतिशान प्रविक्त है और मन्तरिक (अन्तरिकों) भीर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वस्तिविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (ण) ग्रन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रक्षि-नियम के प्रधीन कर देने के बक्तरक के दावित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए, बौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या घन्य खास्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर घिनियम, या घन-कर घिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया त्या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिषा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिकित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

 श्रीमती राजवती विभवा गवर्धन राम, 34 एम ग्रीन एवनम् अमृतसर।

(अन्तरक)

श्री राष कुमार विजे कुमार पूत्रान शिव क्षास
 37, चाँक फरीब अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा उत्पाद सं. 2 में कोई किरायेवार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिओग में सम्पत्ति हैं)

और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह यूत्रना प्राप्ते करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के धर्जन के खिए कार्यवाहियां करता है।

| जनन सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्तकारी के पास जिखित में किए जा सर्जेंगे।

स्पव्यक्तिकरण:---इसमें प्रमुक्त अब्दों ग्रीर पर्यों का, जो उक्त ग्राधि-नियम के ग्रव्याय 20-क में परिमानित हैं, वही अर्थ होता, जो उस अब्धाय में दिया गया है

ननुसूची

एक जायदाद 61 व. ग. जो कटड़ा घेर सिंह अमृतसर में हैं जैसा कि सेल डीड ने. 991/12-4-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज हैं।

आनंद सिंह, आइ आर एस सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख: 8-12-1982

प्ररूप. आई. टी. एंन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{र्}ज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 विसंबर 1982

निवरेश नं. ए. एस. आर./82-83/373--यतः मुक्ते, आनंद सिंह, आइ आर एस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इंसेके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं एक जायदाद है तथा जो कटड़ा शेर सिंह अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफंत के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने भी कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेध्य से उक्त प्रन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बर्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निम्निसिश्चित व्यक्तियों, वर्धात् :----

 श्रीमती बिमला रानी विधवा शिव कुमार सुनील अरोड़ा पुत्र शिव कुमार
 5-बी ग्रीन एवन्यू, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री अशावनी क्मार राज कुमार पृत्रान शिव सास 37 घों क फरीद अमृतसर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा ऊप्र,र सं. 2 में कोई किरायेवार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. और कोई (बह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

एक जायबाद 61 व. ग. जो कटड़ा घोर सिंह अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं. 989/12-4-82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई आर एस सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, 3 चंत्रपुरी, अमृतसर

तारीब : 8-12-1982

प्रस्प आर्द्ध. एन. एस. -------आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 दिसंबर 1982

निद्देश नं. ए. एस. आर. /82-83/374—यतः म्फे, आनंद सिंह, आइ आर एस, जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक जायदाध है तथा जो वसंत एवन्यू अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस सप्रैल 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषशास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा औ निए।

अतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसित स्थानितयों, अधितु:---

- श्री बसवेब सिंह पुत्र स्वर्गीय फकीर सिंह 9 मकब्ल रोड़ अमृतसर ।
- 2. श्री गजिन्दर सिंह पुत्र राम सिंह बी-8 गरीव एवनपू जमतसर।

(अन्तरिती)

- जैसा ऊप्र सं. 2 में कोई किरायदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबक्थ हैं)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

एक जायवाद नं. 238 एरिया 902, 225 व. ग. बसंस एवन्यू अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं. 751/8-4-82 रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> जानंद सिंह, आह आर एस सक्षम प्राधिकारी तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, 3 चंद्रप्री, अमृतसर

तारीच : 8-12-1982

प्ररूप. बाई. टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 8 दिसंबर 1982

निवरेश नं. ए. एस. आर/82-83/375---यसः मुभ्ते, आनंद सिंह, आइ. आर. एस.,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं. एक जायदाद है तथा जो वसंत एवन्यू अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रूथमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के निए; और/था
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में म्विधा के सिए।

 श्री बलदेव सिंह पुत्र स्वर्गीय फक्षीर सिंह 9 मकब्स रोड अमृतसर।

(अन्सरक)

 श्री गजिन्दर सिंह पुत्र राम सिंह बी-8 ग्रीन एवनमू अमृतसर।

(अन्सरिती)

- 3. जैसा उज्पर सं. 2 में कोई किरायदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. और काई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की हारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मं हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

एक जायदाद नं 238 एरिया 225 व. ग. बसंत एवनयू अमृतसर में हैं जैसा कि सेल डीड नं 750/8-4-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज हैं।

> आनंद सिंह, आइ. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक कायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अगृसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वित स्यक्तियों, अर्थात "--

तारीब : 8-12-1982

प्ररूप. आईं. टी. एन. एस. -----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 नवम्बर 1982

निक्श नं. ए . एस . आर . /82-83/380— यतः मूफे, अनंव सिंह, आह . आर . एस . , आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जाकी सं. एक भूमि का प्लाट है जो राधा स्थामी रोड

और जिनकी सं. एक भूमि का प्लाट है जो राधा स्थामी रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और स्केयह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया वया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरत के बायित्व में कमी करने या उससे अधने में मृविधा के सिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए।

 श्री जीयालाल तीरथ राम पुत्रान तीरथ राम वासी वंबई द्वारा आर. के. गुप्ता ।

(अन्तरक)

 जरल अटारनी मदन मोहन सिंह पुत्र हरनाम सिंह वासी 15 महंत मूल सिंह कालोंनी अमृतसर । (अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं. 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4 और कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त संपत्ति के गर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिन्ति में किए जा सकी।

स्पक्तीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त जिथानियम, के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

एक भूमि का प्लाट 283 व. ग. जो रघुनाथपुरा राधा स्वामी रोड, अमृतसर में हैं जैसा सेले डीड नं. 454/5-4-82 रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज हैं।

> आनंव सिंह, आइ. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) वर्जन रेज, 3 चंत्रपूरी, अमतसर

वतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अधीत् ;——

तारीच : 29-11-1982

प्रकम बाइ. टी. एम. एस्.-----

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 नवम्बर 1982

विदेश नं. ए . एस . आर . /82-83/381—यत : मूर्फे, आनंद सिंह, आइ . आर . एस . , आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को , यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बौजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

और जिसकी सं. एक भूमि का प्लाट है जो राधा स्वामी रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता विधकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिये और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के किए;

कतः अव, उक्त विभिनियम, की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिकित् व्यक्तियों, अर्थातः—

- श्री जीयालाल तीरथ राम पृत्रान तीरथ राम वासी अंबर्ड द्वारा आर. के. गुप्ता पृत्र दुर्गा दास गृप्ता। (अन्तरक)
- 2. जनरल अटारनी मदन मोहन सिंह पुत्र हरनाम सिंह वासी महंत मूल सिंह कालोनी अमृतसर । (अन्तरिक्षी)
- जैसा ऊप्र सं. 2 में कोई किरायेदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

और कोई
 (वह व्यक्ति, जिसके बार से अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति से हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध् में कोई भी वाक्षेष् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिश को भीतर छक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्वक्किरण :--इसमें प्रयुक्त कथां और पवां का, जो उक्त विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उत्त अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

एक भूमि का प्लाट 283 व . ग . जो रघुनाथमूरा राधा स्वामी रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं . 444/5-4-82 रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज है।

आनंद सिंह, आइ. आर. एस. स्थाम प्राधिकारी सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्थन रंज, 3 चंद्रणुरी, अमृतसर

तारीच : 29-11-1982

प्रकप बाइ. टी. एन. एस.-----

भावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यां नय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 नवम्बर 1982

नियोश नं. ए . एस . आर . /82-83/382— यतः म्भे, आनंद सिंह, आई . आर . एस . , आयकार अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूस्थ 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. एक भूमि का प्लाट है तथा जो कशमीर एवनयू अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुस्ची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए कंतरित की गई है और मुक्ते यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इर्दमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफत से विभक्त है वृद्दि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बौच एसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रति-फल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण लिक्ति में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण के हुन्दें किसी आय की बावस्, उक्स विभिन्नियम के बधीन कर दोने के वंतरक के बायित्थ में कामी कारने या उससे बचने में सूबिया के लिए; जरि/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिमों का, जिन्हों भारतीय आयंकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा कि वा जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीत् :--- श्री अजीत सिंह पृत्र रोशम सिंह वासी विजय नगर अमतस्र।

(अन्तरक)

 श्री बलदेव सिंह मन्होत्रा प्त्र सोहन लाल मन्होत्रा वासी अमृतसर।

(अन्तरिती)

जैसा ऊपर सं. 2 में कोई किरायेवार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति हैं)

4. और कोई

(यह व्यक्ति, जिसके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परितः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौंब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वास, अभोहस्ताक्षरी के पास सिबित में किसे जा तकेंगे

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 260 व. ग.टी. पी. सकीम नं. 53 कशमीर एवनयू अमृतसर में जैसा सेल श्रीड नं. 2818/28-4-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज हैं।

जानंद सिंह, जाइ. जार. एस. सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर श्रामुक्त (निरीक्षण), कर्जन रोज, 3 कंग्रपूरी, अमृतसर

ता्रीस : 29-11-1982

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 नवस्वर 1982

निदोश नं. ए. एस. आर./82-83/383--यत: मुक्ते, आनंद सिंह आई. आर. एस., ' आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का **कारण है** कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. एक भूमि का प्लाट है तथा जो टी. पी. स्कीम नं. 53 कश्मीर एवन्यु, अमृतसर मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारो के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीस अप्रैल, 1982 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तेयह विष्णस करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपरित का उचित बाजर मुल्य, उत्सके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने मे मूत्रिका के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में ,में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 15-406GI/82

 श्री रोयाम सिंह पृत्र नंद सिंह, नासी-विजय नगर, बटाला रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2 श्री कमलजीत हाडा प्त्र पी. आर. हाडा, मकान नं. 5, गली नं. 6, प्रवन नगर, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा उत्पर सं. 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति हैं)
- 4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्रुध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप ः--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 263 व.ग. 6 व. फुटं, जो टी. पी. स्कीम नं.53 कश्मीर एवन्यू, अमृतसर में ही जैसा सेल डीड नं. 2219/28-4-1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृत-सर में दर्ज ही।

> आनंद सिंह आइ. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) 3 चेंद्रप्री, अमृतसर

तारीब : 29-11-1982

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

जायकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 नवम्बर 1982

निद्धाः नं. ए. एस. आर. /82-83/384---यतः म्फे, आनंद सिंह आई. आर. एस.,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक भूमि का प्लाट है तथा जो कशमीर एवन्यू, अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्-स्वी में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अप्रैल, 1982

(1908 का 16) के अधान, तारीस अप्रेल, 1982 को पूर्वान्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कश्यत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात '--- रैयाम सिंह पुत्र नंद सिंह आसी—विजय नगर, नटाला रोड, अमृतसर ।

(अन्तरक)

2 डा. सितन्दर सिंह, संधू पुत्र जरनेत सिंह संघू, वासी—डेटल कालेज एंड हस्पताल, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा उत्पर मं. 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- और कोई
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगसनी

एक भूमि का प्लाट 255 व. ग. जो टी. पी. स्कीम नं. 53, कशमीर एवन्यू, अमृतसर में हैं जैसा सेल डीड नं. 2220/28-4-1982 रीजजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज हैं।

आनंद सिंह आइ. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी महायकः झायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) 3 चंद्रप्री, अमतसर

तारी**ल . 29-11-1982** गोनर :

प्रकल् आर्ड. टी. एन. एस.-------आयक्कर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) को अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 नवम्बर 1982

निदेश नं. ए. एस. आर. /82-83/385--यतः मुक्ते, आनंद सिंह आई. आर. एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/- रह. से अधिक है और जिसकी सं. एक भूमि का प्लाट है तथा जो बटाला रोड, अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अप्रैल, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के उरसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गुर्व है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिफास, निम्निसित उष्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूबिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उफ्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री मोहन लाल माहोध्यरी
पुत्र हनुमान प्रासाद महोध्यरी,
वासी-इलाहाबाद अब अमृतसर।

(अन्तरक)

 श्री सुनील कुमार पृत्र मोहन गांधी, वासी--गली नथुमल कअड़ा चड़त सिंह, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा उत्पर सं. 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोंग में सम्पति है)

4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश. जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की त्रारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उनक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसुची

एक भूमि का प्लाट 403.5 व. ग. जो बटाला रोड, अमृतसर में हैं, जैसा सेल डीड नं. 1306/16-4-1982 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज हैं।

आनंद सिंह आइ. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) 3 चंद्रपुरी, अमृतस<u>र</u>

तारीस : 29-11-1982

मोहर 🖫

प्ररूप आहूँ. टी. एन. एस.------आयकद् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 नवम्बर 1982

निदेश नं. ए. एस. आर./82-83/386--यतः मुफ्ते, आनंव सिंह आई. आर. एस. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं एक भूमि प्लाट है तथा जो करमीर एवन्यु, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय., अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1982 को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गर्इ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हाँ कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उनुबदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्थियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री रेयाम सिंह पुत्र नंद सिंह, नासी-विजय नगर, बटाला रोड, अमृतसर ।

(अन्तरक)

 श्रीमती अमृतपाल कार पत्नी दार्शन सिंह, 203 शिवाला कालोनी, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा उप्पर मं. 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति हैं)

जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

4. आर्र कोई (बह व्यक्ति, जिनके बार में अक्षेष्ट्रस्ताक्षरी

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकीं।

स्पष्टोकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूचीं

एक भूमि का प्लाट 255 व. ग. जो टी. पी. स्कीम नं. 53, कश्मीर एवन्यू, अमृतसर में ही, जैसा सेल डीड नं. 2221/28-4-1982 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में दर्ज ही।

आनंद सिंह आइ. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) 3 चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 29-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र[']ज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 नवम्बर 1982

निद्येष नं. ए. एस. आर. /82-83/387—यतः म्फे, आनंद सिंह आई. आर. एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक भूमि का प्लाट है तथा जो न्यू गार्डन कालोनी, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी कें कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1982

(1908 को 16) के अधान, तीराख अप्रल, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सूविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अधित् ध−− बंद प्रकाश पृत्र पूरन चंद,
 वामी-कटडा आहूल्लालिया, अमृतसर,
 आप व जनरल अटारनी मैं. फर्म रमेश एण्ड कम्पनी और राम रखा मल और राम लाल।

(अन्तरक)

2. मै. राम प्रकाश वारी एण्ड संस एच. यू. एफ., वासी-अदर लोहगंड गेंट, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा उत्पर गं 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पति है)

4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारों में अधोहरताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पूर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग पलाट नं. 30 जो 260 व. ग. (1/2 आफ 519.5 व. ग.) जो न्यू गार्डन कालोनी, अमृतसर में हैं जैसा सेल डीड नं. 939 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आइ. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) 3 **चंद्र**पुरी, अमृतसर

तारील : 29-11-1982

मोहर 🛭

प्रकप भादा. टी. एन्. एस.----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्स (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 नवम्बर, 1982

निद्रश न. ए. एस . आर. /82-83/388—यतः मुर्फे ---आनंद सिंह आई. आर. एस.,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ए. से अधिक है

और जिसकी सं. एक भूमि का प्लाट है तथा जो न्यू गार्डन कालोनी, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीष अप्रैल, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त संपत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्षण होन्द्रकी से उद्यास का निष्का से बाग्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

मृतः। जब, उक्त जिमिनियम् की पाद्य 269-य के विमृत्यस् ते, ते, उक्त अधिनियम की पादा 289-य की उपपादा (1) के अधीन्, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ::-- श्री बंद प्रकाश पृत्र प्रन बच्द वासी कटड़ा आहल्यालिया, अमृतसर आप व जनरल अटारनी मैं. फर्म रमेश एण्ड कम्पनी और राम रला मन और राम लाल

(अन्तरक)

2. श्री रूप सिंह पुत्र गुरदित सिंह 695-न्यू टौलफोन एक्सचॅज, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर सं. 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. **और कोइ**

(तह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना धारी करके पृवेक्ति सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहेस्ताक्षरी के पास निष्तु में किए जा सकीये।

स्पच्छोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, बही अर्थ होणा जो उस अध्याय में दिवा ग्या हुँ।,

अनुसूची

1/2 भाग प्लाट नं. 36 जो 246.5 व. ग. (1/2 आफ 493 व. ग.) जो न्यू गार्डन कालोनी, अमृतसर में हैं जैसा सेल डीड नं. 23338/30-4-1982 को रेजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी अमृतसर में दर्ज हैं।

आनंद सिंह आई. आर. एस सक्षम प्राधिकारी स्हायंक आवकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रीज-3, भेंद्रपुरी, अमृतसर

तारीब : 29-11-1982

मोहर 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

भारत संदुष्णाड

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर अमृतसर, विनांक 3 विसम्बर, 1982 निदेश नं. ए. एस. आर./82-83/389—यतः मुक्ते, ——आनंद सिंह आर्द्र. आर. एस.,

भारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. में अधिक है

और जिसकी सं. एक जयदाद है तथा जो जेल रोड, बसंत एवन्यू, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबक्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक अप्रैल, 1982

(1908 को 16) के अवान, तारास अन्नत, 1982 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास धरने का कारण है कि यथापूर्वों क्ल संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की वायत उपत अधि-विश्वभ में अधीर कह दोने के अन्तरफ के दायित्य में कभी कहने वा उससे वजने में सुनिभा के तिए;» बीद/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, श्विन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ग्राधन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपभाग (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अधीतः :--- इ. राज मवान पत्नी अनीत सिंह 384-गरीन एत्रस्यू, अमतगर द्वारा प्रितपाल सिंह प्र जोभ सिंह 384-गरीन एवस्य, अमृतमर ।

(अन्तारक)

 श्री मनाहर सिंह प्त्र ग्रमुका सिंह 289 जवाहर नगर, श्रीनगर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर स. 2 में कोई किरायेदार हो। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके दारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्क संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समारित होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दशारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अधि होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद, जो बसन्त एवन्यू, जेल रोड, अमृतसर में हैं जैसा सेल डीड नं. 2140/27-4-1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में दर्ज हैं।

> आनन्द सिंह आई. आर. एस. सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-3, चंद्रपरी, अमृतसरं

ता**री**व : 3-12-1982

प्रक्रम आहे. टी एस. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 3 विसम्बर, 1982

निद्धेश नं ए. एस. आर. /82-83/390---यत: म्भेरे, ---आनंद सिंह आई आर. एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो जेल रोड, वसन्त एवन्यू, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अप्रैल, 1982 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्यास करने का कारण है कि यथ।पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरकं के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1 बा राज मदान पत्नी अनीत सिंह 384 गरोन एकम्यू, अमृतसर व्यारा प्रितपाल सिंह पुत्र जोध सिंह 384 गरीन एकन्यू, अमृतसर ।

(अन्तरक)

 श्रीमती अजीत कसरे पत्नी मनोहर सिंह 289 जवाहर नगर, श्रीनगर ।

(अन्सरिती)

3. जैमा कि उत्पर सं. 2 में कोई किरायेंदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्धित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक जायदाद, जो बसंत एवन्यू, जेल रोड, अमृतसर में हैं जैसा सेल औड नं. 2141/27-4-1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में दर्ज हैं।

> आनंद सिंह आई. आर. एस मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-3, चंद्रपुरी, अमृतसर

तारीच : 3-12-1982

प्ररूप् बाई.टी.एन.एस.,-----

भायकर व्धिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 दिसम्बर 1982

निदोष नं ए एस आर /82-83/376--यतः सभी, —–आनंद सिंह आर्द. आर. एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रत. से अधिक है

और जिस्ती सं. एक जायबाद है तथा जो बटाला रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है),, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

अधीन, तारीख अप्रैल, 1982

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रंद्रह प्रतिशत अधिक हहै और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्मलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में घास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- ′(का) ऐसी किसी अगय याकिसी भन याअन्य आस्तियौ क्ये, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वुवारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा कौलिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

> 1. मै. उत्तम चंद हरबंग लाल वासी कटड़ा आहलूबालिया, अमृतसर।

(अन्सरक)

2. श्रीमती ओम कामारी पत्नी राज पाल माल रांड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर सं. 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति हैं)

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध ही)

किरायवारों की लिस्ट

डीड र्न. 1227/16-4-1982, 1228/16-4-1982, **1**229/16-4-1982, 1230/16-4-1982 ¹

1. पिछले शंड में किरायंवार

1. मी. एस. के. इन्टरप्राइजिंज 250/- महीना 2. गोल्डन ट्रेंडिंग कम्पनी 100/- महीना 200/- महीना 3. इण्डिया फोंसी यारन

 में. सतीश क्मार सहगल 300/- महीना

100/- महीना 250/- महीना 5. मैं बलो पैक

6. मै. गुरडियाल सिंह महिन्द्र सिंह, 200/- महीना 7. मे. राकेश सिल्क इण्डस्ट्री

लोमने द्काने

8. श्री तारा सिंह (दा दुकानों) 65/- महीना

50/- महीना 9. श्री हरबंस सिंह (दो दुकाने)

70/- महीना 10. मै. राकेश सिल्क इण्डस्ट्रीज (,,) 11. में. जसलान निटिंग इण्डस्टी 225/- महीना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चनाकी सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्प**क्कीकरण:**---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

एक जायबाद जो बटाला रोड, अमतसर में है जैसा सेल **डो**ड नं. 1230/16-4-1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में दर्ज है।

> आनन्द सिंह, आई. आर. एस. · सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-3, चंद्रप्री, अम्तसर

तारील : 4-12-1982 मोंडर 🦈

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अम्तसर

अमृतसर, विनांक 4 विसम्बर 1982

निदंश नं. ए. एस. आर./82-83/377--यह मुफ्ते, आनन्द सिंह, आई. आर. एस., बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं. एक जायदाद ही तथा जो बटाला रोट, अमतसर में स्थित हैं। (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णकप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) की

अधीन, अप्रेल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिगतियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- 1. मै. उत्तम चंद हरबंस लाल (अन्तरक) अमृतसर।
- 2. श्रीमती रोन् चौपड़ा पत्नी राकेश घौपडा माल रोड, अमतसर।

(अन्तरिनी)

3. औसा कि उत्पर सं. 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) 4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बार मे अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

किरायदारों की लिस्ट

डीड नं . 1227/16-4-1982, 1228/16-4-1982, 1229/16-4-1982, 1230/16-4-1982 I

1. पिछले बोड के किरायेवार

1. मै. एस. के. इन्टरप्राइजिज 250/- महीना 2. गोल्डन ट्रेंडिंग कम्पनी 100/- महीना 3. इण्डिया फेसी यारन 200/- महीना 4. मै. सतीश कामार सहगल 300/- महीना 100/ महीना 5. में बले पैक 6. मै. गुरडियाल सिंह महिन्द्र सिंह 250/- महीना 7. मै. राक्षेत्र सिल्क इण्डस्टी 200/- महीना सामने दाकानों 8. श्री तारा सिंह (दो द्काने) 65/- महीना 9. श्री हरबंस सिंह (दो द्कान) 50/- महीना 70/-महीना 10. मैं राकेश सिल्क इण्डस्ट्री (, ,) 255/-महीना 11. मी. जैमलोन निद्यिग इंडस्ट्री

को यह स्थना जारी करके पर्दोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी 'अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति रवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

एक जायदाद जो बटाला गोड़, अमृतसर में हैं जैसा सेल डीड नं 1229/16-4-1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में दर्ज है।

> आनंद सिंह आर्द्धः आर. एस. सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, चंद्रप्री, अमनसर

नारीख : 4-12-1982

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, अम्तसर

अमृतसर, दिनाक 4 दिसम्बर 1982

निदशे नं. ए. एस. आर./82-83/378--यत. म्फ्रे, आनंद सिंह आइ आर एस,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित वाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जा बटाला राड अमृतसर में स्थित है (और इमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीका अधिकारी के कार्यालय, अमृतमर में रिजस्ट्रीकरण अधिनाम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकमी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

> मै. उत्तम चंद हरबंम लाल वासी कटडा आहलूबालिया अमृतसर।

(अन्तरक)

 श्री राज पाल चापेडा पृत्र काहन चद्य बटाला रोड अमृतसर।

(अन्तरिती)

3 जैसा कि उत्पर नं. 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं) 4. ओर कांइ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सपत्ति में हितबद्ध हैं)

किरायदारो की लिस्ट

डोड न . 1227/16-4-82 , 1228/16-4-82 1229/16-4-82 1230/16-4-82

। पिछले शंड से किराएदार

मं एस के एटरप्राइजिज
 गांल्डन ट्रेडिंग कपनी
 इंडिया फॅसी यारन
 मं सतीश कामार सहगल
 300/- महीना
 300/- महीना

म. सतीश कुमार सहगल 300/- महोना
 म. बलो पैक 100/- महोना

6. मं. गुरिडयात सिंह महिन्द्र सिंह 250/- महीना
 7. मं. राकेश सिल्क इडस्ट्री 200/- महीना सामने दाकाने

8. श्री तारा सिह (दो द्काने)65/-9. श्री हरबस सिह (दो द्काने)50/-

10 में राकश सिल्क इन्डस्ट्रीज (वो दुकाने) 70/

11. मै. जैसलोन निटिंग इंडस्ट्री 225/-

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्ट सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे विया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो बटाला रोड अमृतसर मा है जैसा कि सेल डोड नं. 1228/16-4-82 ,रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर मो दर्ज है।

> आनद सिंह आई आर एस सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-3, चंद्रपुरी अमृतसर

तारील 4-12-82 मोहर

प्ररूप गाई० टी० एन॰ एत॰-----

मायकर प्रचिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र^{चे}ज, अमृतसर र विकास ४ विकास ४०००

अमृतसर, दिनांक 4 दिसम्बर 1982

निविध नं ए. एस. आर./82-83/379---यतः मुक्ते, आनन्द सिंह्, आई.आर.एस.

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितिनम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सभाम प्राधिकारी की, यह त्रिश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिनका उवित बाबार मूस्य 25,000/- रुपए में प्रधिक है

और जिसकी सं एक जायदाद है तथा जो बटाला रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विकास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पति का जिन बाजार मूल्य, जसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य संजक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक इत्य में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के बायित्व में कमीर्थु करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भौर/या,
- (का) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य अनिस्तर्भों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर मिविनिसम 1922 (1922 का 11) या उक्त मिविनियम, या धन-कर मिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, स्थिमने में सुविधा के सिए।

अतः खन्न; उक्त प्रिष्ठितियम की धारा 269-श के, जनुभारण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

 मं. उत्तम चद हरवंस लाल वासी कटड़ा आहलूवालिया अमृतसर।

(अन्सरक)

- 2. श्री राक्रेश चोपड़ा पुत्र राज पाल बटाला रोड अमृतसर (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में कोइ किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- अरे काँइ।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

किरायेवारों की लिस्ट

डीड नं. 1227/16-4-82, 1228/16-4-82 1229/16-4-82 1230/16-4-82

1. पिछले शड के किराएदार

मै. एस. के. एटरप्राइजिज
 2. गोल्डन ट्रेडिंग कपनी
 3. इंडिया फॅसी यारन
 4. मै. सतीश कुमार सहगल
 5. मै. बलो पैंक
 250/- महीना
 200/- महीना
 300/- महीना
 100/- महीना

6. मैं. गुरिडियाल सिंह मिहिन्द्र सिंह 250/- महीना
 7. मैं. राकेश सिल्क इंडस्ट्री 200/- महीना सामने दाकाने

8. श्री तारा सिंह (दो दुकाने) 65/-9. श्री हरबंस सिंह (दो दुकाने) 50/-

10. में. राकेश सिल्क इ डस्ट्रीज (दो दुकाने) 70/-11. में. जैसलोन निटिंग इंडस्ट्री 225/-

हो यह पूचना जारो हरह प्रकार सम्मिन के प्रजीन के लिए कार्यवाहियां मुक्क करता है।

उन्ते सम्मति क ग्रार्गन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षीर :--

- (क) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नारोज स 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोचन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजकत मं प्रकाशन की तारीण से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब ब किसी धन्य व्यक्ति द्वारा स्रश्लोहस्ता अरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्वध्दोकरगः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उक्त सिक्त-नियम के संस्थाय 20-क में परिभाषित है, वही पर्य होगा, जो उन सन्याय में विधा गया है।

अनुसूची

एक जायदाव जो बटाला रोड अमृतसर में ξ^* जैसा कि सेल डीड नं. 1227/16-4-82 ,रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज ξ^3 ।

आनंद सिंह आई भार एस सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-3, चंद्रपुरी अमृतसर

तारीख: 4-12-82

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 दिसम्बर 1982

निविश नं. ए. एस. आर./82-83/391--यतः मूर्फे, आनंद सिंह आइ आर एस,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं. एक भूमि का प्लाट है तथा जो घी मण्डी अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतस्र में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) अधीन, अप्रैल, 1982

को प्योक्त संपत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किष्ति नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूब्धा के लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के बधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री अमर दास पृत्र इशर दास कवीनज रोड अमृतसर।

(अन्तरक)

 मै. साना डाइंग एड फिनिशिंग वर्कस धी मंडी अमृतसर।

(अन्तरिती)

- जैसा कि उत्पर नं 2 में कोइ कि रायेदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. आर कांह।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधाहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 1092 व. ग. घी मंडी अमृतसर में जैसा कि सेल डीड नं. 1516/20-4-82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज है।

आनंद सिंह आई आर एस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-3, चंद्रपुरी अमृतसर

तारीख : 9-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 दिसम्बर 1982

निदंश नं. ए. एस. आर./82-83/392--थतः म्फं, आनंद सिंह आइ आर एस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

आरे जिस्की स. एक भूमि का प्लाट है तथा जा तुन बाला अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, अमृतस्र में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) अधीन, अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया जवा था या किया जाना था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसिक व्यक्तितयों, अधीन :——

- श्री अजीत सिंह पुत्र रोशम सिंह स्वारा ओम प्रकाश पुत्र हरी चन्द, इस्ट मोहन नगर, अमृतसर। (अन्तरक)
- श्री संज कपूर पृत्र बूज मोहन कपूर
 4 मदन मोहन मालवीय रोड अमृतसर।
 (अन्तरिती)
- जैसा कि उत्पर नं 2 मं कोइ किरायेदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति हैं)
- अोर कोइ।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी आनता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- दस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 260 व. ग. तुग बाला अमृतसर मे हैं जैसा कि सेल डीड नं. 2279/29-4-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर मे दर्ज हैं।

> आनंद सिंह आई आर एस सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, चंद्रपुरी अमृतसर

दारीय : 9-12-**1**982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धारा 269-च (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 9 दिसम्बर 1982

निदेश नं० ए० एस० भ्रार०/82-83/393—यत: मुझे, भ्रानन्द सिंह भ्राई० भ्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारु 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का आरण है कि स्थावर मार्गात, दिमका अपन अपन अपार गृष्य 25.000/- रह. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो गोपाल नगर श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैल 1982

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की अअत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; मौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

कतः अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

(1) श्रीमती भगवन्त कौर पत्नी मुखजीत सिंह वासी शरीफपुरा, श्रमृतसर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुदेण कालिया पुत्र राभ रतन कालिया गोपाल नगर, श्रमृतसर

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

एक जायदाद 88 व० ग० जो गोपाल नगर श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 2120 27-4-82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

> आनन्द सिंह आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 9-12-82

मोहरः

प्रकप बाइं.टी.एन.एस.------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 9 दिसम्बर 1982

निदेश, सं० भ्रमृतसर/82-83/394--यतः मुझे, श्रानन्द सिंह श्राई० श्रार० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उपित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो गोपाल नगर, श्रमृतमर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रमृत 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नितिस्त उद्योदयों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीड/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के निए;

बक्क ज्व, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती भगवंत कौर पत्नी सुरजीत सिंह वासी गरीफपुरा, श्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती इन्दु कालिया पत्नी सुदेश कालिया वासी गोपाल नगर, जिला श्रमृतसर।

(श्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रौर कोई । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, भी भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (च) इस स्पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपृत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकरेंगे।

स्मण्डीकरणः----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होणा, जो उस अध्याय में दिया गदा हैं।

वनसर्ची

एक जायदाद 88 व० ग० जो गोपाल नगर भ्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 2119/27-4-82 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधि-कारी भ्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह श्राई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 9-12-1982

मोहर 🚁

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ध्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 8 दिसम्बर 182

निवेश सं० श्रमृतसर/82-83/395--यतः मुझे, भानन्द सिंह, ग्राई० ग्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो चौक परागदास श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रमस्त 1982

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हम से किथत नहीं किया गया ही:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने मे सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्भरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यीक्तयों, अर्थात् :——
17—406G1/82

(1) श्रीमती श्रमृत कौर पत्नी इन्दर सिह वासी कटड़ा सफेद, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जैय कौर पत्नी राम सिंह चौक परागदाग श्रमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पित्त है)

(4) भ्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जो चौक परागदास, श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 7920/4-8-82 रजिस्द्रीकर्सा श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिह, ग्रार्घ० ग्रार० एस० सक्षम प्र₁धिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 8-12-1982

भागार के दी पूर्व एस . --- -

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन मृचना

भारत ग्रंदकार

कार्यालयः, सहायक आयात्रर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

निदेण स० त्रम्ागर/82-83/396--यतः मुझे, स्रानन्द सिष्ठ, श्रार्दे० प्रार० एस०

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्द अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य के प्रधीत वजस प्रापिकारों को यह विकास करने हा कारण है कि राज्य संप्यतित, विश्वका उधित बाजार मृत्य 25,000/- क से अधिक है

ग्रीर जिन्नि सं० एक जायराद है तो चौक परागदास, ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इसने उपावद अनुपूची में ग्रीर पूर्ण क्य से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता शिवकारी के कार्यानय ग्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रविनियस, 1908 (1908 का 16) के ग्रवीन, जुलाई 1982

को भूगोंकत रायसित के सिकत बाजार मूल्य भे कम के करणान प्रितिकत के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विकास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत समारित का उचित बाजार मूल्य, उसके एरवमान प्रतिकत से, एसे दश्यमान प्रतिकत का पर्ट मिल में की कि में की की की की की की की की की सिकरण के लिए तम पाया गया शिवकत, निम्मिसित उद्देश्य से उत्तर अंतरण लिखित में प्राप्त कि कर से कि कि नहीं किया गया ही...

- (क) जंतरण से हुई किसी जाय की बाबत., जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी लाग या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय लाग्कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अकत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरियी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना श्राहिए ला खिपाने को स्विभा के निए,

थरा जब, एक्स किविनयम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, में, एक्स पिटिन्यम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अभीन, प्रमाणितिशिक्स क्यक्तियों, अधित :----

(1) श्रीमती ग्रमरत कौर पत्नी इन्दर सिंह वासी कटड़ा सफेद. ग्रमृतसर।

(ध्रन्तरक)

(2) श्री राम सिह पुत्र हरनाम सिह वासी चौक परागदास, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रीर कोई।

(यह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मात्ति में हिनबद्ध है)

को बहु सृपना जारों करक प्वाक्त उभ्योप के अर्जन के लिए कार्ववाष्ट्रिय केरता हाँ

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अनिध मा तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्नों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाप्तर सम्पत्ति में हित- बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के एस विविद्य में किया का सकी थे।

वन्त्रची

1/2 भाग जायदाद जो चौक परागदास, ग्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 7476/26-7-82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

> म्रानन्द सिह, प्राई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर ।

तारीख [·] 8-12-1982 मोहर . से पश्चिक है

प्रसप भाई। टी० एन० एस०--

शायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (३) के प्रश्रीत स्वामा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, प्रमृतसर

म्रमृतसर, दिनांक 2 दिसम्बर 1982

निवेश सं० ग्रमृतसर/82-83/397---यत मुझे, भानन्द सिंह भाई० ग्रार० एस० भायकर भिवितन्म, 1961 (1961 का 43) (विके इसमें इसके परवाम 'तकद बांधिनयम' कथा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राथिकारी की, यह जिल्हान करने का काण्ण के कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- द०

भौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो गाव काहन्वान तहसील बटाला में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय बटाला में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के एक्यमान प्रतिफल के लिये जंतरित की गई हैं और मूफे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त उत्पत्ति का उजित बाजार मृल्य, छनक दृश्यमान प्रतिफल के, एन दृश्यमान प्रतिफल का पश्क्रह प्रांतणता स्रिके हैं और जन्तरक (जनरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के मान हो। अन्तरण के लिए मिनाय गया प्रतिकृत निम्नाविता उद्देश्य ने हैं। अन्तरण जिल्लास म यास्तावक कम्म कोवत नहां। हैं। एन हैं,—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपस अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचन में सूर्यिका के बिए, और/बा
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, फिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त किधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्मसितिस स्वितिसों नभृति :--- (1) श्रीमती चरनजीत कौर पत्नी हरबस मिंह वासी वटाला ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीलखबीर सिंह पुत्र देवा सिंह वासी सिबली तहसील बटाला।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर म० 2 में कोई किरायेदार हो। (वड वास्ति, जिलक अधिभोग में नर्स्थान है)

(4) ग्रीर कीई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितवद हैं)

को **बर् पु**रता नारो ह*ी*ने पुत्रीतः सम्माता के प्रज्ञांत के लिए कार्यवाद्विया करता हूँ

उनत सम्मिरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप .---

- (क) इस भूषना के राजपत्र मं प्रकाशन को तारी स सं 45 दिन की अपिय या तत्ताम्बन्धी व्यक्तियो पर भूषना की तागील से 30 दिन की अपिय, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो। अ भंगर प्रचाकत व्यक्तियो में स किसा व्यक्ति दनारा,
- (का) इस सचना के राजपंत्र मा प्रताशन देवे जिला न से 45 दिए के भोजर उन्तर स्थालण संपत्ति भी । हत बद्ध किसी अन्य स्थोलल द्वारा अभाह्स्ताक्षण के न गण गण

स्पक्षीक रण'-- इसमे प्रयूक्त भावों टी पदे मा, जा जबस अभिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

एक जायदाद गायकाहनुवान, बटाला में है जैसा सेन डीड न॰ 667/4-82 रजिस्ट्रीकर्ता प्रविकारी बटाना में दर्ज है।

> भ्रानन्य सिंह, ग्राई० भ्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज, भ्रमृतसर

तारी**ख** 2-12-1982 मो**द्वर**: प्ररूप आहु . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 23 नयम्बर 1982

निदेश मं० श्रमृतसर/82-83/398—यतः मुझे, भ्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० एक जायदाद नं० $462~X^{\rm I}$ है तथा जो गुरू का महल श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, $1908~(1908~{\rm sh}~16)$ के श्रधीन, श्रप्रैल 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उश्वित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में कास्तिक रूप से किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के गुधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) महिन्दर कुमार जैन
ग्रशोक कुमार जैन,
दलीप कुमार
पुतान मेहर चन्द
शकुन्तला जैन निधवा मेहर चन्द,
ऊषा, तिरपता जैन, नीलम जैन
पुत्रियां संजोगता जैन
पुत्री मेहर चन्द वासी गुरु का महल,
ग्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विशन दास
पुत्र हरी किशन
वासी गुरु का महल,
प्रेम रानी पत्नी सन पाल
गुरु का महल, अमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर स० 2 में कोई किराएदार हो । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसूची

एक जायदाद सं० 462/XI गली भावड़ियां, गुरु का महल, ग्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 2254/29-4-82 रिजस्ट्री- कर्ता श्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह, श्राई० ग्राप्त० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 23-11-1982

प्ररूप मार्च. टी. एम. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

धमृतसर, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

निदेश स० अमृतसर/82-83/399--यतः मुझे, मानन्द सिष्ठ, म्राई० मार० एस०

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000. र र से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो भ्रमामवाड़ा बाजार, गुरदासपुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वांगत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के भ्रधीन, भ्रप्रैल 1982

को प्वांक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथाप्यांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरित (अन्तरित्यां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के जधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी जाय का किसी धन या अध्य आफितयों करे, फिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा को किए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधास (1) के मुधीन, निम्निल्सित व्यक्तियों, मर्थात् :---- (1) श्री गुरचरन सिंह पुत्र भगवान सिंह ग्रमामवाडा बाजार, गुरदासपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गुरवियाल सिंह भ्रमामवाडा बाज्यर गुरदासपुर।

(पन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रीर कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में समोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितसस्स है,)

को यह सूचना चारी करके पृकाँकत सम्वृत्ति को वर्षन के सिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षंप:--

- (क) इत् स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 विन की सर्वाभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अन्धि, को भी सर्वाभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित्तबहुक किसी अन्य व्यक्ति द्वास अधोहस्ताक्षारी के पाक विक्रित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिस्यः ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को उक्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नप्यंची

एक जायदाद जो भ्रमामवाडा बाजार गुरदासपुर में है जसा सेल डीड नं० 468/28-4-82 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी गुरवासपुर में वर्ष है।

> म्रामन्द सिंह, माई० बार० एस० सक्षम प्राधिकारी सङ्गायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, स्रमृतसर

तारीख: 8-12-1982

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-मृ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, प्रमृतसर

श्रमृतसर, विनांक 8 दिसम्बर 1982

निवेश सं० अमृतंसर/82-83/400-यतः मुझे, आनन्द सिंह श्राई० ग्रार० एस०

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो हरदोछान रोड गुरदासपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रप्नैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निल्खित उदबरेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्विक कप से कथित नहीं किया ग्या हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् :--- श्री भ्रनेत मसीह पुत्र गोपाल दास, हरदोछान रोड गुरवासपुर।

(भन्तरक)

(2) श्री डेविड पुत्र भनेत मसीह, हरदोछान रोड, गुरवासपुर।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो । (वह व्यक्ति, जिसके ब्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) भौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद 2 कनाल हरदोछान रोड गुरदासपुर में है जैसा सेल डीड नं० 374/22-4-82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी गुरदासपुर में दर्ज है।

> मानन्द सिंह, म्राई० म्रार०एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, भ्रमृतसर

सारीच : 8-12-1982

नाहरू 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एत. ----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 13 दिसम्बर, 1982

निदेश ए.०एस.०श्रार०/82-83/401---यतः मुझे श्रानन्द सिंह श्राई० ग्रार० एस०

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि का एक प्लाट डिवैलपमेंट स्कीम, श्रमृतसर है तथा जो श्रजनाला रोड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख अप्रैल, 1982

को पूर्विक्त संपरित के उिचल बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उिचल बाजार मूल्य उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) ममृतसर इमपरूवमेंट ट्रस्ट, ममृतसर

(झस्तरक)

(2) श्रीमती सुखबीर कौर पुत्री भवरन सिंह सन्धू गांव भौर डाकखाना कालेधनुपुर जिला श्रमृतसर

(भन्तरिती)

(3) जैसा नं० 2 में से कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) स्रोर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में स्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट 292 व० ग० भ्रजनाला रोड डवेलपर्मेट स्कीम-भ्रमृतसर जैसा सेल डीड नं० 1631 दिनांक 21-4-82 रजिस्ट्री कर्ता भ्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह, श्राई०ग्रार०एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 13-12-1982

मोहरः

দ**ৰুব মাৰ্ছ**০ তীত **एকত एকত**—

भाषकर संधितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के संधीत सूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजैन रेंज, म्रमृतसर

म्रमृतसर, दिनांक 13 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० ए०एस०झार०/82-83/402-यत: मुझे झानन्य सिंह, झाई० झार० एस०

नायसर पंजितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रिवित्यम' नहा गया है), की प्रारा 269-ख के प्रशीन नक्षम प्राधिकारी की, पह विश्वास करने का नारण है कि स्वाबर सम्पत्ति, जिसका उचिन वाजार मूल्य 25,000/- कार्य से प्रधिक है

श्रीर जिसकी एक जायवाद है तथा जो पिंड शपा राम सिंह तह० अमृतसर में स्थित है (श्रीर इसमे उपायद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख श्रील, 1982

भी पूर्वीचर सम्मित के उचिन नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए प्रस्तित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित्र बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रविक्त से पविक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, तिम्निविक्त उद्देश्य से उसत प्रस्तरण लिखिन में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है!—

- (का) धन्तरण से तुई किसी पार को अधन जनत प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्य मैं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; ग्रीर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भ्रम्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर प्रक्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्रिनियम, या भागकर प्रक्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने मैं सुविधा के लिए;

सतः सम्, उत्रतं प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमु-सरण में, म, उत्रतं प्रधिनियम की धारा 269-म की उत्र-जारा (1) की अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) श्री हरजीत सिह पुत्र गुरदयाल सिह गाव शपा राम सिह तहसील ग्रमृतसर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बलदेव सिह मृतवना बहादर सिंह बलजीस सिंह पुत्र मोहबदर सिंह गाव शपा राम सिंह तहसील श्रमृतसर

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० नं० में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त पम्मित के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में छे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सुचना के राजपन में प्रकामन की तारीं खंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्पक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिः नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्य होगा, जो उस ग्रुक्पाय में विया गया है।

अनुकृषी

1/2 जायदाद 2 कानाल 18 मरला पिंड शपा राम सिंह तहु प्रमृतसर जैसा सेल डीड नं० 2336 मे दर्ज है, तिथि 30-4-82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 13-4-82

प्र**रप धाई० टी० एन० एस०---**-

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 13 दिसम्बर 1982

निदेश स० ए०एप०ग्रार०/82-83/403---पत मुझे श्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एम०

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृह्य 25,000/-६० मे श्रधिक है,

श्रौर जिसकी मं० भूमि' का एक प्लाट जो चील मुडी महा सिह गेट श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रविकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन के श्रधीन) श्रप्रैंस 1982

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफार के लिए अन्तरित की गई है योर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यं गपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिजत अधिक हे भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीव ऐसे अस्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई)कसा आय को बाबत, छनन श्रक्षिनियम, के श्रष्ठीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/सा
- (ख) ऐरी किसो ग्राय या किसी बन या प्रस्त ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीवित्यम, या धन-कर पिधनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में नविशा किया;

जरा: प्रव, उक्त प्रशिनियम की घारा 269-ग के प्रम्सरण में में. उक्त प्रविनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) ते प्रधीन जिम्लि(लिल् व्यक्तिओं प्रथित:---18—406 GI/82 (1) श्री पुरत चन्द किसन वन्द पुत्रात भखुराम चील मंडी महासिंह गेट श्रमृतसर

(म्रन्तरक)

(2) श्री गुरदिश्राल सिह पुत्र शेर सिंह बटाला रोड श्रमृतसर

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसान० ऊपर कोई किराएदार है

(वह व्यक्ति जिसके श्रविभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रौर कोई

(बह व्यक्ति, जिनकें बारे में अधोडस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उर्जन सम्पति के प्रजंत के संबंध में कोई भी प्राक्षेत :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 म्चना की तामील में 30 दिन की श्रविध, औ
 भी श्रविध बाद में समाष्ट्र होती हो, के भीतर पूर्विक्त
 थिक्तिया में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजाका विकास की लारोब ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितका किमी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधिनयम क श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रये होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद 195 व० ग० चील मडी महल सिह गेट जैसा सेल डीड नं० 2059 में है रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी अमृतसर में वर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह, ग्राई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 13-12-82

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 13 दिसस्बर 1982

निदेश सं० ए०एस०स्रार०/82-83/404—यतः मुझे, स्रानन्द सिंह स्राई० स्रार० एस०

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि का एक प्लाट है तथा जो गृह की वडाली जिला ग्रमृतमर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पुर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रप्रैल, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल को लिए उन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त पत्रा) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष्म कि कि एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष्म कि किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्न अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, गें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के उभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री राम जीवन सिंह पुत्र परीतम सिंह पुत्र वधवा सिंह गुरुकी वडावली जिला श्रमृतसर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री स्रजीत सिंह पुत्र बूटा सिंह प्रताप बाजार शाहरवा जिला श्रमृतसर

(श्रन्तरिती)

(3) जैसा कपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिनके स्रितिमोन में सम्पत्ति है)

(4) श्रौरकोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रजीहस्नाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से
 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यदितयों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वों कर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्दारा;
- (ख) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाणन की सारीख से 45 दिन के भोतर उनन स्थातर सम्बन्धि में हितबद्ध किसी भ्राप्त व्यक्ति द्वारा, श्रत्राहरूनाक्षरी के पास लिक्किस में किए जा सकेंगे।

स्पष्कीकरणः ---- इसमें प्रयावता शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का एक प्लाट 475 वं ग्रंग श्रिआदी करतार नगर जैसा कि सेल डीड नं० 2019 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह, ग्राई०ग्रार०एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्राय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर ।

तारी**ज**: 13-12-82

मोहर '

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, श्रम्तसर

भ्रमृतसर, दिनाक 13 दिसम्बर 1982

निदेश स० ए०एस०प्रार०/82-83/405--यतः मुझे श्रानन्द सिंह ग्राई० श्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीग सक्षाम प्राधिकारी दो यह गिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

म्रीर जिपको सं० भूमि का एक प्लाट है तथा जो तुम बाला म्रमृतसर में स्थित है (और इपने उपाबद्ध अनुमूची मे ग्रीर पुणे रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख श्रप्रैन 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मो सूनिधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया शा या विष्ण जाना नाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री रेणम सिंह पुत्र श्री म्नानन्द सिंह विजय नगर बाटाला रोड भ्रमृतसर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सनत कुमार पुत्र श्री राम प्रकाश गाली लामबा वाली श्रमृतसर

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार है) (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षभोग में सम्पत्ति है)

(4) भीरकोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ज्याक्तया में में किसी ब्याव्स द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

भूमि का एक प्लाट 258.33 व०ग० तुम बाला श्रमृतसर में जैसा सेल कि डीड नं० 669 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में वर्ज है।

> भ्रानन्द सिंह भ्राई०ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 13-12-82

अधिक है

प्ररूप आई० टा० एन० एन०-- ----

बायक १ प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के भधीन सूचना

भारत सरकारु

क्षार्यालय्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष्ण)

स्रर्जन रेंज, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर, 1982

निदेश सं० ए० घार० 1/4714/82-83-- घतः मुझे, घार० के० बकाया आयक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गण है), की घारा 269-घ के प्रशीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से

स्रीर जिसकी मं० सी० एस० नं० 1670 स्राफ लोग्नर परेल डिबिजन है तथा जो लोग्नरपरेल डिविजन में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुपूनी में श्रीर पुर्ण रूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रिविकारी के कार्यात्रय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30-4-1982

कार्नर स्राफ शंकरधाणेकर मार्ग ग्रौर काका साहेब गाउगिल मार्ग, प्रभादेवी,

डाक्यूमेंट न० बाम्बे 819/81
को पूर्वाक्त पंत्रित के उत्तित वर्जार मृहय में कम के दृश्यमान श्रतिका के लिए धन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपित का उचित्र बाजार मृहय, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डह श्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (प्रन्तरकों) और धन्तरिती (प्रम्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल तिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तिबक कप स किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबन जकन ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के धायित्व में क्रमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें मारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिधा के लिए;

धतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-त के मनुसरण में मैं, उक्त प्रश्निनियम की घारा 269-व की सपधारा (1) के अधीन,, निव्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् उन्न (1) श्री भ्रव्हुल्या फाजयनाय चोरिटज ट्रस्ट नूरत जयभारत कोप्रायरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, भाडोली

(भ्रन्तरक)

(2) नूतन जक्भारत को-म्रापरेटिय हार्जीसर्ग सोसायटी लिमिटेड,

(भ्रन्तरिती)

(3) भाडोती

को यह सूचना जारो करके पूर्वक्ति सम्पन्ति के **धर्ज**न थे लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीत के तम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप ----

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीज से 45 दित का ग्रविध या तत्यम्बन्धा व्यक्तियों पर सूचना की तामीन में 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोतन व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दारा;
- (खा) इस सूचना के राजात में प्रकाशन को तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन-बत्त किभी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोत्स्ताअरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पढ़ीकरण:--इसने प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पत्रां खा, जो उकत श्रिधितयम के ग्रध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही ग्रयं होगा जो उम ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुपूची जैपा कि विलेख स० न० बाम्वे 819/81 श्रीर जो उप-रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 30-4-82 को रजिस्टर्ङ किया गया है।

न्नार० के० बकाया सक्षम प्रधिकारो सहायक न्नायकर् न्नायुक्त (निरीक्षण) न्नार्यके रेज 1, वस्बई

तारीख : 6-12-82

प्ररूप बाई'.टो.एन.एस.------

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म(1) के समीन सुमता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज 1, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 दिसम्बर 1982

निदेश सं० एफ नं० 94/अतें न/82~~यतः, मुझे एस० लहरो आयमर पश्चित्यम, 1961 (1961 का 43) (निष इसमें इसर पश्चान 'किन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख अ अधार नजन आधिनारों का, यह विश्वान करने फर कारण है कि स्पापर पस्पान जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-क० से अधिक है

स्रीर जिस्की मं० 106/1G, 106/III मानमपट्टी क्रम्म है, जो किन्वन्त छ कुमेट स० 230/82 में स्थित है (स्रीर इससे उपावस अ गुमूची में स्रोर पूर्ण कर्व से विणित है), रिजिस्ट्री ति श्रीधव री के कार्यालय सानार पटटी में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन स्राप्तीय 1982

को पूर्वोत्त अम्बन्ति के उचित बाबार मृह्य से कम के दुश्तमान प्रतिकृत के निए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यणापूर्वोक्त सम्बन्ति का उचित बाजार बूह्य उनके दृश्यमान प्रतिकृत स, ऐप दृश्यमान प्रतिकृत का पन्छह प्रतिणा अधिक है और अम्लर्क (ग्रन्तरको) श्रीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के जीव ऐसे सम्लर्ण के लिए स्थ पाया गा अधिक न सम्नतिश्वित उद्देश्य से स्वत्त अस्तरण विश्वित में वास्तरिक का सम्नतिश्वत अदेश्य से स्वत्त अस्तरण विश्वित में वास्तरिक का सम्नतिश्वत में वास्तरिक का सम्मतिश्वत अदेश्य से स्वत्त अस्तरण विश्वतिक का से क्यान नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण १ १६ किसी पाय को बाकत, उनत धीर्मानयम के अज्ञान कर देने के घन्यरक के दायिक में कमी करने था उससे वचने में मुखिका के सिए और/या;
- (च) ऐसी किया माथ या किसी घन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाय प्रश्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया जला पाहिए या, खिलाने में सुनिधा के लिए;

(1) श्रा साविदिरि प्रमाल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री तिरुमुलु अम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूजना जारी करक पूर्वीक्स सम्पत्ति के स्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी घासीप !-

- (क) ६म नुबना के राज (ज में प्रकाशन को तारी ख से 45 दिन को अविध या लक्ष्मम्बन्धी म्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की धविध, जो भी अविध खाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ष व्यक्ति यो में में किसी व्यक्ति वारा;
- (ख) इस पूजना के राजन में अकामन की सारीज से
 45 दिन के भीनर प्रकृत स्थावर सम्पत्ति में हिन्बद्ध
 किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 विद्यात में किए जा सकतें।

स्वध्दी ह ण ----इस वं प्रयूक्त शब्दों भीर पत्नों का, जो उक्त भ्रष्टिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अपं होगा जो उत्तम गय वें दिवा गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण, 106/1 जी, 106/III, सातमपट्टी ऋम्म, तिनदुकरूल (डाकुमेट सं० 239/82)

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारा सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

प्रतः अव, उक्त ग्राधिनियम की ग्रासा 269-म के ग्रम्भरण में, मैं, धक्त ग्राधिनियम की गारा 269-म की अपवारा (1) को अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, मुश्रातः—

तारीख: 6--12-82

प्ररूप **गाइं.** टी. एन. एस.-----

(1) श्री एल्लम्माल

(भ्रन्तरक)

बायकर ब्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वासुदेवन

(भ्रन्तरित))

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-I मद्रास मद्रास, दिनाक 6 दिइम्बर 1982

निदेश स० एफ न० 64/अप्रैल/82---यतः मुझे एस० लहरी बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-रु. से अधिक है

स्रोर जिनका सं० 155/3, 155/6, डाकुमेंट सं० 947/82 है, जो में स्थल है (फ्रॉर इसने उपावड में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिज दी र्ला ग्रीध री के कार्यालय आरनी में भरतीय रिज्दि वरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधन भर्मेल 1982

को पूर्वित्स संपरित के उित्त बाजार मृत्य से कम के रहना प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह किए कि स्थापूर्विकत संपरित का उित्त बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एके दृश्यमान प्रतिफल से एके दृश्यमान प्रतिफल से पन्ते दृश्यमान प्रतिफल से पन्ते दृश्यमान प्रतिफल से पन्ते दृश्यमान प्रतिफल से पन्ते प्रतिमत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिम्फल, निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उच्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उत्तस क्यने में सृथिधा के लिए; आर्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी ह से 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भिम और निर्माण 155/3, 155/6, डाकुमेंट सं० 947/ 82।

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रोज-I, महास

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, मिम्निसिंत व्यक्तियों, अधीत्:---

तारीख: 6-12-82

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज 1, बम्बई

बम्बई, दिनार 30 नवम्बर 1982

निर्देश स० ए० इ. १८० 1/4700/82-83-- इ. इ. १८० वे० बकाया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का विश्वास क्या मृल्य 25,000/-रह से अधिक है

श्रीर जिनका सक साक एमक नक 602 (पंट है) त्या जो काफ गोवित्या टेन रोड में रियत है (श्रीर इसरे उपाबद कन्द्राची में श्रीर पुणं रूप से विणित है), रिस्ट्री तो अधिवारी दे नार्याच्य बम्बई में रिक्ट्री रण अधिविष्य, 1908 (1908 वा 16) के अधि न, तार ख 27-4-1982 मल्बर श्रीर वदाल, हीत डिवीजन, डाक्यूमेंट नक 784/74 बौस्वे

को पृत्रों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और सभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्श्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्यों में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मों कमी करने या उसमें अचने में स्विधा के लिए, और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिशी दगरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) श्री बी॰ जमासण। मिस्त्र। प्राईवेट रि: स्टिंड, (ग्रन्तरक)
- (2) फरियास की-प्रापरेटिव हार्कीस्य सोसायट। लि.मिटेड सोतायट। वे सदस्य

(ग्रन्तिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या त्रत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

ग्रनुसूचि: जैसा कि विलेख स० 784/74 बाम्बे ग्रीर जो उप-रिक्ट्रिंग्स बम्बई द्वारा दिनाक 27-4-82 को रिज्स्टर्ड किया गया है।

> द्घार० वे० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहयक क्षायकर द्घायुक्त (निरीक्षण) क्रजेंन रेज 1, बस्बई

रा**रीख 30-11-8**2 मोहर प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

श्री उश्मानकान

(म्रन्तरक)

(2) श्री प्रबंदुलकष्र

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भजंन रेंज I, मब्रास मद्रास,दिनांक 6 दिसम्बर 1982

निवेश सं० एफ नं० 65/श्रप्रैल/82 —यतः, मुझे एस० लहरी नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

श्रीर जिनकी संव वारट ई, प्लाट न व 27/2ब। श्रमण्यट व नियम-पाटी है, जो डाकुभेट संव 707/82) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजरड़ी की श्रीधारी के कार्यालय, वानियमपाटी में भारतीय रिजर्दीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रील 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूरयमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए;

का यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताकरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पंध्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह¹।

अनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण वारट ई, पिलाक सं० 27/2बी, उमधुर पेटै, बानियमप.टी (ड.क्सेट सं० 707/82)

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज ¹, मद्रास

अतः अद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:---

त**्रीख**: 6-12-82

अखप आई• टी॰ एन॰ एस॰-----

प्रापातर ऑधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-५ (1) वा अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 दिसम्बर, 1982

निदेश सं० 105/श्रप्रैल/82—यतः, मुझे एस० लहरी भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 265 के निर्देश सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जमकी सं० 129, नानजे मिटियार कम्म नानजै मिटियार, पोरट, नामक्कल है, जो मेलम डाकुमेंट सं० 484/82 में स्थित है (श्रीर इसमे उपावद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्राकृत श्रिधि कारा के कार्यालय वेल्लूर, सेलम में भारताय रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान श्रप्रैल 1982

अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधान प्रप्रल 1982 को पूर्वोंकत संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिकित बास्तिक कप में किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के निर्ण शर्र/का
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना आहिए था, ष्टिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नीतिषित क्यिक्तयों क्रशीतः——
9—406GI/82

(1) श्री श्रीनिवाशरागयन

(अन्तरक)

(2) श्री मारिमायि श्रम्माल

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ गर्कों गे।

स्थव्हीकरणः ---- हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि और निर्माण 129, नानजै मिटयार ऋमा, नानजै मिटयार पोस्ट, नामक्कल, मेलम (डाकुमेंट सं० 484/82)

> एस० लहरी मक्षम प्राधिकार महायक ग्रामकर भ्राथुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज़ , मद्रास

ना**रीख** : 6-12-82

प्रकृष प्राई॰ टी॰ एत॰ एस॰----

थ।पकर प्रधिनिषम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

धारत नरकार

कायनिय, सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रोज I, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 दिसम्बर, 1982

निदेश सं० एफ नं 1/श्रप्रैल/82~~यतः, मुझे एस० लहरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रोर जिपकी सं० 3, 3ए/1, 6485 स्रारक्कोनम, वालजा, है, जो नारत एरकाट में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध में स्रोर पूर्ण का वे वींगा है), रजिस्ट्री कर्ती स्रधिकारी के कार्यालय वालाजा में भारतीय रजिस्ट्री करण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के स्रधीन, स्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्यक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए धम्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत श्रधिक है धीर धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखिल उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविह रूप ये किसत नहीं जिया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के गण्यनार्थं गण्यारिती बारा प्रकट नहीं किया गण या किया जाना नाहिए था, खियाने में न्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, में, उदत अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, जिम्मिलिशिस व्यक्तियों, वर्षास् :--

(1) श्रो मिन्नी कुलजार श्रहमद सायबु

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुम्ताज बेहम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योका वाकितयों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूनता के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्मलि में हितवद्ध किसी श्रन्थ क्यक्ति ब्रास, श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्झेकदण :--इनमें प्रयुक्त शब्दों मीर पदों ता, जो उकत श्रिष्ठित नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही क्यं होगा, जो उप श्रष्टपाप में दिया गया है।

अम्स्यो

भूमि और निर्माण, 3, 3ए/1, 6485 ग्ररक्कोनम, बालाजा, नारत ऐरकाट (डाकुमेंट सं० 971/82)

> एस० लहरी, सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज I, मद्रास

तारी**ख**: 6-12-82

नोहर:

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. ------

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्वालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिशोक 6 दिसम्बर 1982

निदेश सं० 110/प्रप्रैल/82--यतः, मुझे एस० लहरं। आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र संश्विक है

स्रोर जित्तक। सं० 78/ए है, जो कोटैकानल में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता अधिकारी के हैं कार्यालय कोटैकानल में भारताय रजिस्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान अप्रैल 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पेयह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-फल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्ष्य स कथित नहीं किया गया है:—

- (क) करूरण से हुई फिसी जाय की बाबत उकत कि कि नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्रिया करने या उसस बखने में सूविभा के लिए; बीह/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

कतः बर्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित क्यक्तियों, अर्थात् :— (1) भार रावा विश्वनाथन

(अन्तरक)

(2) श्रा सिवनथा फामर प्राईवेट लिमिटेड

(भ्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्वना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बत्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पर्वती करणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा के उस अध्याय में दिया नया है।

मनुसूची

भिम भौर निर्माण, 78/ए, कोटकानल (डाकुमट सं० 140/82)

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी स**हायक झायकर झायुक्**त (निरीक्षण) **ग्र**जन रेंज I, मद्रास

ता**रीख**: 6-12-82

प्ररूप आई० टी• एत० एस•---

जायुकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज-[,मद्रान

मद्रास, दिनाक 6 दिसम्बर 1982

निर्देश मं० एफ न 104/अत्रैल/82— यतः मुझे एस० लहरं।, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्या, 25,000/- रूठ. से अधिक ही

श्रीर जिसका सं० 129, नानजै याटयार श्रम्म नामक्कल सेलम है जो डाकुमेंट सं० 483/82) में स्थित है श्रीर इससे उपाध्य में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रावर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, विलुर

मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के बंधीन ग्रप्रैल 1982

को पूर्वो क्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं. और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वो क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया प्रशापक प्रतिफल, निम्नितिखत उद्बेश्य से उथत अन्तरण लिखित में बास्तविक एप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीत, निम्यितिसिय व्यामितया, अर्थात् ---

(1) श्री नोबासरनगन

(अन्तरक्)

(2) श्रं। ग्रारमुगम

(ग्रन्तरितं:)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्स में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुस्ची

भूमि श्रीर निर्माण, 129 नानजे याटयार क्रम्म नामक्कल. सेचम (डाकुमेन्ट सं० 483/82)

> ग्स० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेज-I, मद्रास

नारंखाः 6-12-82

मोहर

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० 119/श्रप्रैल/82—यतः मुझे एस लहरी. श्रायकर लिपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 108/2 कोटैकानल है, जो डाकुमेन्ट सं० 160/82 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिट्टेनात्ता ग्रिधिकारी के बार्यालय कोटैकानल ग्रेपेल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिनत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रम्तिरत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का जिनत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तरह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तारक (प्रम्तारकों) भीर प्रन्तारिती (प्रम्तारितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निकिश्व उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण निवित्त में वास्तिक रूप से कांगत नहां किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण त्रद्र किसी आय की बाबत प्रस्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित में कमी करने या उसमें बचने में पुविका के शिए; और/ण
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकः अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए वा कियाने में सुविधा के निष्ण ।

ग्रतः प्रज, उक्त अधिनियम की जारा 269-व के श्रनुसरण में, में, क्वन अधिनियम की अर्था 269-म की अवसारा(1) के प्रशीन, निम्तानिधिस व्यक्तिमों, अर्थात्

(1) श्रा प्वलगिरि

(ऋन्तरक)

(2) श्री श्रोन्दगा श्रगरी यिनवेश्मेट (पि) (लिट्) (अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करुकें पूर्वोंक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य विक्तयों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पनसची

भूमि श्रोर निर्माण, 108/82 कोटैकानल (डाकुमेन्ट सं० 160/82)

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, मद्रास

र्नार्राख *7-*12-82 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

काय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) क अवोक न्याना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेन्ज-I महास

मद्रास, दिनांक 7 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० एफ नं० 120/श्रप्रैल/82—यतः मुझे एस० लहरं।, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका जिवत बाजार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 82, कोर्टकानल है, जो डाकुमेट सं० 188/82 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय कोर्टकानल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अप्रैल 1982 ि

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिएत य पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उन्तर विधिनयम के अधीन कर दोने के अस्तरक के वायित्य भा कभी कारन ए उपसे बचने मा भुजिथा क लिए, बॉर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं. उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिस्त व्यक्तिक्तें, अर्थीत् :---

(1) श्रीमती तायम्माल रोवश्न

(अन्सरक)

(2) श्रो रनखरा किरुरनमूरर्सा

(अन्तरिती)

कां यह सूंधना जारी कारके पूर्धाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप:-

- (क) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 दिन की अविध , खो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां क्त स्थितरों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मध्दीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्त्वी

भूमि श्रीर निर्माण 82 कोटैकानल (डाकुमेंट सं० 188/ 82)

> एस० लहरी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) सक्षम प्रापिकारी ग्रर्जन रेज-1 मद्रास

तार्र।ख *1*-12-82 मोहर : प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर म्रायुक्त निरीक्षण प्रर्जन रेंज महास

मब्रास, विनांक 7 विसम्बर 1982

निर्देश सं० 121/प्रप्रैल/82—यतः मुझे एस० लहरी, धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनन प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन पत्रप पाधिकारी की, यह विष्वाम करने का कारण है कि स्थावर पंगत्ति, जिसका उत्तिन बाजार मूख्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं 71, 72 73, 74, 79, 67 1, 67 2, 68, 99 2 101, 315 3, 462 1, है, जो 463 2, 644 733, 2678 विलपट्टी, कोटेकानल में स्थित है (ग्रीर इससे उपायग्र में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रिक्ती ग्रिधिकार्रा के कार्यालय, कोटेकानल

में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1982 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पण्डह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नितिक्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित्त में वास्त्रिक रूप से कथि तहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सूविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐपो िती प्राय या किसी बन या ग्रन्थ प्रास्तियों
 को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए।

अतः अश्व उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में के, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अधीत :--

(1) श्री वेनक्कटरामन

(अन्तरक)

(2) श्री सचीवानन्व एयर

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजी। के सम्बन्ध में कोई मो प्राप्तेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की स्रवधि या तःसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की स्रविध, जो भी स्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकन व्यक्तियों में से किसो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्धीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिमापित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि, भीर निर्माण सं० 71, 70, 72, 73, 74, 77, 79, 67/1, 67/2, 68, 99/2, 101. 315/3, 462/1, 363/2. 644, 733, 2678 विलपट्टी, कोटैकाल (डाक्रुमेंन्ट सं० 95/82)

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-I सद्वास

ं नारीख 12-11-1982 मोह्रुःु यरूप छाए[‡] सी छन छस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सनायक आराधार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेन्ज मदास

भद्रास, दिनांक 9 दिसम्बर 1982

निर्देश मं० 127/श्रप्रैल/82—यत मुझे एस० लहरा. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधिन हाजार मूल्य 25,000/- रुठ में अधिक हैं

श्रीर जिसकं स० 7, पुदुमनटबम, महुरै डाकुमेन्ट स० 2306/82 है जो मेस्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँ र पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रावर्स्सा ग्रधिकार के वार्यालय में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

मद्रै ऐप्रैल 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के रूष्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्प्रित का उपित बाजार मूल्य, इसके दृष्यमान प्रितिफल से, एसे रूप्यमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक अन्तरकां) और अन्तरित (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निकालिखित उद्देश्य में उक्त अतरण निकाल मा वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अतरण सं हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में स्थिधा के लिए, और/या
- (ख) एची किसी आप था किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ष अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

ा ा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसन व्यक्तियों. अर्थात —— (1) श्री अलगिरियमि

(अस्तरक)

(2) श्री कालाबर्नः

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना कें राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (भ) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशत की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-षद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पछ्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण 7. पृदुमनटब्रम, मदुरै (डाकुमेन्ट म० 2306/82)

> _{गस० लहर}्मक्षम प्राधिकारी ्मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) क्षर्जन रेज्र√, मद्रास

तारी**ख** 9-12-82 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 48) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज मद्रास

मद्राम, दिनांक 9 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० 128/श्रप्रैल/82—यतः मुझे एस० लहरी, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसरें इसके पश्चात 'उका अधिनियम' हा गया है), की धारा 269-ज के अधीर सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिन, जिसका उविश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिन, जिसका उविश्वास बाजार मूल्य 25,000/- धपये ने अधिक है श्रीर जिसकी सं० 14 सी०, पुटुमनटबम, महुरें, है जो डाकुमेंन्ट सं० 2307/82 में स्थित है (श्रीर इससे उपावस अनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता श्रिधकारों के कार्यालय, मदुरें

16) के अधीन अप्रैल, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रम्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है थौर प्रम्तरक (प्रन्तरकों) श्रीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य मे उनन अस्नरण लिखिन में वास्तविक कर में क्यिंच नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसो प्राय को बाबत **उक्त प्र**धि-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्य म कमी करने या उत्तसे बचने म शुविधा के शिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उकत श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अन्, उन्त अधितियम की धारा 269-न के धनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की आरा 269-व की उपवास (1) के सधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 20—496GI/82 (1) श्री अनिगिरिशमी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विश्वायन

(ग्रन्नरिती)

को यह सूचना प्रारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के जिए कार्येवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति के प्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी झाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन में 30 विन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 विन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितब ब किसी अस्य स्पक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा,जो उप अध्याय में दिया गया है।

ननसची

भूमि ग्रौर निर्माण, 1407 पुदुमनटबम मदुरै (डाकुमेट सं० 2307/82

> एस० लहरी सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, मद्राम

नार)खं: 9-12-82

प्ररूप आर्च. दी. एन. एस. - - - --

(1) श्री कृष्णास्वामी नायुङ्

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा

(भ्रन्तर्क)

(2) श्रीः मोहन मल्लया

(म्रन्तरितः)

भारत सरकार

269-ष (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेज मद्रास

मद्राम, दिनाव 9 दिल्म्बर 1982

निर्देश म० 70/अप्रैल/82--यत मुझे एम० लहरी, अगयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **इस**में इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 /-रा. से अधिक हैं श्रौर जिनक। स० 550 बी/2 बा, दिनद्कशल डाकुमेन्ट सं० 350/82 है जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिंदी कर्ता अधिकारी के वार्यालय दिनदुक्तल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1982

को पुर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सें., ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषयो से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स्त) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में फिए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त् अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भिम श्रौर निर्माण 550 बी/2ब। दिनटुक्कल, डाकुमेंन्ट 350/ 82/

> एस० लहरी, सक्षम प्राधिकारी म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-I मदास

अतः अध उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ---

तारीख 9-12-82 मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज [मद्रास

मद्रास, विनाक 9 दिसम्बर 1982

निर्देश स॰ 58/प्रश्रैल/82--यतः मुझे, एस० लहरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 2.69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000∕- रु. से अ**धिक ह**ै

श्रीर जिसकी सं० 1794, 1796 तल्लाकुलम, मदुरै, है जो डाकुर्यंट सं० 1773/82 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबट अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधकारी के कार्यालय, मदुरै,

मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के उदयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स संपत्ति का उपचल बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिकल में, एसे इश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) केबीच एसे अन्तरण केलिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्सियों का जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा केलिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री एम० मादधन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० एम० रामर

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 4.5 दिन की अविधियातर्सबंधीव्यक्तियां पर सुचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, अरेभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपन में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासक गे।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पटो का, जो उप्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण एस० सं० 1794, 1796 तल्लाकुलम मदुरै (डाकुमेन्ट सं० 1733/82)

> एस ० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंज-J, मद्रास

तारीख: 9-12-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 विसम्बर 1982

निवेश सं० 103/म्रप्रैल/82—यतः मुझे एस० लहरी, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्ति जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० रनकर नगर तिरुनेलवेलि डाकुमेंट सं० 222/82 है, जो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में अनुसूधी ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय तिरुनेलवेलि में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उखुदिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविषा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सूर्विधा के निए;

अतः अतः, उक्त अधिनियमः, की भारा 269-ग के, अनुसरणः में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) भी सामी पिरैवेट लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पुदुकम पिलाँटटेशनज पराईवेट लिमिटेड (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्य-वाहियां कुरू करता हूं।

उक्क सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्यी

भूमि भ्रौर निर्माण रनकर नगर तिख्नेलवेलि (डाकुमेंट सं० 222/82)

> एतः लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकः श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख : 9-12-82

श्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

मर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनाक 9 दिसम्बर 1982

निदेश सं० 33 /ग्रप्रैल/82—यत. मुझे, एस० लहरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उिषत याजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 41, नया श्राविट रोड, मद्रास,-10 डाकुमेंट सं० 528/82 है, जो में स्थित है (ग्रार इसमें उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पेरियमेंट

मो भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के च्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, खिपाने में सृविधा के सिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री डाक्टर लूसी तालियात

(अन्तरक)

(2) श्री जी० हरिक्रशिव

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितयबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त बब्दों और पदौं का., जो उक्त जिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, मही अर्थ हांगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्पी

भूमि ग्रौर निर्माण 41, नया ग्रावटी रोड, मद्रास-10 (डाकुमेन्ट सं० 528/82)

> एल० लहरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-१ मद्रास

तारीख: 9-12-\$2

प्ररूप नाइ. टी. एन्. एस.--

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सुचना

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनाक 4 दिसम्बर 1982

निवेश सं० 22/म्रप्रैल/82 — यतः मृद्धो, एस० लहरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा यमा हैं), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 5/17 (बीलांड) जेनरल कालीनस रोड, वेपेरि, है, तथा जो मद्रास-1 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, मद्रास, डाकुमेंन्ट सं० 554/82 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन ग्राप्रैल 1982

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उषित् बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की नानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

भतः सव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित अधिनयों, अर्थात्:---

(1) श्री उसाबेन लक्ष्मीनास रायसा

(भन्तरक)

(2) श्रीलक्ष्मीचन्द

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया स्या हैं।

जन्स्ची

भूमि श्रीर निर्माण, 5/17 (डाकुमेंट सं० 554/82)।

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 4-12-82

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के स्थीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० 52/अप्रैल/82—यतः मुझे एस० लहरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० 75/4, 75/7, 76/1 कारकुडलपट्टी कम है जो सेलम (डाकुमेंन्ट सं० 272/82) में स्थित हैं (और इससे उपाबस प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नामगंपेठ (सेलम) भारतीय रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन अप्रैल 1982

को पूर्वेक्ति सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दष्यमान प्रतिफल कर पम्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस, निम्निलिसित उद्वेषय से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अक्ते में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी जाय या किसी वन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुचिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम, की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री श्रानटी कबुनटर

(अन्तरक)

(2) श्री नटेसन

(ग्रन्तरिती

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (का) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे!

स्वष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

भूमि और निर्माण स० 75/4, 75/1, 75/1 कारकुटलपट्टी कम, सेलम) (डाकुमेंट सं० 272/82)।

एस० लहरी सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज मदास

नारीख: 6-12-82

प्ररूप आई. टी. एम. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-। मद्रास

मद्रास दिनांक, 6 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० 53/श्रश्रैल 1982 — यतः मुझे एस० लहरी, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-श के अधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 75/4, 75/8, 75/3, 76/2, कारकुडलपटी कम है, जो सेलम (डाकुमेंन्ट सं० 273/82) में स्थित है ग्रीर इससे उपाद्य में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के स्रायलिय नामगीरीपेट (सेलम) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16 के भ्रीन श्रील 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गर्द है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल निम्निलिख्त उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिल्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; जौर/या
- (च) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री भानटी खबेनटर

(अन्तरक)

(2) श्रीकमलम

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यस्कोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों ब्रार पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण, 75/4, 75/8, 75/3, 76/2 कारकुटल-पट्टी कम, सेलम (डाकुमेंन्ट सं० 273/82)

एस० लहरो सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्र**र्जन** रेंज सद्रास

तारीख: 6-12-82

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यां जय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ा, मद्रास

मद्रास, विनांक 6 दिसम्बर 1982

निदेश सं० 11/श्रप्रैल /82—यतः, मुझे, एस० लहरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० 10, है तथा जो टी० एम० डवीश्रेयां पील्लै रोड, मरवनेरी, सेलम में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय सेलम में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन श्रप्रैल 1982

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान्
प्रसिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिघात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रसिफल निग्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक
रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे अधने में सूविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों. अर्थात् :---

(1) श्री राजुवेल, मेलम

(ग्रन्सरक)

(2) श्री मनोगरी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सध्युरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वास्;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शुक्यों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भगुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण 10, टी० एम० डचीन्नैयां पील्लै रोड, मरवनेरी सेलम (डाकुमेंन्ट मं० 1657/82) ।

> एस० लहरी मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-Ⅰ, मद्रास

नारीख: 6-12-82

मोहर

प्ररूप बार्ड .टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

नारत बरकाड

कार्याक्षर, रहायक नायकर नायक (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंप:-I, मदास

मशस, दिनात 4 दिनम्बर 1982

निर्देश लंक 106/33 /02--यतः, मुझे, एमक लहरी, आयताण व्योगिनाय, 1061 (1061 पा 43) (जिसे इसमे ६सके प्रयात् 'उपत मिनियम' कहा गया है), की भारा 260-ख क अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गणार मृत्य 25.000 ना जो अध्याद ही

श्री िशा वं 129 ते पूमि, भागती है जो, सीटयार क्रम्म नामाशः, सेन्समें किया है। (श्रीर इसने उपायद्ध अनुसुची में और पूर्ण के का अवर्णि है), रिनस्ट्री क्वां क्रिश्च है से कार्यालय सेनम में भागती अधिक्रिए ए हिश्मित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन शर्भन 1982

को पर नित सम्पन्ति के उत्तित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के निए अस्तरित को गई है जोर मफ़े यह विश्वाम करें के अपण है कि यथा प्यान्ति सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य, उत्तक दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिकान में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (का निर्माण) न भीय एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्मितिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारतिक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हों भारतीय आग-दार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिध के लिए,

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निमालिनिस व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री सनीवासरागवन

(भन्तरक)

(2) श्री बोनकलनगम पीरली

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्परित के न्वीन के बम्बन्य में साहि भी नालेप:---

- (क) इस स्वा के राज्यक में प्रकारन की तारीज के 45 दिन की जनिय या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्तियाँ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से दिक्यी क्यक्ति इसराह
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 विव के भीतर उच्च स्थावर संपरित में हितबव्ध किशी बन्ध व्यक्ति वृवारा अभोहस्ताकरी के पास विविद्ध में किए वा सकेंगे।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं.।

अनुसूची:

भूमि श्रीर निर्माण 129, नानसी मटियार क्रम्म नामक्कल सेलम (डाक्मेंन्ट सं० 485/82)

> एस० लहरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षणः) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तार ख: 4-12-82

मोह्नर:

प्रकाप आहें. टी. एन. एस ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेज-I, मद्रास
मदास, दिनौंक 4 दिसम्बर 1982
निर्देश स० 51/ग्रप्रैल/82—यत. मुझे, एस० लहरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रा. से निधक है

श्रीर जिसका सं० 316/2, अरामकनटम पट्टा क्रम्म नामगार। पेटे, सेल्लम हैं, जो डाकुमेन्ट स० 258/82 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप स वर्णित हैं), रजिस्ट्री रत्ती श्रीध कारी के कार्यालय नामगिरीपेटें सेल्लम में रजिस्ट्री करण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अप्रैल 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्षी की गई है और मूम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल ले, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अपतिशति (अन्तरित्तिकों) के बीच एसे जन्तरक के लिए तय पाचा गया प्रतिफल निम्निस्थित उद्वेष्य से उन्तर अन्तरक सिवास में वास्तविक दन से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस उक्त औं नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने वा उत्तर बचने में सुविधा के लिए, जौर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के क्यीन, निम्निशिक्त व्यक्तियों, अर्थात् है— (1) श्री कलिमन्न

(अन्तरकः)

(2) श्री कुमुधम

(ग्रन्तंरिर्ताः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की व्यविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (च) इस नुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्तित द्वारा अक्षाहम्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पक्किरण: -- इसमें प्रयूथन गर्नो और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित हैं, अही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण, 216/2, श्ररीमकनाटसपट्टी, नामगिदी पेटै, सेल्लम, (इ.कुमेन्ट २० 258/82।

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-I मद्रास

तारीख ' 4-12-82 मो**ड**र: प्ररूप आई. दी. एन. एस.-----

(1) श्री श्रीनिवासन

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमति चन्दरा

(ग्रन्सरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 दिसम्बर 1982

निर्देश सं 14/प्रप्रैल /82—यतः मुझे, एस० लहरा, प्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 2, है जो श्रहरहारम, सलम में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप सं विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय सेलम में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुस्ची

भूमि और निर्माण 2, श्रहरहारम, सेलम (डाकुमेट सं॰ 1359/82)।

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-I मद्रास

तारीख: 4-12-82 मोहर:। प्ररूप बाई. टी. एन. एस:----

आयक्ट अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 दिसम्बर 1982

निदेश सं० 54/मप्रैल/82—यत मुझे, एस० लहरी, आयक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक है।

ग्रीर जिसकी स० 255/2, नागरी पेटै सेल्सम है जो नामिगरी पेटै, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नामिगरी पेटै में रिजस्ट्राकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान ग्रीस 1982।

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और मृभे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्व का उचित बाजार मृत्य स्सके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुन्धं किसी जाय की बावत, खक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या संससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय का किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हुं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधवार्य अन्तरिती व्यारा प्रकर-नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बंदः भव, उच्त-भिश्वियम, की धारा 269-ग के अनुसरण वो, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-य की उपभाग (1) के सभीन निकासियस व्यक्तियों, वर्धाव् (1) भी~पोषुसामी प्रिल्से-

(ग्रन्सरक)

(2) भी पुमालै

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 चिन की सबिध या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीत्र सक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी नम्य स्थावत व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिंचित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः --- इसमे प्रयुक्त कव्यक्ति और पर्योका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुत अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया हैं।

वग्रुवी

भूमि भौर निर्माण 255/2 नामगिरीपेटे कम्म, नाम-गिरीपेटे, सेलम (श्राकुमेट सं० 294/82)।

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-I, महास

तारीख 4-12-82 **बोहर** : प्रंज्य द्याई० टी• एन० एस०----

(1) श्री वेल्सामी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्राकामाकशी

(ग्रन्सरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I मदास मद्रास, दिनांक 4 विसम्बर 1982

निर्देश सं० 132/ग्रंप्रैल/82—यतः मुझे, एस० लहरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सपित्त, जिसका उचित बाजार 25,000/- रा. से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी सं० 133/7 ए. 133/7बी, 133/7सी, 133/7डी, 133/7ई, 133/7एफ हैं जो एरमनामवलनपर्ट बाहदर कारम, नामकाल (डाकुभेट सं० 310/82) में स्थित है (ऑहर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर से वर्णित है), रजिस्ट्रीत स्ती ग्राधिकार। के बार्यालय एरुपैपटें। ऐ में रिकर्टीहरण श्रधिनियम 1908 (1908 द्या 16) के श्रध न अप्रैल 1982 को पृथीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उणित बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पथा गमा प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (वा) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) 🔏 प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नही किया गया भाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

बतः बद्धः, उक्तः अभिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) क्रे सभीन, निम्नसिसित ध्यक्तियों, अर्थात् :----

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति **के अर्ज**न के लि**ए** कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में स' किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीक रण: --- इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम को अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भूमी भौर निर्माण, 133/7A, 133/7B, 133/7C, 133/7D, 133/7E, 133/7F, एहमैपटी, बाहुर कम्म नामक्कल (डाक्मेंट सं० 310/82)।

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायका (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, मद्रास

मारीख 4-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च् (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

स्तार्याज्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनां त 4 विसम्बर 1982

निर्देश मं० 99/ग्रप्रैल/82 --यतः, मुझे, एरा० लहर्गः, आयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर िका सं 189/2, उत्तीर गर्ट कावल कभी पेम्कुम्ब्च है, जो नामकानम जालुह (डाकुमेंट सं 100/82) सेलम में स्थित है (और इस्ते उत्ताबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णमण ने विणित है), गोजन्द्री हत्ती अधिकारी के भग्यालय सेगदुमनगलम में रिजन्द्री हरण श्रिवित्यस, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन स्पर्णन 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते गह दिरामस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की श्रवत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्मिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) रहे प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया ज्ञाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्रा रामसामा कबुनटर ।

(मन्तरक)

(2) श्री रामचन्द्ररन ।

(श्रम्तरिती)

को यह स्कार प्राप्त करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) हथ जूजना की अजपन में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पृथें कित सारा का संस्थान होता हो।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में अकावन की तारींच से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में हित- बच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास क्रियत में किए जा सक्यों।

स्पट्टिकरणः - इसमो प्रयुक्त अब्दों और पर्वा का, जा उक्त अधिनियम के अध्याप १०-वा को परिभाषित हो, यहाँ अर्थ क्षेत्रा जो तस अध्याय को विकर रक्षा हाँ।

अनुसूची

भृति श्रीर िर्माण, 189/2, उत्तीरकटिकावल क्रम्म पेरुकुरिटच्चा पी० श्री० नामकडल, सेलम (डाकुमन्ट सं० 409/82) ।

> एस० लहरी सक्षम प्रोधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I मद्रास

तारीख : 4-12-82

प्रकृप् अत्रहाँ. टी. (द्रमा: ध्सा: -----

ब्रायकर ब्रह्मित्रयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269∞म (1) के ब्रह्मीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I. सहास

मद्रास, दिनांक 6 दिसम्बर 1982 मिदेश सं० 146/अप्रैल/82—यतः, मुझे, एस० लहरी,

लायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी संब भारव एसव 15/2 15/4, 15/6 लीलापुरम मबुरै है, जो मबुरै में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय (डाकुमेंट संव 1911/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भिधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है धौर मुझे एक विश्वाम करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से प्रक्षिक है और घन्तरेक (घन्तरेकों) भीर मन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरेण के निए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्त्रिवित चरेश से उसन धन्तरेण निक्ति में बास्त्रविक कर से काचिन नहीं किया वचा है।----

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त बांधि-नियम, के अधीन कर देने के घम्लरक के दायित्य में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के जिला; घौर/मां
- (च) ऐसी किमी प्राम-या किमी-धन या प्रन्य-वाकित्यों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठिनियम, या धन-कर प्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा क्रिपाने में स्विधा के लिए;

धनः धनः उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं उन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपवादा (1) की बधीन किन्नसिवित व्यक्तियों, नवितः--- (1) श्री नाहत्या चेटियार

(भ्रन्सरक)

(2) श्री चपेस्लैया

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के भागेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षीर 🗻

- (क) इस प्वनाके राजरत में प्रकाशन को तारी के से 45 विन की प्रविध्या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना का नामील पे 30 कि तो प्रविध्या नाम प्रविध्या नाम से स्वर्धि नाम में समाध्य होतो हो। के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में ने किसी क्यक्ति सारा:
- (ख) इस मूजना के राजगत में बताशन को नायोज से 45 विंत के भीतर ब्रक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी पन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोत्नाक्षरी के पात लिखित में किए जा नर्हेंगे।

स्रकी करण:---क्वमें प्रयुक्त सम्बद्धां मीर पर्वोक्ता, जो उक्त स्पणि-नियम के सहयाय 20-क में परिभाषित हैं कही सर्वहाणा, जो उन सहसान में दिया गांड़ा

वन्त्र्यो

भूमि भौर निर्माण 15/2, 15/4, 15/6 बिलीलापुरम, महुरै (डाकुमेंट सं० 1911/82)

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

ता**रीख**ः 6—12-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज I, मब्रास मद्रास, दिनांक 6 दिसम्बर 1982 निदेश सं० 17/प्रप्रैल/82—यत:, मुझे, एस० लहरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 26/1, नया सं० 1, सेलम (डाकुमेंट सं० 2055/82) है, जो में स्थित है (श्रौर इससे उपायब अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सेलम में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती इम्बिरा बासुदेवन

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती सन्ता रामन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि भौर निर्माण 26/1 सेलम (डाकुमेंट सं० 2055/82)

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्राजैन रेंज I, महास

ता**रीय**: 6-12-82

प्रारूप बाइ .टी.एन.एस. -----

(1) बी हुस्सेन

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री गुनसेगरन

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 विसम्बर 1982

निदेश सं० 19/अप्रैल/82—यतः, मुक्ते, एस० लहरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० 106/5, श्रालगापुरम है, जो मेलम (डाकुमेंट सं० 2105/82) में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सेलम में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निल्लित में वास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकत्र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थत :-- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनक्त स्थावा। संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकर्गे।

स्पर्ध्वीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

भूमि श्रीर निर्माण, 106/5 अलगापुरम सेलम (डाकुमेंट सं० 2105/82)

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, मद्रास

ता**रीच** : 6-12**-8**2

प्रकप धाई• डी• एन• एस●---

भाग्यर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूच्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज I, मद्रास

मब्रास, दिनांक 6 दिसम्बर 1982

निवेश सं० 114/प्रप्रैल/82—यतः, मुझे, एस० लहरी, आरयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 67, 28 कास स्ट्रीट है, जो इन्दिरा नगर, मद्रास -29 (डाकुमेंट सं० 1675/82) में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची मे श्रौर पुर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन श्रील, 82

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूम्य से कम के सम्मान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त संगीत का उचित बाजार मूल्य, उसके सम्मान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (जन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उस्त अंतरण लिखित में बास्तिक कव से किनत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; के लिए;
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या नन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय नायकर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्यम, या भन-कर अभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुन्धा के लिए;

अतः जयः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ण उपभारा (1) के अभीन, निम्मीलिक्त व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) भी पठाबीरा मैयां

(भन्तरक)

(2) श्री राजेनदीरन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकीं।

स्पव्यक्तिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^क, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

नन्त्वी

भूमि स्रौर निर्माण, 67 (डाकुमेंट सं० 1675/82)

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख: 6-12-82

त्रक्ष बाई॰ टी॰ युन॰ एस॰----

स्रायक्षण प्रविधितमः 1961 (1961 का 43) की धारा 26% व (1) के अवीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्णन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 दिसम्बर 1982

निवेश सं० 92/प्रप्रैल/82—यतः, मुझे, एस० लहरी, लायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका इचित बाजार मध्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है, और जिसकी सं० कामनुर है, जो डाकुमेंट सं० 309/82 है, जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिनदुक्कल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वाश करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधित वाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकत का. पण्डह प्रतिशत से अधिक है और भण्डर (मन्तरकों) और अग्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक कम से कथित मही किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी याय की बाबत सकत श्रीश्रियम के अश्रीत कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसले बचने में सुविधा के लिये; बौद्या
- (आ) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आहितयों की, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर प्रधिनियम; या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जोना चाहिए था, छिपानें में सुविधा के निए;

कतः जब, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ए के. अनुसरकृ की, की, उक्त अधिनियमं की भारा 269-व की उपभाशः (१) को जुनीन निम्मितिकत् व्यक्तिसी अधीत् :--- (1) भी रालीका

(अस्तरक)

(2) श्री रस्सीता

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्वत्ति के सर्चन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से
 15 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 विन की भविध,
 जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
 पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपंत्र में प्रकाशन की जारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पड्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त मन्दों और पदो का, जो उपत अधिनियम के श्रद्धनाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जी उस अध्याय में दिया यया है।

क्यूप्री

भूमि भौर निर्माण कामनुर (डाकुमेंट सं० 309/82)

एस**० लह**री सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज , मद्रास

तारीष : 4-12-82

प्ररूप नाहै दी एन् एस् ---

क्रायकर फ्रिंबिनियम, 1961 (1961 का 43)की घारा 289**प(**1) **के अवीन मुचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज I, मद्रास मद्रास, दिनोक 4 दिसम्बर 1982 निदेश सं० 87/ग्नप्रैल/82—यतः मुझे एस० लहरी

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जब्द प्रजिनियम' कहा गया है), की वारा 249 ख के क्षतिन सक्षम प्राधिकारों को, यह निकास करने का कारच है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से ब्राधिक है और जिसकी मं० वेट लेनट कामनुर क्रम्म डाकुमेंट सं० 299/82 है, जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद में श्रीर पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दीनदुक्कल अप्रैल, 82 को पूर्वोक्त मन्पिक के जिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारच है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का विश्वत बाजार मूल्य से कम कार्यक है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पश्चह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक (अन्तरितों)) को बीच ऐसे धन्तरक (अन्तरक (अन्तरकों) कोर अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरक के लिए तम पाया वया प्रतिकृत का निम्निकियत उत्थम से उनत बन्तरण जिल्ला में वास्तिक कप ने कथिन नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत एक्त धिक्ष-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रीमित्रमः, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्यरिती हारा प्रकट नहीं किया पना या वा किया जावा चाहिए था, जिपाने में सुविधा के बिए;

बतः, अन् उनत अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरक में, में, उनत अधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के नुभीन, निम्नुशिक्ति म्युनितमों, मुम्ति:--- (1) भी गिला

(प्रन्तरक)

(2) श्री हरी हरन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी घरके पुर्वोशन सम्पत्ति के प्रजैन के जिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीत से 30 दिन का अविधि, जो भी अविधि बाद में समाध्य होती हो, के भौतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दितवढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अत्रोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा स्कॅंगे।

स्ववदोकरम: -- इसमें प्रभुक्त शक्यों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिमाणित है, वहीं अये होगा जो उस प्रष्टमाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण वेट लेनट कामनूर कम (डाकुमेंट सं० 299/82)

एस० लहुरी मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज I, मद्रास

तारीच : 4-12-82

प्ररूप आहर्षे, टी. एन्. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सुरकार

कार्यालुव, सद्वायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, विनाक 9 दिसम्बर 1982 निदेश सं० 24/ब्रप्रैल/82—यतः, मुझे एस० लहरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी मं० 11/18 (नया सं० 32) एम० सी० निकालम रोड है, जो फ़ेट पुट मद्रास-31 डाकुमेंट सं० 580/82 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध में स्रौर पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता स्रिधकारी के कार्यालय पेरियमेट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रिधन 16 स्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल नि्म्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कि भृत नहीं किया ग्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भायत, उक्त अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तरक को वासित्य में कमी करने या उससे बच्चने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

अद्धः अब्, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन निम्मतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) भी भार॰ पालचल्दन

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रार० वश्नतादेवी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पस्टोकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्सूची

भूमि श्रौर निर्माण 11/18 (नया सं० 32) एस० सी० निकालस रोड, फ़ेटपुट, मद्रास-31 डाकुमेंट र्स० 580/82)

> एस० लहसी मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मब्रास

ता**रीख** : 9-12-82

मीहर:

प्रहण धाई० टी• एन• एन•-----

न्नापकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-ा, मद्राम

मद्रास, दिनांक 9 दिसम्बर 1982

निदेश सं० 25/ग्रप्रैल/82--यतः मुझे एस० लहरी
शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (प्रिसं इसमे
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य
25,000/-रु. से अधिक हैं
ग्रौर जिसकी सं० 11/18 (नया सं० 32) एस० सी० निकोलस रोड
है, जो छेटपुर मद्रास-31 में स्थित हैं (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची
में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय
पेरीममेट डाकुमेंट सं० 58/82 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधि-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिष्ठत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिकक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बावत; हक्त श्रधि-निवध के अधीन कर देने के बक्तरक के दायित्व में कमी करने वा इससे बचने में मुक्तिश्रा के लिए; श्रीर/या
- (ब) ऐसी बिसी भाय या बिसी धन या बस्य बास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर प्रवित्यिक, 1922 (1922 का 11) या उसत बिधिनयम, या धन-कर प्रवित्यिम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ धम्मरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पथा था या किया जाना बाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

धतः धव, उन्त प्रविनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त प्रविनियम की घारा 249-ए की उपधारा (1) के अभीन निम्नसिवित स्पन्तियों, गुर्भातः :--- (1) श्री सुन्द्राराजन

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमनी वरनगदेवी

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करते पूर्वीका सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी पासेप:--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

अनुसूची

भूमि स्रौर निर्माण, 11/18 (नया मं० 32) एम० सी० निकोलसन ोड, छेटपुर महास-31 (डाकुमेंट मं० 581/82)

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I ; मद्रास

ना**रीख**: 9-12-82

प्रकाभ भाइ ती. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 दिसम्बर, 1982 निदेश सं० 26/अप्रैल/82—यतः, मुझे एस० लहरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 11/18 (नया सं० 32) एम० सी० निकोलसनरोड है, जो छेटपुर मद्रास 31 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय पेरीमेट डाकुमेंट सं० 582/2 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (198 का 16) के श्रधीन अश्रैल 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यहिक्दास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अव, उत्त अधिनियम की भाषा 269-य के अनुकरण में, में, उत्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती सरोजा जयकूमार

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वरनता देवी

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के अर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकारणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण 11/18 (नया सं० 32) एस० सी० निकोलस रोड छेटपुर मद्रास-31 डाक्सेंट 582/82)

> एस० सहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज , मद्रास

तारीच : 9-12-82

प्ररूप. आर्घुटी. एन. एस., -----

आयकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज I, मद्रास मद्रास, दिनाक 9 दिसम्बर 1982 निदेश सं० 117/ग्नप्रैन/82—यतः मुझे एम० लहरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 353/79 है, जो डाकुमेट टैयारपेट, मद्राम है, ओ डाकुमेट सं० 214/82 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से ले विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय मद्रास में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन ग्रिपैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रथमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 23---406 GI/82

(1) श्री जावर

(भ्रन्तरक)

(2) गोविनदशमी नाटार

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करंके पूर्वीक्त सम्पत्ति क्षे अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थम् के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयूक्त इन्द्रों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भूमि श्रौर निर्माण एस० सं० 3537/9 तोनदैयारपेट, नदास (डाकुमेंट सं० 214/82)

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-I, मद्रास,

तारीख: 9-12-82

प्रकृषं नाहै. टी एन. एस.------
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-घ (1) के मधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, महास

मब्रास, दिनांक 9 दिसम्बर 1982

निदेश सं० 125/प्रप्रैल/82—यत', मुझे एस० लहरी, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व क प्रधीत सझन प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका छिनत शजार मूस्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 366/1ए, 366/2, 366/1बी, नयम दिन-दुक्कल है, जो डाकुमेट स० 602/82) में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्च: मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नयम दिनदुक्कल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिथीन ग्रिपेल 1982

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित मे नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरे/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसो धन या धन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अनत प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय धन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्री रेख सुलतान रावतर

(भ्रन्तरक)

(2) वि० राजु

(ब्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वांस्त सम्पत्ति के अर्जन के स्थिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा!
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्च किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्मध्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहः अर्थ होगा, जो उन भ्रष्याय भे दिया गाः हैं।

अनुसूची

भूमि म्रौर निर्माण, 366/1ए, 366/2, 366/4ी,नस्तम; विनदुक्कल (डाकुमेंट सं० 602/82)

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज-1, मद्रास ।

अतः अवः, उक्त अधिनियमं, की भारा 269-गं के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियमं की भारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, अधीत् ः—

तारीखं : 9—12-82

मोहरः

प्ररूप बाई . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयक्कर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 दिसम्बर 1982

निवेश सं० 116/ग्रप्रैल/82—यत:, मुझे, एस० लहरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० 3537/33, है तथा जो तोनटैयारपेट मद्रास (नार्थ) (डाकुमेंट सं० 1262/82) में स्थित है (श्रौर इससे उपाब द्वधनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मद्रास (नार्थ) अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे धश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की जाजत उक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सूजिभा के लिए; और/य।
- (च) एसी किसी आय् या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

कतः चम, उकत अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, के, उकत अभिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अभीत् :--- (1) श्री के० के० रामचन्द्रन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गोविन्दशमी नाटार

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्भ किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अधोष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पञ्जीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त जिम्मीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

वनुस्ची

भूमि ग्रौर निर्माण 3537/33, तोनटैयार पेट मद्रास $(\pi \dot{u})$ (डाकुमेंट सं० 1262/82) ।

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज 1, मद्रास

तारीख: 9-12-82

मोहरः

त्रक्य कार्ड. टी. एत्. एस.-----

(1) श्री बगवतीय पिरुलै

(भ्रन्तरक)

मायकर स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

(2) श्रीमती रानतक्मारी

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज 1. महास

मद्रास, दिनांक 10 दिसम्बर 1982 निवेश सं 0 38/म्रप्रैल/82--यतः मुझे, एस० लहरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-स की अधीन सक्षम प्राधिकारी करो, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित किसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-६ सर्भाधक हैं

भौर जिसकी सं० नया सं० 11 श्रन्ना पिल्ले स्ट्रीट मद्रास-1 है, जो डाकुमेंट सं० 168/82 में स्थित है (घीर इससे उपाबद्ध धनुसूर्चा मे भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चेटरपेट में भारतीय रजिस्दीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 16 भ्रप्रैल, 1982

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथींक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके दूरमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्त्रक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सि्खित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गुरा है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-निवस के बभीन कर दोने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; थीर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या बन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुधारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाडिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिमियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भाग 269-अ की उपभाग (1) को अप्तीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

को यह सुचना जारी करके पुर्वाक्त सभ्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हा।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संशंभी न्यक्तियो सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाब में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस मुचना के राजपत्र पं प्रकाशन की तारीख से 4 व दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्। व्यक्तिद्वार, यधो हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वयद्भीदरणः – इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रोर निर्माण, 11 श्रन्ना पिल्लै स्ट्रीट मद्रास-1 डाकु-मेट सं० 168/82 ।

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख: 10-12-82

प्ररूप आई. दी. एन. एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 दिसम्बर 1982

निदेश सं० 21/ग्रप्रैल/82—यत:- मुझे, एस० लहरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अर्धान सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रठ. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० 10, डाक्टर गुरुणमी रोड छेटपुट मद्रास-31 है, जो डाकुमेंट सं० 552/82 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में ग्रीर पुर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पेरीयमेट, में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यहिंवश्वा करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(1908 का 16) के प्रधीन, अप्रैल 1982

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, भैं, उत्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती एस७ श्रमीन रहीभ

(प्रन्तरक)

(2) श्री कुरैयन जोसफ

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वांग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकंरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जे उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, श्रृही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

भूमि और निर्माण, 10, डाक्टर गुरुशमी रोड छेटपुट मद्रास-31 (डाकुमेंट सं० 552/82)।

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, मद्रास

सारीख: 10-12-82

मोहर 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-ष् (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निर्काक्षण)
भर्जन रेंज~1, मब्रास
मब्रास, विनाक 10 दिसम्बर 1982

निदेश सं० 31/म्रप्रैल/82—यतः मुझे, एस० लहरी

आय्कर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000 / - एत. से अधिक हैं श्रौर जिसकी सं० 670, है, तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पेरीयमेट डाकुमेंट सं० 496/82 में रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन अप्रैल 82 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री मोहम्मद हनीवा

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीनिवाश्न

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भिम ग्रौर निर्माण 687, 688, 671 मद्रास, (डाकुमेंट सं० 496/82)।

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास ।

तारीख: 10-12-82

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भागकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत् सरकार्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिण)

म्रर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 दिसम्बर 1982

निदेश सं० 39/प्रप्रैल/82—प्रतः, मुझे, एस० लहरी आगकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रः. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 1269, 8672 8, सिगन्ना स्ट्रीट पारक हैं, जो टावुन मद्रास में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रतुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय छेवकारपेट डाकुमेंट सं० 174/82 में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्चित बाजार मूल्य से कम के स्थानन परिवार के रिया अंकरिक की स्थान प्राप्ति के उच्चित की स्थान स्थान स्थान स्थान कर स्थान स्

को पूर्वेक्सि संपत्ति के उिष्त बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रव्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निः लिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६-- (1) श्री प्रार० वी० ऐत्तीराजु

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोगनलाल हेमाजी ग्रनट सनर, ग्रनटरा बेबी कार्टीर

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ हुोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(Land and Building O.S. No. 1269, 8672, 4788 Singanna Street, Park Town, Madras-3. Doc. No. 174/82)

एस० लहरी संक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, मद्रास

तारीख: 10-12-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कल कत्ता, दिनांक 17 नवम्बर 1982 - निदेश सं० ए० सी० 22/रंज-4/कल/82-83---यतः, मुझे सी० रोखामा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/-रुट. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं 17-ए , है सथा जो यादवेन्द्र पाजा सभा दुर्गापुर-11 स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ श्रमुसूची में ग्रौर, पुर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय रानीगंज में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 17-11-82

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अम्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आग या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव्या अव्या अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उचला अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री क्लिरंजन वानाजी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दित्पी कीनार

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूची

जमीन:---3 का० जमीन का साथ मकान पता:---17, यादबेन्द्र पांचा एभिनिउ, दुर्गापुर-11 दिलल सं०:---3113 ("1982" का)

> सी० रोखमा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 4, कलकत्ता

तारीख: 17-11-1982

प्रारूप आइ.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रें - 4, कलकसा

कलकत्ता, दिनाक 3 दिसम्बर 1982 निदेण सं० ए० सी०/रेज 4/कल/1982—∼यत:, मुझे सी० रोखामा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 17/1 डी०एच० रोड है तथा जो बाटगंज कलकत्ता 23 स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पुर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय डी० ग्रार० ग्रलिपुर 24 परगना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 24-3-82

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, अवत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सिवधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—— 24—406GI/82

(1) श्रीमनी गौरी बाला मिन

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती लीना गुप्ता

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त धब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

केता: 3 कठा 9 छिटांक 22 वर्गफुट 71/1, डि॰ एच॰ रोड थाना वाटगंज कलकत्ता-23

> सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 11, कलकत्ता-16

तारी**ख**ः 3-12-82

मोहरः

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज कलकत्ता का कार्यालय कलकत्ता, दिनांक 3 दिसम्बर 1982

निर्देश स० ग० मीः/रंज- 11/कलकत्ता/1982---यन मुझे मि० राखामा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्भावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25.000/र. से अधिक है

ग्रीर जिमकी स० द्वाग स० 595 है तथा जो मायेदपुर, थाना बेहाला 24-परगना में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची म ग्रीर, पूर्णस्प स बाँगत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, डि० ग्रार० श्रलिपुर, 24 परगना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26 श्रप्रैंल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के सीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर प्रन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भन्कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उन्क्स अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, में उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थोत्:—— 1 श्री नित्य लाल दास

(ग्रन्तरक)

2 प्रतिभा मिनहा

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिनब्द्र किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान सिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

क्षेत्र 8 कठा, 8 छिटांक 30 वर्गफुट जमीन के माथ एक कामरा मकान है तथा जो मायेदपुर थाना, बेहाला, 24-परगना।

> मि० रोखामा, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, कलकत्ता

तारी**ज**: 3-12-1982

माह्य :

प्ररूप , आर्डी. टी. एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज कलकत्ता का कार्यालय
कलकत्ता, दिनाक 3 दिसम्बर, 1982
निर्देश मं० ए० सी०/रेंज-II /कलकत्ता/1982---यत.,
सुझे, मि० रोखामा

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्धास करने का कारण है कि स्थायर सम्पिति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ/7ए०, राजहंभ है तथा जो 6, हेश-दिम पारक रोड, श्रालपुर, कलकत्ता-27 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णस्प में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय श्रार० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 1-4-1982

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरिंग्त की गई ही और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयु-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री प्रशोका मारकेटिंग लि०

(ग्रन्तरक)

(2) मैं मर्स कलकत्ता मणीनरी (1972) प्रा० नि० (ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसू**च**ि

क्षेत्र 2401 वर्गफुट एफ/न० 7 ए, राजहस है तथा जा 6, हेर्साटंस पारक रोड, थाना ग्रलीपुर कलकत्ता-27

> सी० रोखामा, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेज-11, कलकत्ता

तारीख: 3-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज कलकत्ता का कार्यालय
कलकत्ता, दिनांक 3 दिसम्बर, 1982

निर्देण सं० ए० मी॰रेंज-II/कलकत्ता/1982—यतः, मुझे, सि० रोखामा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० 7550/7606 है तथा जो बेहाला, कलकत्ता में स्थित है (प्रौर इससे उापावड़ अनुसूची में प्रौर (पूर्णक्ष्प से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डी॰ आर॰ अलीपुर, 24-परगना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 6) के प्रधीत, तारीख 21-4-1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित से वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने मे सूविधा के लिए और/या
- (का) एसी किसी आम या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिसी व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसूरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निक्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री वीपक कुमार बिस्वाम

(भ्रन्तरक)

(2) श्री स्वपन कुमार दास

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीत,र उक्त स्थायर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्शारा अर्थाहरू साक्षरी के पास लिक्ति मों किए जा सकोंगे।

रूपध्दीकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

क्षेत्र 2 कठा, 10 वर्गफुट द्याग मं \circ 7550/7606 है तथा जो बेहाला कलकत्ता में स्थित है।

सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, कलकत्ता

तारीख: 3-12-1982

मोह्नर:

प्ररूप काइ .टी.एग.एस.-----

य्रायकर पश्चितियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269•च(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज कलकत्ता का कार्यालय कलकत्ता, दिनांक 3 दिसम्बर, 1982

निर्देण सं० ए० सीं०/रज- $11/\pi$ नकस्ता/1982——यतः, मुक्ते, सी० रोखामा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 404 ब्ताक जी है तथा जो न्यू अलीपुर कलकत्ता-53 में स्थित हैं (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भार० ए० कलकत्ता में,, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-4-1982 को

को पूनो कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूनों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमित्यम, के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जेन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः नग, उन्त निधिनियम की धारा 269-ग के नन्सरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के न्यीन, निम्नुबिसित न्यस्तियों, अधीत् हि—— (1) श्रीमती बिद्युत प्रभा घोष

(भ्रन्तरक)

(2) श्री साम नाथ बोरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यदितयों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

क्षेत्र 3.17 कठी, प्लाट मं० 404, ब्लाक जी०, न्यू-श्रतीपुर, कलकत्ता-53.

> सी० रोखामा, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, कलकत्ता

तारीख: 3-12-1982

प्ररूप आई¹ टी एन.एस. ------

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज कलकत्ता का कार्यालय कलकत्ता, दिनाक 3 दिसम्बर, 1982

निर्देश म० ए० सी'०/रेज-II/कलकत्ता/1982—यत , मुझे मी० रोखामा

आयकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह स अधिक है

र्ग्रेंग जिसकी स० प्लाट त० 404 ब्लाक जी० है तथा जो त्यू अलीपुर कलकत्ता-53 से स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची से भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भ्रार० ए० कलकत्ता से, रजिस्ट्रीकरण भ्रधितियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-4-1982 की

को पूर्वोक्त सपित के उचित वाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वाम करन का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपित का उनित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एमे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत म अधिक है और अनतरक (अन्तरकां) और अनतिरती (अन्तरितियो) के बीच के एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक इप में किथत नहीं किया गया है ~~

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनीयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :-- (1) श्री प्रतुल कृष्ण घांप

(प्रन्तरक)

(2) श्री मोम नाथ बोस

(भ्रन्तरिक्षी)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सपति के अर्जन के सबध में काई भी आक्षप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृयोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा पकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित मा हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकाँगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अधाय मे दिया गया है।

अनुसूची

क्षेत्र 3.17 कठा, प्लाट न० 404 ब्लाक जी० न्यू म्रलीपुर, कलकत्ता-53।

> सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जेन रेंज-11, कलकता

नारीख . 3-12-1982 मोहर: प्रकण माइं.टी.एन.एस.-----

(1) श्री अपूर्व कुमार घोष

(भ्रन्तरक)

प्रायकर प्रशितियम, 1961 (1961 का 43) की बहरा 269-व(1) के प्रकीत सुवना (2) श्री मोम नाथ त्रोम

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज कलकत्ता का कार्यालय कलकत्ता, दिनांक 3 दिसम्बर, 1982

निर्देण सं० ए० मी०/रेज-11 /कलकत्ता/1982---यतः, मुझे, मी० रोखामा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

धौर जिसकी मं० एफ० नं० 404 ब्लाक जी है तथा जो न्यू म्रालीपुर, कलकता-53 में स्थित हैं (ग्रौर इसमें उपाबद्ध म्रानुसूची में ग्रौर, पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्रा मिश्रिकारी के कार्थालय, श्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 26-4-1982 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिशत का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के किए; और/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, बनुसरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निजिसित व्यक्तियों, स्थितः— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्हीकरण—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याग में दिया गया है।

अनुसुची

क्षेत्र 3.17 कठा, जमीन दाग सं० 404 ब्लाक जी, है तथा जो न्यू श्रलीपुर, कलकत्ता-53 में स्थित है।

> मी० रोखामा मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, कलक्सा-16

नारीख: 3-12-1982

प्ररूप आइ⁴. टी. एन. एस. -----

नियमः १०६१ (१०६१ क्त ४३) की

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज कलकत्ता का कार्यालय कलकत्ता, दिनाक 3 दिसम्बर, 1982

निर्श मं० ए० सी०/रंज- $\Pi/$ कलकत्ता/1982—यतः, मुझे, सी० रोखामा

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट न० 404 ब्लाक जी० है तथा जो न्यू ग्रलीपुर कलकत्ता-53 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 26-4-1982 को

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और भूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से इ.इ. किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृत्यिक्षा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्भ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिथा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

(1) श्री डा० प्रतिप कुमार घोष

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सोम नाथ बोम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वांक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी स्पित्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्पित्तयों में से किसी स्पित्त द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में सिग्र जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

क्षेत्र 3.17 कठा, प्ताट नं० 404, ब्ताक जी०यू न म्रलीपुर, कलकता-53।

> सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, कलकत्ता

तारीख: 3-12-1982

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

(1) श्री ग्रजोका मारकेटिंग लि

(ग्रन्तरक)

भागुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) नभ रतनमल जैन

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज- कलकत्ता कलकत्ता, दिनाक 3 दिसम्बर 1982

निर्देश स० ए० मी०/रेज-IV /कलकत्ता/1982—यतः मुझे सि० रोखामा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बन्धित जिस्का उचित बाजार मन्या 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० एफ० न० 2 डी० राजहस है तथा जो 6, हेर्साटस पारक रोड, श्रलीपुर, कलकत्ता-27 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रोर, पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 1-4-1982

को पूर्वेक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से करित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के बायित्व मों कभी करने या उससे बचने में स्विधा के तिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आएकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, स्मिनने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के उधीन निम्नीलीकत व्यक्तियों, अर्थात —— 25—406 GI/82 को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनबुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

क्षेत्र . 1387 वर्गफुट एफ० 2 डी० राजहंस है तथा जो 6 हेर्साटगम पारक रोड, श्रलीपुर, कलकत्ता-27में स्थित है ।

मी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

तारीख: 3-12-1982

प्ररूप आर्दः टी. एन. एस. -----

(1) श्रशोका मारकेटिंग लि.

(भ्रन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना 2. श्री बिश्व नाथ सुरेका

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० ए० सी० रेंज-II कल०/82-83--अतः मुझे, सि०-रोखामा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'अकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपास्त जिसका उच्चित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 9 जि० राजश्री है तथा जो अलिपुर कलकत्ता-27 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्णस्य से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-4-82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उन्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास,
करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित दाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रंयह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन निम्निवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निधित में वास्तीयक
कम् से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अय्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिविधा के लिए;

भतः भवः, उक्त शक्षिनियमः, भी धारा 20% च के श्रन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 26% च की उपधारा (1) को अधीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी कर्के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में काहे भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व र 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्वीकत् व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपोक्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकते।

स्पष्ठीकर्णः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा ग्या हैं 1

मन्स्ची

श्रेत 1334 वर्गफुट एफ० नं० 9 जि० राजश्री है तथा जो 6 हेसटिंस पारक रोड थाना अलिगुर कलकत्ता-27।

> मि० रोखामा सक्षम गाधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजंन रेंज-[I, 54 रफीअहमद किंदबाई रोड कलकत्ता

तारीख: 3-12-1982

प्ररूप आई'.टी एन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्रीमती दीपाली घोष दस्तिदार ग्रौर ग्रन्य (ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कषा देवी सरोगी

[(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सपति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तस्सन्न भी व्यक्तियो पर गूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मा समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस मूचना के राजपश्र मा प्रकाशन की सारीए से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपीतर भा हितबद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधावस्ताक्षरों के पास लिखित मा किए जा सकाँग।

स्पर्द्धीकरणः--इसमं प्रयुक्त शब्दो अनि यदो का, जा उपत आधिनियम, क अध्याय 20-कं में परिभाषित ही, बही अर्थ हागा जा उस अध्याय में दिया गया ही।

अन्स्ची

क्षेत्र 5 98 क्छा का 1/4 ग्राविभक्त श्रम, जिसका स० $23 \cdot \text{U}/34$ एन/1 है तथा जो डी० एच० रोष्ठ, न्यू श्रलीपुर, कलकत्ता में स्थित है।

सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रज-11, कलकत्ता

तारीख: 4-12-1982

मोहर

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-11, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 4 दिसम्बर 1982

निर्देश स० ए० सी०/रज- /कलकत्ता/1982—यत मुझे सी० रोखामा

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमा इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सपस्त, जिसका उचित बाजार मूल्य '25,000/- रा स अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० $23 \cdot v/34$ एन०/1 है तथा जो डी० एच० रोड न्यू ग्रलीपुर कलकत्ता में स्थित है (भ्रीर इसम उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजम्ह्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, ग्रार० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, तारीख 16-4-1982

का पूर्वाकत सपित क उचित बाजार मृत्य से इम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स एम दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अनतरक (अन्तरको) और अनतरिती (अन्तरितियो) के बीच के एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिमित उद्दृष्ट्य स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मा कमी करने या उसस वचने मा सूबिधा के लिए, और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिलाने में मुविधा के निए।

अतं अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के, अन्मरण मा, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियो, अर्थात् ——

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 दिसम्बर 1982

निर्देश म० ए० मी०/रेंज-11/कलकत्ता/1982—-यत: मझे, सी० राखामा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

ष्रौर जिसकी सं० 23-ए/34-एन०/1 है तथा जो डी० एच० रोड, न्यू ग्रलीपुर, कलकत्ता में स्थित है (भ्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण-रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रार० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 16-4-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति-कत निम्नलिखित उद्देश्य से सकत बन्तरण सिश्चित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाधित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, जियाने में स्विभा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्रीमती दिपाली घोष दस्तिदार और श्रन्य (श्रन्तरक)
- (2) कुमारी इन्दु मती सरोगी (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाओप :--

- (क) इस सूचना को राजएव में प्रकाशन की तारी**त सं** 45 दिन को नीत र उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति श्वारा वधाहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकींगे।
- (स) इस मूचना के राजात में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमां पर स्चाना की गामील में 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद भा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्वष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधीरदम, अ अन्याय 20-क में परिभाषित हीं, वक्षी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अन्**स्थी**

क्षेत्र 5 99 कठा का श्रविभक्त 1/4 श्रंण, जिसकी सं० 23 ए/31 एन/1 है तथा जो डी० एच० रोड न्यू श्रलीपुर कलकत्ता में स्थित है।

> सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीखः ४-१2-१५८ई

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्राप्त 269-घ (1) के अर्थान मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 4 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० ए० सी० $44/\pi$ पर-II/कलकत्ता/82-83— यतः मुझे सि० रोखामा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 23 ए/34 एचo/1 है तथा जो डि० एच० रोड़ न्यू ग्रिलपुर जलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध ग्रमुत्ती में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रार० ए० कलकत्ता में र्राजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम $1908 (1908 \text{ m} \ 16)$ के ग्रिधीन तारीख 16-4-1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान, प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा क स्मिए, आर्ट/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए.

(1) दिपाली घोष दस्तिदार ग्रौर ग्रन्य

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती झिमी देबी सरोगी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस नुचना के राज्यत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण '--इसमें पंयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिक्ष निक्म के श्रक्ष्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह

अन्स्ची

क्षेत्र 5.98 कठा जिमन का 1/4 ग्रविभक्त ग्रंश जिसकी सं० $23 \mathbb{V} \circ /34$ $\mathbb{V} \circ /1$ है तथा जो डि० एच० रोड़ न्यू ग्रिलि- पुर कलकत्ता।

सि० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II 54. रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, सै उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :---

तारीख 4-12-1982 मोहर: प्ररूप कार्ड. टी. एन. एस.-----

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 4 दिसम्बर 1982

निदेश सं० ए० सी०-45/फ्रर्जन रेंज-II/कलकता/82-83---यत:, मुझे सि० रोखामा,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है।

ग्रौर जिसकी सं० 23-ए/34-एन/1 है तथा जो डि॰ एच॰ रोड़, न्यू भ्रलिपुर कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में ग्रौर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रार० ए० कलकत्ता, में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 16-4-82

को पूर्वोक्स सम्पित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गायत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व मं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और्/गा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, ख्रिपाने में सुविधा के सिए;

इस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निकिथित व्यक्तिगों, अर्थात् .--- (1) श्री दिपाली घोष दस्तिदार श्रौर श्रन्य

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुस्प देवी सरोगी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करुके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

र्थत, 5.98 कठा का ग्रविभक्त 1/4 ग्रण, जिसकी सं**०** 23-ए/34-एन/1, डि० एच० शेड, न्यू श्रनिपुर, कलकत्ता।

> िं। रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 4-12-82

प्ररूप भाइ".डी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को शरा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

निर्वेश सं० 1181/ग्रर्जन रेंज /82-83---यतः मुझी, सि० रोखामा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 17ए हैं तथा जो सानकारि पारा रोड, कलकत्ता में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में भ्रौर पूर्णरूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 24-4-1982

को पृथा कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, ऐसे रूरयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्धरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिक कल, निम्निलिश्वित उद्देष्य से उक्स अंतरण लिश्वित में बास्तविक स्म से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त जीधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री फनिन्द्रनाथ ननदि श्रीर दूसरे

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती दुरगा देवी जालान ग्रौर दुसरे

(ग्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूजाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिए कार्यज्ञाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अव्धि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्त्यी

17-ए, सानकारि पारा रोड, कलकशा, 2/3 शयर जमीन, दलिल सं० 3520।

सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-III 54, रफीग्रहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख 8-12-1982 मोहर: प्रारूप मार्ड .टी . एन . एस . ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

निवेश सं० 1182/म्रर्जन रेंज-UI/82-83---यतः, मुझ, सि० रोखामा,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं 17-ए है तथा जो सानकारि पारा रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपापद्ध श्रनूसूची में श्रौर पुण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता, में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 24-4-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन क,र बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एभी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविभा के लिए।

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अन्सरम में, में उक्स अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री शित्र सनकर नन्दी आए दुसरे

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती द्रगा देवी जालाव श्रीर दुसरे (अन्तरिसा)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्नना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर मृचना की तामिल से () दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में गमाण होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीनर उत्कल स्थावर संपन्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति ड्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकर्ण: ---इसम प्रयंक्त शयदों प्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु सुची

17-ए, सानकारि पारा रोड, ल्लकत्ता, 1/3 शेयर जमीन, दिलल सं० 3521।

सी० रोखामा मक्षम प्राधिकारी महायक प्रायाप प्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रेंज-III 54, रफीयहमद किदबाई कलकत्ता-16

तारीख: 8-12-1982

प्रस्प बाह् ेटी पन पत .-----

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षिण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० टी० श्रार० 80/82-83/एस एस० 681/ श्राई० ए० सी० /एकबी०रेंज-1/कल—यतः मुझें सी० रोखामा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धाय 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 63 है तथा जो रफी ग्रहमद किदवाई रोड कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय ग्रार० ए० कलि० में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 2-4-82

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्य अन्तरण निम्नलिखित प्रतिकृति की विषय गया है :---

- (क) अन्तरण से शुर्व किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या उससे मुखने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या िकसी धन या जन्य आहित्यों को, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था सिपाने में द्विशा की लिए।

अ्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिर्धित व्यक्तियों, अर्थात् ः——
26—406 GI/82

(1) श्रीमती गुलसान आरा वेगम

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजा राम शराफ ग्रीर पवन कुमार शराफ (ग्रन्तरिति) की यह स्थान जारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए

कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्पृत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सार्तित से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीत्र उक्त स्थावर सम्परित में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कोकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

1/4 शोयर (1/4 शोयर 11 क् 15 छ० जमीन पर दोतल्ला मकान नं० 63, रफीग्रहमद किदवाई रोड कलक्सा डीड नं० 2907 तारीख 2-4-82।

> सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I 54, रफी श्रहमद किदबाई रोड, कलकत्ता-16

तारीखाः 9-12-82

मोहर 🤨

प्ररूप आइ². टी. एन्., एस_-----

(1) श्री वरुन कुमार चन्द्र

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घु (1) के अधीन सूचना

(2) कुमारी उपा रानी जन

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्िक्षण)

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1982

निदश सं० टी० श्रार० /83/82-83 एसएस 680 आई० ए० सी० एक्यू० रें०-I (कलकलत्ता — यतः मुझें सि० रोखामा, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रापये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 79/27 है तथा जो लोग्रार साकुलार रोड कलकता स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्णारूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सब-रजिस्टर कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 6-4-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखत मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ४-- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क<u>र</u>ता हुं।

उक्त सुम्पृत्ति के अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के ट्राज्यत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सुकींगे।

रपष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का; को उक्त श्रिष्ठियम के शब्दाय 20-क में परिकाधित है, वहीं श्रय होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

वनुसूची

1/4 शेयर $(1/4th\ share)$ 5 के०-39 +के० फीट जंमीन पर निनतल्ला मकान नं० 79/27, लोग्रार साकुलार रोड कलि० डीड नं० 3005 तारीख 6-4-82

सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी [सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 54, रफीग्रहमद किंदबाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख 9-12-82 मोह्रु≝ प्रक्ष आहें <u>, दी तु पुन्त पुस_{्य वि}न्तन-----</u>-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1982

निर्देश मं० टी० श्रार०-78/82-83/एस एल० 679 श्राई० ए० सी एक्यू० रेज कल०—यत. मुझे सि० रोखामा अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 63 है तथा जो रफी/श्रहमद किदवाई रोड कल० स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कल० में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 2-4-82

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (ंक) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के तिए;

अतः अ्ब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिष्ति व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्रीमती गुलसान ग्रारा बेगम

(प्रन्तरक)

(2) श्री मामराज सराझ

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पृतितः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पक्टोकरण: --इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

\$th शेयर (\$th Share) 11k-15ch जिमन पर दोतल्ला मकान नं० 63, रकी अहमद किंदवाई रोड कलि० डीड नं0 2940 तारीख 3-4-82।

(सी रीखामा) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेज । 54. रफीग्रहमद किदवाई रोड कलकत्ता-16

तारीख 9-12-82 मोहर: प्ररूप आई० डी• एन• एस०----

न्नायकर प्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 9 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० टी० श्रार०-78/82-83/एस एल० 678 श्राई० ए० सी०/एक्यू० रेज कलकता—यन मुझे सि० रोखामा, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियप' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्राधीन निष्म प्राणिकारी का, गण विश्वाप करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मू थ 25,000/• र० से श्राधिक है

श्रौर जिसकी सं० 63, है तथा जो रफीग्रहमद किदवाई रोड कल० स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबड़ प्रनूपूची मे ग्रौर, पूर्ण-रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय श्रार० ए० कल० में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 2-4-82

को पूर्वा कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य। उसके पृष्यपान प्रतिकार से, ऐसे पृष्यपान प्रतिकार का पन्नह प्रतिस्त से सिक्ष है और प्रश्वास (अन्तरकों) और प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तम पासा गया प्रतिकार, जिम्मी अबित में वास्तिक कम से किया नहीं किया गया है -

- (क) प्रस्तरण से हुई किसो आप को बाजत उक्त श्रीधिनियम के अश्रीन कर क्षेत्र के अम्बरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अण्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर धिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उस्त खिबिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा; फिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जन, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, गिज्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रीमती गुलसान भारा वेंगम

(भ्रन्तरक)

(2) मसास लोवसीनेस एवं इनवेस्टमेंट (प्रा०) लिमिटेंड

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि मां तत्त्वभ्वन्थी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविष्ठ, जो भी
 प्रविष्ठ बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीनत
 व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की वारी खंस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्वाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे- दिया गया है।

अनुसूची

र्म गोयर (4th share) 11 केए 15सी एच जमीन पर दोतत्लता मकान नं० 63, रफी श्रहमद किदवाई रोड, क लकत्ता डीड नं० 2905 तारीख 2-4-82

(सी० रोखामा) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज । 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड कलकत्ता-16

तारीख 9-12-82 मोहार : प्ररूप आई. टी एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 9 दिसम्बर 1982

निर्देश स० टी० प्रार० 79/82-83/एस एल० 677/प्राई० ए० सी०/एक्वी० रेज-I/कलकता—यत मुझे, सी० रोखामा सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन गक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

श्रौर जिसकी म० 63 है तथा जो रिफ ग्रहमद किदवाई रोड किल है (श्रौर इससे उपावद ग्रनसूची में ग्रौर,पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्टीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रार० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिद्यित्यम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 2-4-82

को पूर्वाक्त सपित के उचित बाजार मृत्य स कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपित्त का उचित बाजार मून्य, उसके द्रियभाग प्रतिफल से एंसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एमें अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवङ म्ह्य से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सूबिधा के लिए;

अतः अन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:-- (1) गुलमान श्रारा बेगन

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० ली० विजनेस एव धन्बेरटमेट (সা০) लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूधना जारी करके पूर्वीक्त सर्पात्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मन्य में कोई भी आक्षण --

- (क) इस मुबना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील में 30 दिन की शर्मीन, जां भी अविध बाद मो समापा होती है।, डो भीतर पर्वाक्त व्यक्तियाँ मा से किसी व्यक्ति। द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजधन में प्रकाधन की तारीय से 45 दिन के भीतर उचन स्थात्रर राजिन में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्रान्त अयोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमी प्रयास्त शब्दा और पदा का, जा उक्त अधिनियम, को जाराय ⊈()-ए गा परिभाणित ह[‡], वही अर्थ हागा, जो उस अशाय मी दिया गया है।

अनुसुची

(1/4) शेयर 1/4 शेयर 11 ५० 10 छ 0 जमीन पर दोतला मकान न0 63, रिफ प्रहेम किंदवई रोड कलकत्ता डीड न0 2905 तारीख 2-4-82

सी० रोखामा
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
यर्जन रेज-I
54, रफी ग्रहमद किदवाई रोड
कलकत्ता-16

तारीख . 9-1*2*-82 मोहरु प्ररूप आर्षः टी. एन. एस्. -----

म्रायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा .269-व (1) के श्रधीन मुचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्रजन रंज कलकत्ता

कनकता, दिनाक 2 दिसम्बर 1982

निर्देश गं० टो० आर०/73/82-83/एम एल० 676 आई० ए० सी०/एक्यू रेंज-1 कलकता—-यतः, मुझे सि० रोखामा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्न अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन नक्षम पाधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिनका उचित वाजार मृष्य 25,000/- रुपए से अधिक हे और जिसकी स० प्लाट न० 1 है तथा जो 2 बी, गनेरा चन्द्र एयेच्यू कहा० स्थित है (और इससे उपावद्ध अनूसूची

चन्द्र एकेयू कत् । स्थित है (और इससे उपावद्ध अन्सूची में और, पूर्णस्प से वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आरं । ए० कत् । में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-4-82 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास किंका का का कर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास किंका का कर्यमान क्षेत्र का कर्यमान प्रतिफल का मूल्य उसके दुश्यकान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रक्षिक के प्रीर प्रन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय पाप गया प्रतिफत. तिम्तलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिक इन्दे से क्यान नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिणियम के श्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दा∺स्व में कना करने या उससे बचने में सविधा े किए; धर/या
- (ख) एनो किया आध या किसी धन या अन्य प्रास्तियों
 को जिन्हें भाइतीय आध-कर अधिनियम, 1922
 (193 का 12) या उक्त अधिनियम, या
 पान्तर प्रोधितियम, 1957 (1957 का 27)
 क ज्याजनाथ प्रश्निती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था । किया जाना चाहिए या, छिपाने में
 स्विधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उप-धारा (1) के अधीन, निकाल स्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—-

- (1) एलापेंन्स प्रोपारिटस और इन्डसट्रीज लि॰ (झन्तरक)
- (2) यूनिवर्सल ट्रेड कारपोरेंशन (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिएकार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस पूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस युचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, स्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पटीकरण:--इतमें प्रयुक्त गम्दों ग्रीर पदों का, जो सकत श्रिश्चित्रम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

and the

प्लाट मं० 1, 3ए, फ्लोर 2 बी, गर्नेस चन्द्र एवेन्यू कलकत्ता दलिल सं० 4605 पी तारीख 14-4-82

> (श्री रोखामा) सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 54, रफीग्रहमद किदनाई रोड कलकत्ता-16

तारीख 2-12-82 मोहरू: प्ररूप आई ु टी ा एन . एस ु------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 नवम्बर 1982

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० सं० एच० 44/ग्रर्जन---यत: मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 229 है तथा जो टैगोर मार्ग स्कीम लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्मूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है, रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक श्रील 1982

कों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उद्वेश्यों से उक्त अंतरण किवित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसीं आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में., में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थात् ६---

(1) श्री एम० ताल्हा

(भ्रन्तरक)

(2) मे॰ हजरत महल सहफारी गृह निर्माण समिति लि॰ 22 चन्द्रलोक लखनऊ

(भ्रन्तरिती)

(3) उपरोक्त विकेता (वह व्यक्ति जिसके ग्राधिभोग में सम्पति है।)

को यह सूचना जारी अरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मिरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूत्रना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत
- (स) ध्रम सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त ≠थावर सम्शित्त मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित मो किए जा मकोंगे।

स्थ**प्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त** शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह**ै, वहीं** अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्लाट नं० 229 टैगोर गार्ग स्कीम, लखनऊ रकवा 1600. वर्गफीट जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जो सं० 1634/82 में वर्णित टै जिसका पंजीकरण सब रजिस्टार लखनऊ के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद स्थाम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, तखनऊ

तारीख: 29-11-82

गस्य आई. दी एन.एस. - ---

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 थ(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेज, नखनऊ

लखनऊ, दिनाक 7 दिसम्बर 1982

निर्देश स० जी० श्राई० श्रार० ए०-116/ग्रर्जन---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयरूर घरिनियक, 1931 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त धितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्त प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर समालि, जिसका छवित वाशार मूरम 25,000/र र. से अधिक है

भ्रौर जिसाी स० बन्दोदस्ती खसरा नं० 3 है तथा जो श्रल्मोडा से ल्यिन है (स्प्रौन इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप स विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय श्रल्मोडा में रिनस्ट्रीवारण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 19-4-82

को पूर्वोक्स सम्पितः के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिक्षत से प्रधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और धन्तरितों (अन्तरित्यों) के धीच ऐसे अन्तरण के लिए नय प्राप्त गरा प्रशिक्त, निश्चलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण निखिन से बार्जिक रूरा से कियत नहीं किया प्रया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माम की बायट जकत अधिनियम के स्रक्षील कर देने के प्रकारक के श्राधिरक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के स्थित। सीर∤या
- (ख) ऐसा किसा आय मा किया जन या अध्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर धाधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धाधिनियम, या भन-कर बाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुख्या पे लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) श्री रेनु साह ठुलधरिया

(श्रन्तरक)

(2) मेसर्भ श्रत्मोडा मैगनेसाइट लिमिटेड मटेला, श्रत्मोडा ।

(भ्रन्तरिती)

(3) उपरोक्त विश्रेता वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है।

को यह सुकता जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करवा हूं।

उना सम्मति के अर्जन के अंचंत्र में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूवता के राज्ञ भन्न में प्रकाशन को लागे ख से 45 विन की धवित या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जवित्र जो भी धवित्र बात में ममाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा मधोत्स्ताकारी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त अन्दों और पदों का, जो खक्त प्रमिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो छस सध्याय में विया गया है।

सम्बद्धी

भूमिधरो बन्दोबस्ती खभरा न० 3 जिसके श्रन्दर 2 भवन फुलवारी चौक जो बैनामा के साथ लाल रां से दिखाई गई हैं जो ग्राम रानी धारा नगर पालिका हदुद वाहक पट्टी खास जिला श्रल्मोडा जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी० न० 16 एल०/82 में दिया गया है।

> ग० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, लखनऊ

तारीख 7-12-82 मोहर प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 दिसम्बर 1982

निर्देश मं० जी० ग्राई० ग्रार० जी० 56/ग्रर्जन—यतः मुझे ए० प्रसाद,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० मकान नं० डब्लू डी० 4/54 है तथा जो ख्वाजा कृतुब वरेली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध भ्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक ग्राप्टील 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल हे एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वाम्नविक ख्प से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के रिलए; आरि/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविभा के लिए;

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 27—406GI/82

- (1) श्री गुरु सेवक लाल मुख्तारखाम चुन्नीलाल (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ज्ञानचन्द्र जैन

(श्रन्तरिती)

(3) उक्त विकेता (बह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्तृ सम्परितृ को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध भी कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

ग्रनुसूची

एक किता मकान भ्रन्दर नं० डब्लू० डी०-4/54 स्थित खनाजा कुतुब बरेली में है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेंलडीड व फार्म 37-जी संख्या 1774/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्टार बरेली के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद, मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख: 6-12-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 दिसम्बर 1982

निर्देण सं० जी० आई० आर० संख्या भार० 179/अर्जन— श्रत: मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूठ. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या ग्रारारो खमरा नं० 589 है तथा जो रहीमनगर, लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक ग्राप्रैल 1982

को पूर्वेक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे स्थमान प्रतिफाल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरित तो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की भाषत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस्से बच्चे में सृष्टिभा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविया के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैसर्स ग्रेवाल कोग्रापरेटिय हाउसिंग मोसाइटी लि०, महानगर, लखनऊ ।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र गौड़।

(अन्तरिती)

(3) विकेता

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है।) को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हू।

उक्त सपित्त के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टोकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रराजो खसरा नं० 589 प्लाट नं० 15 तादादी 3720 वर्गफुट वाके रहीमनगर, लखनऊ में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी० संख्या 1793/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार, लखनऊ के कार्यालय में किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 6-12-1982

प्रस्प वाइ . टी. एन . एस . -----

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 29 नवम्बर 1982

निर्देश सं० जी० स्राई० स्रार० संख्या जी०-55/श्रर्जन—यतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या 588 व 589 खसरा है तथा जो रहीमनगर लखनऊ में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक 5-4-1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उत्देश्य से उध्त अन्तरण लिखित में बास्तिव्क रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अबत, उक्स अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, वा धन-कड़ विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दौरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया बाना वाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री ग्रांश कुमर सिह्ना विमल कुमार सिह्ना लित कुमार सिह्ना द्वारा श्री ग्रो० एन० त्निपाठी (मुखतार खास) (ग्रन्तरक)
- (2) मैं० ग्रोबाल सहकारी श्रावास समिति लि०, रजि० नं० 184 द्वारा सचिव श्री ग्रार० एस० दीक्षित । (ग्रन्तरिती)
- (3) विक्रेता(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास चिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त घन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्राराजी खसरा नम्बर 588 व 589 रकता 5335 84 वर्गमीटर धाके रहीमनगर परगना व तहसील व जिला लखनऊ में स्थित है । जिसका विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 1490/82 में किया जा चुका है । जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 5-4-1982 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 29-11-1982

मोहर 🛭

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० जी० आई० म्रार० संख्या पी०-900/म्रार्नन⊸म्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 6 खसरा नं 589 है तथा जो रहीमनगर में मिलहाबाद लखनऊ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनूसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 को 16) के श्रिधीन दिनाक श्रुप्तैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण शिखित में वास्तविक रूप से किथ्त नृहों किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

(1) मैसर्स श्रग्नेवाल कोश्रांपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०, ई/31 महानगर लखनऊ, द्वारा डा० श्रार० एस० दीक्षत दीअध्यक्ष ।

(भ्रन्तरक)

(2) प्रेम कुमार शर्मा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारी स से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितब द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित मों किए-जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 6 खसरा नं० 589 पैमाइशी 2275 वर्गफुट बाके रहीम नगर महानगर में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 1492/82 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 6 दिसम्बर 1982

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 7 दिसम्बर 1982

निर्देश स० III/621/म्रर्जन/ 82-83—यतः मुझे, प्रयोध धूभाग दुवे,

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इमर्म इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एम० एम० प्लाट संख्या 2060, हार्लाडग संख्या 304 (पुराना) 819 (नया) वार्ड संय्या 2-बी है तथा जो मेन रोड, रांची में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय रांची में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नारीख 29-4-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विदवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत किथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्धेष्य से उक्त अन्तरण निकित में यास्विषक हुए से कथित नहीं किया गया है। —

- (क) जन्तरण से हुई किसी साय की नावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कथी करने या उक्ष्य कचने में स्विधा के लिए, और/शा
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों कते, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अय, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नुधीन निर्म्नीसिष्त स्मिन्तमों, अर्मातः—

- 1. श्री लक्ष्मन सिंह पिता यब काशी सिंह करतार सिंह
 - (2) करनैल सिंह पिता-स्व० रजीत सिंह
 - (3) प्रीतम सिंह पिता-स्व० काशी सिंह, करतार सिंह द्वारा श्रापनें पुत्र के जो की पावर श्राफ श्रटानीं रखना है। ग्राम थाना पंजीडा जिला होशियारपुर, वर्तमान पता मेन शेष्ठ, रांची।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मनमोहन शर्मा (2) सुशील शर्मा पिता विश्वनाथ शर्मा, पुराना किम्पनर कम्पाउन्ड, रांची थाना कोनवाली, जिला रांची ।

(श्रन्तरिती)

को यह सुनना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वेक्ति करियों में से िट्यों व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, जो उक्त बिप्तियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हु⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय एक मंजिला पक्का मकान जिसका रकवा 0.058 एकड़ है तथा जो मेन रोड रांची, जिला—रांची में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से बासिका संख्या 4052 दिनांक 29-4-82 में वर्णित है एवं जिसका निबंधन अवर निबंधक पदाधिकारी रांची है बारा सम्पन्न हुन्ना है।

> प्रवीध कुमार दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारी**ख**: 7-12-1982

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस्.-----

आंयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन परिक्षेत्र पटना

पटना, दिनांक 7 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० III/622/ग्रर्जन/82-83—श्रतः मुझे प्रबोध कुमार दुबे,

श्राय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एम० एस० प्लाट संख्या 1786 (पुराना) होलंडिंग संख्या 847 (पुराना) 440 (नया) सब प्लाट संख्या 1786 ए० श्रौर वार्ड संख्या 3 है तथा जो पी० पी० कमपाउन्ड रांची में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय रांची में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15-4-1982

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिथे; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी उध या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-गृक अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री डा॰ सुक्रिति रंजन गुप्ता पिता स्वर्गीय सुकुमार गुप्ता, मुराबादी रोड, रांची हाल मुकाम सी॰/ए० 6 टैंगोर गांर्डन, नयी दिल्ली-110027 । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कृष्ण गोपाल भाटिया, पिता स्व० दिना नाथ भाटिया, पी० पी० कम्पाउन्ड, रांची, जिला रांची।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जनु के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उका स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

श्राधा हिस्सा उस जायदाद में जो पी० पी० कमपाउन्ड, थाना—चुटिया, जिला रांची में स्थित है श्रौर जिसका रकवा 11 कटठा जमीन मकान सहित है तथा जिसका पूर्ण विवरण वसीका संख्या 3561 दिनाक 15-4-82 में उल्लिखित है एवं जिस का निबंधन जिला उप निबंधक रांची के यहां हुमा है।

> प्रबोध कुमार दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख :7-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना पटना, दिनांक 7 दिसम्बर 1982

निर्देश मं० $1 \, \mathrm{H}/624 / \mathrm{म} \, \mathrm{sin}/82 - 83 - \mathrm{r} \mathrm{r}$ नः, मुझे, प्रबोध कुमार दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. सं अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० होल्डिंग सं० 364-ए, वार्ड सं० 4, सर्किल सं० 245, प्लाट सं० एम-6 (नया) है तथा जो श्रीकृष्णा-नगर, थाना कौतवाली जिला पटना में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नारीख 13-4-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यशापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एमे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) सुश्री ग्राणा कुमारी यादव पुत्री स्व० णंकर यादव, निवामी-78 नजर बाग पो० जी० पी० ग्रो०, थाना-हजरतगंज, जिला लखनऊ ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुनील कुमार वल्द स्वर् श्रमृत सिंह, निवासी कोथवान पोस्ट—खगोल, जिला पटना । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

जमीन मय पक्का मकान जिसका रकबा 5 कट्ठा 15 धुर है तथा जो श्रीकृष्णनगर, थाना कोतवाली, जिला-पटना में स्थित है एवं पूर्ण रूप में लीज वसिका सं० 3369 दिनांक 13-4-82 में वर्णित है तथा जिसका निबंधन जिला श्रवर निबंधक पदाधिकारी पटना के द्वारा सम्पन्न हुम्रा है।

> प्रबोध कुमार दूवे मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्रक्षण) श्रर्जन क्षेत्र,बिहार,पटना

तारी**ख** : 7-12-82

प्रहत्त । हा . हो . एन एन . ------

क्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सृष्ना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र बिहार पटना पटना, दिनांक ४ दिसम्बर 1982

निर्देश सं० III है 623/प्रर्जन/82-83—प्रतः मुझे प्रबोध कुमारद्वे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वस करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० एम० एम० प्लाट संख्या 1786 (पुराना) होलंडिंग संक्या 847 (पुराना) 440 (नया) सब प्लाट है तथा जो संख्या 1786/63 ए श्रौर बार्ड संख्या-3 पी० पी० कमपाउन्ड, रांची में स्थित है (श्रौर इससे उपलब्ध श्रनुसूची श्रौर में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय रांची में रजिस्ट्रीकरा श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन नारीख 15-4-82

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित गाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुभो गह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतर्ण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उटत अन्तरण लिखित में सास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बनो में मूरिता के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय रा किसी भन या अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीर आय-कर अभिनित्स, 1932 (1922 का 11 या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मुिक्रिति रंजन गुप्ता पिता स्वर्गीय मुकुमार गुप्ता, मोहल्ला मोरावादी रोड, रांची हाल मोकाम सी/ए 6 टैगोर गार्डन, नयी दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सरोज वाला भाटिया पत्नी श्री कृष्ण गोपाल भाटिया पी० पी० कम्पाउन्ड, रांची

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्प्रीत्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकद व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखिल में किए का सकोंगे।

रपव्यक्तिरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसुकी

श्राधा हिस्सा उस जायदाद में जो पी० पी० कम्पाउन्ड, धाना चुटिया, जिला रांची में स्थित है झौर जिसका रकबा 11 कटठा जमीन मकान सहित है तथा जिस का पूर्ण विवरण वासिका संख्या 3562 दिनांक 15-4-82 में उल्लिखित है एवं जिसका निबंधन जिला उप निबंधक, रांची के यहा हुग्रा है।

> प्रबोध कुमार दुबे सक्षम प्राधिकारी सड़ायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र विहार,पटना

नारीखा : 7-12-82

गोहर :

प्ररूप आही. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेंत्र बिहार,पटना पटना, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० III 626/प्रर्जन/82-83---श्रतः मुझें प्रबोध दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा 269-स के अर्थन सक्ष्म पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० भ्रार० एस० प्लाट संख्या 717 खाता संख्या 156, मा० हो० 2230/डि० वार्ड संख्या 7 सी० है तथा, जो ग्राम गाडी. थाना रांची जिला रांची में स्थित है (भ्रौर इससे उपाब्ध म्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण व्या से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय राची में रजिस्ट्रीकरण प्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 20-4-82

को पूर्वेक्ति संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विहवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुंई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिथा के लिए;

(1) श्री मती डोरोथी राय जौजे स्व० सुकुमार राय ग्रीर मूह बधू श्री सुबोध चन्द्र राय, 57 लैन्स डैनी रोड कलकत्ता-25

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सरदार भजन सिंह पिता स्व० सरदार गुलाब सिंह प्रो० राची टायरम रीट्रेडिंग क० मेन रोड, रत्न सिनेमा हौल के सामनें रांची।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी अर्थ 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जह सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

जमीनमय पक्का मकान जिसका रकबा 4985-22 स्क्वायर मीटर प्रथांत 74 कटटा है तथा जो ग्राम गाडी थाना—रांची, जिला रांची में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वासिका संख्या 3685 दिनांक 20-4-82 में विणित है तथा जिसका निवंधन जिला ग्रवर निबंधक पदाधिकारी रांची के द्वारा सम्पन्न हुग्रा है।

प्रबोध कुमार दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख 8-12-82 मोहर: प्ररूप आइ. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बिहार पटना पटना,दिनांक 8 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० III 625/म्रर्जन/82-83—श्रतः मुझे प्रबोध कुमार दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पार्ट ग्रॉफ प्लॉट संख्या 891 है तथा जो मौजा होरा पुर जिला धनबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय धनबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 1-4-82

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के स्थाप प्रतिक्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्तन विश्वनितियों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती रेंण्का बनर्जी, जौजे स्व॰ श्रार॰ एत० बनर्जी द्वारा प्राभिकर्त्ता, श्री प्रतुल कुमार मुखर्जी, बल्द श्रीभुदार चन्द्र मुखर्जी निवासी 38, राश बिहारी एयेन्यू, कलकसा

(अन्तरक)

- (2) (1) श्री शयाम सुन्दर सिंह (2) श्री हिमांशु शेखर सिंह (3) श्री विनय कुमार सिंह, वल्दास श्री राजनन्दन सिंह निवासी—झरिया, थाना-झरिया जिला-धनबाद (श्रन्तरिती)
- (3) श्री बेने हुए हिस्से सरकारी एवं श्रर्द्ध सरकारी संस्थानों को किराये पर दिये गये हैं।
 (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्विक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन, की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:—हसमें पृथुक्त शब्दों और पृदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनस ची

जमीन मय दो मंजिला पक्का मकान जिसका रकबा 8 कटठा 12 छटाक है तथा जो मौजा हीरापुर, जिला धनबाद में स्थित है एवं पूर्ण रूप से बहिका सं० 4054 दिनांक 1-4-82 में बर्णित है तथा जो जिला श्रवर निबंधक पदाधिकारी धनबाद के द्वारा पंजीकृत है।

> प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सह्ययक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख: 8-12-82

प्ररूप जारे. टी. एन्. एस.-----

वायकर व्यभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के व्यभीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालयः, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बिहार, पटना पटना, बिनांक 9 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० III 631/म्रर्जन/82-83--म्रतः मुझे, प्रबोध कुमार दबे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 60 (पुराना) 57 (नया), वर्तमान हो संख्या 53 है तथा, जो धामी टोला, डा० बजीर ग्रली रोड, गया में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय गया में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैल 1982

में पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है दि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी क्षाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गजू साव पिता स्व० विशुन माव (2) मो० वाहरथो कुग्रर जीजे स्व० लखन लाल (3) श्रीमती गरिजा देवी जौजे श्री किणोरी लाल महल्ला धामी टोला, डा० बजीर ग्रजी रोड (4) श्रीमती णांती देवी जौजे श्री गनेण लाल, ग्रोम चकन्द बाजार, गया

(भ्रन्तरक)

(2) श्री निर्मला देवी जीजे श्री राजपाल ग्रामा प्रो० मधु मेडिकल एजेसी, गोल पत्थर गया।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुने।

चक्तु सम्पत्ति के अर्जनुके सम्बन्धु में कोई भी वाक्षेप ;---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्थिकतयों में से किसी स्थित बुवारा;
- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्याद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उत्कत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

अनुसूची

मय तीन मंजिला पक्का मकान जिसका रक्का 700 स्कवायर फीट जो धामी टोला, डा० बजीर खली रोड, गया में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका संख्या-6170 महीना अप्रैल 82 में वर्णित है तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी गया के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज, पटना, बिहार

तारीखं 9-12-82 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रंज पुणे

पुणे-411004, दिनांक 29 नवम्बर 1982 निर्देश सं० सी० ए० 5/775/ एस० श्रार० कल्याण/ 82-83—यतः मुझे शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या सी० मं० नं० 6131, स० नं० 33-ए हिस्सा नं० 1 है तथा जो डोंबिवली (पूरब) जि० ठाणें में स्थित है (श्रौर इससे जपाबद्ध श्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दुश्यम निबंधक कल्याण में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-5-1982

को प्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मेसर्स एस० एस० पाटील एण्ड को कैबिन नं० 4, तीसरी मंजिल, पाटील मोईर अर्पाटमेन्टस डोंबिवली (पुरब) जि० ठाणे

(ग्रन्तरक)

(2) जीवन सुगंध को० ग्रांप होसिंग सोसायटी लि० ग्रगरकर रोड गजबंधन पाथरली सि० स० 6131 संवि० 33 ए डोबिवली, जिला ठाणे ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शबवों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी जो० सि० सं० नं० 6131 सं० नं० 33/ए० हिस्सा नं० 1 डोंबिवली (पूरब) जि० ठाणें में स्थित है (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 466 जो 4-5-82 को दुय्यम निबंधक कल्याण के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांन कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज पना

तारीख : 29-11-82

प्ररूप आइ⁵.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पुणे

ुपुणे-411004, दिनाक 6 दिसम्बर 1982

निर्देश मं० सी० ए० 5/एस० ग्रार० करहीर 778/-

82-83---यन मुझे, णिशकांन कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'तकत अधिनियम' कहा गया ही), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्त, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी संग्या सि० सं० न० 261ए/2बी ताराबाई पार्क है तथा जो कोल्हापुर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण च्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक करवीर में, रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित गाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यनान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अनतिरती (अन्तरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उत्कत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें, अन्गरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिधित व्यक्तियों, अर्थात् .——

(1) श्री एम० व्ही० घोखडे हाऊस नं० 261 ई०, वॉर्ड नाराबाई पार्क, कोल्हापुर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ज्ञानदेव बी० शेलर, चेयरमन शिल्प अपार्ट मेटस को० श्रांप हौिसग मोमायटी हाउम नं० 261-ई०, वार्ड कोल्हाप्र,

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त मंपीत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सर्पात के अर्जन के संबंध म कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस ग्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की अदीं या तारसंबधी व्यक्तियों पर मूचना की तासील गे 30 दिन की अदिया, जो भी अविध बाद में समाधा होती हो, की भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उत्थत स्थावर संपतित में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहेस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः--इसमं प्रयुक्त शब्दों और नदो का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उत्तस अक्षाय में दिया गया ही।

अनुल्ची

जमीन ग्रीर उसके उपर का मकान स० न० 261 ए/ 2 बी० नाराबाई पार्क, कोल्हापुर,

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 1858, जो० मई 82 को दुय्पम निबंधक करवीर के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, पुना

तारीख: 6-12-82

प्ररूप् आई. टी. एन. एस. - - - - --

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पुणे पुणे- 411001, दिनांक 3 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० श्रार० इचलकरंजी/777/ 82-83—यतः, मुझें, शशिकांत छुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या प्रापर्टी गट नं० 814 प्लाट नं० 4 ग्रौर 5, शाहपुरगांव तालुका शिरोल है तथा जो जि० कोल्हापुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक इचलकरंजी में, रजिस्ट्रं करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पृत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम् के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशमों से उक्त अन्तर्ण लिखित में बास्त्विक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भार 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपभारा (1) के जुधीन शिम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मैसर्स इंडियन कास्टींग्ज भागीदार श्री व्ही० व्ही० कुलकर्णी वार्ड नं० 10, हाऊस नं० 636/3बी, इचलकरंजी

(अन्तरक)

(2) इचलकरंजी मेटल फाऊंडरीज प्रा० लि० डायेरेक्टर, श्री एस० व्ही० कुलकर्णी वार्ड नं० 10, इचलकरंजी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सहोंगे।

स्पद्धींकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगः जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

प्रापर्टी गट नं० 814, प्लाट नं० 4 ग्रौर 5, शाहपूरगांव तालुका शिरोल, जिला कोल्हापुर।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 1564 जो जूत 82 को दुय्यम निबंधक इचलकरंजी के दफ्तर में लिखा है)।

> शिषाकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 3-12-82

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज कानपुर कानपुर, दिनांक 9 दिसम्बर 1982

निर्देश मं० एम०237/82—श्रतः मुझें विवेक वनर्जी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 118/328 है तथा जो कौशलपुरी कानपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 22-4-72

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री श्रीकान्त दिवेदी, लक्ष्मीकान्त दिवेदी व रमाकान्त दिवेदी (दुवे) पुत्र प० चित्रका प्रसाद द्विवेदी (दुवे) व प० चित्रका प्रसाद दिवेदी, श्रीमनी ईश्वर देवी नि० 65/6 गांधी ग्राम कृष्णनगर कानपुर (ग्रन्तरक)
- (2) मैंसर्स आया सिंह एन्ड सन्स 111ए 2 श्रशोक नगर, कानपुर

(ग्रन्तरिती)

(3) मैसर्स श्राया सिंह एन्ड सन्स (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

भ्रचल सम्पति नबम्र 118/328 (क्षेत्रफल 444.44) (वर्गगज) कौशलपुरी कानपुर में स्थित है तथा जो कि रुपया 3,60,000/- में बेंची गई थी।

> विवेंक वनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-12-82

प्ररूप आर्ड. टो. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को अधीन सुचना

भारत धरकार

कार्यालय, सहायक बायक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कानपुर कानपुर, दिनांक 5 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० एम० 19१/82-83—-श्रवः मुझे विवेक बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका विश्वत नाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी गं० 10/498 है तथा जो खलामी लाइ स कानपुर में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाउद्ध श्रनूसूची में श्रौर पूर्ण स्प में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रीर्शनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 7-4-82

को पूर्वोक्त सम्परित के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ध है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यं अपूर्वेक्त सम्पर्तित का उिचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाव गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किशी आय की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दारित्व में कमी करने या उसने वचने में सृविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीर आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

ात अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की गरा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : — (1) श्री राजेण प्रसाद श्रीवास्तव, श्री महेण प्रसाद श्रीवास्तव, श्री रमेण प्रसाद श्रीवास्तव 15/71 सिविल लाइन्स, कानपुर

(श्रन्तरक)

(2) शीलिंग हाउस स्कूल मोसाइटी 14/54 सिबिल लाइन्स, कानपुर

(श्रन्तरिती)

(3) ब्राई० ई० एल० (वह व्यक्ति, जिनके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समापा होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्प्रव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति नम्बर 10/498 खलासी लाइन्स कानपुर $\hat{\mathbf{F}}$ स्थित है तथा जिसका कुल शेत्रफल 4714 वर्गगज है। यह सम्पति रूपया 4,90,000 से बेची गई थी।

विवेंक बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-12-1982

प्रारूप आर्ष्ट द्वी एस एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, राहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगसूर

बगलुर, दिनाक 2 नवम्बर 1982

निर्देश सं० मी० श्रार० 62/456/82-83/ एक्यू डी.— यतः मुझे मंजु माधवन्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-त्व के अभीन अक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 28 है, तथा जो कौल बाजार शब्दुल, सलाम स्ट्रीट बेलम में स्थित है (श्रौर इस से उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरता श्रधिकारी के कार्यालय बेल्लारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता० 5-4-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरल (अन्तरलों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुाई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आप गा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भएन्द्रीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीतियत त्यितियों, अर्थात् .—— 29-406GI/82

- (1) श्री एस० प्रव्दल रहमान साहेब
- (2) श्री एस० ग्रब्दल साहेब
- (3) श्री एस० ग्रब्द्ल हकी इ साहेब
- (4) श्री एस० ग्रब्दल लथवाब साहेब
- (5) श्री एस० अब्दुल अदी साहेब
- (6) श्री एस० श्रब्दुल मनवान साहेब
- (7) श्री एस० अन्दुल हकीम साहेब
- (8) श्री एस० अर्जीब श्रकीम साहेब निवास-श्रब्दल मालम स्ट्रीट कौल बजार बेस्लारी (अन्तरक)
- (1) श्री एम० ग्रब्दुल ग्रणीम
- (2) श्री एस० ग्रब्दुल ग्रसीम
- (3) श्री एस० ग्रब्दुल मुजीब
- (4) श्री एस० ग्रव्युल मौक्वीय निवासकौल बाजार बेल्लारी

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सपति के अर्जन के सबंध भे कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;'
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिश में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

(दस्तावेज स॰ 60/82-83 ता 5-4-1982) सम्पति है जिसका सं॰ 28 जो श्रब्दुल सलाम स्ट्रीट, कौल बाजार बेंस्लारी में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, बंगलुर

तारीख 2-1 1-1982

प्ररूप नाइ . टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 289-च (1) के घडीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज श्रायकर भवन, लुधियाना लिधियाना, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० षडी ०/17/82-83—प्रातः मुझें, सुखरेंव चन्द झायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की घारा 269-ख के प्रधीन सजन प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका छिषत बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है

द्वीर जिसकी सं एसं सी एफ 18 सेक्टर 16-डी है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्मा श्रीकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख 4/अप्रैल 1982 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्शोंकिकत उबद्धिय स उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिपक रूप से किथत नहां किया गया है ---

- (क) अस्तरण संदुई किमी आयं की रावत उत्त प्रश्चि नियम; के भ्रष्टीत कर देने के भ्रन्तर ह के वाक्लि में कमी करने या छत्रसे बनमें में सुविधा के लिए: भीर/या
- (ख) ऐसी कियी जाय या किसी घन या अथ्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्नियम, 1922 (1922 का 11) या बक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती ज्ञारा प्रकटनहीं किया गया था या किया जाना चाहिए ना, छिपाने में सुविधा के लिए:

श्तः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री कर्नेल गिरधारी लाल शिंह निवासी 295 सैक्टर 10. चण्डीगढ ।

(अन्तरक)

(2) श्री योग राज सिंह भूवल निवासी 508 सैक्टर 11. चण्डीगढ।

(ग्रन्तरिती)

(3) मैं दुग्गल क्लाथ हाऊस निवासी एस० सी० 3 एफ० 18 सैक्टर 16-डी०, चण्डीगढ़। (कह क्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्थ्यति के बर्बन के निय् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेपु:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भी प्रकाशन की सारील सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थातर सम्मसि में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकरी।

स्पव्यक्तिरण : ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्यं

एस० सी० एफ० नं० 18, सैक्टर 16-डी, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख मं० 68 अप्रैल, 1982 के श्रधीम दर्ज हैं)।

> मृद्धदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 14-12-82

मोहर '

प्रस्य आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, भायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 14 विसम्बर 1982

निर्देश सं० चण्डीगढ़/12/82-83----श्रतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० एस० सी० एफ० 7 ग्रौर 8, सेक्टर 19-सी० है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रध-कारी के कार्यालय, में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए ध्रय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण लिखित में बास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के निए; और/या
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय माय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, कियाने में सुविधा के निए;

अतः जसं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए के अनुसरण में, जैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितृषिक स्थितवों, अधीत् :---

- (1) श्री गरनागत सिंह सपुत्र श्री उतम सिंह निवासी पांच-15, ग्रीन पार्क एक्स्टेशन, नई दिल्ली।
 - (अन्तरक)
- (2) श्री जोगिन्द्र सिंह सपुत्र श्री निर्मल सिंह निवासी गांव कंग डाकखाना गरचा तह० नेवा शहर (जालन्धर)

(भन्तरिती)

(3) मैं पिटियाला फर्नीचर सिवस निवासी एस० सी० एफ० न० 7 श्रीर 8 सेक्टर 19 सी० चण्डीगढ़। (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाचन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्रिंश किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टोकरण — इसमें प्रयुक्त कब्दों जोर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के जभ्याय 20-क में परिभाषित ,हु1, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

मनसची

एस० सी० एक० न० 7 भ्रौर 8 सेक्टर 19-सी० चण्डीगढ-में स्थित है।

(जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 49 श्रप्रैल, 1982 के श्रिधीन दर्ज है)।

मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 14-12-82

प्ररूप बाइँ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा, 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० चण्डी०/3/82-83—श्रतः, मुझें, सुखदेव चन्द, बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से धिंधक हैं

श्रीर जिसकी म० मकान न० 1664 है तथा जो मैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख श्रग्रैल 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यशापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार बुन्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षन, निक्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निक्ति में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) जन्तरण संधुर । असी जाय की वानत, उनते अधिभयम को जभीन कर दोने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्पाने में स्विभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की स्पधारा (1) के बुधीन निम्नुलिस्ति व्यक्तियाँ, अधृति :—

(1) श्री रतन लाल गोयल सपुत्र शिवजी राम और श्रीमित शान्ति गोयल पत्नी श्री रतन लाल, निवासी मकान नं ० 1236, मैक्टर 19-बी नण्डीगढ ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री मनमोहन सिंह मझेलस पुत्र श्री जौहरा सिंह श्रीर श्रीमति राजिन्द्र कौर पत्नी श्री मनमोहन सिंह मार्फत श्री भूपिन्द्र सिंह, निवासी अजमेर बस्ती, जीन्द, हरियाना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जनत सम्बत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बार्शन :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की व्यविद्यां पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यविद्यां पर क्षेत्र को तामील से 30 दिन की व्यविद्यां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यविक्तयों में से किसी कादित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीभिनयम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हाँ, नहीं कर्ष होगा जो उस अभ्याय में दिस्स भवा हाँ।

अनुसूचीं

मकान नं० 1664, सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 7 श्रप्रैल, 1982 के श्रधीन दर्ज है)।

मुखवेब चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकंर आयुक्त (निरक्षिण) ध्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 14-12-1982

मोहर् 😘

प्ररूप अन्द्रं.टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) का नारा 269-घ (1) टें अधीन स्चना

भारत सन्कार

कार्यालय, सहायक अध्यक्त (निरीक्षण) अर्थन रेज, प्राप्तर तयन, लिशियाना लिथियाना दिलाक 14 दिसम्बर 1982

निदेश सं० चण्डी > /7/82-83—-प्रत मुझे, सुखदेश चन्द, आयकार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमा इसके परचान् 'उपत अधिनियम' कहा गए। हो), की धारा 269-ख के अधीन सजम पाधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मस्यति, जिसका उचित बाआर मूल्य 25,000/- रा से एधिक ही

स्रौर जिसकी मुठ मकान नंठ 130 में हिस्सा है तथा जो मैक्टर 9-बी, जण्डीगढ में स्थित है (स्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में शीर पर्ण रूप स विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ थे. र्राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) हे स्रवीन तारीख स्रप्रैल 1982

की पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान गित्रफल से, एते दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत गं अधिक हो और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) क बीच एम अंतरण के निण् नय पाया गया प्रतिफल निम्निलियित उद्वेदय में उक्त अंतरण निस्तित मा वास्तियक स्प से वर्षथम नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्रियधा के लिए; ओर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, विनहों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रजीरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना माहिए था छिपान में सिषधा के लिए;

अतः अनः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुगरण भें, भें, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिवा व्यक्तियो, अर्थातः :-- (1) श्री ग्रारं एन० मनहोता मार्फत बोध राज मार्फत रैरियेज विल्ला, ३८ मान, शिमला।

(अन्भरक)

(८) श्रा माहतालहराणुव श्रंतिये सिह, तिवासी--767, सैक्टर 8-बी, चण्डीगढा

(अन्तरिती)

(3) दी डायेरेक्टर, विजिलेस (पंजाब) मकान नं० 130, सैप्टर 9-बी, वण्डीगढ। (बह व्यक्ति जिसक ग्रिधभोग में सम्पति है।)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्त्सम्बनी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारील मं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसंग्रं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उसा अध्याया में दिया गया है।

अम्सूची

मकान नं० 130, संकटर 9-ब्री, चण्डीगढ़ में हिस्सा

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी, चण्डीगढ के कार्यालय के विलेख संख्या 19 अप्रैल, 1982 के अधीन दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 14-12-1982

प्ररूप आई टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्शेक्षण)

अर्जन रेंज, म्रायकर भवन लुधियाना लुधियाना, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निदेश मं० चण्डीगढ़/8/82-83--- ग्रत: मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उमित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक ह**ै**

श्रीर जिसकी गं० नकान नं० 130 में हिस्सा है तथा जो मैक्तर 9-बी० चण्टीगढ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारी**ख श्रप्रैल** 1982

को पूर्वोक्त संपरित के डिचत बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उ नित वाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिकाल से एसे रश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और (अन्तरिती) (अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रीतानन, निम्नलिखित उदरास्म ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुइ किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी नाम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण , मॅं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के बधीन, निम्नुतिस्ति व्यक्तियों, वर्षात् ः---

- (1) श्री भार० एन० सलहोक्षा मार्फत श्री बोध राज, निवासी--करियेंज विरुला दी माल, शिमला। (भ्रंतरक)
- (2) श्रीमित ज्ञान कौर पत्नी श्री मोहन सिंह, निवासी-767 सक्टर 8-बी, चण्डीगढ ।

(श्रंतरिती)

(3) दी डायरेक्टर, विजिलेंस (पंजाब), मकान न० 130, सेक्टर 9-बी, चण्डीगढ ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पति है।)

का यह स्थना जारी करके प्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यत्राहियां कारता हुां।

इक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मो कार्क्स भी आक्षीप:---

- (क) इस स्चना के राजपण में प्रकालन की सारीख 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व बन्द व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त श्ल्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिया गया है।

मकान नं० 130 में सैक्टर 9-बी, चण्डीगढ़ में हिस्सा

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 20 श्रप्रैल, 1982 के ग्रधीन दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज लुधियाना।

तारीख: 14-12-1982

मोहर 🕄

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निवेश सं० चण्डी/1/82-83----प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 2261 है तथा जो सैक्टर 35 सी, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख अप्रैल 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे यन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिगित में बास्निविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविध्य के लिए; और/था
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;
- बतः अभ, उस्त अधिनियम की धारा २६०-ग के, अन्यरण में, मैं, तक्त अधिनियम की धारा २६९-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :---

(1) मैं राजिन्द्र सिंह बेंस सपुत्र स्व० श्री नथ्या सिंह निवासी मकान नं० 1104, सैक्टर 15-बी०, चण्डीगढ़ माध्यम श्री रामभाज सपुत्र पूहड़ मल, निवासी—मकान नं० 464, सैक्टर 35-ए, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बालकृष्ण श्रग्रवाल सपुत्र श्री रामभाज, ग्रौर श्रीमती दर्शनी देवी पत्नी श्री बालकृष्ण, निवासी 464 सैंक्टर 35-ए, चण्डीगढ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत मम्पित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप;--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पारित में हिशसक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगें।

स्युक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलाट नं० 2261 सैंबटर-35 सी, घण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्मा श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्याक्षय के विलेख संख्या 1 श्रप्रैल, 1982 के श्रधीन दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजंन रेज, लुधियाना ।

तारीखा: 14-12-82

प्ररूप आह. टी. एन. एस.-----

अप्रायक्तर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निवेश मं० खरड/2/82-83----श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख ने अभीन गक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अण्यित प्राजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 45, फैज-7, है तथा जो मोहाली । में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रन्सूची में और पूर्ण रूप से विणा है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, खरड में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908

का 16) के अधीन नारील अप्रैल 1982 में पूर्वेक्षित सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्षत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नितियों उद्योग से उक्त अन्तरण तिकित में वास्तिवक रूप से किथन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- भि एसी किसी आए या निज्यी धन वा अन्य आफितयों को, जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गरा था किया जाना वाहिसे था कियानों में सविधा के लिए.

ततः अब, एक्ट अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौ उथ्त अधिनियम की धारा 269-घ कौ उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थान :--- (1) श्रीमति गरमीत कौर पत्नी श्री भगत सिंह, निवासी—— रोपड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित कीणलय बन्ती पत्नी श्री देंबी सिंह, निवासी— मुकर्जी नगर, देहली-9।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पस्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्लाट नं० 45, फैंज-7 मोहाली, तह० खरड़, जिला रोपड में स्थित है ।

(जायदाद जोिक रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधिकारी, खरड़ के कार्यालय के विलेख मंख्या 259 अप्रैल 1982 के प्रधीन दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लुधियाना ।

तारीख: 14-12-1982

प्रकृष वार्ष हो एन एक . भागाना नामन

भागकर जभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सुचना

वार्ष बर्जन

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (मिर्रीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निवेश सं० चण्डी/4/82-83—-अतः मुझे सुखदेव चन्द, नायकर निपिनयनः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत् मुणिनयनं' कहा नगा ही, की चारा 269-च के अभीन संबान प्राप्तितः की यह दिवस्तास् करने का कराण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 257 है तथा जो सैक्टर 21-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन ग्रिग्रैंल 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिदात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल मिम्नलिबित उद्देश्य से उच्च अन्तरण सिवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियस के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., ज्व्या अधिमियमं की धारा 269-थ की उपधारा (1) के जधीन, मिम्निसिस व्यक्तियों, अधीत्:— 30—406GI/82 (1) श्री द्याशा राम सपुत श्री राधा राम निवासी मकान नं 257, सैक्टर 21-ए, चण्डीगढ ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जगदीश जन्द्र वर्मा सपुत्र श्री चन्द्रभान छौर श्रीमति ऊषा वर्मा पत्नी श्री जगवीश चन्द्र वर्मा निवासी मकान नं० 1477, सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़।

(धन्तरिती)

(3) श्री गंगा सिंह श्री पी० एस० मदन श्री परमजीत सिंह श्री रणजीत सिंह श्री रामपाल श्री बीर सिंह

> सभी निवासी सकान नं० 257, सैक्टर 21-ए, चण्डीगढ़। (बहु व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितवद्य किसी बन्य व्यक्तियों द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पळीकरण:---इसमें प्रयुक्त प्रस्तों और पर्वो का, जो, उक्त, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस स्ध्याय में विधा ग्या है।

मन्त्रची

मकान नं० 257 सैक्टर 21-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्सा मधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 10 भ्राप्रैल, 1982 के मधीन दर्ज है।)}

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सद्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 14-12-1982

प्रकप जाई० टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निवेश सं० चण्डी/18/82-83—ग्रत मुझे सुखदेश चन्द, बायकर किंग्नियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राप्थिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव संपत्ति जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 3020 है तथा जो सैक्टर 28-डी, चण्डीगढ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल सें, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाथा गया प्रति-फन निम्नलिचित उच्चरेय से उक्त अन्तरण में बास्तविक स्व से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, ैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :-- (1) श्री हुकम चन्य गुप्ता सपुत्र श्री सीता राम मार्फत अरुपस थियेटर, राजपुरा (पंजाब) ।

(भ्रन्तरक

(2) सर्वश्री सुनील कुमार, राजेश कुमार गुप्ता ग्रीर विनीत कुमार गुप्ता स/सपुत्र श्री बाबू राम गुप्ता निवासी 3039 सैक्टर 28-डी, चण्डीगढ़।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उचत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

त्वव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्यों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

मकान नं० 3020 सैक्टर 28-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 73, श्रप्रैल 1982 के श्रधीन दर्ज है।)

> सुखदेव चन्य ्सक्षम प्राधिकारी सहामक प्राथकर द्यापुक्स (निरीक्षण) प्रार्थन रेंज, लुधियाना

तारीख: 14-12-1982

म्रच्य बार् ु ठी : स्व : यस :-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भागकर नायुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 14 दिसम्बर 1982

निदेश सं० चण्डी/20/82-83—प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द, बायकर बाँधाँनसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धार 269-च के बधौन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से संधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 2246 है तथा जो सैक्टर 15-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ग्रग्नैल 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृह्म से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण मिसित में बास्त-विक रूथ से कथित नहीं किया मधा हैं:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्य में कमी करने वा उच्चते ब्यने में सुविधा के जिसे; और/या
- (क्) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोखनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दिवन्द्र सिंह सपुत्र श्री नानक चन्द निवासी 3 ई० एम० ई० सेन्टर, भोपाल।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमिति कान्ता लखनपाल पत्नी स्व० मे० डी० पी० लखनपाल स्वयं भौर नेजुरल गार्डियन श्राफ मास्टर दिवन्द्र लखनपाल सपुत्र स्व० मे० डी० पी० लखनपाल निवासी मकान नं० 2246, सैक्टर 15-सी, चण्डीगढ़ ।

(ग्रन्तरिती)

(3) मि० सुषमा, सेट्रल बैंक म्राफ इंडिया, सै० 15 । श्री एस० एस० सोडी, सेट्रल बैंक म्राफ इंडिया मण्डी गोबिन्दगढ़। श्री एम० पी० शर्मा, लेक्चरार बोटनी, पजाब यूनीवर्सिटी, चण्डीगढ़। सभी मकान नं० 2246, सै० 15-सी, चण्डीगढ। (वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन का जबधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- कक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्कित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अभ्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2246 सैक्टर 15-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्त्ता मधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 157, श्रप्रैल 1982 के श्रधीन दर्ज है।)

> मुखदेव चन्य सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख: 14-12-1982

द्रक्य वार्षः, दीः, पनः, एस<u>ः</u>---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वृ (1) के अधीन सूचना

भारत सुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, विनांक 14 दिसम्बर 1982

निदेश सं० चण्डी/22/82-83—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं मकान नं 1303 है तथा जो सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन श्रिप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिचात से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का किन्तिसी है कि विद्या उच्चे दूर्व अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल से किन्तिसी उच्चे उच्चे अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल से किन्तिसी उच्चे उच्चे उच्चे अन्तरण कि लिए तथ पाया गया प्रतिफल से किन्तिसी उच्चे उच्चे उच्चे अन्तरण कि लिए तथ पाया गया प्रतिफल से किन्तिसी उच्चे उच्चे उच्चे अन्तरण कि लिए तथ पाया गया प्रतिफल से किन्तिसी विद्या गया है :——

- (क) अस्तर्य से हुइ किसी जाग की वावत , उन्हर अपिनियम के सभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविभा के तिह्य; श्रीद्व/व्य
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्वैक्ष के सिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सतपाल ग्रौर मोहिन्द्र पाल ग्रलिग्रास विनय कुमार सपुत्र श्री लच्छमन वास निवासी कृंदड़ा साहिब सिंह, पटियाला ।

(ग्रन्तरिक)

(2) श्री मनोहर लाल सपुत्र श्री बिशन दास निवासी गांव व डा० फतेहगढ़ कोराटेना तहसील जीरा जिला फिरोजपुर।

(ग्रतरिती)

(3) श्री रामजी दास निवासी मकान नं० 1303, सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूजा कर सम्पृतित के अर्जन के तिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त स्म्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्स स्थानित्यों में से किसी स्थितर बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हिसब्रव्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताकारी के पास निकित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरणः—इसमें प्रमुक्त शक्यों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिना गृजा है।

मन्ध्यी

मकान नं० 1303 सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है।

(आयदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 166, प्रप्रैल/मई 1982 के मधीन दर्ज है।)

> सुखरेक जन्व सक्षम प्राधिकारी, सङ्घायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)ः भर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 14-11-1972

प्रस्त्य आई. टी. एन. एस. -----

जानकर निधीनयम, 1961 (1961 का 43) कौ भाषा 269-म (1) के निधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निदेश सं० चण्डी/9/82-83—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (श्रिसे इसकें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धाब 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, श्रिसका उचित बाजार मूल 25,000/-रः. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 5/24 हिस्सा एस० सी० ओ० नं० 63-64 है तथा जो सैक्टर 17-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ मे, रिजस्ट्री-करण अधि नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितौं (अन्तरितौयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्ल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के ग्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वापा चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

जनः अन, उपल निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अनत निधिनियम की धारा 269-व की उपधास (1) के निधन निम्नीलियत व्यक्तियों, नर्धात् :--- (1) श्री हरभजन सिंह सपुत्र श्री मेहताब सिंह निवासी 547 सैक्टर 18-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री कुलजिन्द्र सिंह सपुत्र स० गुरजीत सिंह निवासी 116 सैम्टर १-बी, चण्डीगढ।

(अन्तरिती)

(3) 1. श्री एस० के० जैन 2. इंडियन काफी हाऊस 3. पान हाऊस 4. याकी जीन्ज 5. ऑकार प्रोपर्टी डीलर्ज 6. पंजाब हाऊसिंग डिब० बोर्ड, सभी मार्फत एस० सी० ओ० 63-64, सैक्टर 17-सी, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सुजना जारी करके पूर्वोक्त तम्बर्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्ष्मत तत्परित के वर्षन के तत्वत्थ में कोई भी नावांच :---

- (क) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की जनधि, को और अनिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास तिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पत्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विद्या गवा है।

अन्स्यी

5/24 हिस्सा एस० सी० ओ० नं० 63-64 सैक्टर 17-सी चण्डीगढ़ में है।

(जायदाद जो कि: रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 21 अप्रैल 1982 के (अधीन दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहाजन बायकर धापुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज लुधियाना

सारीख : 14-12-1982

मोहर 🕄

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निदेश स०-चण्डी/6/82-83—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूप से अधिक है

और जिसकी सं० 5/24 हिस्सा एस० सी० ओ० नं० 63-64 है तथा जो सैक्टर 17-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1982

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित को उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंत-अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात —— (1) श्री हरभजन सिंह सपुत श्री मेहलाव सिंह निवासी 547, सैक्टर 18-बी. वण्डीगढ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमिति किरनजीत कौर सपुत्री स० परमजीत सिंह, मकान नं ० 25 कनाट सर्केस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

(3) 1. श्री एस० के० जैन 2 इडियन काफी हाऊस 3. याकि जीन्ज 4. ग्रोंकार प्रोपर्टी डिलर्ज, 5 पंजाब हाऊसिंग डिज० बोर्ड, एस० सी० ओ० नं० 63-64, सैक्टर 17-सी, चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षोप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकी।

स्पाबकीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त बिधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5/24 हिस्सा एस० सी० ओ० 63-64 सैक्टर 17-सी, चण्डीगढ़ में हैं ।

(जायदाद जो कि रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 18 अप्रैल 1982 के अधीन दर्ज है।)

> सुखदेव भन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर घासुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीच : 14-12-1982

प्ररूप आहें, टी. एन. एस.-----

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरुकार

कार्याल्य, सहायक बायंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 विसम्बर 1982

निर्देश सं० चण्डी० 10/82-83—अतः मुझे, सुखदेब चन्द, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भार 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 5/24 हिस्सा एस० सी० एफ० नं० 63-64 है तथा जो सैनटर 17 सी चण्डीगढ़, में स्थित है (और इससे उपापद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1982!

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण् से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; आंद्र/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः, अव, उबत विधिनयम, की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उबत अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री हरभजन सिंह सपुद्ध श्री मेहताब सिंह, निवासी 547 सैक्ट० 18-बी, चण्डीगढ ।

(अन्तरक)

(2) श्री कमलप्रीत सिंह सपुत्र श्री गुरजीत सिंह, निवासी 116, सैंक्ट० 9-बी; चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

(3) श्री एस० के० जैन, इडियन काफी हाऊस, पान हाऊस, या की जीन्स ऊकार प्रोपर्टी डिलरज, पंजाब हाऊसिंग डिलपमेंट बोर्ड, मभी एस० सी० ओ० 63-64, सैक्टर—17 सी०, वण्डीगढ़।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना द।री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षायः;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाय अभोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5/24 हिस्सा एस० सी० ओ० नं० 63-64 सैक्ट० 17-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाय जोकि रजिस्ट्री कर्त्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विशेख संख्या 22 अप्रैल 1982 के अधीन दर्ज है)।

> सुखदेव अन्य सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नाथकर स्नायृक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 14 दिसम्बर 1982

मोद्वर :

प्ररूप आहें. टी. एन्. एस.,-----

भागकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- ण् (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 14 दिसम्बर 1983

निर्वेश सं० वण्डी/171/82-83—अतः मुझे, सुखदेव बन्द, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उपित बाजार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/24 हिस्सा एस० सी० ओ० नं० 63-64 है तथा जो सैक्टर 17-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10/82

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिकृत से अभिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिंखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) को अधीन, निस्निभृषित अधिकत्यों,, वर्णात् :===

- (1) मि॰ परमदीप सिंह सपुत्र श्री गुरशमन सिंह, मकान नं० 573 सैक्टर 19—बी, चण्डीगढ़।
- (2) मिस किरनजीत कौर सपुत्री श्री परमजीत सिंह, निवासी----मकान नं० 25, कनाट प्लेस, नई विस्ली। (अन्तरिती)
- (3) 1. श्री एस० के० जैन 2. इंडियन काफी हाउकस 3. पान हाऊस, 4. यांकी जीन्स 5. औकार प्रोपट्री डीलरज 6. पंजाब हाऊसिंह डिव० बोर्ड मार्फत एस० सी० ओ० 63-64, सैक्टर 17—सी०, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करता हूँ।

उनकु सुम्पतित् भें वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

1/24 हिस्सा एम० सौँ० ओ० नं० 63-64, सैक्टर 17---सी, चण्डीगढ़ में है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1079 अक्तूबर 1982 के अधीन दर्ज है)।

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्चन रेंज, लुधियाचा

तारीख: 14 विसम्बर 1982

मोहर ⊈

प्ररूप आहूर. टरे एन. एस. ------

माबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निर्देश स० चण्डी/172/82-83—अत. मुझे, सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/24 हिस्सा एस० सी० ओ० नं० 63-64 है तथा जो सैक्टर 17-सी, चण्डीगढ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10/82

को पूर्वो वित संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो वित सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (बंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्रत अन्तरण निखित में बास्तिविक ख्रय से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिमानस के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिभा के लिए; बरि/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ६——
31--406GI/82

- (1) मि० परमदीप सिंह (एम, श्री गुरणरन सिंह) निवासी मकान नं० 573 मैक्टर 181 बी, चण्डीगढ़ (अंतरक)
- (2) श्री कर्णबीर सिह सपुत्र श्री परमजीत सिंह, निवासी मकान नं० 25, कनाट सर्कस, नई दिल्ली । (अंतरिती)
- (3) 1 श्री एस० के० जैन 2 इंडियन काफी हाऊस 3 पान हाऊस 4 याकी जीन्ज 5. औकार प्रोपर्टी डिलरज, 6 पजाब हाउंसिंग डिव० बोर्ड, मार्फत एस० सी० ओ० न० 63-64 सैक्टर 17 सी, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबब्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों गे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गया है।

नन्स्ची

1/24 हिस्सा एस० सीं० ओ० नं० 63-64 सैंक्टर 17- मी चण्डीगढ़ में है ।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1080 अक्तूबर 1982 के अधीन दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द्र सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 14 दिसम्बर 1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० चण्डी/170/82-83—अतः मुझे, सुख्रदेव चन्द आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/24 हिस्सा एस० सी० ओ० नं० 63-64 है तथा जो सैक्टर 17-मी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 10/82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बागित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री परमदीप सिंह (एम, सपुत्र श्री गुरशरन सिंह)
 निवासी मकान न० 573 सैक्टर 18-बी, चण्डीगढ
 (अन्तरक)
- 2. श्री कुर्लाजन्द सिंह सपुत्र श्री गुरजीत सिंह, निवासी मकान नं० 116 सैंक्टर 9-बी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)
- (1) श्री एस० के० जैन
 - (2) इडियन काफी हाऊस (3) पान हाऊस (4) याकी जीन्ज (5) औंकार प्रोपार्टी डिलरज (6) पंजाब हाऊसिंग डिव० बोर्ड मार्फत एस० सी० ओ० नं० 63-64 सैक्टर 17-सी० चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथांहुम्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/24 हिस्सा एस० सी० ओ० नं० 63-64 सैक्टर 17-सी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जो कि रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1078 अक्तूबर 1982 के अधीन दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सह्ययक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 14 दिसम्बर 1982

श्रचप बार्ड.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निर्देश म० चण्डी/169/83-84—अतः मुझे, मुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया हैं), की धार 269-च के शधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 1/24 हिस्सा एम० मी० ओ० नं० 63-64 है तथा जो सैक्टर 17-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10/82

को पूर्वांक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वावस, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; जॉर/बा
- (ए) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्थियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिक्धा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1.) मिस्टर परमदीप सिंह (एम) सपुत्र श्री गुरसरत सिंह निवासी मकान नं० 573 सैक्टर 18-बी, चण्डीगढ़। (अतरक)
- (2) मि० कमलप्रीत सिंह सपुत श्री गुरजीत सिंह, निवासी मकान नं० 116, सैक्टर 9-बी, घण्डीगढ़ । (ग्रन्तरिती)
- (3) 1. श्री एस० के० जैन 3. इंडियन काफी हाऊस
 3. पान हाऊम 4. याकी जीन्ज 5. औंकार प्रोपर्टी
 डिलरज, 6. पंजाब हाऊर्मिग डिव० बोर्ड, मार्फत एस०
 सी० ओ० न० 63-64 सैक्टर 17-सी, चण्डीगढ़।
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरणः -- इस्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा पया है।

बन्सूची

1/24 हिस्सा एस० मी० ओ० नं० 63-64 सैक्टर, 17-मी चण्डीगढ़ में है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1077 अक्तूबर 1982 के अधीन दर्ज है) ।

> सुखदेव चन्व सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, सुधियाना

तारीख: 14 दिसम्बर 1982

प्ररूप आई० टी० एग० एस०-----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० चण्डी | 5 | 82-83—अतः मुझे, सुखदेव चन्द प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० 5 | 24 हिस्सा एस० सी० ओ० नं० 63-64 है तथा जो सैक्टर 17-सी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्णक्ष्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4 | 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एस रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जंक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;
- अतः अव्या जनत अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन निम्मलिख व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री हरभजन सिंह सपुत्र श्री मैहताब सिंह, निवासी 547 सैक्टर 18-बी, चण्डीगढ़ (अन्तरक)
- (2) श्री कर्मबीर सिंह सपुत्र श्री परमजीत सिंह, मकान नं० 25 कनाट सर्कस, नई विल्ली । (अन्तरिती)
- (3) श्री एस० के० जैन 2. इंडियन काफी हाऊस 3. पान हाऊस, 4, याँकी जीन्स, 5. औंकार प्रोपर्टी डिलरज 6. पंजाब हाउसिंग डिवलेपमेंट बोर्ड मार्फत एस०सी०ओ० नं० 63-64 सैक्टर 17-सी०, चण्डीगढ़।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्बद्धि के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप:---

- (क) इन सुनना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य न्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त कन्दों घौर पदों का, को उकत प्रधिनयम के प्रध्याय 20-क में परिभावित है, वहो धर्ष होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अमृत्यी

5/24 हिस्सा एस० सी० ओ० 63-64 सैक्टर 17-सी० चण्डीगढ़ में है। (जयदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 17, अप्रैल 1982 के अधीन दर्ज है)।

> सु**खदेव** चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 14 दिसम्बर 1982

प्ररूप आर्ध, टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 22 नवम्बर 1982

निद्शे नं. पी आर नं. 2167/23-1/82-83--- अतः मूझे, आर आर. शाह, आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं प्लोट न 1032/बी बीर भद्र अलाडा के नजदीक हैं, तथा जो कृष्णनगर, भावनगर मं स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5 अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न्लिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; नौर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भे सृविधा के लिए;

श्रीमती कमलाबेन भगवानदास
 प्लोट न . 1032 अ
 कृष्णनगर, बीरभद्र असाडा क्रिनजदीक,
 भावनगर।

(अन्तरक)

 शान्तिक मल एपार्ट मेन्ट कां-ओ-हा सोमायटी लिमिट ड प्लोट नं 1032-बी कृष्णनगर, भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्ववारा,
- (ख) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया है।

अनुसूची

मिलिकयत जिसका सब रिजस्टार भावनगर रिजस्ट्रीकर्ता बिकीसत नं. 844/5-4-82 ह³।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 22-11-1982

मोहर 🗓

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 30th October 1982

No. P/123-Admn.I.—The President is pleased to permit Shri P. C. Mathur, a permanent Section Officer and officiating as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission to retire from Government service after attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 31st October, 1982.

The 22nd November 1982

No. A.32013/3/80-Admn.I(Vol.II).—The President is pleased to appoint Shri Hakam Singh, a permanent Section Officer of the CSS cadic of UPSC, included at S. No. 8(SC/ST J.ist) of the Grade I Selection List of CSS Officers for the year 1980, to officiate in Grade I of CSS as Under Secretary on regular basis with effect from 7-9-82 until further orders.

The appointment of Shri Hakam Singh as Under Secretary is subject to the decision on the Writ Petitions pending in the Delhi High Court in this connection including Civil Writ Petition No. 511 of 1980 in the Delhi High Court.

Y. R. GANDHI, Under Secy. (Admn) Union Public Service Commission.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PFRSONNEL AND ADMINISTRA-TIVE REFORMS)

LAI. BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION

Mussoorie, the 9th December 1982

No. 2/46/75-FST.—Shri K. C. Saxena, a permanent Asstt. Librarian and presently working as Deputy Librarian on ad-

hoc basis in the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie has been appointed on a regular basis to the post of Deputy Librarian (Group 'B') in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from 29-11-1982 and until further orders.

V. K. GUPTA,

Deputy Director (Senior)

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi, the 14th December 1982

No. O.II-1455/79-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Anil Kaushal as Junior Medical officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 22nd Nov. 1982 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 17th December 1982

No. O.II-571/69-Estt.—Consequent on his retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation, Shrl Dewa Singh relinquished charge of the post of Asstt. Comdt 37 Bn. CRPF on the afternoon of 30-11-82.

The 21st December 1982

No. O.II-192/69-Estt.—The President is pleased to accept resignation tendered by Shri K. Mayan, Commandant of C.R.P.F., with effect from 15-11-82.

A. K. SURI,

Assistant Director (Estt).

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi, the 21st December 1982

No. 11/102/79-Ad. 1(1).— In continuation of this office Notification of even number dated the 19th June, 1982, the President is pleased to appoint, by promotion, the under-mentioned Assistant Directors of Census Operations (Technical) to the post of Deputy Director of Census Operations, in the offices as mentioned against their names, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a further period upto the 28th February, 1983 or till the posts are filled in, on a regular basis, whichever period is shorter, under the existing terms and conditions:—

1			2	:							3
1. Shri O. P. Sharma						•					RGI, New Delhi
2. Shri M. Panchapakesan											DCO, Tamil Nadu, Madras.
3. Shri S.P. Sharma .		,			,						DCO, Andaman & Nicobar Islands, Port Blair
4. Shri R.P. Tomar .											DCO, Sikkim, Gangtok.
5. Shri M. K. Ahuja											RGI, New Delhi.
6. Shri V.R. Rustagi											RGI, New Delhi.
7. Shri A.K. Biswas .	-										RGI, New Delhi
8. Shri A. Pyrtuh											DCO, Arunachal Pradesh, Shillong.
9. Shri Y.G. Krishnamurti	ıy			,							DCO, Andhra Pradesh, Hyderabad.
10. Shrì R.K. Singh .											DCO, Uttar Pradesh, Lucknow.
11. Shri S.P. Grover	_										DCO, Punjab.
12. Shri Ram Singh .	_										DCO, Madhya Pradesh, Bhopal.
13. Shri D.N. Mahesh				,							DCO, Bihar, Patna
14. Shri S.C. Saxena	_										DCO, Bihar, Patna.
15. Shrì Aiit Singh											DCO, Punjab, Chandigarh.
16. Shri M. Nagappan	•		_								DCO, Tamil Nadu, Madras.
17. Shri Phool Singh	•	·									RG's Office, New Delhi
18. Shri R.K. Bhatia	•										RG's Office, New Delhi.
19. Shri A.k. Dutta	•	•		Ċ							DCO, West Bengal, Calcutta.
20. Shri R.B. Singh	•	•	į		·						DCO, Bihar, Patna.
21. Shri H.L. Kalla	•	•	•	•	Ċ						DCO, Jammu & Kashmir, Srinagar.
21. Smr H.L. Kana 22. Dr. K.S. Dey	•	•	•	•	·	Ċ					DCO, West Bengal, Calcutta.
23. Shri D.P. Khobragade .	•	•		•	•	•	-				DCO, Maharashtra, Bombay.
	•	,	•	•	•	·	•	·	·	Ċ	DCO, Orissa, Bhubaneswar.
24. Shri S.K. Swain 25. Shri B. Satyanarayana	•	•	•	•	•	-	•	•	•	•	DCO, Andhra Pradesh, Hyderabad.

No. 11/102/79-Ad. I(2).—In continuation of this office Notification of even number dated the 19th June, 1982, the President is pleased to appoint, by promotion, the under-mentioned Assistant Directors of Census Operations to the post of Deputy Director of Census Operations in States as mentioned against their names, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a further period upto the 28th Feb-1983 or till the posts are filled in, on a regular basis, whichever period is shorter, under the existing terms and conditions:—

Sl. No.	ficers				 		Office in which working				
1				2			-	 	-	3	
1. Shri C.I	D. Bhatt		•					•		Director of Census Operations, Himachal Pradosh Simla.	
2. Shri S.L	. Bahl	•	,	•		•		•	٠	Director of Census Operations, Haryana, Chandigarh.	

No. 11/72/80-Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number dated 4-12-1981 the President is pleased to appoint, by promotion, Shri B. S. Narasimha Murthy, Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Karnataka, Bangalore, as Joint Director of Census Operations in the same office on a purely temporary and ad-hoc basis, for a further period upto 19-1-1983 or till the post is filled in on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Murthy will be at Bangalore.

P. PADMANABHA

Registrar General, India.

MINISTRY OF LABOUR , LABOUR BUREAU

Simla, the 8th January 1983

No. 23/3/82-CP1.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 increased by five points to reach 496 (Four hundred and ninety six), during the month of November, 1982. Converted to Base: 1949=100 the index for the month of November, 1982 works out to 603 (Six hundred and three).

A. S. BHARADWAJ, Director.

MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF REVENUE

CUSTOMS, EXCISE & GOLD CONTROL APPELLATE TRIBUNAL

New Delhi, the 16th December 1982

F. No. 6-CEGAT/82.—Shri T. V. Sreenivasan lately working as Examiner of Central Excise, Internal Audit Department, Madras, assumed charge as Assistant Registrar, Customs, Excise & Gold Control Appellate Tribunal, New Delhi in the forenoon of 11th December, 1982.

The 17th December 1982

No. F.6-CFG-AT/82.—Shri A. K. Sinha, lately working as Section Officer in the Ministry of Finance, Department of Revenuc, New Delhi, assumed charge as Assistant Registrar, Customs, Excise & Gold Control Appellate Tribunal, New Delhi in the forenoon of 16th December, 1982.

R. N. SEHGAL, Registrar

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

Nasik Road, the 17th December 1982

No. 197/A.—In continuation of this Office Order No. 181/A dt. 16-4-82 the period of ad hoc deputation of Shri G. Narayansamy, Dy. Control Officer, India Security Press,

as Administrative Officer, India Security Press, is further extended for a period of 6 months w.e.f. 15th Oct. 1982.

P. S. SHIVARAM, General Manager, India Security Press.

FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 16th December 1982

No. 8FC.2(30)-A/82.—Consequent on his transfer from the Office of Director of Audit, Central Revenue, New Delhi, Shri R. L. Khanna, Audit Officer, has been appointed as Research Officer in the Eighth Finance Commission in the scale of Rs. 700-1300 with effect from the fornoon of 14th December, 1982 ad until further orders.

S. L. MATHUR, Under Secy. (Admn.)

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I

Ranchi, the 17th December 1982

No. Admn.II-Promo-946.—The Accountant General-I, Bihai, Renchi has been pleased to promote Mrs. Nilmani Sokey, a substantive Section Officer of her office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 11-10-82 (F/N).

No. Admn.II-Promo-954.—The Accountant General-I, Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Robert Kerketta a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 11-10-82 (F/N).

Sd/- ILLEGIBLE

Senior Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENFRAL, HARYANA OFFICE ORDER

Chandigarh, the 6th November 1982

No. WM-II/DA/PF/H.S.Sethi|82-83|2019.—Shri H. S. Sethi, while functioning as Divisional Acctt. in the Ground Water Public Health Investigation Division, Ambala and Mechanical Division, P.W.D., B&R, Ambala during the period from 28-6-79 to 6-11-80 and 10-11-80 to 28-4-82 respectively, had fraudulently drawn government moneys of Rs. 500, Rs. 2,000/- Rs. 2,000/- Rs. 9,000/- and Rs. 7,000/- in January, 1980, October, 1980, December 1980, July 1981 and January, 1982 on the basis of fraudulent and forged G. P. F. sanctions purported to have been issued by W.M.I. section of the office of the Accountant General, Haryana, Chandigarh. These drawals appeared in the cash book under the head "805-G.P.F." but, with a view to concealing the detection, while sending the monthly accounts to Audit Office Shri Sethi included these amounts in form PWA 29 debiting these amounts to the head

"stock". Similar corresponding inflation of figures was exhibited during the respective months in forms PWA 41 and PWA 42 against the sub-head "1-Suspense Stock." In support of these fraudulent drawals of govt. money. Shri Sethi never attached vouchers to the monthly accounts but

the voucher supplied in support of the schedule dockets for stock were for amounts lesser than those shown in torms PWA 29 and this facilitated the detection of fraud in the Audit Offlee. The details of the fraudulent accounting by Shri Sethi are as under:—

I-GROUND WATER INVESTIGATION DIVISION, AMBALA

l. No.	Month	1				-				Form No.	Actual amount	Amount shown	Difference	
1	2									3	4	5 ;	6	
1. 1/80)		•	4	•			•	•	PWA29 PWA41 PWA42	Rs. 8,19,898 · 52 4,75,575 · 99 —7,91,595 · 81	Rs. 8,20,398 ·52 4,76,075 ·99 7,91,095 ·81	Rs. 500 ·00	
2. 10/8	30		•	٠		•		-		PWA—29 PWA—41 PWA—42	2,56,795 ·28 7,44,391 ·14 —1,52,880 ·42	2,58,795 · 28 7,46,391 · 14 —1,50,880 · 42	2000 -00	
							П-	-ME(СНА	NICAL (B&R)	DIVISION; AMBALA			
3. 12/8	0	•	•			•				PWA29 PWA41 PWA42	1,43,109 ·41 3,56,006 ·93 —27,944 ·69	1,45,109 ·41 3,58,006 ·93 25,944 ·69	2,000 .00	
4. 7/81		•	-		•	•		-	•	PWA—29 PWA—41 PWA—42	2,43,016 ·53 12,25,641 ·89 11,90,497 ·47	3,52,016 ·53 12,34,641 ·89 11,99,497 ·47	9,000 -00	
5. 1/82		-	•	•	•	•		-	٠	PWA—29 PWA—41 PWA—42	3,18,260·60 6,44,202·51 54,195·28	3,25,260 60 6,51,202 51 61,195 28	7,000 -00	
												Total	20,500 -00	

The fictitious adjustment of Rs. 7,000/- made in the monthly account for January, 1982 was first denied by Shri Sethi vide his letter No. 30 dated 31-3-82, forwarded to this office by the Xen, Mcchanical Division, PWD (B&R), Ambala vide his D. O. No. 3140 dt. 31-3-82 but were subsequently confessed alongwith other drawals of Rs. 13,500/-vide his letter dated 29-4-82. Against the above amount of Rs. 20.500/- Shri Sethi remitted a bank draft No. TT/A/8-676835 dt. 30-4-82 for Rs. 8,000/- for credit to his G.P.F. account by partial adjustment of the above debits.

Whereas, disciplinary proceedings were instituted against Shri H. S. Sethi, D. A. and he was charge-sheeted vide Office order issued by the Audit Office vide No. WM.I/DA/PF/Confdl/1224 dt. 16-6-82, in the statement of defence submitted by Shri Sethi vide his No. 15 dated 10/14-7-82, he had not admitted this charge but subsequently, in the rejoinder statement of defence sent vide his letter No. 18 dated 15th July, 1982, Shri Sethi had clearly admitted the charge and had stated as under:—

"Since I have confessed my fault and the circumstances explained, it is humbly prayed that I may please be excused and lenient view taken."

He had finally refunded the entire amount of Rs. 20,500 under firm directions from this office as per details below:

 Bank draft No. TT/A/B/676835 dt. 30-4-82 drawn in favour of A. G., Haryana, Chandigarh

Rs. 8,000.00

 Bank draft No. DD/40/5026/6792553 dt. 8-7-82 drawn in favour of Xen, Mech. (B&R), Ambala 10,000.00 Bank draft No. DD/40/5027|1861925 dt. 8-7-82 drawn in favour of Xen, Ground Water (PH) Investigation Division, Ambala.

2,500.00 Totał: Rs. 20,500.00

- 3. AND whereas in exercise of the powers conferred by rule 15 of the C.C.S. (CCA) Rules 1965, taking into account the facts and circumstances of the case as also the developments, I have come to the conclusion, after due consideration, that Shri H. S. Sethi, is provided guilty of failing to maintain absolute integrity and thus, violated the provisions of rule 3(1)(i) of the CCS (Conduct) Rules 1964. He has committed a very grave offence by fraudulently drawing the govt. money on the basis of the forged sanctions and by falsification of government accounts. Such a person is highly undersirable to be retained in Govt. service and deserves exemplary and deterrent punishment in the interest of justice.
- 4. Now, therefore, I, under the powers conferred upon me by rule 15 of the C.C.S. (CCA) rules 1965, hereby impose on the said Shri H. S. Sethi, Divisional Accountant, the major penalty of dismissal from service with immediate effect under rule 11(IX)ibid. This penalty shall ordinarily be a disqualification for further appointment under the Govt.
- 5. In case Shri H. S. Sethi wishes to appeal against the order, he may do so within 45 days of the receipt of the order to the Appellate Authority viz. the Accountant General, Haryana. Chandigarh under rule 25 of the CCS (CCA) Rules 1965.
- A copy of his order is being placed in his confidential report file.

SEETHEPALLI S. RAV Sr. Dy. Accountant General (Work)s

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDANCE FACTORIES SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-16, the 3rd December 1982

No. 54/G/82.—The President is pleased to appoint the under mentioned officers as offg. DDGOF/GM (in SAG, Lev. I) with effect from the date shown against them:—

- (2) Shri P.K. Banerjee, GM (in SAG, Lev. II)

			7.75									
	No. 55/G/82.—The President is please	d to	appoint	the	under	ment	ioned	officer	s as	offg.	Dy.	GM/Jt. Director with effect from
the	date shown against them :											
	(1) Shri V.S. Haste, Dy. Director											. 31st Aug. 1982
	(2) Shrì V.V. Subba Rao, W.M					-				,		. 30th Sept. 1982.
	(3) Shri R. Satagopan, W.M.											. 31st Aug. 1982.
	(4) Shri R.S. Makhija, W.M.											. 30th Sept. 1982.
	No. 56/G/82.—The President is pleased	i to	appoint	the	under	-ment	ioned	Office	r as	oilg.	W.M.	with effect from the date shown
agair	st him:—											

V. K. MEHTA, Director

MINISTRY OF COMMERCE (DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 8th December 1982

No. A-12025(i)/1/82-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of 15th November, 1982 and until turther orders Shri Shiv Shankar as Senior Lecturer in Textile Chemistry, in the Indian Institute of Handloom Technology, Gauhati.

Additional Development Commissioner (Handlooms)

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 14th December 1982

No. A-19018(664)/82-Admn(G).—The President is pleased to appoint Shri P. C. Rawal, IAS (UP: 69) and DS (Prison) in the Ministry of Home Affairs as Director (Gr. I) (AEE) in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delni with effect from the forenoon of 29-11-82 until lurther orders.

The 15th December 1982

No. A-19018(507)/81-Admn(G).—Consequent on his appointment as Deputy Manager (Footwear) on Deputation basis in the Bharat Leather Corporation Ltd., New Delhi, Shri K. R. Badhan relinquished charge of the post of Asstt. Director (Gr. I) (L/F) at Small Industries Service Institute, Jaipur on the afternoon of 5-8-1982.

The 21st December 1982

No. 12(29)/67-Admn.(G) Vol.II.—The President is pleased to appoint Shri M. A. Jomraj, Assistant Industrial Designer, Small Industries Service Institute, New Delhi as Industrial Designer on Ad-hoc basis at the same Institute with effect from the forenoon of 6-10-82 until further orders

No. A-19018(161)/75-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri M S N Murthy, Asstt. Director (Gr. II) (IMT), Small Industries Service Institute, Trichur as Asstt. Director (Gr. I) (IMT) at Small Industries Service Institute, Bangalore, with effect from the forenoon of 21-10-1982 until further orders.

No. A.19018(635)/82-Admn.(G).—The Development Commissioner is pleased to appoint Shri P. V. Varadarajulu, Small Industry Promotion Officer (L/F) CFTC under Small Industries Service Institute, Madras as Asstt. Director (Gr. II) (L/F) on Ad-hoc basis at the same station with effect from the forenoon of 4-10-1982 until further orders.

No. A-19018(666)/82-Admn(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri M. H. Askari, Superintendent, Small Industries Ser-32—406G1/82

vice Institute, Patna as Asstt. Director (Gr. 11) (GAD) on Ad-hoc basis at Small Industries Service Institute, Srinagar with effect from the forenoon of 10-11-1982 until further orders.

No. A-19018(688)/82-Admn(G).—The President is pleased to appoint Shri K. C. Srivastava, IAS (MH: 66) and Director in the Ministry of Works and Housing as Joint Development Commissioner in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi with effect from the forenoon of 17th December, 1982, until further orders.

C. C. ROY Deputy Director (Admn)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 7th December 1982

No. A-1/1(374).—The President is pleased to appoint Shri R. Natarajan, Deputy Director of Supplies (Grade II of Indian Supply Service, Group 'A') to officiate as Director of Supplies (Grade I of Indian Supply Service, Group 'A') on ad noc basis with effect from the torenoon of 26-11-1982 and upto 31-12-1982 or till a regular officer becomes available whichever is earlier.

2. Shri Natarajan relinquished charge of the post of Deputy Director of Supplies and assumed charge of the post of Director of Supplies in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon on 26-11-1982.

No. A-1(977).—The President is pleased to appoint Shri O. P. Sharma, Assistant Director of Supplies (Grade III of Indian Supply Service, Group 'A') to officiate as Deputy Director of Supplies (Grade II of Indian Supply, Service Group 'A') on ad hoc basis with effect from 27-11-1982 (FN) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi.

2. The ad hoc appointment of Shri O. P. Sharma, as Deputy Director will not bestow on him any claim for regular appoint ment and that ad hoc service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

S. BALASUBRAMNIAN, Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 14th December 1982

No. A.19011(73)/75-Estt.A.—On his retirement after attaining the age of superannuation Shri J. C. Mital, Deputy Mineral Economist (Stat.), is relieved of his duties in the Indian Bureau of Mines with effect from afternoon of 31-10-82 and accordingly his name has been struck off the strength of establishemnt of this department.

B. C. MISHRA, Head of Office, Indian Bureau of Mines.

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 21st December 1982

No. 4(49)/75-SI.—Consequent on his appointment as an Assistant Secretary in the Jawaharlal Nehru Manipur Dance Akademi, Imphal, Shri Kh. Prakash Singh, Programme Executive, All India Radio, Imphal was relieved of his duty on the afternoon of the 30th September, 1982 to join duty in the Jawaharlal Nehru Manipur Dance Akademi, Imphal on deputation.

H. C. JAYAL, Dy. Director of Administration. for Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 8th December 1982

No. A.19018/2/80-CGHSI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Hakim Salman Zafar Lari to the post of Unani Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of 2nd November, 1982 until further orders.

T. S. RAO Dy. Director Admn. (CGHS I)

New Delhi, the 16th December 1982

No. A-12025/2/82(CRI)Admn.I/EPI.—The President is pleased to appoint Shri Heralal Wangneo to the post of Bio-Medical Engineer in the Central Research Institute Kasauli with effect from the forenoon of 8th November, 1982, in a temporary capacity and until further orders.

SANGAT SINGH, Deputy Director Administration (E&G)

New Delhi, the 18th December 1982

No. A-38012/2/82-Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Shri S. L. Kuthiala, Deputy Director (Admn.) in the Directorate General of Health Scrvices, retired from Government Service on the afternoon of 30th November, 1982.

T. C. JAIN, Deputy Director Admn. (O&M)

INDIAN POSTS AND TELFGRAPHS DEPARTMENT OFFICE OF THE GENERAL MANAGER, TELEPHONES

Bangalore-560009, the 23rd February 1982

Notice of termination of Service issued under Rule 5(1) of the CCS (Temporary Service) Rules 1965

No. 4259/17.—In pursuance of sub-rule 1 of Rule 5 of Central Civil Services (Temporary Services) Rules 1965, I, K. R. Subramaniam Assistant General Manager (Administ ration), Bangalore Telephones, Bangalore-9 hereby gives notice to Smt. Sheila Margret Peter, Tel, Operator that her services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on.

K. R. SUBRAMANIAM. Asst. Genl. Manager (Admn.) Bangalore Telephones

То

Smt. Shiela Marget Peter, No. 293, Binnamangala II stage, Indiranagar, Bangalore-38

ACKNOWLEDGEMENT

I hereby acknowledge the receipt on this day of the notice of termination from service.

(Case mark PF/4259/17 dated 23-2-1982)

Signature of the individual

Designation

Date:

Bangalore-560009, the 6th March 1982

Notice of termination of Service issued under Rule 5(1) of the CCS (Temporary Services) Rules 1965

No. PF-4491/21.—In pursuance of Sub-Rule I of Rule-5 of Central Civil Services (Temporary Services) Rules 1965, I, K. R. Subramaniam, Assistant General Manger (Administration), Bangalore Telephones, Bangalore hereby give notice to Sri K. Abdul Rahim, T. S. Technician that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on.

K. R. SUBRAMANIAM, Asst. Genl. Manager (Admn.) Bangalore Telephones

То

Sri. K. Abdul Rahim, Technician, S/o Sri. Abdul Khuddus, Retd. Octroi Inspector, K. R. Extension, Chintamini-363125.

ACKNOWLEDGEMENT

I hereby acknowledge the receipt on this day of the notice of termination from service.

(Case 'Mark No. PF-4491/21 dated 6-3-82)

Signature of the individual

Designation

Date:

Bangalore-560009, the 27th April 1982

Notice of termination of Service Issued under Rule 5(1) of the CCS (Temporary Services) Rules 1965

No. 5308/13.—In pursuance of sub rule I of Rule 5 of Central Civil Services (Temporary Services) Rules 1965, I. K. R. Subramaniam, Assistant General Manager (Administration), Bangalore Telephones, Bangalore-9 hereby gives notice to Sri M. R. Raghavendra, T. S. Technician that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on.

K. R. SUBRAMANIAM. Asst. Genl. Manager (Admn.) Bangalore Telephones

 $T_{\rm C}$

Sri M. R. Raghavendra, No. 57, V Block, Serpentine Road, Kamara Park West Extension, Bangalore-560020

ACKNOWLEDGEMENT

I hereby acknowledge the receipt on this day of the notice of termination from service.

(Case mark PF-5308/13 dated 27-4-82.)

Signature of the individual Designation

Date:

Bangalore-560 009, the 22nd July 1982

Notice of termination of Service issued under Rule 5(1) of the CCS (Temporary Services) Rules 1965

No. 5652/16.—In pursuance of sub-rule I of Rule 5 of Central Civil Services (Temporary Services) Rules 1965, I, K. R. Subramaniam, Assistant General Manager (Administration), Bangalore Telephones, Bangalore-9 hereby gives notice to Smt. S. Shylaja, Telephone Operator that her services shall stand terminated with effect from the date of expire of a period of one month from the date on which this notice is served on.

K. R. SUBRAMANIAM, Asstt. Genl. Manager (Admn.). Bangalore Telephones

To

Smt. S. Shylaja, 55A, 1V Block, Rajajinagar, Bangalore-560010.

ACKNOWLEDGEMENT

I hereby acknowledge the receipt on this day of the notice of termination from service.

(Case mark PF-5652/16 dated 7th July 1982)

Signature of the individual

Designation

Date:

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 14th December 1982

No. A-19023/4/82-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Mundar Ram, Asstt. Marketing Officer is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Faridabad in the forenoon of 12-11-1982, until further orders.

2. Consequent on his appointment as Marketing Officer Shri Mundar Ram relinquished charge of the post of Asstt. Marketing Officer at Bhopal in the forenoon of 3-11-1982.

G. S. SHUKI A
Agricultural Marketing Adviser
to the Govt. of India

Faridabad, the 17th December 1982

No. A-19024/1/81-A.III.—The ad hoc appointment of Shri R. D. Gupta to the post of Jr. Scientific Officer under this Directorate at C.A.L., Nagpur, has been extended for a further period from 1-4-1982 to 31-12-1982 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

G. R. BHATIA, Jt. Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 1st December 1982

No. Ref. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Balkrishna Mahadeo Naik, SGC to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 560-960) in this Research Centre on an ad hoc basis for the period from 4-10-1982 (FN) to 26-11-1982 (AN).

The 7th December 1982

No. Ref. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Vaidyanathan Krishna Murthy,

Assistant Security Officer to officiate as Security Officer in this Research Centre on an *ad hoc* basis for the period from 18-10-1982 (FN) to 20-11-1982 (AN).

B. C. PAL, Dy. Establishment Officer.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 13th December 1982

No PPED/3(236) 82-Fstt.1/16979.—Director, Power Proects Engineering Division, Bombay is pleased to appoint the undermentioned personnel of this Division as Scientific Officer/Fngineer—Grade 'SB' in the same Division in a temporary capacity with effect from afternoon of July 31, 1982 until further orders:—

Sl. No., Name and Present grade

I II MALL I PALIFICAN MENT MARKETERS

- 1. Shri J. Raghavan, Scientific Asstt. 'C' (QP D/man 'B').
- 2. Shri I. D. Joshi, Scientific Asstt. 'C' (Pmt. SA 'B').

The 14th December 1982

No. PPED/3(282)/82-Estt.I/96009.—Consequent on his transfer from Kota Regional Accounts Unit of Directorate of Purchase and Stores, Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri B. D. Tambe, a permanent Upper Division Clerk of BARC and officiating Accounts Officer-II in DPS (KRPU) as Accounts Officer-II in this Division in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of November 4, 1982 until further orders.

R. V. BAJPAI, General Administrative Officer.

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 17th December 1982

No. DPS/23/1/81-Est./38036.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Darshan Singh, a permanent UDC and Officiating Assistant Accountant to officiate as an Assistant Accounts Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 from 4-10-82 (FN) to 12-11-82 (AN) in the same Directorate vice Shri L. Unnikiishnan, A.A.O. granted leave.

The 18th December 1982

No. DPS/A/32011/3/76-Est,/38116.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Moothedath Venugopalan, a permanent Sr. Stenographer and officiating S. G. Stenographer to officiate as an Assistant Personnel Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 from 10-11-82 (FN) to 10-12-82 (AN) in the same Directorate vice Shri C. V. K. Gopalkrishnan, Assistant Personnel Officer granted leave.

K, P. JOSEPH Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 17th December 1982

No AMD-4/1/82-Rectt. Vol. II.—Director, Atomic Mirelais Division, Department of Atomic Energy hereby appromts Shri N. G. Nair, a permanent Overseer (Civil) and officiating Supervisor (Civil), Atomic Minerals Division as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 7, 1982 until further orders

> T. D. GHADGE Sr. Admn. & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 17th December 1982

No. 05052/82/375.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri N. Pavankumar, a semi-permanent Scientific Assistant 'B' and officiating Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Plant (Tuticorin), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same Plant w.e.f. 1-8-1982 (FN), until further orders.

The 18th December 1982

No. 05012/R3/266.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Jaswant Singh, a permanent Assistant Security Officer of Rajasthan Atomic Power Project, to officiate as Security Officer in Heavy Water Project (Kota), with effect from the afternoon of October 23, 1982 until further orders

The 21st December 1982

No. 05012/R1/CP/4384.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Shrikrishna Shrihari Khanolkar, a permanent Selection Grade Clerk in Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same office in a temporary capacity, on ad hoc basis, from September 10, 1982 (FN) to October 22, 1982 (AN) vice Smt. K. P. Kallyanikutty, Assistant Personnel Officer, granted leave,

R. C. KOTIANKAR, Administrative Officer.

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 16th November 1982

No. RRC A 32023/1/77/R/14899.—The Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shrl VADIVEL VEMBIAN, a permanent Upper Division Clerk of Madras Atomic Power Project and officiating Selection Grade Clerk of Reactor Research Centre, in an officiating capacity on an ad hoc basis as Assistant Administrative Officer in the same Centre for the period 1-11-82 to 30-11-82 vice Shri A. Sethumadhavan, Assistant Administrative Officer, proceeded on leave.

No. RRC/A 32023/1/77/R/14899-A.—The Director, Reactor Research Centre hereby apoints Shri KILLIKULAN-GARA MAMAN VELAYUDHAN, a permanent Assistant Accountant of the Reactor Research Centre, in an officiating capacity on an 'ad hoc basis as Assistant Accounts Officer in the same Centre for the period 14-10-82 to 10-12-82 vice Shri M. Gurusamy, Assistant Accounts Officer, proceeded on leave.

S. PADMANABHAN. Administrative Officer.

DEPARTMENT OF SPACE

JNDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380053, the 29th November 1982

No. EST/ISCES/5394/82.—The Director, SAC, is pleased to accept the resignation from service of Shri V, C. Jain, a temporary Scientist/Engineer SB of this Centre with effect from the afternoon of April 17, 1982.

C. R. SHAH. Administrative Officer-II

MINISTRY OF CIVIL AVIATION AND CIVIL SUPPLIES

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 16th December 1982

No. F(I)00232.—The President is pleased to appoint Dr. Virendra Saxena, Hindi officer (ad-hoc), Civil Aviation Training Centre, Bamrauli (Allahabad) as Hindi Officer in the Genetal Central Service Group 'A' (Gazetted) in the

India Meteorological Department, with effect from the forenoon of 1st October, 1982 on ad-hoc basis for a period of six months or until further orders whichever is earlier.

S. K. DAS
Additional Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 8th December 1982

No. A-32013/18/82-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri B. M. Roy, Deputy Director, Calcutta Airport as Regional Controller of Aerodromes, Calcutta Airport with effect from 1-12-1982 and until further orders.

Assistant Director of Administration for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 1st December 1982

No. A. 32013/16/82-E.I.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Kalra, Deputy Director of Communication to the post of Director of Communication, Palam in a leave vacancy from 4-11-1982 (FN) to 10-12-1982.

The 2nd December 1982

No. A. 32013/7/82-EI.—The President is pleased to appoint Shri T. R. Chandramouli, Deputy Director, Air Routes & Aerodromes, Madras to the grade of Director of Aerodromes, Madras on an ad-hoc basis for a period of six months i.e. from 16-10-1982 (AN) to 16-4-1983 (AN) or till the regular appointment to the grade is made whichever is earlier.

The 7th December 1982

No. A. 19011/17/82-E.I.—On attaining the age of superannuation, Shri Kripal Singh, Assistant Communication Officer in the Office of the Director General of Civil Aviation retired from Government service on the afternoon of 30th November, 1982.

The 9th December 1982

No. A-32013/9/82-E.I.—In continuation of this office Notification No. A.32013/9/82-E.I. dated the 17-8-1982 the President is pleased to the continued ad hoc appointment of Shri V. S. Prabhala to the grade of Director of Equipment at Headquarters during the period from 1-8-1982 to 8-8-82 in the leave vacancy of Sh. S. Venkaswamy.

O. P. JAIN, Asstt. Director of Admn.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 17th December 1982

No. 1/344/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Chatterjee, Supervisor, Calcutta Branch as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch for the period from 2-2-82 to 27-2-82 against short-term vacancy on ad-hoc basis and as local arrangement.

No. 1/344/82-EST.—The Director General. Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Chatterjee, Supervisor, Calcutta Branch as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch with effect from the forenoon of the 15th March, 1982 and until further orders on ad-hoc basis and as local arrangement.

The 18th December 1982

No. 1/523/82-EST,—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri K. P. Selvaraj, Supervisor, Madras Branch as Dy. Traffic Manager, in an

officiating capacity, in the same Branch for the period from 13-9-82 to 1-10-82 against short-term vacancy on ad-hoc basis and as local arrangement.

H. L. MALHOTRA, Dy. Director (Λdmn.) for Director General

FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES

Dehra Dun, the 20th December 1982

No. 16/398/82-Ests.I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun is pleased to appoint Shri Gyanendra Kumar, R. A. I (S.G.) to the post of Chief Artist on temporary basis w.e.f. 26-11-1982 (forenoon), until further orders.

RAJAT KUMAR Registrar, Forest Research Institute and Colleges.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 15th December 1982

No. A-19012/1018/82-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri G. Amjad Hussain, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Fngg.) on a purely temporary and adhoc basis in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, with effect from the forenoon of 30th November, 1982.

The 16th December 1982

No. A-19012/969/81-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission appoints Shri Tripti Prakas Pal, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35 880-40-1000-EB-40-1200 for a period upto end of February, 1983 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, with effect from 23rd November, 1981.

No. A-19012/990/82-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission appoints Shri Jadu Lal Roy, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200 for a period unto 31-3-1983 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, with effect from the afternoon of 31st March, 1982.

A. BHATTACHARYA., Under Secy. Central Water Commission

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS (CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT)

New Delhi, the 20th December 1982

No. 27-E/G(25)69-EC.II.—The President is pleased to accept the notice of voluntary retirement of Shri N. C. Gupta, Surveyor of Works (Food) office of the S.S.W. (Food), C.P.W.D.. New Delhi to retire from Government Service. Accordingly Shri N. C. Gupta will retire from Government service in the afternoon of 31st December, 1982.

Dy. Director of Administration for Director General (Works)

New Delhi, the 16th December 1982

No. 33/1/82-ECIX.—The President is pleased to appoint the following nominees of the U.P.S.C. against the temporary posts of Deputy Architect (G.C.S. Group 'A') in the Central Public Works Department on a pay of Rs. 700/- P.M. in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 (plus usual

allowances) with effect from the dates shown against each on the usual terms and conditions:—

- 1. Mrs. Suhasini Janeja-3-11-82.
- 2. Shri Kamalpreet Singh .-- 12-11-1982.
- 2. The pay of Mrs. Janeja will be fixed according to the rules, whereas the pay of Shri Singh will be the minimum of the scale.
- 3. They are placed on probation for a period of two years with effect from the dates of their appointment.

A. K. NARANG Dy. Director of Administration.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS (COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

In the matter of the Companies Act. 1956, and of M/s. Jyoti Pharmaceutical Works P. Ltd.

New Delhi, the 6th November 1982

No. 4067/20727.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Jyoti Pharmaceutical Works P. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

D. N. PEGH Asstt. Registrar of Companies Delhi & Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Rani Durgawati Chit Fund Finance Private Ltd

Gwalior, the 13th December 1982

No. 1272/PS/CP/3309.—Notice is hereby given pursuant to sub-section 5 of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s Rani Durgawati Chit Fund Finance Privae Limited, has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Central India Development & Construction Private Ltd, Satra (M.P.)

Gwalior, the 13th December 1982

No. 352/PS/3312.—Notice is hereby given pursuant to sub-section 5 of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Central India Development & Construction Private Limited Satna (M.P.) has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. K. SAXENA Registrar of Companies Madhya Pradesh, Gwalior.

In the matter of the Companies Act. 1956, and of M/s. Gomantak Fertilisers & Minerals Pvt. Ltd."

Panaji-403 001, the 15th December 1982

No. 203/G.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act 1956 that the name of the Gomantak Fertilisers & Minerals Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

M. L. GANVIR Registrar of Companies Goa, Daman & Diu Panaji.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 20th November 1982

Ref. No. P.R. No. 2168 Acq. 23.---Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No. C.S. No. 3—1952 situated at Vallabhai Patel Road Station Road, Porbandar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Porbandar in April 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- Sh. Venishanker Morarji Vasu, Radho Raman Kunj, 'Bajajwadi, Station Road, Santa Cruz West, Bombay-400054
 Sh. Vijayshanker Morarji Vasu, 'Gopal Bhavan', 101.28 Azad Road, Andheri Fast, Bombay-400069.
 Sh. Bhuishanker M. Vasu, Shahyog Co. op, Hsg. Soc. Ltd., M. V. Road, Andheri Fast, Bombay-400069.
 (Transferor)
- 1. Sh. Nirmalkumar R. Thanki
 2. Sh. Himanshu R. Thanki
 3. Sh. Nilchilkumar R. Thanki, all @ Station Road, Porbandar.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used, herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 276 \pm 276 \pm 276 sq. yds. situated at V. P. Patel Road Station road, Porbandar, duly registered vide R. No. 1579, 1580 and 1580 and 1581/April, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedahad

Spw, therefore, in pursuance of Section 269C of the said I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 20-11-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 20th November 1982

Ref. No. P.R. No. 2169 Acq. 23.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
R.S. No. 29 & 30/Paiki, situated at
Kathrotia's land, Amreli,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Amreli in 14-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Azisachman Adbe Rehman Kadri, Miya's Haveli, Rasbawad, Amreli, (Saurashtra). (Transferor)

(2) Sh. Girirajanagar Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Sh. M. R. Teraiyya, C/o Sh. Azisrchman Abderehman Kadri, Miya's Haveli, Rasbawad, Amreli (Saurashtra).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm 2A-37G, situated at Kathrotia's land, Amreli, duly registered by S.R. Amreli vide sale deed No. 585/24-4-82.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 20-11-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 20th November 1982

Ref. No. P.R. No. 2170 Acq. 23.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. shop/godown situated at Punam Flat's, Sadar Bazar, Main Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot in April 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Desai Builders, Partners: Sh. Jaisukhlal Mohan Lal Desai & others, 'Pritrusmruti' 56, Jankalyan Soc., Rajkot. (Transferor)
- (2) Trade Industries Friends Society.
 President: Harkishnanbhai Miralal Mehta,
 'Amrut Manthan', Janfatta Chowk, Rajkot,
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop/Godown adm. 240 + 286 sq. yd. in 'Punam Flats', situated at Sadar Bazar Main Road, Rajkot, dully registered by Sub. Registrar Rajkot vide sale deed No. 1967/2191/April, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Abmedabad

Date 20-11-82. Seal :

FORM TINS-

Sh Mukhesh Chandra Navin Chandra Shah,
 Jayant Society, Rajkot.

(Transferor)

(2) Sh. Naliniben Sevanti Lat Mehta, 6, Diwanpura, Rajkot.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 20th November 1982

Ref. No. P.R. No. 2171 Acq. 23.- Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 326 Pa ki Plot No. 11, situated at Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rajkot in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not oven truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

33-406G1/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1500 sq. yds. situated at Rajkot, duly registered by S.R. Rajkot, vide sale deed No. 1903/April, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Date 20-11-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Kantaben Trambak Lal Gandhiya, Shevi No. 8, Jairy Plot, Yojikunj, Rajkot.

(Transferor) (2) Smt. Tanmanben Jayanti Lal Gusami & others, 'Prakash Bhayan' Mandyi, (Kutch).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 20th November 1982

Ref. No. P.R. No. 2172 Acg. 23.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing bearing No. Building & Shiv Ashish, situated at Shevi No. 14, Jairy Plot, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot in 30-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid prowhich is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHI DULE

Building standing on land admn. 150 sq. yds. situated Shevi No. 14, Jairy Plot, Rajkot, duly registered by S.R. Rajkot vide sale deed No. 2764/30-4-1982.

> R, R'. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date 20-11-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACOUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 20th November 1982

Ref. No. P.R. No. 2173 Acq.23.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Building situated at

Mahadev Wadi, Railing Road, Gondaf, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Condal in 3-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 9157);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Prakashbhai Sukchalalbhai Pala
 Sh. Chhahilbhai Sulchlabhai Pala
 Sh. Nitaben Prakashbhai Pala
 Sh. Ushaben Chhahilbhai Pala, all at Mahavir Appartment, Sadar, Ner. Tanki, Rajkot.

(2) Sh. Sureshbhai Vrajlal Gotecha C/o Trishul Construction, Mahadevwadi, Railing Road, Gondal (Dist. Rajkot).

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building situated at Mahadev wadı, Railing Road, Gondal, District—Rajkot, duly registered by S.R. Gondal vide R. Nos. 835, 836, 837, 838/3-4-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedabad

Date 20-11-82. Seal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 20th November 1982

Ref. No. P.R. No. 2174 Acq.23.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing No. S. No. 577 to 581 situated at Odhay, Distt. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 22-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Dhanabhai Jamabhai & others, village—Odhav, Distt. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Amlicarupa CHS Ltd., C/o Chariman Sh. Arvind Kumar Keshav Lal, 15. Karmajyant Society, Nr. Sundranagar Charrasta, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 10689 sq. yds. situated at Odhav, district, Ahmedabad duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale deed No. 6104, 6109 and 6110/22-4-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedabad

Date 20-11-82.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 20th November 1982

Ref. No. P.R. No. 2175 Acq 23 -- Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No 577 to 581 situated at Odhay, Distt. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in 22-4 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

(1) Shii Dhanabhai Iethabhai & others, Village - Odhay, Distt. Ahmedæbad.

(Transferor)

(2) Supaishwaath Odhav Co. Op. Hsg. Soc. Co. Chairman Sh. Patel Ashok Kumar Chiman Lal, M. No. 970, Old Naranpura, village Naranpura, Ahmedabad-380003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm 10152 sq. yds attnated at Odhav, Distt. Ahmedahad duly registered by S.R. A'bad vide sale deed No. 6096, 6097 & 6103/22-4-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range. Ahmedahad

Date 20-11-82.

FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. Dhanabhai Jethabhai & others, Village Odhav, Distt. Ahmedabad.

(2) Ajitnath Odhav Co. op. Ssg. Soc. Ltd. C/o Chairman Janak Kumar B. Mistry, 1109, Akasheth's kuvani Pole, Raipur Chakla, Ahmedabad.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 20th November 1982

Rci. No. P.R. No. 2176 Acq.23.—Whoreas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 577 to 581 situated at

Odhav, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)) in the office of the Registering Officer at Ahmedebad in 22-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used licrein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tand adm. 27922 sq. vds. situated at Odhav Dist. Ahmedabad duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale deed Nos. 6094, 6095, 6101-6102, 6107, 6108-6113, 22-4-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedabad

Date 20-11-82, Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 20th November 1982

Ref. No. P.R. No. 2177 Acq.23-1.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. S. No. 1193-1-1' Paiki, situated at Naroda, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Ahmedabad on 7-4-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shakriben W/o Naranbhai Lakhabhai & others, Mandirwali Fali, Naroda, Ahmedabad.
- (2) Pankati Co. op. Hsg. Soc. Ltd.
 C/o Chairman, Shri Ashwinbhai Prahladbhai Patel,
 Piplawali Fali, Naroda, Ahmedabad.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admn. 16564 sq. yds. situated at Naroda, Ahmedabad duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale deed No. 5181, 5182, 5183, 5184, 5185, 5186, 5187/7-4-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date 20-11-82, Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, \HMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 20th November 1982

Ref. No. P.R. No. 2178 Acq.23-1.-Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1193—22 & 1193—2 paiki situated at

Naroda, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 7-4-1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesoid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Sh. Rambhai Lakhabhai Patel, Mandirwali Fali, Naroda, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Pankti Co.op.Hsg. Society Ltd, C'o Chairman Shri Ashwinbhai Prahladbhai Patel, Piplawali Fali, Naroda, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 15657 sq. yds. situated at Naroda, Ahmedabad duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale deed No. 5188, 5189, 5190, 5191, 5192 & 5193/7-4-1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date 20-11-82. Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Sudhaben Jashubhai Patel, 'Vimal' Prashant Society Corner, Ahmedabad-380014.

(Transferor)

(2) New Saswat Co.op.H3g.Soc. (proposed)
Promoter: Sh. Jitendrabhai Rambhai Patel,
Parshwanath Society, Naranpura, Ahmedabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 20th November 1982

Ref. No. P.R. No. 2179 Acq.23-I.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 46-Sub. plot No. 2, Memnagar, T.P.S. 2, F.P. No. 18-A, Paiki, Thaltai, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 8-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—34—406GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 1004 sq. yds. situated at Thaltej, T.P.S. 2, Memnagar, Distt. Ahmedabad duly registered by S.R. Ahmedabad vide R. Nos. 5275, 5276 & 5277/8-4-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date 20-11-82 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 20th November 1982

Ref. No. P.R. No. 2180 Acq.23-I.—Whereas. 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. F.P. No. 320, Sub. Plot No. 8, Paiki situated at Chanjirpur, Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 22-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Minal land Development Company, Pramodbhai Ratilal Himself-and Karta of H.U.F. & Manager Shri Hasmukh Kastruchand Shah, Navrangpura, Ahmedabad

(Transferor)

(2) Pallavi Park Apartment's Member (Flat No. A-2) Shrimati Sarojben Sureshchandra, Nr. Navrangpura Municipal Market, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-2. Adm. 136.57 sq. yds. situated at Navrang-pura, Ahmedabad duly registered by S.R. Ahmedabad, vide sale deed No. 6092/22-4-1982.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedahad

Date 20-11-82, Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 20th November 1982

Ref. No. P.R. No. 2181 Acq.23-I,—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section

269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F.P. No. 320, Sub. Plot No. 8, situated at

Changispur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Ahmedabad on 22-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Minal Land Development Co., Shri Pramod Ratilal—himself & karta of H.U.F. Navarangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Paliavi Park Apartment owners Assos. Hiro Sh. Iitendra Narshihlal Shah, Flat No. 3-A, Near Navrangpura Municipal Market, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A. 1 Adm 136.57 sq. yds. situated at Navrangpura, Ahmedabad duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale deed No. 6098 22-4-82.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 20-11-82.

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 20th November 1982

Ref. No. P. R. No. 2182.Acq/23.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a feir market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F. P. No. 320, sub-plot No. 8 paiki, situated at Changispur, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at Ahmedabad on 22-4-1982

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Minal Land Development Co., Shri Pramod Ratilal himself & his H.U.F.'s karta & Manager Shri Hasmukhbhai Kasturbhai Shah, Navarangpura, Ahmedabad.

(Transferors)

(2) Pallavi Park Apartment, Hiro: Shri Jitendra Narsinhlal Shah, Flat No. A-3, Near Navrangpura Municipal Market, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-3, Adm. 136.57 sq. yds. situated @ Navrangpura, Ahmedabad duly registered by S. R. Ahmedabad vide sale deed No. 6105/ dt. 22-4-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 20-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 20th November 1982

P. R. No 2183/Acq.23.—Whereas, I,

R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

F. P. No. 320, sub-plot No. 8 paiki, situated at Changispura, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 22-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Minal Land Development through Shri Pramod Ratilal & others, C/o Ratilal Vadilal, Revdi Bazar, alone Vina Hotels' Kalupur, Ahmedabad.

(Transferors)
(2) Pallavi Park Apartment Owners Associations,
Flat No. 3-B,
Shri Subhash Ratanchand Jain,
Near Navrangpura Municipal Market,
Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-3, Adm. 136.57 sq. yds. situated @ Navrøngpura, Ahmedabad duly registered by S. R. Ahmedabad vide sale deed No. 6157/dt. 22-4-82.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 20-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 20th November 1982

P R No. 2184/Acq. 23.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 408 paiki, 407 paiki, 394 paiki Plot No. 54 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Natoda, Ahmedabad

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) M/s. Ajanta Iron Works. Through (1) Shri Girlahbhai Ravjibhai Patel, 2. Shri Bipinbhal Ravjibhai Patel, Panchsheel Society, Usmanpura, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Shri Rajkamal Re-rolling & Engg. Works, Through:
 1. Shri Maheshbhai Vadi Lal Panchal.
 2. Shri H. M. Bokadiya
 3. Shri Asmal Fojunal

C/o Ajanta Iron works, Naroda, G.I.D.C. Estate, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory shed on land 1037 sq. m. situated at Naroda, G.I.D.C. Estate, Ahmedabad duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale deed No. 5983/21-4-1982.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ahmedabad

Date: 20-11-1982

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 2ND FI.OOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 20th November 1982

Ref. No. P. R. No. 2185/Acq.23.—Whereas, 1, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 60-2-Paiki Sub-Plot No. 60-2-1, T. P. S. 20 F. P. 85B paiki situated at Chanjipur, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 22-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeseid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Manjulaben Suryakant Patel,
 'Amit' Sardar Patel nagar,
 Raj House society Road,
 Besides Vaibhav Flats, Naviangpura, A'bad.
 (Transferors)
- (2) Sheetal sagar Apartments Owners Assocn.
 Shri Samir N. Patel, 'Yamuna', Navrangpura,
 Ahmedabad-9.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the saidl immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 334-64 sq. yds. situated at Chanjipur, Ahmedabad duly registered by S. R. Ahmedabad vide sale deed No. 6087/22-4-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedabad

Date: 20-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 20th November 1982

Ref. No. R. P. No. 2186/Acq.23.-Whereas, I. R. R. SHAH,

being the competent authority under Section 269B of tho Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

S. No. 4300, Kalupur Ward-I,

situated at Kalupur, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Ahmedabad on 8-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Mohmad Husain Vallbhai & others, Mirghawad, Panchkuva, Ahmedabad.

(Transferors)

(2) Shri Bhavandas Tekchand & others, Mr. Punit Ashram, Maninagar, Ahmedabad. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 25-92.00 25.92 00 sq. m. situated at Kalupur, Ahmedabad duly registered by S. R. Ahmedabad vide sale deed No. 5288 & 5289/8-4-1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ahmedahad

Date: 20-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th November 1982 Ref. No. P. R. No. 2187/Acq.23.--Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 131 paiki old FP No. 647 paiki TPS. 3 situated at F. P. No. 528, paiki Estern/Western, situated @ Chhadawad, A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 14-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

35-406GL/82

- (1) Bai Diwali W/o Shanker Lal Harjivandas Panjya, Navdhanis pole. Ranjila Pole, Shahpur, A'bad. (Transferors)
- (2) Shri Amol Kumar Subandhu Trivedi & others. 11/Cailash Bhavan. Opp. Town Hall, beside Gita Bharatiji's Ashram, Ellis Bridge, Ahmedabad. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 716.5+716.5 sq. yds. situated at Chhadawad-Madalpur, Ahmedabad duly registered by S. R. Ahmedabad vide sale dted No. 5541 & 5542/14-4-82.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ahmedabad

Dage: 20-11-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 20th November 1982

Ref. No. P. R. No. 2188/Acq. 23-I .-- Whereas, I.

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building situated at Shaikhpur, Khanpur, Ahmedabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedebad on 13-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) Shri Ratilal Hirachand Patel, Min'ta Apartments, St. Zavier's School Road, Navrangpura, Ahmedabad-14.
- (2) Shri Ganpat Tejraj Jain, 19-Pratima Society, Nr. Dadasheb; Na Pagla, Navrangpura, Ahmedabad-380 009.

(Transferee)

(Transferoi)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building situated at Seikhpur, Khanpur, Navrangpura, Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad vide Sale deed No. 5107/13-4-1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date :. 20-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 20th November 1982

Ref. No. P. R. No. 2189/Acq. 23-I .-- Whereas, I,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. F.P. 255-T.P.S. 3, situated at Sheikhpur, Khanpur,

Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 13-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Anubhai Ramanlal Gajjar & others, Nr. Mithakhali Railway Crossing, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Rameshbhai Laxmichand Gosaliya, 'Jaihind' Press Ashram Road, Ahmedabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat admn. 121.65 sq. yds. situated at Navrangpura, Ahmedabad duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale deed No. 5503/13-4-1982.

R, R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 20-11-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FI OOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedahad, the 20th November 1982

Rcf. No. P. R. No. 2190/Acq. 23-I.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F.P. No. 13/14/15 Paiki Sub. Plot No. 5/1 paiki Pvt. Sub. P. 12 15/1/B paidi T.P.S. 3, Varied situated at Usmanpura Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 19-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Raghunath Gordhandas Parikh,
 6-B, Ginco Society, Swami Vivekanand Road,
 Kandivali (West) Bombay-400067.

(Transferor)

(2) Dr. Nikhil Jaswanthai Bhatt, through power of Attorney holder Shri Jaswanthai Shyam Bhatt, 8, Pritamnagar, E.B. Ahmedabad-380006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesard persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 400 sq. yds. situated at Usmanpura, Ahmeda-bad-duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale deed No. 5857/19-4-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 20-11-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 20th November 1982

Ref. No. P. R. No. 2191/Acq. 23-1,—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

F.P. No. 722-B, T.P.S. 3 & TPS-3-5, Varied, Hissa No. 1 Flat No. A-10, Amiyosh Apartments, situated at E.B. Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Champaklal Purshottamdas Mehta, 'Amijyot' Parimal, E.B. Ahmedabad-380007. (Transferor)

 Smt. Kanchandevi Luxminarayan Kabra, A-10, Amuyot Apartments; Parimal E.B Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-10, Admn. 157,08 sq. m. situated at Amijyot Apartment, Ellis bridge, Ahmedabad duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale deed No. 4920/1-4-1982.

R, R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-J, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 20th November 1982

Ref. No. P. R. No. 2192/Acq. 23-L-Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25.000/- and hearing

Rs. 25,000/- and bearing F.P. No. 722-B—T.P.S. No. 3 & T.P.S. No. 3—5 Varied Hissa No. 1 Flat No. A-5, Amijyot Apartment, situated at Ellis bridge, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Champaklal Purshottamdas Mehta, "Amijyot" Parimal, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Bajranglal Devisahai H.U.F., Karta Shri Bajranglal Devisahai Bajaj, A-5, "Amijyot" Apartments, Parimal, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-5, adm. 157.08 sq. m., situated at Amijvot Apartment, Ellisbridge, Ahmedabad duly registered by S.R. Abmedabad, vide sale deed No. 4917/1-4-1982.

R, R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 20-11-1982

Soul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 20th November 1982

Ref. No. P R. No. 2193/Acq. 23-I.—Whereas, 1, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F.P. No. 722-B, T.P.S. 3 & T.P.S. 3-5 varied, Hissa No. 1, situated at Amijyot Apartments. Ellisbridge, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Champakial Purshottamdas Mehta, "Amijyot" Parimal, Fllisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Arun Shantilal Sheth's H.U.F. Karta Shri Arun Shantilal Sheth, A-7, "Amijyot Apartment" Parimal, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a persod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-7 adm. 157.08 sq. m.. situated at Amilyot Apartment, Ellisbridge, Ahmedabad duly registered by S.R. vide sale deed No. 4918/1-4-1982.

R, R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 20-11-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 20th November 1982

Ref. No. P. R. No. 2194/Acq. 23-1.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F.P. No. 722-B-T.P.S. No. 3 & T.P.S. No. 3-5, Varied Hissa No. 1. Flat No. A-9, Amijyot Apartment, Ellisbridge, situated at Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Champallal Purshottamdas Mehta, "Amijyot" Parimal, Ellisbridge, Ahmedabad.

([ransferor)

(2) Shri Dhansukhlal V. Patelawalla, A-9, Amijyot Apartment, Parimal, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publicution of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-9, adm. 157.68 sq. in. situated at Amijyot Apartments, Ellisbridge. Ahmedabad duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale deed No. 4919/1-4-1982.

R, R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 20-11-1982

Segl :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009 Abmedabad, the 20th November 1982

Ref. No. P. R. No. 2195/Acq 23-1,---Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

F. P. 985/B, T.P.S. 3. Paldi, Ahmedabad situated at Paldi, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedubad on 15-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (b) facilitating the concealment of any income as any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---36-406G1/82

(1) 1. Shri Sureshchundra Vadilal Shah,

2. Smt. Sarlaben Smeshchandra Shah,

 Shri Pranav Suteshchandra Shah
 Shri Pranav Suteshchandra Shah
 Shri Miten S, Shah himself and grandson of Minor Salil Mitenkumar, all at Dr. D. G. Vyas Bunglow, 26-A Saurashtra Society Pakli, Ahmedabad-7.

(2) Paldi Mahavir Tower Co. Op. Hag. Soc. Ltd., Proposed (1):—Promotee: Shri Du Megsingh Rathod, 168, New Cloth Market, O/S Raipur Darwaja, Ahmedabad. Durgasingh

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 2140 sq. yds, situated at Paldi, Ahmedabad, duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale deed No. 5668, 5669, 5670 & 5671/15-4-1982.

R, R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 20-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 27th November 1982

Ref. No. P. R. No. 2196/Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Govind Oil Mill situated at Manavadar Dist. Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Manavadar on 14-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bhagabhai Virbhai & Otheis, Village: Verva, Tal. Manayadar Dist. Junagadh

(Transferor)

(2) Pathalji Nathabhai Charda, Bukar Falia "Yadunadnan" Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 Gays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory building standing on land 8243-39 sq. mts.-known as Govind Oil Mill situated at Manavadar, Dist. Junagadh duly registered by S, R. Manavadar vide sale-deed No. 584/14-4-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I. Ahmedabad

Date: 27-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASIAKAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 29th November 1982

Ref. No. P. R. No. 2197/Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1198-b admeasuring 387 sq metre situated at Ghogha Circle Krishnagar Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Bhavnagar on 26-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property; and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Motiram Sughnimal Ugahi, Rasilacamp,. Navapal Room No. 341-342,. Bhavnagar.

(2) Shri Santdas Gumanmal Lahori Nanbhawadi Plot No. 19 Bhavnagar. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property registered vide R. No. 1095 dated the 26-4-82 by Sub-registrar, Bhavnagar,

R, R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Hyderalı Jaterali Nathani, Khuni Khancho, Mahuva, Dist. Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Shi Ramjubhat Daudbubhat Shaikh, Outer Vohrawad, Dhaburat Chowk, Bhaynagar.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 30th November 1982

Ref. No. P. R. No. 2198/ \colongraph Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 104 at Catholic Cooperative Housing Society, situated at Vidyanagar, Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Bhavnagar on 13th April 1982

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by my of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gravette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property registered vide R. No. 948 dated the 13-4-82 by S.R. Bhavnagar.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 30-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR,

HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 30th November 1982

Ref. No. P. R. No. 2199 Acq. 23.—Whereas, I, R. SHAH

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2,5000/- and bearing

Plot No. 27-28 'B of Krishna Co-op. Housing Society situated at Krishnanagar Bhavnagar

(and more fully déscribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Bhavnagar on 26-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Pravinchandta Harilal Oza,
 Meghani-nagar,
 Junagadh.

(Transferor)

(2) Shri Piadipkumar Ratilal Bhatt, Laxmi Aparlment Sardarnagar Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property registered vide sale-deed R. No. 1093 dated the 26-4-82 by Sub-Registrar, Bhavangar.

R, R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedabad

Date: 30-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 4 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 30th November 1982

Ref. No. P. R. No. 2200/Acq 23-II/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Opp. Jain Derasar at Nanchand Fatehchand Street Mahuva (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the registering officer at S.R. Mahuva on 1-4-82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Prataprai Tiibhovandas Varaiya Karta of H.U.F. of Prataprai Tribhovandas Varaiya, Tribhovandas Niwas, Station Road, Bijapur (Karnataka State).

(Transferor)

(2) Smt. Rambhagauri Kantulal Chitalia, Kandolia Sheri, Mahova Dist. Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing building situated opp. Jain Derasar, Nanchand Fatehchand street Mahuva registered vide saleded R. No. 719 dated the 1-4-82 by Sub-register Mahuva

R, R SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 30-11-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 30th November 1982

Ref. No. P.R. No. 2201 Acg 23.-Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

F.P. No. 36 & 52 Paiki sub-plot No. 1, 1/5 undevided situated at share Changispur, Gulbai Tekra, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 28-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Shri Navsinh Chandulal Nanawati & Shardul N. Narawaty,
 2. Shri Dinkar Candulal Nanawati

 - Shri Bhupendra Candulal Nanwaty
 Shri Amit Chandulal Nanawaty
 Shri Kamlaben Widow of Chandulal Nanawaty all of Taliyani Pole, Sarangpur, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Shri Bhupendra Bhagwatprasad, Director Gujarat Chem-park Pvt. Ltd., 75, New Cloth Market, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 600 sq. yd. (1/5 undevided share(situated at Changispur, Ahmedabad duly registered by S.R. Ahmedabad vide sale deed No. 5951, 5947, 5942, 5936 & 5955/28-4-82.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Ahmedabad

Date: 30-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 1st December 1982

Rcf. No. P. R. No. 2202 Acq. 23.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

S. No. 281/1 situated at near main Vijay Bus stand, Salelite Rond, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-4-82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ramsingh Bavaji & Others, near Umiya Vijay Society, Jodhpur Vejalpur Satelite Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Matheran Villa Owners Association, C/o Shri Kantilal Ramdas Patel, 6-A, Mahavirchhaya Apartment, Paldi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 995 sq. m. @ Vejalpur Distt. Ahmedabad duly registered by S. R. Ahmedabad vide sale deed No. 4134/29-4-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Date : 1-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st December 1982

Ref. No P. R. No. 2203/Acq 23.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 281/1 situated at Near Umiya Vijay Bus Stand, Setelite Road, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 24-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: — 37—406GI/82

(1) Smt. Motiben Bawaji, Near Umiya Vijay Society, Jodhpui, Vejalpur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Matheran Villa Owners Association, Shri Mahendrakumar Popatlal Shah 6-A, Mahavirchhaya Apartments, Paldi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(THE SCHEDULE)

Land adm 995 sq. m @ Vejalpur Distt. Ahmedabad duly duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed, No. 4140/ 29-4-82,

> R. R. SHALL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ahmedabad

Date . 1-12-1982 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st December 1982

Ref. No. P. R. No. 2204/Acq.23.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F. P. No. 281, T. P. S. No. 22 situated at Near Moazzam Society, Jawaharnagar Road,

Paldi, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at A'bad on 15-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Ibrahimbhai Fida Hussain Vora, Sidikolani, Kalupur, Ahmedabad

(Transferor)

(2) Bansidhar Apartment Owner Association Bristrus Builers, 32/53 Shantisadan Estate, Opp. Dinbai Tower, Mirzapur Road, Ahmedahad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(THE SCHEDULE)

Building standing on land adm. 543 sq. yds. situated @ Paldi near Moazzam Society, Ahmedabad duly registered by S. R. A'bad vide sale deed No. 5648/15-4-82.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ahmedabad

Dato: 1-12-82. Scal:

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 309

Ahmedabad-380 009, the 1st December 1982

Ref. No. P. R No. 2205/Acq.23 —Whereas, I, R.R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'taid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F. P. No. 279, T. P. S. No 22 situated at Near Moazzam Society, Paldi, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 15-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating of concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Judinu Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Hatimbhai Fida Hussain, Sidikolani Pole, Kalupur, Ahmedabad

(Transferor)

(2) Venunad Apartment Owner Association C/o Briscrus Builders, 32/53 Shantisadan Estate, Opp Dinbai Tower, Mirzapur Road, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in ChapterXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(THE SCHEDULE)

Building standing in land adm. 536 sq. mt situated near Moazzam Society, Jawaharnagar Road, Paldi, Ahmedabad duly registered by S. R. A'bad vide sale deed No. 5649/15-4-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedabad

Date: 1-12-82.

FORM I,T,N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st December 1982

Ref. No. P. R. No. 2206/Acq.23.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

F. P. No. 100-A, T. P. S. No. 16, Plot No. 89/A/2, situated at S. R. No. 132 (part) Saherkotda, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 21-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Umedbhai Ihaverbhai Patel & othera,. C/o M/s. C. Patel & Co., Podan Chambers, Paisi Bazai Street, Fort Bombay-1.

(Transferor)

Shri Mukunddas Vithaldas Rathi &
 Shri Gokuldas Vithaldas Rathi Others
 C/o M/s. Seth Thakurdas Khinnvraj Rathi
 Beawar, (Rajasthan).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(THE SCHEDULE)

Land adm. 5000 sq. yds. situated @ T. P. No. 16 Saher-kotda Sarangpur, Ahmedabad duly registered by S. R. Bombay-vide sale deel No. 711/75 dt. 21-4-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedabad

Date: 1-12-82. Seal:

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedubad-380 009, the 1st December 1982

Ref. No. P. R. No. 2207/Acq.23.—Whereas, I, R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter 'referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F. P. No. 300+305, Sub plot 30, T. P. S. No. 3, situated at Kochrab, Ellisbridge, A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ahmedabad, on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kumudchandra Dharamshi Janani & others, 68, Suhag Prortment, Maneau Sen Road, Bombay-6.

Transferor)

(2) Shitlam Apartments Owners Associations Chairman: Shri Sharad Amratlal Shah, C/o 20, Ghosha Society, Thaltej Road, Behind Drive in Cinema, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of Notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(THE SCHEDULE)

Land adm. 800 sq. yds. situated @ Kochrab, Ellisbridge, A'bad duly registered by S. R. Ahmedabad vide sale deed No. 6601/30-4-1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedabad

Data : 1-12-82.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMED 4 BAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th December 1982

Ref. No. P. R. No 2209/Acq.23-1 -- Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 6, Sanand No. 30-34 Plot No. 152-A situated at Theosophical lodge, near Rupani Circle, Krishna nagar, Bhavnagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bhaynagar on 16-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Ravishanker Maganlal Yajnik,
 Shri Niradkumar Chandrakant Yajnik,
 Both at Panwadi Road, Near Telegraph Office,
 Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Smt. Rabiaben M. Isani, Butler House, Panwadi, Bhavnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

(THE SCHEDULE)

Property registered vide R. No. 486 dated the 16th April, 1982 by S. R. Bhavnagar,

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 4-12-82

FORM 1.T.N.S .---

(1) Shri Mohmed Asgar Noormohmed Shaikh self & as a P.A. Holder of Zohrabanu Noormohmed Kadai Shaikh, Natali Street, Sagrampura, Surat.

(Transferor)

(2) Vishwarqatma Services, Sagrampura, Nurshing Sheri, Surat

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th October 1982

Ref. No. P. R. No. 1930.Acq.23/11/82-83.—Whereas, I. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 3425/A/2/A|1|A|K-B Wd, No. 2 situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Surat on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(THE SCHEDULE)

Property at Nondh No. 3425/A/2/A|1|A|K-B, Wd, No. 2 registered in April, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date :25-10-82.

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX. ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMI-DABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th October 1982

Ref. No. P. R. No. 1931/Acq 23/II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing C.S. No. 1723, Navagam, situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not begat truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Maniben Wd/o Leliben Chhaganlal Fremchand & Others, Malifalia, Haripura, Surat.
- (2) 1. Rameshchandra Lallubhai, vadvali Shari, Begampura, Surat.

(Transferees)

Hirjibhai Dhanjibhai
 Dudhiben Dhanjibhai

 Dudhiben Dhanjibhai, village, Shakhpur, Tal Lathi, Dist. Amreli.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(THE SCHEDULE)

Property at C. S. No. 1723, Navagam registered in April, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 26-10-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th October 1982

Ref. No. P. R. No. 1932.Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, R R SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 3384, wd. No. 1, situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
38—406GI/82

 Shri Dramamchand Ratilal Zaveri, Sadgunaben Dharamchand 113-Daji Sadan, Valkeshwar, Bombay-6.

(2) Shii Virmati Jayantilal Vasanwala, Navapura, Dalia Sheri, Surat. (Transferor)

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(THE SCHEDULE)

Property at Nondh No. 3384, Wd. No. 1, Surat registered in April 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 25-10-82.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th October 1982

Ref. No. P. R. No. 1933.Acq.23/II/82-83.—Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Nondh No. 1462-63, Wd. No. 1, situated at Marwadi Mahollo, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in April, 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. SulochanabenWd/o Sasiklal Maganlul
 - Mukesh Ratilal
 - Shri Sunil Rasiklal, Marwadi Mohallo Nanpura,
 - 4. Shantaben daughter of Sobhagchand Maganlal Mulchand, Rayakvad, Vyara, Dist. Surat.

(Transferors)

- (2) President
 - Hastgiri Co. op. Housing Society Ltd.,
 - Hasmukhbhai, Trikamlal Patel, Ambaji Road, Surat.
 - Dhirubhai Jivanji Desai, Gidhar Apartment. Ring Road, Surat.

(Transferecs)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

(THE SCHEDULE)

Property at Marvadi Mohallo, Nondh No. 1462-63, Nanpura registered in April, 82

> R. R. SHAH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 26-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 25th October 1982

Ref. No. P. R. No. 1934.Acq.23/II/82-83.—Whereas, I, R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 1255/K/2 & 1324/A/3/13/1, Nanpura situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Maneksha Kunvarji Dordi, Dungor Mahollo, Nanpura, Surat.

(Transferor)

(2) Proposor of Sanjay Apartment Co. op. Housing Society, Shri Premjibhai Jasmatbhai Patel C/o 610, Mahavir Apartment, Athwa Lines, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1255/C/2 & 1324/A/B/B/1, Nanpura registered in April, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 25-10-82.

Seul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN'T COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,
AHMIDABAD-380009.

Ahmedabad-380 009, the 23rd October 1982

Ref. No. P. R. No. 1935.Acq.23/11/82-83.—Whereas, 1. R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

S. No. 250/A & B(P)

situated at Vapi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on April, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Dakshaben wife of Bharatkumar Chhotubhai Desai, Vapi Tal: Pardi.

(Transferor)
(2) Salmaben daughter of Mohmed Amin Kazi,
"Saiyad Villam"
Near Maratha Mandii,
Bombay-400 008.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Proptrty at S. No. 250/A & 250/B(P) Vapi registered in Aprili, 1982

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date :23-10-82.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

AC() USITION RANGE-II 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMΓDABAD 380009

Ahmedabad 380 009 the 23rd October 1982

Ret No P R No 1976 Acq /23 II /82 83 - Whereas I R R SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fine market value exceeding Rs 25 000/ and bearing No S No 231+12 (P) Pardi

situated at Vapi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office, at Pardi on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

(1) Shree Jalaram Society & its partners, Vapi, Pardı Tal

(Transferor)

(2) Chimanial Lavehand Vasha, & Others, Bombay

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichevel period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S No 23142 (P) at Vapi registered in April 1982

> R R SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ahmedabad

Date 23-10 82 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380 009, the 23rd October 1982

Ref. No. P. R. No. 1937/Acq.23-11/82-83.—Whereas, I, R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 422, 426, 427, 442, 443, 447(P)

situated at Chala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Swastik Land Development Corporation, Partner Shri Maneklal Bhagwandas Rashamwala & Others, Kot Safali Road, Surat.
- (2) Shri Nitinkumar Amratlal Rathod & Others.
 Taluka Pardi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULP

Property at S. No. 422, 426, 427, 442, 443, 447(P) Chala registered in April 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 23-10-82,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380009.

Ahmcdabad-380009, the 25th October 1982

Ref. No. P. R. No. 1938/Acq.23-U/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 422, 426, 427, 442, 443, 447(P)

situated at Chala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pardi on April 1982

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Swastik Land Development Corporation Partner Shri Maneklal Bhagvandas Reshamwala & Others, Kot Safil Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Amratlal Valji Rathod & Others, Partner of C/o Amratlal Valji Rathod. at Orvad. Taluka-Pardi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 422, 426, 427, 442, 443, 447(P), at Chala registered in April 1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Ahmedabad.

Date: 25-10-82.

FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AIIMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 15th October 1982

Ref. No. P.R. No. 1939 Acq.23-II/82-83.—Whereas, J, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 176 situated at Ankleshwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jayantkumar Magantal Desai, Desai Falia, Ankleshwar.

(Transferor)

(2) 1. Shri Saiyed Nasirali Mahmadali Inamdar, Inamdar House, Ankleshwar.
2. Shri Thakorlal Hiralal Chokshi, Chokshi Bazar, Ankleshwar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 176, register in April, 1982 at Ankleshwar.

R, R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 15-10-82

FORM I.T.N.S.-

(1) 1. Shri Krishnakant Maganlal Desai, 2. Shri Harendra Maganlal Desai, Desai Falia, Ankleshwar.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Thakorlal Hiralal Chokshi, Chokshi Bazar, Ankleshwar.

2. Shri Saiyed Nasirali Mohmadali Inamdar, Inamdar House, Ankleshwar.

(Transferces)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AMMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 25 October 1982

Ref. No. P.R. 1940 Acq.23-II/82-83,---Whereas, I, R. R. SHAH.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 154, 175 situated at Ankleswer

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—39—406GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Property at S. No. 154, 175 ((Reg. No. 1356, 1357, 1358 and 1359) Ankleshwar register in April, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 25-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

1) Shri Krishnakant Maganlal Desai, Desai Falia. Ankleshwar,

(Transferor)

(2) 1. Shri Thakorlal Hiralal Chokshi. Chokshi Bazar, Ankleshwar.

> 2. Shri Saiyed Nasirali Mohmadali Inamdar, Inamdar House, Ankleshwar.

> > (Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, AS ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 25th October 1982

Ref. No. P.R. No. 1941 Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proparty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 155/2 situated at Ankleshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar on April, 1982 for an apparent consideration

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property at S. No. 155/2, (Rest 1354, 1355) Ankleshwar register in April, 1982.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 25-10-1982

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Makiben Savaksha Dhaubhura, Horn-bee-view-Gunbow Street, Fort-Bombay-1.

(Transferor)

- Yayaben Valjibhai Shah, Halar Road, Valsad.
 - Kantibhai Govindji Shah, Chhipvad, Valsad,

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 23rd October 1982

Ref. No. P.R. No. 1942/Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 4919/B situated at Tithal Road Valsad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Valsad on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the abject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property at C.S. No. 4919/B, Tithal Road, Valsad, registered in April 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

23-10-1982 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 26th October 1982

Ref. No P.R. No. 1943 Acq.23-11/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 34 Ali situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broch on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 169C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Narsinh Somsinh Nakum.
 Khumansinh Somsinh Nakum, All, Broch.

(Transferors)

(2) Narayannagar Near Nilkanth Mahadev, Gujarat Housing Board, Broch.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 34, registered in April 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 26-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 26th October 1982

Ref. No. P.R. No. 1944 Acq 23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 152/2-B situated Dugari

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Broch on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Musa Marmud Ibrahim Babar, Moti Dugari.

Alibhai Abhram Abhran, Katopor, Borbhadha, Broch.

3. Adam Umaji Alhram, Katopoi, Borbhadha, Broch. 4. Ahmad Umaji Abhram,

Katopor, Borbhadha, Broch.

(Transferors)

(2) The Bombay Patel Welfare Society, Trustee:—Shri Mohmadbhai Ismal Patel, Moti (Dungari) Dugari, Broch.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 152/2-B Dungari registered in April, 1982.

> R. R. SHAH Commetent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, Thereby initiate proceedings for the acquisition of the afroesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dato: 26-10-1982

Seel :

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Somabhai Naranbhal Prajapati, Broch.

Transf .r)

(2) Partner of Swastic Corporation, Jasuben Ambalal Dalwadi, Ali, Broch.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMB-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 26th October 1982

Ref. No. P.R. No. 1945 Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 8, Ali situated at Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1108) in the office of the Registering Officer at Baroda on April 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Ali S. No. 8 (P) land, registered in April,

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 26-10-1982

FORM I'INS-

 Smt. Nayanaben Madhusudan Bhagat, P.A. Holder: Pushpachandra L. Bhagat, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Upasna Co-op. Housing Society, President: Shantilal S. Mistry, Near Chhani Octroi Naka, Baroda.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1946 Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 97/2 Plot No .4 situated at Nizampura, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 12-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Baroda ((Chhani) bearing No. 97/1 admeasuring 6318 sq. ft. sale deed registered under No. 2508/12-4-82 SR Baroda.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 10-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1947 Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immavable property, having a fair market value exceeding Re. 25,000/- and bearing No.

885 situated at Bayla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dholka on 15-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1937 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pitamberbhai Purshottamdas Prajapati Valand Falia, Bavla Dist. Ahmedabad

(Transferor)

(2) Shri Nalin Pranlal Vibhakar & others, 9, Saurabh Society, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesahl persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Bavla bearing S. No. 885 admeasuring acre 1 and gutha 34—sale deed registered under No. 385/82—S.R. Dholka.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 10-41-1982

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1948 Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 884 and 885 situated at Bavla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dholka on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

40—406 GI|82

 Shri Govindbhai Purshottamdas Prajapati, Valand Falia, Bavla, Distt. Ahmedabad.

(2) Shri Bhaskar Pranlal Vibhakar, 9, Saurabh Society, Navrangpura, Ahmedabad-9

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Bavia bearing S. No. 885, 884 admeasuring 2 Acre and 10 guntha land sale deed registered under No. 383/82, S.R. Dholka.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 10-11-1982

FORM ITN9-

(1) Shri Pramodbhai Rambhai Patel, Nadiad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ayodhyapuri Co-op. Housing Society; Canipura Chairman T. R. Kella, Nadiad Dist, Khira.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1949/Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 2202 situated at Nadiad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadiad on 3-4-1982

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Nadiad bearing S. No. 2202 admeasuring 8006, 3259 mtrs. sale deed registered under No. 3218/3-4-82 S.R. Nadiad.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1950 Acq.23-JI/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 885, 886 situated at Bavla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 15-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Shri Kanjibhal Purshottamdas Prajapati,
 Durganagar Society,
 Bavla, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Precision Technotab Pvt. Ltd. & others, 24, Sattar Taluka Apartments, Near Khet Udyog Bhavan, Ahmedabad-380014.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Bayla S. No. 885 and 886 admeasuring Acre 2 and gunthas 38 Sale deed No. 386/82 S.R. Dholka.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 10-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th November 1982

Ref. No. P.R No. 1951 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 78/1 situated at Jetalpur, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market

value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Mahesh Ramakant Haribhakti, Ghadiali Pole, Baroda.
 - Chandravati Ramakant Haribhakti, Ghadiali Pole, Baroda.
 - 3. Ramakant Ratanlal Haribhakti, Ghadiali Pole, Baroda.

(Transferor)

 M/s. Indo Nippon Chemicals Co. Ltd. 18, New Marine Lines, Bombay-400020.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Jetalpur bearing S. No. 78/1, admeasuring total area of 2054 sq. mt. with building for A/C Rs. 465692/- Reg. No. 2297, 2296, 2299 with S.R. Baroda registered in April, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 10-11-1982

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1952 Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Nondh' No. 2439, Ward No. 3, Tadvali Sheri situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the foresaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persions, namely:—

- (1) Gulabben Wd/of Mohanlal Govindram, Tadvali Sheri, Salabatpura, Surat.
 - Shantiben Mugutlal Daughter of Mohanlal Govindram, Piperdi Sheri, Salabtpura, Surat.
 - Kalavati Champaklal Daughter of Mohanlal Govindiam, Kunda Sheri, Sangrampura, Surat.

(Transferor)

 Shri Ishvarlal Mulchanddas, Guntha Sheri, Sagrampura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 2439 Tadvali Sheri, Salabatpura, registered in April, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 10-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1953/Acq .23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Tikka No. 4713 R.S. No. 160/3, Wd. No. 1 situated at Chhapra Road, Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Gunvantbhai Bhulabhai P.A. karta of Amratbhai Bhulabhai Patel, Gokul Nivas, Luncikui, Navsari.
 - (Transferor)
- (2) 1. Shri Manibhai Dahyabhai Naik, Desai Falia, Vejalpur. 2. Smt. Kokilaben Rajesh Desai, Ashanagar, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Tikka No. 4713, S. No. 160/3, Chhapa Road, Navsari register in April, 82.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedabad.

Date: 10-11-1982 Seal:

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1954 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, L. R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 29 & 30, situated at Maktapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1909) in the office of the Registering Officer at Broach on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sat1 *ct, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)s

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) 1. Mohmadusain Gulamhusain Momi.
 - 2. Pannalal Manharlal Thakor. Kabirpura, Dist. Broach.
 3. New Sonal Enterprise
 - Budhdev Market, Broach.

((Transferors)

(2) Shri Rajubhai P. Patel, President of Radhakrishnanagar Co. Op. Housing Society, Maktampur, Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 20, 29 & 30, Maktampur, registered in April, 1982.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II Ahmedabad.

Date: 10-11-1982

FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1955 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 93/1, & 93/2 situated at Dungri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering officer at

Bharuch on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ismail Adam Ahmad Gothan Ismail Ibrahim Ahmad Mahmad Musa Asmal Gothan Dungri, Tal. Broach.

(Transferors)

(2) Partner of Laumi Development Corporation Shri Bakubhai Jivabhai Patel, Krishnanagar Society, Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 93/1 & 93/2 Dungri registered in April, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date: 10-11-1982

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1956 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Nadh No. 1346, Wd. No. 6 Jadakhadi situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

41-406GI/82

(1) Shri Kantilal Hiralal as a Manager & Karta of HUF Chandrakantaben Kantilal & others, Sonavala Building, 2-B, Block, 1st Floor. Tardeo, Bombay.

(Transferores)

Shri Thakorbhai Vithalbhai Patel
 Smt. Manjulaben Thakorbhai Patel
 Sneh Smruti Society,
 Adajan Road, urat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Surat No. 1346, Wd. No. 6, Jadakhadi registered in April, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad,

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1957 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, R R. ŞHΛH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Rs. No. 317 (p) Katosan situate at Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Shantilal Dhoribhai Patel P.A. of Bhanimati Chhotabhai, 30065, Sahyog Society, Sumul Dairy Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Bhikhabhai Somabhai Patel Near Krishna Cinema, Bharat Ras Holerc, Surat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Katosan R.S 317(p) registered in April, 1982.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

Date: 12-11-1982

FORM I.T.N.S-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1958 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

R.S. No. 27, New Plot No. 240 situated at Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mohanlal Chhaganlal Dumsavala Mohannagar Opp. Gitajali Cinema, Varachha Road, Surat.

(Transferor)

1. Shri Bhagvanbhai Dhanjibhai
 2. Kaliben Jivanbhai
 Kohinoor Society,
 Varachha Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 27, New Plot No. 240, Navsari, registered in April, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date: 12-11-1982

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

On behalf of Dalichandnagar Development Corp. Shri Hasmukhlal Raichand Shah, Navsari.

(Transferor)

(2) President of Shri Ram Apartment Co-op, Housing Society, Shri Indravadan Kantilal Raval.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFIGE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1959 Acq. 23-II/82-83,—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 528/9, No. 1, situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the faur market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nonth No. 528/9, Wd.-1, Surat registered in April, 1982.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 LIND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1960 Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property at Batala situated at Village Kahnoowan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at S.R. Batala in April 1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) 1. Bhanumati Dhanshyambhai Jamiyatpura, Tal. Gandhinagar.

Jethalal Joitaram

Jamiyatpura, Tal. Gandhinagar.
3. Mukeshbhai Jethalal
Jamiyatpura, Tal. Gandhinagar.

4. Hansaben Mukeshbhai

Jamiyatpura, Tal. Gandhinagar.
5. Kantaben Jethalal Patel
Jamiyatpura, Tal. Gandhinagar.
6. Ghanshyambhai Jethalal

Jamiyatpura, Tal. Gandhinagar. (Transferors)

(2) Patnager Co-operative Housing Society C/o Bhanubhai Babulal Patel, 57, Sardar Patel Colony, Ahmedabad,

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Adalaj bearing Block No. 143 admearing total area Aces 5 Guntha II. Document of transfer Register No. 618/3-4-82 with S.R. Gandhinagar.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 30-11-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1961 Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sard Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceding Rs. 25,000 and bearing No.

Block No. 829 (p) & 854 situated at Adalaj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 13-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Sukumar Amranand Roy G-3, Balchandra Apartment Vasna, Ahmedabad.

(Transfreor)

 Menka Co. Operative Housing Society C/o Shri P. V. Bhatia.
 Kailash Society, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Adalaj bearing block No. 289 (P) & 854 admeasuring acre 3 guntha 9. Document of transfer Registered No. 669, 680, 681/13-4-82 S.R. Gandhinagar.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 30-11-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1962 Acq.23-П/82-83.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), bave reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. S. No. 192/1/1981 situated at Koba

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Dineshkumar Jashwantlal & Shardaben 22, Chitrakut Flat, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferors)

(2) Shabari Co-operative Housing Society Koba, Tal. Gandhinagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Koba bearing S. No. 192/1/1981 admeasuring Acre 8 Guntha 23 A/C. Rs. 86500/- Register No. 668/12-4-82 S.R. Gandhinagar.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 30-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Dineshkumar Jashwantlal & Shardeben 22, Chitrakut Flat, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transfreor)

(2) Kevat Co-Operative Housing Society, Koba, Tal. Gandhinagar.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1963 Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 197 situated at Koba

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 12-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Koba bearing S. No. 197 admeasuring Acre 5,24 Guntha A/C Rs. 56,750/- Register No. 667/12-4-82 S.R. Gandhinagar.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 30-11-1982

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1964 Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 252 situated at Kalol

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kalol on 26-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—42—406GI/82

(1) Kalaji Ranaji Opp. Rly Station Near Kira Kuvarji Chawl Kalol, Dist. Mehsana.

(Transferor)

(2) Giriraj Co-Op Housing Society C/o Thakorbhai Bhimbhai Desai, Jatini Pole, Raipur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and at Kalol bearing S. No. 252 admeasuring Acre 1 Guntha 39, A/c. Rs. 177349 Register No. 1206/26-4-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-11
Ahmedabad

Date: 30-11-1982

FORM ITNS-----

(1) Dahiben Wd o Nathabhai Mothibhai and others Jamryatpura, Tal. Candhinagar.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Transferoi)

(2) Alok Co-Op. Housing Society Ltd. C'o Natverlal Vanmalidas Kalpataru Flats. Naranpura, Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTA SIONER OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1965 Acq. 23-11/82-83.--Whereas, 1 R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Block No. 159 situated at Adalaj.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 20-4-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfero rto pay tax under the esaid Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating th econcealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHFDULE

Block 159 of Adalai admeasuring Acre 1 Guntha 37 A/c Rs. 95934 Documents of transfer S.R. Gandhinagar under No. 772, 773 dated 20-4-82.

> R. R. SHAH Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 30-11-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

CQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Nhmedabad-380009, the 30th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1966 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I.

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Block No. 164 situated at Adala; (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 23-4-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

(1) Dahiben Wd/o Bhulabhai Muljibhai lamiyatpura, Tal. Gandhinagar.

(Transferor)

(2) Alok Co-op. Housing Society Ltd. Chairman Natverlal Vanmalidas Kalpataru Flats, Naranpura, Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazete.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given LXPLANATION: The terms and expressions in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block 164 of Adalay admeasuring Acre 3, Guntha 28 Documents of transfer under No. 835/23-4-82.

> R. R. SHAH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Incomestax. Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 30-11-82

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 2691)-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSSTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th November 1982

Ref. No. P.R No. 1967 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Block No. 163 situated at Adalaj,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 23-4-82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ghanshayam Ishver Patel, and others. Jamiyatpura, Tal. Gandhinagar, Vithalbhai Hirabhai Patel and others. Jamiyatpura, Tal. Gandhinagar

(Transferor)

(2) Alok Co Op. Housing Society I tol Chairman-Natverlal Vanmahdas, Kalpataru Flats, Naranpura, Ahmedabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block 163 of Adalaj admeasuring Acre 2 Guntha 34 Documents of transfer registered No. S.R. Gandhinagar under No. 837838 dated 23-4-82

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date 30-11-82 Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1968 Acq. 23 II/82-83.--Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 '- and bearing

No. Block No. 162 situated at Adalaj

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Gandhinagar on 20-4-82 & 5-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone namely:--

- (1) 1. Maneklel Keshavlal Patel
 - Durgaben Mancklal
 - 3. Bharat Mancklal 4.
 - Renukaben Maneklal Ramesh Prahlad Patel
 - Hansaben Rameshbhai

 - Sakarabhai Keshavlal Ramilaben Shakrabhai
 - Dinesh Kumar Shakarbhai
 - Nitaben Sakarbhai
 - 11. Prahladbhai Punjibhai & others
 - 12. Raiben Prahladbhai
 - 13. Prakashbhai Prahlad
 - 14. Jyotiben Prahladbhai15. Rajemdia Shakarbhai Patel16. Maltiben Mancklal Patel

17. Kalpeshbhai Maneklal All of Jamiyatpura Tal. Gandhinagar.

(Transferois)

(2) Alok Co.op. Housing Society Chairman: Shri Natverlal Vanmalidas, Kalptaru Flats, Navarangpura, Ahmedabad.

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires leter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 28 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Village Adalaj, Block No. 162 as detailed in document registered at following Nos. with the Registrar, Gandhinagar on 30-4-82 & 25-5-82 774, 776, 778, 780, 782, 784, 786, 788 790, 792, 798, 800, 802, 804, 940, 932, and

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 30-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedahad-380009, the 30th November 1982

Ref No PR No 1969 Acq 23 II/82-83 - Whereas I, R, R SHAH,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding $R_{\rm S} = 25{,}000/$ and bearing No

Block 160 situated at Adlaj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 23-4 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1 Bakorbhai Ranchhodbhai Patel & others Jamiyatpura, Tal Gandhinagar Bai Dahi Wd/o Bhulabhai Muljibhai
 - - Balubhai Maganbhai
 - 4 Ashabhar Maganbhar

(liansferois)

(2) Alok Co Op Housing Society Ltd. Chairman Natverlal Vanmalidas Kalpataru Flats, Naranpura, Ahmedabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block 160 of Adlaj admeasuring Acre 10 Guntha 8 Documents of transfer registered with S R Gandhinagar under No 843 to 850/23-4-82,

> R R SHAH Competent Authority Insepcting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedubad

Date: 30-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th November 1982

Ref. No. R. P. No. 1970/Acq. 23-II/82-83.—Whereas, 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Block No. 198 situated at Adalai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar on 20-4-82 & 5-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

- (1) 1. Maneklal Keshavlol Patel
 - Durgaben Mancklal

 - 3. Bharatkumar Muneklal 4. Renukaben Maneklal 5. Rameshbhai Prahladbhai Patel
 - 6. Hansaben Rameshbhai 7. Sakarabhai Keshaylal
 - 8. Bamilaben Sakarbhai
 - Dineshbhai Sakrabhai
 - 10. Nituben Sakarbhai 11. Prahladbhai Punjabhai
 - 12. Raiben Prahladbhai
 - 13. Prakash Prahladbhai Patel
 - 14. Jyotiben Prahladbhai Patel.
 - Rajendra Sakarbhai Patel 16 Måltiben Maneklal
 - 17. Kalpesh Mancklal

(Transferor)

(2) Alok Co.op. Housing Society I.td., Chairman: Natvarlal Vanmalidas Kalpaturu Flats., Naranpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Block 198 of Adalaj admensuring A.31 G.5 Apparent Consideration Rs. 408011 documents of transfer regd. with S.R. Gandhinagai on 20-4-82 & 5-5-82.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 30-11-82

Scal:

FORM ITN - ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th November 1982

Ref. No. PR No 1971/Acq 23-11 82 83 —Whereas, I R. R SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/-and bearing No

Block No 158 situated at Adalej

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ganhdinagar on 20 4 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shakaraji Manaji Thakor & Others Jamiyatpura Dist Gandhinagar

(Hansferor)

(2) Alok Co op Housing Soc 1 td Chairman-Natvarlal Vanmalides Kalpataru Flats Naranpura Ahmedabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which over period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pullication of this notice in the Official Gazette

TXPI ANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block 168 at Adale, admessuring A 2 G 17 documents of transfer Regd with S R Gandhinagar under No 760, 761 dt 20-4-82

R R SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date 30-11-82 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedahad-380009, the 30th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1972/Acq 23-II/82-83.--Whereas, I R, R, SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Block No. 185, 186 situated at Adalei (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 20-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--43-406GI/82

(1) Mancklal Keshavlal Patel & Shakrabhai Keshavlal Patel Jamiyatpura, Tal. Gandhinagar

(Transferor)

(2) Alok Co.op Housing Society Ltd., Chairman Narvarlal Vanmalidas Kalpataru Flats, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Block 185, 186 of Adalaj admeasuring A.4 G.3 apparent consideration Rs. 140877 regd. with S. R. Gandhinagar under No. 767 to 769 dt, 20-4-82.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 30-11-82 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSF, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1973/Acq 23-Π/82-83,—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Block No. 16 situated at Adalaj (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Gandhinagar on 20-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

 Sh. Shakaraji Manaji Thakor Jamiyatpura Tal. Gandhinagar.

(Transferor)

(2) Alok Co.op. Housing society Ltd., Chairman Natvailal Vnamalidas, Kalpataru Flats, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said lmmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Block No. 16 of Adalaj admeasuring A.1 G.14 Documents of transfer regd. with S.R. Gandhinagr under No. 758/20-4-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 30-11-82

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 30th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1974/Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Block No. 161 situated at Adalaj

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Gandhinagar on 23-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Balubhai Maganbhai Patel & others, Jamiyatpura, Tal. Gandhinagar
 Ashabhai Maganbhai Patel & others, Jamiyatpura, Tal Gandhinagar.

(Transferor)

(2) Alok Co.op. Housing Society Ltd., Chairman Natvarlal Vanmalidas Kalpataru Flats, Naranpura, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block 161 of Village Adalaj admeasuring A. 1 G. 38 Documents of transfer regd, with S. R. Gandhinagar under No. 840, 841 dt. 23-4-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 30-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Alok Co

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

SIONER OF INCOME-TAX

Ahmedahad-380 009, the 30th November 1982

Ref. No. P.R. No. 1975/Acq.23-II/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Block 165 situated at Adalai.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 20-4-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shakrabhai Keshavlal Patel, Jamiyatpura, Tal. Gandhinagar.

(Transferor)

(2) Alok Co-Op. Housing Society Ltd., Chairman—Natvarlal Vanmalidas, Kalpataru Flats, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block 165 of village Adalaj admeasuring A.3 G.36 Documents of transfer registered with S.R. Gandhinagar under No. 764 to 766 dated 20-4-82.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 30-11-1982

Senl:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th December 1982

Ref. No. P.R. No. 1976/Acq.23-J1/82-83.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nondh No. 3793—Smit Kinnary Apartment, Surat situated at Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act (1908 16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat in April 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Partners of B. B. Corporation and Administrator.
 Shri Babubhai Jashbhai Patel,
 Kaji's Medan, Gopipura, Surat
 Shri Jagdishkumar Revabhai Patel,
 Saghadia Vas, Gopipura, Surat.

(Transferor)

(2) Sumit Kinnery Apartment Co-op. Housing Society 1 td. Administrator: Shri Jagdishbhai Valjibhai Rathod, Gopipura, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 3793, W.2. Smit Kinnery Apartment Co.op Housing Society Limited, registered in April, 1982

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 6-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th December 1982

Ref No PR No 1977/Acq 23-II/82-83 - Whereas, I, R R SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No S No 350/3 and 356 paiki TPS 4 situated at

Katargaon,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Office. at Surat on April 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Diwaliben Rangildas Patel,

Nevinchandra Rangildas Patel Maheshchandra Rangildas Patel Bhupatbhai Rangildas Patel Thobha Sheri Mahidharpuri, Surat

(Transferor)

(2) Promotors of . Diwalibaug Industrial Co op. Service Society.
Shri Devshibhai Kalyanbhai Patel, 89, Valabh Nagar Society, Verachha Road, Surat Shri Bababhai Diyalbhai Patel, Ashwin Society, Vajachha Road, Surat Shri Goverdhanbhai Popatbhai, Mahadevnagar Society Varachha Road, Surat

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S No 350/3 and 356 (P) TPS 4, FP No 23, Katargaon, registered in April 1982

> R R SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely

Date 6-12-82 Seal:

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsai, the 29th November 1982

Ref. No. ASR|82-83|369.—Whereas, I ANAND SINGH, 1RS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One property in Amritsar situated at Kota Baba Deep Singh, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritaar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jeet Singh, S/o Sh. Hira Singh, Smt. Balbir Kaur w/o Sh. Jeet Singh, Bazar No 3, Kot Baba Deep Singh, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Davinderpal S/o Shri Sat Parkash R/o Gali No. 31, Bagh Rama Nand, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any, (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be intelested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property at Bazar No. 3, Kot Baba Deep Singh, measuring 67 sq. yds., as mentioned in sale deed No. 2628 dated 4-5-82, of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 29-11-1982

Seal ·

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TA\ ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONFR OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsai, the 30th November 1982

Ref. No. ASR¹82-83|370.—Whereas, I, ANAND SINGH, 1RS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property No. 74 at ASR situated at Link Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the Office of the Registering Officer

at S. R. Amritsar in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harbhajan Singh, S|o Shri Karam Singh, R|o Vill Iama Rai Teh Torn Taran Distt. Amritsar.
 (Transferors)
- (2) Smt. Gurmit Kaui W/o Shri Parkash Singh, Smt. Kaitar Kaur Wd./o Shri Balwant Singh R/o Naushera Pannuan, Teh: Tarn Taran, Distt, Amritsar.

 (Transferees)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

One property No. 74, measuring 101.38 sq. yrds., situated at Link Road, Opp. Railway Station, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1811 dt. 25-4-1982, of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-11-1982

(1) Shri Chiman Lal so Sh. Goverdhan Dass, 34-M, Green Avenue, Amritsar.

(Transféror)

(2) S/Shri Vijay Kumar, Ashwani Kumar Ss/o Sh. Shiv Dass, r|o 37, Chowk Fand, Amritsar.

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 8th December 1982

Ref. No. ASR/82-83/371.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No, one property at Amritsar situated at Katra Sher Singh, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at S. R. Amritsar in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

1(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring about 61 sq. yds., situated at Katra Sher Singh, Amritsar as mentioned in sale deed No. 990 dated 12-4-1982, of the registering authority, Amritsar,

ANAND SINGH, I.R.S. Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Runge, Amritsar

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

44-406GI/82

Date: 8-12-1962

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 8th December 1982

Ref. No. ASR|82-83|372,---Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One property at Amritsar situated at Katra Sher Singh, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S. R. Amirtsar in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Art, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transletter for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Raj Vati Wd.|of Shri Goverdhan Dass, r|o 34-M, Green Avenue, Amritsar.

 (Transferor)
- (2) S/Shri Raj Kumar, Vijay Kumar, Ss/o Shri Shiv Dass, r|o 37, Chowk Farid, Amritsar.

 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring about 61 sq. yds., situated at Katra Sher Singh, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 991 dated 12-4-82 of the registering Authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Amritsar

Date: 8-12-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amutsai, the 8th December 1982

Ref. No ASR|82-83|373.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property at Amritsar situated at Katra Shei Singh, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Amritsar in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Bimla Rani wdo Sh. Shiv Kumar, Sunil Aroia, so Shri Shiv Kumar, 10 5-B, Green Avenue Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Ashvini Kumar, Sh. Raj Kumar Ss/o Sh. Shiv Dass, Smt. Koshalya Devi Wd.|o Sh. Shiv Dass, r|o 37 Chowk Faiid, Amricar.
- (3) As at S. No 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE.

One property measuring about 61 sq. yds., situated at Katia Shei Singh, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 989 dated 13-4-82, of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 8-12-1982

POKM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 8th December 1982

Ref. No. ASR/82-83/374.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property at Amritsar situated at Basant Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as tagreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income wrising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons or mely:—

(1) Shri Baldev Singh s|o late Sh. Faqir Singh r|o 9, Magbool Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Gajinder Singh s/o Shri Ram Singh r/o B-8, Green Avenue, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 238, measuring 225 sq. yds., situated at Basant Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 751 dated 8-4-82, of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritear

Date: 8-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 8th December 1982

Ref. No. ASR|82-83|375.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property in Amritsar situated at Basant Avenue, Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Amritsar in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Baldev Singh, s/o Late S. Faqir Singh r/o 9, Maqbool Road, Amritsar.
 - (Transferor)
- (2) Sh. Gajinder Singh s|o Shri Ram Singh r|o B-8, Green Avenue, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at 5. No. 2 overleaf & tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 238, measuring 225 sq. yds., situated at Basant Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 750 dated 9-4-82, of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 8-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 29th November 1982

Ref. No. ASR|82-83|380,---Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section, 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One plot of land in ASR situated at Radha Swami Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S|Shri Jia Lal Tirath Ram ss., Sh. Tirath Ram, r|o Ban baji Through Sh. R. K. Gupta, attorney general. (Transferor)
- (2) Shri Madan Mohan slo Shri Harnam Singh, rlo 15, Mahant Mul S ngh Co'ony, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 283 sq. yds., situated at Raghunathpura, Radha Swami Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 454 dated 5-4-82 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 29-11-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGF, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 29th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/381.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land in ASR,

situated at Radha Swami Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amuitsar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section. 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Jia Lal Firath Ram, Ss./o Shri Tirath Ram r/o Bombay, Through Shri R. K. Gupta s/o Shri Dunga Das Gupta, General Attorney.

(Transferor)

(2) Shri Manmohan Singh s/o Shri Harnam Singh, r/o Mahant Mool Singh Colony, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 283 sq. yds., situated at Raghunathpura, Radha Swami Road, Amritsar, as mentioned in scale deed No. 444 dated 5-4-1982 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 29-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 29th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/382.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One plot of land in ASR, situated at Kashmir Avenue, Amtikar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ajit Singh s/o Shri Resham Singh, r/o Vijay Nagar, Amritsar.

(Transferor)

 Shri Baldev Singh Malhotra, s/o Shri Sohan Lal Malhotra, r/o Amritsar,

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 260 sq. yds., situated at T. P. Scheme No. 53, Kashmir Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2218 dated 28-4-82, of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 29-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 29th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/383.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land in ASR,

situated at T.P. Scheme No. 53, Kashmir Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R. Amritsar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—45—406GI82

(1) Shri Resham Singh s/o Shri Nand Singh, r/o Vijay Nagar, Batala Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Kamaljit Handa, s/o Shri V. R. Handa r/o House No. 5, Ga'i No. 6, Pawan Nagar, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any,
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 263 sq. yds. 6 sq. ft., situated at T.P. Scheme No. 53, Kashmir Avenue, Amii'sar, as mentioned in sale deed No. 2219 dated 28-4-1982 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 29-11-1982

1-11-1

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 29th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/384.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereniafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One plot of land in ASR,

situated at Kashmir Avenue, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—

 Shri Resham Singh s/o Shri Nand Singh, r/o Vijay Nagar, Batala Road, Amritsat.

(Transferor)

(2) Doctor Satinder Singh Sandhu, s/o Shri Jarnail Singh Sandhu, r/o Dental College & Hospital, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 255 sq. yds., situated at T.P. Scheme No. 53, Kashmir Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2220 dated 28-4-1982, of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 29-11-1982

Sea1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 29th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/385.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot of land in ASR,

situated at Batala Road, Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesai puroperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mohan Lal Maheshwary, s/o Shri Hanuman Prasad Maheshwary, r/o Allahabad, Presently at Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Sunil Kumar s/o Shri Madan Mohan Gandhi r/o Gali Nathumal, Katra Charat Singh, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 403.5 sq. yds., situated at Batala Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1306 dated 16-4-1982 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 29-11-1982

Scal:

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 29th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/386.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing One plot of land in ASR, situated at Kashmir Avenue, Amritsar (and proper fully described in the schedule annexed better).

Situated at Kashmir Avenue, Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amiltan on April, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Resham Singh s/o Shri Nand Singh r/o Vijay Nagar, Batala Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Amritpal Kaur w/o Shii Darshan Singh, r/o 203, Shivala Colony, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 255 sq. yds, situated at T.P. Scheme No. 53, Kashmir Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2221 dated 28-4-1982, of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 29-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 29th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/387.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot of land in ASR,

situated at New Garden Colony, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Am itsar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Ved Parkash s/o Shri Puran Chand r/o Katra Ahluwalia, Amritsar himself and Attorney general M/s Ramesh & Co., and Shri Ram Rakha Mal and Shri Ram Lal.

(Transferor)

(2) M/s. Ram Parkash Beri & Sons, HUF, r/o Inside Lohgarh Gate, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of plot No. 30, measuring about 260 sq. yds. (1/2 of 519.5 sq. yds.) situated at New Garden Colony, Circualr Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 939 dated 12-4-1982, of Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 29-11-1982

FORM ITN9----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritar, the 29th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/388.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. one plot of land in ASR situated at New Garden Colony Amristar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ved Parkash S/o Shri Puran Chand R/o Katra Ahluwalia, Amritsar, himself and general attorney M/s. Ramesh & Co. and Shri Ram Rakha Mal and Shri Ram Lal.

(Transferor)

- (2) Shri Roop Singh S/o Shri Gurdit Singh R/o 695, New Telephone Exchange, Amritsar.

 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf and tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

The SCHEDULE

1/2 share of plot No. 36, measuring 246.5 sq. yds. (1/2 of 493 sq. yds.) situated at Abadi New Garden Colony, Circular Road, Amritsar as mentioned in sale deed No. 2338 dated 30-4-1982, of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 29-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI. TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd December 1982

Ref. No. ASR/82-83/389.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One property at Amritsar situated at Jail Road, Basant Avenue, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Raj Madan W/o Shri Ajit Singh, R/o 384 Green Avenuc, Amritsar, Through: Slui Pritpal Singh S/o Sh. Jodh Singh, 384, Green Avenuc, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Manohar Singh S/o Shri Gurmukh Singh R/o 289 Jawahar Nagar, Srinagar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf and tenants if any.

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the propertly)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

The SCHEDULE

One property situated in Basant Avenue, Jail Road, Amit-Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2140 dated 27th April, 1982 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsur.

Date: 3-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd December 1982

Ref. No. ASR/82-83/390.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property at Amiltsur situated at Jail Road, Basant Avenue, Amritsur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Dr. Raj Madan W/o Shri Ant Singh, R/o 384 Green Avenue, Amritsar Through Shri Pritpal Singh S/o Sh. Jodh Singh, 384 Green Avenue, Amritsat.

(Transferor)

(2) Shmt. Ajit Kaur W/o Sh. Manohar Singh, R/o 289 Jawahar Nagar, Srinagar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 oveleaf and tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the propertly)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said 13, me vable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

The SCHEDULE

One property situated in Basant Avenue, Jail Road, sar, as mentioned in sale deed No. 2141 dated 27-4-1982 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 3-12-1982

Scal ;

(1) M/s. Uttam Chand Harbans Lal, R/o Kt. Ahluwalia, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Om Kumari W/o Shri Raj Pal, R/o Mall Road, Amritsar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 4th December 1982

Rcf. No. ASR/82-83/376.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One plot of land in ASR situated at Ghee Manda, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S. R. Amritsar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ox
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(3) As at S. No. 2 overleaf and tenants.
(Person in occupation of the property)
List of Tenants in r/o Regd. Deed Nos. 1229 dt. 16-4-82;1230
dt. 16-4-82; 1227 dt. 16-4-82; 1228 dt. 16-4-82.

(a) Tenants in the occupation of back sheds

			Rent	Rs.	
 M/s S.K. Enterprises 			,,	250/-	p.m.
Golden Trading Co.			,,	100/-	
India Fancy Yarn.			,,	200/-	,,
4. Satish Kumar Schgal			37	300/-	
5. M/s Blo Pack			"	100/-	
6. M/s Gurdial Singh Mob	inde	r			••
Singh			31	250/-	,,
Rakesh Silk Industries			,,	200/-	
(b) For Front Shops				·	•
			Rent	Rs,	
8. Shri Tara Singh (two sh	ops)		,,	65/-	••
9. Shri Harbans Singh (two	sho	ps)	21	50/-	**
10. M/s Rakesh Silk Indust-	ries			•	,,
(2 shops)			,,	70/ -	**
11. M/s Jaslon Knitting Ind	ustri	es	1,	225/-	,,
(Perse	on 11	1 000	cupatio	on of the	-
			-		

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to (be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Oillicial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

The SCHEDULE

One property situated at Batala Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1230 dated 16-4-1982, of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritwar.

Date: 4-12-1982

Scal:

46-406GI/82

FORM IT.N.S ---

(1) M/s. Uttam Chand Harbans Lal. R/o Katra Ahluwalia, Amritsar.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amitsar, the 4th December 1982

Ref. No. ASR/82-83/37.7.—Whereas, I, ANAND SINGH, 1RS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property at Amritsar situated at Batala Road, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Amritsar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- .(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaiting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Smt. Renu Chopra W/o Shii Rakesh Chopra, R/o Mall Road, Amritsar.

(3) As at S. No. 2 overleaf and tenants as per list enclosed.

List of Tenants in r/o Regd. Deed Nos. 1229, dt. 16-4-82;123 dt. 16-4-82; 1227 dt. 16-4-82; 1228 dt. 16-4-82.

(a) Tenants in the occupation of back sheds

				Rent	Rs.	
 M/s S.K. Enterprises 				**	250/-	p.m.
Golden Trading Co.				,,	100/-	,,
India Fancy Yarn.			-	,,	200/-	.,
4. Satish Kumar Sehgal				11	300/-	,,
5. M/s Blo Pack				**	100/-	.,
6. M/s Gurdial Singh Mol	iind	çr				
Singh				11	250/-	,,
7. Rakesh Silk Industries				,,	200/-	,,
(b) For Front Shops						
				Rent I	₹s.	
8. Shri Tara Singh (two sh	ops)			65/-	.,
9. Shri Harbans Singh (tw	o sh	op	()	12	50/-	
10. M/s Rakesh Silk Indust	ries				,	
(2 shops)				,,	70/-	
11. M/s Jaslon Knitting Inc	lustr	ies		11	225/-	.,
(Per	5OI	in	oc	cupatio	n of the	

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Official Gazette.

MECPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Ast, shall have the same meaning is given in that Chapter.

The SCHEDULE

One property situated at Batala Road, Amritsar as mentioned in sale deed No. 1229 dated 16-4-1982 of the Registering Authority, Amritsar,

> ANAND SINGH, IRS Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Amritsan

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Aot, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Aot, to the following persons, namely:—

Date: 4-12-1982

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 4th December 1982

Ref. No. ASR/82-83/378.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property at Amritsar situated at Batala Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the sald Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Uttam Chand Harbans Lal, R/o Katra Ahluwalia, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Raj Pal Chopra S/o Sh. Kahan Chand. R/o Batala Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf and tenants as per list enclosed.List of Tenants in r/o Regd. Decd Nos. 1229, dt, 16-4-92, 1230,

List of Tenants in r/o Regd. Decd Nos. 1229, dt, 16-4-92, 1230 dt. 16-4-82; 1227 dt. 16-4-82; 1228 dt. 16-4-62.

(a) Tenants in the occupation of back sheds

			Kent.		
1. M/s S. K. Enterprises			Rs.	250/-	p.m.
2. Golden Trading Co.			,,	100/-	77
3. India Fancy Yarn, .			,,	200/-	,,
4. Satish Kumar Sehgal			,,	300/-	,,
5. M/S Blo Pack			71	100/-	12
6. M/s Gurdial Singh Moh	inder]				
Singh			,,	250/-	11
7. Rakesh Silk Industries			11	200/-	,,
(b) For Front Shops					
			Rent F	ls,	
8. Shri Tara Singh (two s	hops)		,,	65/-	,,
9. Shri Harbans Singh (tw	o Sho	ps)	,,	50/-	**
10. M/S Rakesh Silk Indus	tries		h	70/-	,,
(2 shops)					
11. M/s Jaslon Knitting In-	dustric	9	,,	225/-	,,
(Pers	on in	occ	upation	of the pr	roperty)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

The SCHEDULF

One property situated at Batala Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1228 dated 16-4-1982, of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 4-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 4th December 1982

Ref. No. ASR/82-83/379.—Whereas, I. ANAND SINGH. IRS

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/-and bearing

No. One property at Amritear situated at Batala Road, Amritsar,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer of S. R. Amritsar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s Uttam Chand Harbans Lal, R, o Katra Ahluwalia, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Rakesh Chopra S/o Sh. Raj Pal R/o Katra Batala Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenants as per list enclosed.

List of Tenants in r/o Regd deed Nos.; 1229 dt.16-4-82; 1230 dt. 16-4-82; 1227 dt. 16-4-82; 1228 dt. 16-4-82.

(a) Tenants in the occupation of back sheds :-

		p,m.		
 M/s S.K. Enterprises. 		11	250/-	**
Golden Trading Co.		,,	100/-	7.7
India Fancy Yarn		,,	200/-	"
4. M/s Satish Kumar Sehgal		••	300/-	19
5. M/s Blo Pack		,,	100/-	•••
6. M/s Gurdial Singh Mohin	der sin	gh ,,	250/-	,,
7. M/s Rakesh Silk Industrie	ა	••	200/-	••
(b) For Front Shops				
8. Shri Tara Singh (two shop	s) .	,,	65/-	••
9. Shri Harbans Singh (two s	hops)	٠,	50/-	**
10. M/s Rakesh Silk Industrie	9			
(Two shops)		,,	70/-	**
11. M/s Jaslon Knitting Industr	cies	*>	225/-	**

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Batala Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1227 dated 16-4-1982, of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGII. IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 4-12-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amiltar, the 9th December 1982

Ref. No. ASR/82-83/391.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property at Amritsar situated at Batala Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Amar Dass S/o Shri Ishar Dass R/o Queens Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) M/s. Khanna Dycing and Finishing Works, R/o Ghee Mandi, Amritsar.

(Transferec)

- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

 Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

The SCHEDULE

One plot of land measuring 1092 sq. yds. situated at Ghec Maudi, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1516 dated 20-4-1982 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Dete: 9-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th December 1982

Ref. No. ASR/82-83/392.—Whereus, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One plot of land at ASR situated at Tung Bala, Amritsar,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar, on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—.

 Shri Ajit Singh S/o Shri Resham Singh, Through Sh. Om Parkash S/o Sh. Hari Chand, R/o East Mohan Nogar, Amritsar.

(Transferot)

(2) Sh. Sanjay Kapur S/o Shri Brij Mohan Kapur, R/o 4, Madan Mohan Balviya Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 oveleaf and tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any othe.r

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

The SCHEDULF

One plot of land measuring 260 sq. yds., situated at Tung Bala, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2279 dated 29-4-1982, of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsur.

Date: 9-12-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 9th December 1982

Ref. No. ASR/82-83/393.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One property at Afritsar situated at Gopal Nagar, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S. R. Amritsar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt, Bhagwant Kaur W/o Shri Surjit Singh, R/o Sharilpura, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Sudesh Kalia S/o Shri Ram Rattan Kalia, R/o Gopal Nagar, Amiasar.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 overleaf and tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring about 88 sq. yds., situated at Gopal Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2120 dated 27-4-1982, of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 9-12-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I

3-CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR ACQUISITION RANGE

Amritsar, the 9th December 1982

Ref. No. ASR/82-83/394.—Whereas, 1, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property at Amritsar situated at Gopal Nagar, Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in April 82 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Bhagwant Kaur W/o Shri Surjit Singh, R/o Sharifpura, Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Indu Kalia W/o Sh. Sudesh Kalia, R/o Gopal Nagar, Distt. Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
- (Person in occupation of the property)
 (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring about 88 sq. yds. situated at Gopal Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2119 dated 27-4-82 of the registering authority. Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 9-12 82

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amiitsar, the 8th December 1982

Ref. No. ASR//82-83,395.—Whereas, 1, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. One property at Amritsan situated at Chowk Pragdass, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar in August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

47-406 GI/82

(1) Smt Amrit Kaur W/o Sh. Inder Singh, R o Katra Sufaid, Amritsai

(Transferor)

(2) Smt. Jai Kaur W, o Shri Ram Singh, R/o Chowk Pragdass, Amritsor.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other.

Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Chowk Pragdass, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 7920 dated 4-8-82 of registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 8-12-82

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th December 1982

Rcf. No. ASR/82-83/396.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property at Amritsar situated at Chowk Pragdass, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at S.R. Amritsar in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said at, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt, Amrit Kaur W/o Shri Inder Singh, R/o Katra Sufaid, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Sh. Ram Singh S/o Shri Harnam Singh R/o Chowk Pragdass, Amritsar.
 - (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of property situated at Chowk Pragdass, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 7476 dated 26-7-1982 of the registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 8-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amitsar, the 2nd December 1982

Ref. No. ASR/82-83/397.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One property at Batala situated at Village Kahnoowan, Teh. Batala

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Batala in April 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Charanjit Kaur W/o Sh. Harbans Singh, R/o of Batala.

(Transferor)

(2) Sh. Lakhbir Singh S/o Shri Deva Singh, R/o Sibbal, Teh. Batala.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property, situated at Vill. Kahnoowan, Batala, as mentioned in sale deed No. 667 of April, 1982, of the Registering Authority, Batala.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-12-82

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 23rd November 1982

Ref. No. ASR/82-83/398—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One property No. 462/XI, situated at

Guru Ka Mahal, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at S.R. Amritsar in April 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following nersons, namely:—

- (1) Sh. Mohinder Kumar Jain Sh. Ashok Kumar, Dalip Kumar Ss/o Sh. Mehar Chand, Smt. Shakuntla Jain Wd/o Sh. Mehar Chand, Smt. Usha, Smt. Tripta Jain, Smt. Neelam Jain Ds/o Smt. Sanjogta Jain D/o Sh. Mehar Chand, R/o Mahal Guru, Amritsar.
- (2) Sh. Bishan Dass S/o Sh. Hari Kishan, R/o Guru ka Mahal, Amritsar, and Smt. Prem Rani W/o Sh. Sat Pal, R/o Guru ka Mahal, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 462/XI, situated at Gali Bhawardian, Guru ka Mahal, Amritsar as mentioned in sale deed. No. 2254 dated 29-4-82 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 23-11-82

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th December 1982

Ref. No. ASR/82-83/399.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Imamwara Bazar Gurdaspur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Gurdaspur in April 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Gurcharan Singh S/o Sh. Bhagwan Singh, Imamwara Bazar, Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Sh. Gurdial Singh, Imamwara Bazar, Distt. Gurdaspur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Imamwara Bazar, Gurdaspur, as mentioned in sale deed No. 466 dated 28-4-82 of the registering Authority, Gurdaspur.

ANAND SINGH, I.R.S.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 8-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amristar, the 8th December 1982

Ref. No. ASR/82-83/400.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property at Gurdaspur situated at Hardochhan Road, Gurdaspur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Gurdaspur in April 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (2) Sh. David S/o Sh. Enait Masih, R/o Hardochhan Road, Gurdaspur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned

knows to be interested in the property)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring 2 kanals, situated at Hardochhan Road, Gurdaspur as mentioned in sale deed No. 374 dated 22-4-82 of the registering authority, Gurdaspur.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 8-12-82 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 13th December 1982

Ref. No. ASR/82-83/401.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land in ASR situated at Ajnala Road,

Development Scheme, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) The Amritsar Improvement Trust, Amritsar.
 (Transferor)
- Smt. Sukhbir Kaur d/o S. Sawaran Singh Sandhu, Vill. & P.O. Kale Ghanupur, Distt. Amritsar. (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to the interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 292 sq. yds. situated at Ajnala Road, Development Scheme, Amritsar as mentioned in sale deed No. 1631 dated 21-4-82 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Amritaar

Date: 13-12-1982

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,

AMRITSAR

Amritsar, the 13th December 1982

Ref. No. ASR/82-83/402.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at V. Chhappa Ram Singh, Teh. Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on April. 1982

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harjit Singh S. Shri Guidial Singh, R/o Village Chhappa Ram Singh, Teh. Amritsar. (Transferor)
- (2) 1. Shri Baldev Singh

2. Shri Mutbanna Bahadui Singh,

- Shri Balit Singh S/o Shri Mohinder Singh, R/o V. Chhappa Ram Singh, Teh. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other.
 (Person whom the undersigned knows to the interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ share of property measuring 2 kanals, 18 marlas situated at V. Chhappa Ram Singh, Teh. Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2336 dated 30-4-1982 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 13-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, **AMRITSAR**

Amritsar, the 13th December 1982

Ref. No. ASR/82-83/403.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property in Amritsar situated at Cheel Mandi, Mahan Singh Gate, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the and Act, to the following persons, namely :-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

(1) 1. Shri Puran Chand.

2. Shri Kishan Chand S/o Shri Bakhu Ram, R/o Cheel Mandi, Mahan Singh Gate, Amritsar. (Transferor)

(2) Shri Gurdial Singh S/o Shri Sher Singh, R/o Batala Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to the interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

One property measuring 195 sq. yds., situated at Cheel Mandl, Mahan Singh Gate, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2059 dated 27-4-1982 of the registering authority, Amritser

> ANAND SINGH I.R.S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 13-12-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 13th December 1982

Ref. No. ASR/82-83/404.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot of land in ASR, situated at Guru Ki Wadali, Distt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195? (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, mamely :-

- (1) Shri Jiwan Singh S/o Shri Pritam S/o Sh. Wadhawa Singh, R/o Guru Ki Wadali, Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Ajit Singh S/o Shri Boola Singh, R/o Chheharta, (Partep Bazar), Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenants if any. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to the interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publica-tion of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 475 sq. yds., situated at Abadi Kartar Nagar, Guru Ki Wadali, Distt. Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2019 dated 26-4-1982, of the registering authority, Amritsar.

> ANAND SINGH I.R.S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 13-12-1982

Scal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE

3-CHANDER PURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amutsat, the 13th December 1982

Ref No ASR/82 83/405—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing

No One plot of land in ASR situated at Tung Bala, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Resham Singh S/o Shri Nand Singh, R/o Batala Road, Vijay Nagar, Amritsar.
- (2) Shri Sant Kumar S/o Shri Ram Parkash, R/o Gali Lambanwali, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S No 2 above and tenants if any. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to the interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 258 33 sq yds, situated (T.P. Scheme No 53), at Tung Bala Amritsar, as mentioned in sale deed No 669 dated 5-4-1982 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 13-12-1982

(Person in occupation of the property)

FORM ITNS

(1) Abdulla Fazalbhoy Charities Trust.

(3) Tenants.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-1

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

Bombay, the 6th December 1982

Ref. No. AR-I/4714/82-83.—Whereas, I R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 1670 of Lower Parel Diva, situated at Bombay Corner of Shankar Ghanekar Marg & Kakasaheb Gadgil Marg, Prabhadevi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 30-4-1982 Document No. BOM, 819/81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this noice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Nutan Jai Bharat Co-operative Housing Society,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 819/81 and registered on 30-4-1982 with the Sub-registrar, Bombay.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 6-12-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

Bombay, the 30th November 1982

Ref. No. AR-1/4700/82-83.—Whereas, I,

R. K. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

CS. No. 602 (pt.) of Malabar and Cumballa Hill Division, Gowalıa Tank Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 27-4-1982 Document No. 784/74 BOM,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) B. Jamasji Mistri Pvt. Ltd.

(Transferor)

- (2) Farryas Co-operative Housing Society Limited.
 (Transferee)
- (3) Members of the Society.
 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 784/74 BOM and registered on 27-4-1982 with the Sub-registrar, Bombay.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

Madras-600006, the 6th December 1982

Ref. No. 64/April/82.—Whereas, I, S. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 155/3, 155/6 (Doc. No. 947/82), situated at

No. 155/3, 155.6 (Doc. No. 947/82), situated at (and more fully described in the Schedule ammexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Arani in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Yellammal, W/o Sri Natesa Iyer, Kalavai Village, No. 9, Thottakara Street, Aircot Taluk, Aircot.

(Transferor)

(2) Sri Vasudevan, S/o Narayanasamy, Arani Taluk. Smt. Pauunambal, W/o Srl Vasudevan, Arani Taluk, Arani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and Building at 155/3, 155/6, Document No. 947/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 6-12-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I

Madras-600006, the 6th December 1982

Ref. No. 94/April/82.—Whereas, 1, S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No 106/IG. 105/II, Sathampatty Village, situated at Dindugal (Doc. No. 239/82),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at

Sanarpatty in April 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Savithin Ammal, W/o K, Kumarasamy, No. 3, 1st Street, Singarathottam, Madras-21.

(Transferor)

- (2) S.K.A.A. Trust, Spencer Compound, Dindugal.
 - Smt. Thirumulu Ammal, W/o S.K.A. Alagirisamy Chr. No. 69, Spencer Compound, Dindugal.
 - 2. K. Kumarasamy, S/o k.V. Kondal Chr. 1st St. Singarathottam, Madras-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Land and Building at 106/1G, $106/\Pi$, Sathampatty Village, Dindugal (Doc. No. 239/82)].

S. LAHIRI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 6-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I

Madras-600006, the 6th December 1982

Ref. No. 65/April/82.—Whereas, I, S. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Ward E, Block, T.S. No. 27/2B, situated at Aamburpettai, Vaniampadi (Doc. No. 707/82)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vaniyambadi in April 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :----

 Sri Ushmankhan, Ahamedkhan and Habibkhan, Mandia Town, Karnataka State.

(Transferor)

A. Abdul Gapur,
 S/o Ahmed Hussain,
 325, Patel Yakoop Theru Kottai,
 Vaniambadi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and Building at Ward 3, Block T.S. No. 27/2B, Aamburpettai, Vaniyambadi (Doc. No. 707/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 6-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I

Madras-600006, the 6th December 1982

Ref. No. 105fflApril/82.—Whereas, I, S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 129, Nanjai Idayar Village, situated at Nanjai Idayar Post, Namakkal Taluk Salem Dist. (Doc. No. 484/82) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vellur, Salem in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
49—406 GI/82

P. Srinivasaraghavan,
 Besant Nagar, Madras.
 Rukmani Ammal,
 W/o P. S. Parthasarathy,
 Srirengam, Ranimangammal Colony,
 Trichy Dist.

(Transferor)

(2) Smt. Mariyayi Ammal, W/o Chockalingam Pillai, Nanjai Idayar, Nanjai Idayar P.O. Nammakal Taluk, Salem Dist.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and Building at 129, Nanjai Idayar Village, Nanjai Idayar Post, Namakkal Taluk, Salem Dist). (Doc. No. 484/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 6-12-1982

Soal :

FORM ITNS

 Mini Kuljar Ahamed Sayabu S/o Minni Hidhayathulla Sayabu, No. 11, Thandukara Theru, Valaja Taluk, North Aircot Dist.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Mumtaz Begu, W/o Mallakku Mohamed Ibrahim, No. 23, Mellvisharam, Walaja Taluk, North Aircot Dist.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 6th December 1982

Ref. No. 1/April/82.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

Door No. 3, 3A/1, No. 6485 situated at Arakkonam, Walaja Taluk. Walaja, North Aircot Dist. (Doc. No. 971/82)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Valajanagar on April, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Land & Building at Door No. 3, 3A/1, No. 6485, Arak-konam, Walaja Taluk, North Aircot Dist. Doc. No. 971/82).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-12-1982

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 6th December 1982

Ref. No. 110/April/82.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 78/A, Kodaikanal (Doc. No. 140/82) situated at Kodaikanal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Kodaikanal on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Radha Viswanathan, No. 17, Sobbaraj Nagar, Bodinayakanoor.

(Transferor)

(2) M/8 Sivanathi Farms Pvt. Ltd. No. 1091, Poonamallee High Road, Madras-7.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land & Building at 78/A, Kodaikanal Doc. No. 140/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600006

Date: 6-12-1982

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 6th December 1982

Ref. No. 104/April/82.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 129, Nanjai Idayar Village, situated at Namakkal Taluk, Salem, Dist. (Doc. No. 483/82) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Velur, Salem on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now; therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Sri P. Srinivasaraghavan, Besant Nagar, Madras-1.

 Smt. Rukmaniammal, W/o Sri P. S. Parthasarathy Iyengar, Srirangam, Ranimamgalam Colony, Trichy Dist.

(Transferor)

(2) Sri Arumugha Gounder, S/o Chinnachi Gounder, Nanjai Idayar, Nanjay Idayar Post, Namakkal Taluk, Salem Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersimed:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land & Building S. No. 129, Nanjai Idayar Village, Namakkal Taluk, Salem Dist. (Doc. No. 483/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Madras-600006

Date: 6-12-1982

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600006

Madras-600006, the 7th December 1982

Ref. No. 119/April/82.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 108/2, situated at Kadaikanal (Doc. No. 160/82) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kodaikanal on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Dr. V. Puvulagiri, S/o Shri P. Vadamalaiyan, 2. V. Rajaparameswari, Jawaharlal Road, Chokkikulam, Madurai-2.

(Transferor)

(2) M/s. Onandaga Agro Investment (P) Ltd., (Kodaikanal) 7-D, Jeevan Jyot, Setalward Road, Bombay-36.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land & Building at S. No. 108/2, Kodaikanal. (Doc. No. 160/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600006

Date: 7-12-1982

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600006, the 7th December 1982

Ref. No. 120/April/82.—Whereas, I, S. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 82, situated at Kodaikanal situated at (Doc. No. 188/82)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kodaikanal on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Thayammal Roewson, W/o Late Sri Clifford Rowson, "Berwyn", Kodaikanal.

(Transferor)

(2) 1. Sankara Krishnamoorty

Santa Kumari and
 Sarada Chiravuri
 FAO Tobacco Specialist Programme
 Gaghdad, IRAQ.
 Formerly,
 Meddibhatla Street, Narasapur (P.O.)
 West Godavari District.
 Andhra Pradesh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land & Building at 82, Kodaikanal. Doc. No. 188/82).

S. LAHIRI,
Competent Authority.
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I.
Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-12-1982

Soul:

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600006, the 7th December 1982

Ref. No. 121/April/82.—Whereas, I, S. LAHIRI being the Competent Authorny under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 71, 70, 72, 73, 74, 77, 79, 67/1, 67/2, 68, 99/2, 101, 315/3, 462/1, 463/2, 644, 733, 2678 (Doc. No. 95/82) situated at Vilpatty, Kodaikanal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vilpatty. Kodaikanal on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. G. Venkataraman,

R. Guruswamy,
 R. Balasubramaniam,

172/A1, Thali Road, Udumalaipettai.

(Transferor)

(2) 1. K. Sacchidhanandha Iyer,

Seethalakshmi,
 Vijivaran and

4. Latha,

Ernekulam, Kerala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building at 71, 70, 72, 73, 74, 77, 79, 67/1, 67/2, 68, 99/2, 101, 315/3, 462/1, 463/2, Vilpatty, Kodaikanal) (Doc. No. 95/82).

S. LAHIRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600006.

Date: 7-12-1982

Scal:

FORM I.T.N S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600006, the 9th December 1982

Ref. No. 127/April/82.—Whereas, I, S. LAHIRI being the competent authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 7, Pudumandabam, situated at Madurai (Doc. No. 2306/82)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Madurai on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

G. Azhagarswamy,
 S/o Govindasamy Naidu,
 270, Khilamasi Veedhi, Madurai.

(2) Smt. V. Kalavathi, W/o N. Viswanathan, 3/77A, Ayyathuraipillai Theru, Paramakkudi (Ramnad Dist.)

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land & Building 7, Pudumandabam, Madurai (Doc. No. 2306/82).

S. LAHIRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600006.

Date: 9-12-82

FORM I.T.N.S .-

Sri G. Azhagariswamy,
 S/o Govindasamy Naidu,
 270, Kilamasi Veedhi, Madurai-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) N. Viswanathan Chr. S/o Narayanan Chr. 3/77A, Ayyathurai Pillai St. Paramakkudi (Ramnad Dist.)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION FANGE-I MADRAS-600006

Madras-600006, the 9th December 1982

Ref. No. 128/April/82.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

14C, Pudumandabam, situated at Madurai (Doc. No. 2307/82) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons. namely:—
50—406GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land & Building 14C, Pudumandabam, Madurai (Doc. No. 2307/82).

S. LAHIRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I (I/c)
Madras-600006.

Date: 9-12-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION FANGE-I MADRAS-600006

Madras-600006, the 9th December 1982

Ref. No. 70/April/82.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
T.S. No. 550B/2B, situated at Dindugal, (Doc. No. 350/82)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Dindugal on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

V. Kriahnaswamy Naidu,
 S/o Vcerasamy Naidu,
 46, Nehuruji Nagar, Dindugal.

(Transferor)

(2) Sri Mohan Mallya, S/o Sundaranath Mallya, 77, Spencer Compound, Dindugal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building S. No. 550B/2B, Dindugal (Doc. No. 350/82)

S. LAHIRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I (I/c),
Madras-600066.

Date: 9-12-1982

Soal:

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600006, the 9th December 1982

Ref. No. 58/April/82,—Whereas, I. S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 1794 and 1796, Tallakulam, situated at Madurai (Doc. No. 1773/82)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Madurai on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri N. Madhavan, S/o Sri Narayanan, 38, Ahimsapuram, 2nd St. Sellur Madurai.

(Transferor)

(2) Sri S. M. Ramar, S/o Sri Chinnamarudhu Servai 29L, Ahimsapuram, 7th Visalam Theru, Sellur Madurai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE CCHEDULE

(Land & Building T.S. No. 1974 and 1796 Tallakulam, Madurai (Doc. No. 1733/82).

S. LAHIRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I (I/c)
Madras-600006.

Date: 9-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600006, the 9th December 1982

Ref. No. 102/April/82.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Sankarnagar, Tirunelveli District situated at Tirunelveli (Doc. No. 222/82)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Tirunclyeli on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Samy Pvt. Ltd., Sankarnagar-627357 Turunelveli District.

(Transferor)

(2) Pudugramam Plantations Pvt. 1 td. Sankarnagar-627357 Tirunelveli District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land & Building at Sankarnagar, Tirunelveli District (Doc. No. 222/82).

S. LAHIRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I (I/c),
Madras-600006.

Date: 9-12-1982

Scal:

(Transferom)

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) G. Harikrishnan, S/o J. Ganapathy Chr.

55, Godown Street, Madras-1. (Transferee)

(1) Dr. Lucy Taliath, D/o Late Justice Taliath, Plot No. 2032, Arignar Anna Nagar, Madras-10.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I MADRAS-600006

Madras-600006, the 9th December 1982

Ref. No. 33/April/82.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 41, New Avadi Road, Madras-10 situated at Madras-10 (Doc. No. 528/82)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Periamet on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building No. 41, New Avadi Road, Madras-10 (Doc. No. 528/82)

> S. LAHIRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Competent Authority, Madras-600006.

Date: 9-12-1982

Scal:

FORM 1.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th December 1982

Ref. No. 22/April/82.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing
Door No. 5/17 (Flat) General Collins Road, situated at

Vepory, Madras-7, (Doc. No. 554/82)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Periyamet on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Ushaben Laxmidas Rayathatha alias Ushaben Laxmidas Rayathatha, 51, Hunters Road, Vepery, Madras-7.

(Transferor)

(2) Lakhmichand, Abhinandan Apartments, 5/14, General Collins Road, Vepery, Madras-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Door No. 5/17 (Flat) General Collins Road, Vepery, Madras-7 (Doc. No. 554/82).

> S. LAHIRI. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range-I (I/c), Madras-600006.

Date: 4-12-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600006, the 6th December 1982

Ref. No. 52/April/82.--Whereas, I, S. LAHIRI,

being the competent authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing

No. S. No. 75/4, 75/1, 76/1 situated at Karkoodalpatty Village, Salem (Doc. No. 272/82)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Namagiripet (Salem) on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Andi Gounder Annamalai & Others, Karkoodalpatty Village, Salem.

(Transferor)

(2) Sri P. Natesan, S/o Ponna Konar, 66-A, Kuttanachampatty Road, Rasipuram (Salem).

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land & Building at S. No. 75/5, 75/1, 76/1 Karkoodal-patty Village, Salem (Doc. No. 272/82).

S. LAHIRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I (1/c),
Madras-60006.

Date: 6-12-1982

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600006, the 6th December 1982

Ref. No. 53/April/82.—Whereas, I. S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 75/4, 75/8, 75/3, 76/2 situated at Karkoodalpatty Village, Salem (Doc. No. 273/82)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Namagiripet (Salem) on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Andi Gounder & Others, Karkoodalpatty Village, Salem.

(Transferor)

Smt. Kamalam,
 W/o P. Natesan,
 66-A, Kattanachmpatty Road,
 Rasipuram (Salem Dist).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land & Building at S. No. 75/4, 75/8, 75/3, 76/2 Karkoodalpatty Village, Salem—Doc. No. 273/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (I/c)
Madras-600006,

Date: 6-12-1982

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I MADRAS-600006

Madias-600006, the 6th December 1982

Ref. No. 11/April/82.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 10, T M. Chinniah Pilbui Road, South situated at Maravaneri Exten. Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem Do. No 1657/82 on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

51-406 GI/82

(1) Sri Rajuval & Others. S/o Udaiyappa Chr. Ramakrishna Road, Salem

(Transferor)

(2) Smt. K. Manohari, W/o V. Kanagharaj, Aghraharam, Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

(Land & Building at New Door No. 10, T. M. Chinniah Pillai Road, South Maravaneri Exten Salem, Doc. No 1657/82)

S. LAF
Competent Auth
Inspecting Assistant Commissioner of Incor
Acquisition
Madro

Date: 6-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600006

Madras-600 006, the 4th December 1982

Ref. No. 106/April/82.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 129 Wetland situated at Nansey Idayar Village.

Namakkal, Salem Dist.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Velur (Salem) Document No. 485/82 on April 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sri P. Srinivasaraghtavan
 S/o Sri P. S. Parthasarathy Iyengar
 Besant Nagar, Madras.
 Smt. Rukmani Ammal
 W/o Sri Parthastrathy Iyengar
 No. 16 Kalı Mangammal Colony Srirangam,
 Trichy.

 (Transferor)
- (2) Sri P. Chokkalingam Pillai, S/o Sri Poppu Raju Pillai Nansai Idayar Village and Post, Namakkal Taluk, Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Nansai Idayar Village, Namakkal Taluk, Salem Dist. (Document No. 485/82)

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (I/c)
Madras-600006,

Date: 4-12-1982

FORM 1TNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th December 1982

Ref. No. 51/April/82—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 216/2, Arryakandampatty Village, situated at Namagiripet, Salem (Doc. No. 258/82)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Namagiripettal on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sri Kaliyannan,
 Sri Thirunavukkarasu,
 Sri Elankho,
 S/o Ramasamy Gounder,
 Ariyakandampatty, Rasipuiam (Salem).
- (2) Smt. P. Kumudham, W/o C. Palanichamy, Rusipuram (Salem).

(Transferee)

(Tansferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land & Building at 216/2, Ariyakandampatti Village, Namagiripettai, Salem. Doc No. 258/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I (I/c)
Madras-600006.

Date: 4-12-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th December 1982

Ref. No. 14/April/82.—Whereas, l, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 2nd Agragaram Salem Town, Salem (T. S. No. 60) situated at Selem Town, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Salem East Document No. 1359/82 on April 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri J. Srinivasan S./o P. R. Jayagopal Sri J. S. Sundararajan S/o J. Srinivasan Smt. Pangajalakshmi W/o Sri J. Srinivasan 127 2nd Agraharam, Salem Town.

(Transferor)

(2) Smt. N. Chandra D/o K. M. Natarajan Sri N. Mohan S/o K. M. Natarajan 15 Sivasamy Street, Salem Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 2nd Agraharam, Salem Town T. S. No. 60 Document No. 1359/82.

S. LAHIRI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (1/c)
Madras-600006.

Date: 4-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Mudras-600006, the 4th December 1982

Ref. No. 54/April/82.—Whereas, I. S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 255/2, Namagiripettai Village, situated at Namagiripettai (Salem Dist) (Doc. No. 294/82)
(and more fully described in the Schedule appears)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Namagiripetta on April, 1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising form the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) Sri Ponnuswamy Pillai & Others, S/o Selvamuthu Pillai, Thancerpanthal Kadu, Moolapallipatti Post, Salem Dist.

(Transferor)

(2) Sii Poomalai & Others, S/o Marimuthu Servai, Thancerpanthal Kadu, Moolapallipatti Post, Namagiripettai (Salem Dist).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

il and & Building at 255 2, Namagiripettai Village, Namagiripettai, Salem Dist. Doc. No. 294/82).

S I.AHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (I/c)
Madras-600006.

Date: 4-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras 600 006 the 4th December 1982

Ref. No. 132/April/82—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

No 133/7A, 133 7B, 133 7C, 133/7D, 133/7E situated at 133/7E Etumaipatii, Vahui Village, Namakkal (Doc No 310/82),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Frumapatti on April, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Velusamy & Others, Moolakkadu, Vahur Post, Namakkal Taluk, Salem District (Transferor)
- (2) Smt Kamakshi & Others, Valayapatti Post, Namakkal Taluk, Salem Dist (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at 133/7A, 133/7B, 133/7C, 133/7D, 133/7E 133/F, Frumaipatti, Vahur Village, Nammakkil. (Doct No 310/82)

S LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Madras 600 006

Date 4-12 1982

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th December 1982

Ref. No. 99/April/82.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 189/2 Uthirakadikaval Village, situated at Perijkuruchi Post, Namakkal Taluk, Salem Dist. (Doc. No. 409/82) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sendamangalam on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely ;—

(1) PR. Rangaswamy Gounder, Perukuruchi Post, Namakkal Taluk, Salem Dist.

(Transferor)

(2) Sami S. Ramachandran, Malaiyappankuttai Post, Namakkal Taluk, Salem Dist

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of Notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at 189/2, Uthirakadikaval Village, Perukuruchi Post, Namakkal Taluk, Salem Dist. (Doc. No. 409/82)

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Madras-600 006

Date: 4-12-1982

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri A. PL. Nagappa Chettiar, 181, Palace Road, Madurai.

(Transferor)

(2) Sri M. K. Chelliah, 300, North Masi Street, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madias-600 006, the 6th December 1982

Ref. No. 146/April/82 -- Whereas, J, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS. No. 15/2, 15/4, 15/6 Lillahpuram situated at Madurai

Corporation, Madurai. (Doc. No. 1911/82),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madurai on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

THE SCHEDULE

Land and Building at R.S. 15/2, 15/4, 15/6 Madurai. (Doc. No. 1911/82)

> S. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Madras-600 006

Date: 6-12-1982

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th December 1982

Ref. No. 17/April/82.—Whereas, I, S. I.AHIRI, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, bave reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
No. T.S. No. 26/1 situated at New Door No. 1, Salem

(Doc. No. 2055/82), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
52—406GI/82

Smt. Indira Vasudevan,
 W/o N. P. Vasudevan,
 Raja Gounder Extn. Salem-7.

(2) Smt. Shantha Raman, W/o Dr. K. Venkataraman, 22. Swarnambigai Agraharam, Selam-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at T.S. No. 26/1, New Door No. 1, Salem. (Doc. No. 2055/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Madras-600 006

Date: 6-12-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006. the 6th December 1982

Ref. No. 19/April/82.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the management property, having a fair market value exceeding R. 25,000/- and bearing

No. T.S No 106/5 situated at Alaghpuram, Salem (Doc. No. 2105/82).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by makes than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the pansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 /11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Shri M. S. Hussain S/o Sh. Sheik Mohideen and Others, Salem.
- (Transferor)
 (2) Sri Gunasekaran S/o Sh. C. Rajarathinam and Others, Fairlands, Salem.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at T.S. No. 106/5, Alaghapuram, Salem. (Doc. No. 2105/82).

S. LAHIRI:
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Madras-600 006

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

ing persons, namely:-

Date: 6-12-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

Sh. S. Pattabiramiah, No. 13, Peddu Naicken Street, Madras-3.

(Transferor)

(2) Sri A. Rajendran, 67, 28th Cross St. Indira Nagar, Madras-20.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th December 1982

Ref. No. 114/April/82.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Door No. 67, 28th Cross Street, situated at Indira Nagar, Madras-29 (Doc. No. 1675/82),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at J.S.R.I. Madras (North) on 15-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 67, 28th Cross Street, Indira Nagar, Madras-29. (Doc. No. 1675/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Madras-600 006

Date: 6-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th December 1982

Ref. No. 92/April/82.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Wet land situated at Kamanur, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Dindigul Document No. 309/82 on April 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Rathika W/o P. R. K. J. Nagarajan, Minor N. Peter Naresh Pandi, Sevukampatti Village, Pattiveeran Patti Post, Nilakottai TK.

(Transferor)

(2) Minor B. Rasitha D/o Sh. R. Bathriprasad By guardian and mother Smt. B. Jayashree, 420/7th T Main Road, 4th Block, Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Wet land at Kamanur, (Document No. 309/82 of JSR Dindigul).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Madras-600 006

Date : 6-12-1982

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 6th December 1982

Ref. No. 87/April/82.—Whereas, I, S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Wet land situated at Kamanoor Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dindigul Document No. 299/82 on April 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such

apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt J. Geetha W/o Sh. Jhon Karuppaiah Sevukampatti Village Pattiveerappatti Nilakkottai Tk. Madurai

(2) Minor A. Hariharan Sudan By guardian Ananda Swaroop 14 Sivasamytheru, Salem

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Wet land at Kamanoor Village—Document No. 299/82 of JSR Dindigul.

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date: 6-12-1982

FORM I.T.N.S.~

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 9th December 1982

Ref. No. 24/April/82.--Whereas, I, S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

11/18 (New No. 32) situated at Mc. Nichols Road, Chetput, Madras-31, (Doc. No. 580/82)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Periamet, in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely 34-406GI/82

(1) Sri R. Balachander, Janaki Nilayam, No. 7, Race Course Road, Coimbatore-18.

(Transferor)

(2) R. Vasantha Devi, No. 11/18 (New No. 32) Mc. Nichols Road, Chetput, Madras-31.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building 11/18 (New No. 32) Mc. Nichols Road, Chetput, Madras-31 (Doc. No. 580/82)

> S. LAHIRI Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-I, Madras-600006.

Date: 6-12-1982

Scal .

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

R. Sundarajan, Janaki Nilayam, No. 7, Race Course Road, Coimbatore-18.

(Transferor)

(2) Smt. R. Vasantha Devi, 11/18 (New No. 32), Mc. Nichols Road, Chetput, Madras-31.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS Madras-600006, the 9th December 1982

Ref. No. 25/April/82.—Whereas, I, S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

11/18 (New No. 32) Mc. Nichols Road, situated at Chetput, Madras-31 (Doc. No. 581/82) (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

section (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land & Building 11/18 (New No. 32) Mc. Nichols Road, Chetput, Madras-31 Doc. No. 581/82)

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date: 9-12-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 9th December 1982

Ref. No. 26 'April/82 — Whereas, I, S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11/18 (New No. 32) Mc. Nichols Road, situated at Chetput, Madras-31 (Doc. No. 582/82)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Periamet on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Saroja Jayakumar, W/o R. Jayakumar, Janaki Nilayam, No. 7, Race Course Road, Coimbatore-18.
 (Transferor)

(2) R. Vasantha Devi, 11/18 (New No 32) Mc.Nichols Road, Chetput, Madras-31.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land & Building, 11/18 (New No. 32) Mc.Nichols Road, Chetput, Madras-31 Doc. No. 582/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600006,

Date: 9-12-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS

Madras-600006, the 9th December 1982

Ref No. 117/April 82.—Wherens, I, S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. 3537/9, Tondiarpet, Madras situated at (Doc. No. 214/82)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras (N) on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen perd cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- ((a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely:—

53—406GI/82

(1). Sh. Jhaver, 175, T. H. Road, Madras-81.

(Transferor)

(2) Perilovanpatti Hindu Nadar's (Madras)
Uravimurai Represented by Secretary
A N. Govindasamy Nadrai, No. 1, Cuddapah
Rangia Chetty St .Madras-3

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building S. No 3537/9, Tondiarpet, Madras. (Doc. No. 214/82).

S.·LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : '9-12-82 :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 9th December 1982

Ref. No. 125/April/82.—Whereas, I, S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 366/1A, 366/2, 366/1B, Natham, situated at Dindugal (Doc. No. 602/82)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nathram on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Sheik Sulthan Rowther, S/o Sheik Rowther, Partner in Central Cinema, Natham.

(Transferor)

(2) Sri V. Raju, S/o Vellachamy Ambalam, Natham.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:——.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building S. No. 366/A, 366/2, 366/1B, Natham, Dindugal (Doc. No. 602/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Madras-600006.

Date: 9-12-82

Seal ;

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 9th December 1982

Ref. No. 116/April/82.—Whereas, I, S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ('said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Block No. 53, S. No. 3537/33,

situated at Tondiarpet, Madras (Doc. No. 1262/82)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Madras (N) on April. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating of concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shree Estates Represented by Managing Agent K. K. Ramachandran, 118, Broadway, Madras.

(Transferor)

(2) Perilovanpatti Hindu Nadar's (Madras) Uravimurai Represented by Mr. Govindasamy Nadar, Secretary, 1, Cuddapah, Rangia Chetty Street, Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in ChapterXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land & Building Block No. 53, S. No. 3537/33, Tondiar-pet (Doc. No. 1262/82),

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date: 9-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS

Madras-600006, the 10th December 1982

Ref. No. 36 /April /82.—Whereas, I, S. EAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11, Anna Pillai Street, Madras-1 situated at (Doc. No. 168/82)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sowcarpet on April, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 K. P. Bhagavathta Pillai, No. 13, Trust Square, Perambur Barracks, Madras-12.

(Transferor)

(2) Smt. Santhakumari, No. 14, Jalan Chempedak, Sentul, Kuala Lumpur, Malaysia.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building No. 11, Anna Pillai Street, Madras-1. (Doc. No. 168/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date: 10-12-82 Seal:

FORM I.T.N.S.-

 Sri S. Ameen Rahim Sri Syed Ibrahim 36 Naoroji Road, Madras-31.

(Transferor)

(2) Dr. A Kurian Joseph S/o Dr. A. K. Joseph No. 56th Nicholas Road,

(Transferee)

No. 56th Nicholas Road, Madras-31.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immeovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I. MADRAS

Madras-600006, the 10th December 1982

Ref. No. 21/April/82.—Whereas, I, S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Land and building situated at

10 Dr. Guruswamy Road, Chetput, Madras-31

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Periamet Doc. No. 552/82 on April 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(THE SCHEDULE)

Land and building Door No. 10 Dr. Guruswamy Road, Chetout. Madras-31.

(Document No 552/82)

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-12-1982

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 10th December 1982

Ref. No. 31/April/82.—Whereas, I, S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 687, 688, 671, Madras situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Periamat Doc. No. 496/82 on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following possons, namely:—

 M. S. F. Mohamed Hanifa, No. 2, Subroya Mudali Street, Pudupet, Madras-2.

(Transferor),

(2) State Bank of Travancore represented by Mr. S. Srinivasan, Manager, N.S.C. Bose Road, Madras-1.

(Transférée)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building Plot No. 687, 688 & 671 Madras (Doc. No. 696/82).

S. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date: 10-12-82

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600006.

Madras, the 10th December 1982

Ref. No. 39/April/82.—Whereas, I S. LAHIRI being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

New No. 17, O.S. No. 1269, 8672, 4788, situated at Siganna Street, Park Town, Madras-3

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Sowcarpet Doc. No. 174/82 (174/82) on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) R. V. Ethiraju, 8, Rotlers Street, Vepery, Madras-7.

(Transferor)

(2) M/s. Mohanlal Hemaji & Sons, rep. by Antra Devi Khatri, 183, Mint Street, Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land & Building O.S. No. 1269, 8672, 4788, Singanna Street, Park Town, Madras-3. (Doc. No. 174/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range-1, I/C
z Madras-600 006,

Date: 10-12-82

Seal;

(T) Sr. Chitterinjan Banerjee, Vill. Bankura, Rampur, Dist Burdwan.

(Transferor)

(2) Smt. Dipt. Rani Konar, Vill-Kamalpur, Dist. Burdwan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JV CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1982

Ref. AC-22/ACQ. R-IV/Cal/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

17A, situated at Jadabendra Paja AVE Durgapur-11 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raniganj on 30-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:~~

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 3 Cottaha with building. Address.—17A, Jadabendra Panja Avenue, Durgapur-11. Deed No. 3113 of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-11-1982

FORM I.T.N.S .---

(1) Protul Krishna Ghosh, P-404, Block G', New Alipore, Calcutta-53.

(Transferor)

(2) Sri Som Nata Bose, 3/2, Shyam Bose Road, Calcutta-27.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd December 1982

AC-37/R-II/Cal/82-83.—Whereas, ROKHAMA,

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 404, Block 'G', situated at New Alipore, P.S. New Alipore, Calcutta-53

and more fully described in the Schedule annexed hereto), nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 26-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning are given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 3.17 K, with structure at Plot No. 404 Block 'G'. New Alipore, Calcutta-53. More particularly described deed No 3556 of R.A. Calcutta of 1982.

> C. ROKHAMA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: -- 54-406GI/82

Date: 3-12-82

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd December 1982

Ref. No. AC-33/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I C. ROKHAMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dag No. 595, Sayedpur, P.S. Behala, 24-Parg. and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at D. R. Alipore, 24-Pargs. on 26-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Nityalal Das,
 Kailash Pandit Lanc,
 P.S. Behala, Calcutta-53.

(Transferor)

(2) Smt. Prativa Sinha, w/o Shri Anil Sinha, 5A, Raja Basanta Roy Road, Tollygunj, Calcutta-26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 8 K, 8 Ch. 30 sq. ft. with one complete room at Sayedpur, P.S. Behala, Now (Thakurpukur), 24-Pargs. More particularly described in deed No. 5110 of D. R. Alipore, 24-Pargs. of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 3-12-1982

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd December 1982

Ref. No. AC-34/R-II/Cal/82-83.—Whereas, 1 C. ROKHAMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F/7A, Rajhans situated at 6, Hastings Park Road, Alipore, Calcutta-27

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering Officer at

R. A. Calcutta on 1-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Ashoka Marketing Ltd., 5, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

M/s. Calcutta Machinery (1972) Pvt. Ltd.,
 Mango Lane, Calcutta-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a perios of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offician Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in . Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 2401 sq. ft. being F/No. 7A, Rajhans at 6-Hastings Park Road, P.S. Alipore, Calcutta-27. More particularly described in deed No. 2859 of R.A. Calcutta of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 3-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd December 1982

Ref. No. AC-35/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7550/7606, situated at Behala, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at
D. R. Aliporc, 24-Pargs on 21-4-82
for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dipak Kr. Biswas, 90/1, B. K. J. Bose, Sarani, 90/1A, Talpukui Road, Beliaghat, Calcutta-85.

(Transferor)

(2) Sri Swapan K1. Das,8/4, Nepal Bhattacharjee, Street,P.S. Bhowanipore, Calcutta-26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 2 k.-0 Ch.-10 sq. it, being Dag No. 7550/7606 at Behala, Calcutta. More particularly described in deed No. 4878 of D. R. Alipore, 24-Pargs. of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 3-12-1982

(1) Bidyut Prova Ghose, P-404, Block 'G', New Alipore, Calcutta-53. (Transferor)

(2) Sri Som Nath Bose, 3/2, Shyam Bose Road, Calcutta-27.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA Calcutta, the 3rd December 1982

Ref. No. AC-36 'R-II/Cal/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 404, situated at Block 'G', New Alipore, Calcutta-53 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 20-4-82

for an apparent concideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 3.17 K. with structure at Plot No. 404, Block 'G', New Alipore, Calcutta-53. More particulars described in deed No. 3555 of R A. Calcutta of 1982.

C. ROKHAMA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 3 12 82 Seal:

Seal

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd December 1982

Ref. No. AC-32 R-II Cal '82-83.—Whereas, I. C. ROKHAMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovuble property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 71/1, D. H. Road situated at Watgunj, Calcutta-23 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at D. R. Alipore, 24-Pargs. on 24-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pagedy:—

(1) Smt. Gouri Bala Mitra, 94, Bakul Bagan Road, Bhowampore, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Leena Gupta,
 W/O Madan Prasad Gupta,
 71/1, D. H. Road, Watgunj, Calcutta-23.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arca: 3 K-9Ch.-/22 sq. ft. at 71/1, D. H. Road, P.S. Watguni, Calcutta-23. More particularly described in deed No. 5082 of D. R. Alipore, 24-Pargs. of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54 Rafi Ahmed Kidwai Road: Calcutta-70016

Date: 3-12-1982

Scal:

FORM ITNS-- ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Apurba Kr Ghosh, P-404, Block Cr., New Alipore, Calcutta-53, (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Sri Som Nath Bose, 3/2, Shyam Bose Road, Calcutta-27.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 31d December 1982

AC-38/R-II/Cal/82-83.—Whereas, Ref. No.

ROKHAMA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

F. No. 404 Block 'G' situated at New Alipore, Calcutta-53 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at R. A. Calcutta on 26-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 3.17 K. with structure being Plot No. 404, Block 'G' New Alipote, Calcutta-53. More particularly described in deed No. 3557 of R. A. Calcutta of 1982.

> C. ROKHAMA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 3-12-82

TORM ITNS - - -

(1) Dr Pratip Kr Ghoch
P 401 Block G, New Alipore, Calcutta-53
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sti Som Nath Bose, 3/2 Shyam Bose Road Calcutta-27

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

- ACQUISITION RANGE II, CALCULIA
 - Calcutta, the 3rd December 1982

Ref No AC 39/R-II/Cal/82 83 -Wholeas, I C ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

Plot No 404, Block G' situated at New Alipore, Calcutta-53 (and more fully described in the Scheduled annexed

hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R A Calcutta on 26 4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area 3 17 K with structure at P tot No 404 Block 'G., New Alipore, Calcutta-53 More particularly described in deed No 3558 of R Λ Calcutta of 1982

C ROKHAMA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-II Calcutta

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date 3-12-82 Sent

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Ashoka Marketing Limited, 5, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(2) Navaratanmal Jain, C/o Calcutta Machinery & Spaces, 10, Canning Street, Calcutta-1.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd December 1982

Ref. AC-40/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F/No. 2D, Rajhans situated at Alipore, 6-Hastings Park Road, Calcutta-27

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta on 1-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
55—406GI/82

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from this service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 1387 sq. ft. being F/No. 2D, Rajhans at 6-Hastings Park Road, Alipore, Calcutta-27. More particularly described in deed No. 2860 of R.A. Calcutta of 1982.

C ROKHAMA,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-taxAcquisition Range-II, Calcutta.

Date: 3-12-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

O(1) OF THE INCOME-3 OF 1961)

6, Hastings Park Road, Alipore, Cal-27.

(1) M/s. Ashoka Marketing Limited, 5, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 3rd December 1982

Ref. AC-41/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I, C, ROKHAMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

9G 'Rajshree' situated at Alipore, Cal-27

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R.A. Calcutta on 1-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof for more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(2) Vishwanath Sureka,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 1334 sq. ft., F/No. 9 'G' Rajshree' at 6-Hastings Park Road, P.S. Alipore, Calcutta-27. More particularly described in deed No. 2858 of R A. Calcutta of 1982

C ROKHAMA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 3-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 4th December 1982

Ref. AC-42/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

23A/23N/1, situated at D. H. Road, New Alipore, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R.A. Calcutta on 16-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market aluve of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

 Smt. Dipuli Ghosh Dostidar & Ors., C/O Ajit Bose,
 Nivedita Lane, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Devi Saraogi, 48/D, Muktaram Babu Street, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 4th share land 5.98K with structure at 23A/34N/1, D. H. Road, P.S. New Alipore, Calcutta. More particularly described in deed No. 3263 of R.A. Calcutta of 1982.

C. ROKHAMA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 4-12-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 4th December 1982

Ref. AC/43-R-II/Cal/82-83.—Whereas, I. C. ROKHAMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

23A/34N/1, situated at D. H. Road, P.S. New Alipore, Calcutta

(and more fully described in the Schedule anaexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R.A. Calcutta on 16-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Dipali Ghosh Doutidar & Qrv.,
 C/O Alit Bosc,
 6B, Nivedita Lane, Calcutta.

(Transferor)

(2) Indu Mati Saraogi, 48/D, Muktaram Babu Street, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 4th of land 5.98K with structure at 23A/34N/1, D.H. Road, P.S. New Alipore, Calcutta. More particularly described in deed No. 3264 of R.A. Calcutta of 1982.

C. ROKHAMA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex,
Acquisition Range-II, Calcutta

Date : 4-12-1982

Soal:

FORM ITNA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 4th December 1982
Ref. AC-44/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

23A/34N/1, situated at D. H. Road, P.S. New Alipore, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R.A. Calcutta on 16-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propery, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with he object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-assetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Dipali Ghosh Dostidar & Ors.,
 C/O Ajit Bose,
 Nivedita Lane, Calcutta.

(2) Smt. Jhimi Devi Saraogi, 48/D, Muktaram Babu Street, Calcutta, (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersinged:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 4th share of land 5.98K with structure at 23A/34N/1, D. H. Road, P.S. New Alipore, Calcutta. More particularly described in deed No. 3265 of R.A. Calcutta of 1982.

C. ROKHAMA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 4-12-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 4th December 1982

Ref. No. AC-45/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

23A/34N/1 situated at D. H. Road, P.S. New Alipore, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 16-4-82

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Depali Ghosh Dastidar & Ors. C/o. Ajit Bose, 6B, Nivedita Lane, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Devi Saraogi, 48/D, Muktaram Babu Street, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided ‡ share of land 5.98 K. with structure at 23A/34N/1, D. H. Road, P.S. New Alipore, Calcutta. More particularly described in deed No. 3266 of R.A. Calcutta of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 4-12-82

FORM I.T.N.S.----

(1) Sri Phanindra Nath Nandy & ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) 1. Smt, Durga Devi Jalan;2. Smt, Sarada Devi Dubey.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1982

Ref. No. 1181/Acq.R-III 82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

17A situated at Sankari Para Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 24-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that divided and demarcated 2/3rd share of the Piece or Parcel of land situated at and being Premises No. 17A, Sankari Para Road, Calcutta, and covered by Registered deed No. 3520 dated 24-4-1982.

C. ROKHAMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-12-82

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sib Sankar Nandy. Shri Gouri Sankar Nandy.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Durga Devi Jalan; 2. Smt. Sarada Devi Dubey.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1982

Ref. No. 1182/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17A situated at Sankari Para Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 24-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value perty, and I have reason to believe that the fall market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any facilitating the conceanment of any moons or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the ladien Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Divided and demarcated 1/3rd Part of 17-A, Sankari Para Road, Calcutta, covered by Registered deed No. 3521 dated 24-4-1982.

> C. ROKHAMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons parally. lowing persons, namely

Date: 8-12-1982

(1) Shri Gulsan Ara Begum.

(Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1982

Ref. No. TR-80/82-83/Sl. 681/IAC/Acqn.R-I/Cal.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

63, situated at Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at R. A. Calcutta on 2-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hitcen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—56—406GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Sri Raja Ram Saraf and Sri Pawan Kumar Saraf.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective ρersons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter,

THE SCHEDULE

Ith share of 11 K. 15 Ch. with two storied building being Western portion of premises No. 63, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta, vide Deed No. 2907 on 2-4-82.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 9-12-82

(1) Sri Barun Kumar Chandra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Smt. Usha Rani Jain.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Sri Sarbajit Ranjan Bose & Ors.
(Person in occupation of the Property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

(b) by any other person interested in the said

Calcutta, the 9th December 1982

immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. TR-83/82-83/Sl. 680/IAC/Acqn. R-I/Cal — Whereas, I, C. ROKHAMA,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 79/27 situated at Lower Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

R.A., Calcutta on 6-4-82

being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the wansfer: and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concaalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Undivided 4th share of the piece & parcel of revenue redeemed land measuring about 5k-39 sq. ft. with a three storied building at premises No. 79/27, Lower Circular Road, Calcutta. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 3005 on 6/4/82,

C. ROKHAMA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-82.

FORM ITNS----

(1) Gulsan Ara Begum.

(Transferor)

(2) Sri Mamraj Saraf.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1982

Ref. No. TR-77/82-83/Sl. 679/IAC/Acqn. R-I/Cal.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 63 situated at Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 2-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1th share of the property containing two storied building and land measuring 11k-15Ch, at 63, Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 2904 on 2-4-82.

C. ROKHAMA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-J, Calcutta,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

Date: 9-12-82.

Seal

FORM LT.N.S.-

(1) Gulsan Ara Begum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Lec Business & Investment (P) Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1982

Ref. No. TR-78/82-83/Sl. 678/IAC/Acqn. R-I/Cal.—Whereas, I, C. ROKHAMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing No.

and beating No.

63 situated at Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
R.A., Calcutta on 2-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given use that Chapter.

THE SCHEDULE

4th share of the property containing two storied building and land measuring 11k-15Ch, at Promises No. 65, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 2906 on 2-4-82.

C. ROKHAMA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-1, Calcutta.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 9-12-82.

FORM I.T.N.S.-

(1) Gulsan Ara Begum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s, Lee Business & Investment (P) Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

(b) by any other person interested in the said immov-

Calcutta, the 9th December 1982

able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. TR-79/82-83/Sl. 677/IAC/Acqn. R-1/Cal.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing
No. 63 situated at Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

R.A., Calcutta on 2-4-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

½th share of the property containing two storied building and land measuring 11k-15Ch. at 63, Rali Ahmed Kidwai Road, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 2905 on 2-4-82.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

C. ROKHAMA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 9-12-82.

(1) Alliance Properties & Industries Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Universal Trade Corporation.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1982

Ref. No. TR-173/82-83/Sl. 676/IAC/Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flot No. 1 on 3rd floor situated at 2B, Ganesh Chandra Avenue, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at R.A., Calcutta on 14-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lacesse arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One flat No. 1 on the 3rd floor at premises No. 2B, Ganesh Chandra Avenue, Calcutta, having an area of 1600 sq. ft. registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 4605P on 14-4-82.

C. ROKHAMA.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-J, Calcutta.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 9-12-1982.

(1) Shri M. Talha.

(Transferor)

(2) M/s. Hazrat Mahal Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., 22, Chandralok, Lucknow.

(Transferce)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 29th November 1982

G.I.R. No. H-44/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing No.

Plot No. 229 situated at Tagore Marg Scheme, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Lucknow on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income as any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 229, measuring 16000 sq. ft. situated at Tagore Marg Scheme, Lurknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1634/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow.

A. PRASAD,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 29-11-1982.

FORM ITNS---

(1) Smt. Renu Sah 'Thuldharia.

(Transferor)

(2) M/s. Almora Magnesite Ltd., Matela, Almora.
(Transferee)

(3) Above selfer.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 7th December 1982

G.I.R. No. A-116 Acq.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Bandobasti Khasra No. 3 situated at Almora (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Almora on 19-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by my of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land including one double storeyed house with chowk and outhouse with chowk and another double storeyed house situated in the same vicinity with one out-house with chowk Bara, trees, stores etc. situated at Gram Rapidhara (Municipal Hadood Vahak) Patti Khaspurja, Pargana-Bara Mandal, Tehsil and District-Almora, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 161/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registra, Almora,

A. PRASAD,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-12-1982.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 6th December 1982

G.I.R. No. G-56/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One house No. W.D. 4/54 situated at Khawaja Kutub, Barcilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—57—406GI/82

(1) Shri Gur Sewak Lal Through Attorney, Shri Chunni Lal.

(Transferor)

(2) Shri Gyan Chand Jain,

(Transferee)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(THE SCHEDULE)

One house under No. W.D. 4/54, situated at Khawaja Kutub, Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1774/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Bareilly.

A. PRASAD,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 6-12-1982.

 M/s Grewal Co-Operative Housing Society Ltd., Mahanagar, Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. Rajendra Gaur.

(Transferce)

OF 1961) (3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 6th December 1982

G.I.R. No. R-179/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Arazi Khasra No. 589, Plot No. 15 situated at Rahim Nagar, Lucknow

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Lucknow in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi Khasra No. 589, Plot No. 15, measuring 3720 sq. ft. situated at Rahim Nagar, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1793/82 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow.

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 6-12-1982

Seal;

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 29th November 1982

G.I.R. No. G-55/Acq.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Arazi Khasra Nos. 588 & 589 situated at

Rahim Nagar, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 5-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- 1. Shashi Kumar Sinha.
 2. Vimal Kumar Sinha.
 - 2. Lalit Kumar Sinha Through Shri O. N. Tripathi, Constituted Attorney.

(Transferor)

(2) M/s Grewal Co-Operative Housing Society (Regtd, No. 184) Through its Secretary, Dr. R. S. Dixit.

(Transferee)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi Khasra Nos. 588 and 589, measuring 5335.84 sq. mtrs. situated at Rahim Nagar, Pargnna & Tehsil & District Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1490, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 5-4-1982.

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 29-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 6th December 1982

G.I.R. No. P-100/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 6, Khasra No. 589 situated at

Rahim Nagar, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Lucknow in April 1982

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s Grewal Co-Operative Housing Society Ltd., E-31, Mahanagar, Lucknow Through Dr. R. S. Dixit, President.

(Transferor)

(2) Sh. Prem Kumar Sharma.

(Transferee)

(3) Above seller. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6, Khasra No. 589, measuring 2275 sq. ft. situated at Rahim Nagar, Mahanagar, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1492/82 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow.

> A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Date: 6-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA

Patna-800 001, the 7th December 1982

Ref. No. III-621/Acq/82-83.—Whereas, J. P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing

No. M.S. Plot No. 2060, Holding No. 304 (old), 819 (new), Ward No. II-B

situated at Ranchi Main Road, Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 29-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of-such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any iscome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh. Lachhman Singh S/o Late Kashi Singh alias Kartar Singh 2. Karnal Singh S/o Late Ranjit Singh 3. Pritam Singh S/o Late Kashi Singh alias Kartar Singh through his son and holder Power of attorney residents of village Panjaura, P. S. Panjaura Dist. Hoshiyarpur At Present Main Road, Ranchi. (Transferer)

(2) 1. Sh. Manmohan Sharma 2. Sushil Kumar Sharma S/o Vishwanath Sharma R/o Old Commissioner's Compound, Ranchi, P.S. Kotwali, Dist. Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land measuring 0.058 acres with single storeyed pucca building situated at Main Road, Ranchi Dist. Ranchi morefully described in deed No. 4052 dated 29-4-82 registered with D.S.R. Ranchi.

> P. K. DUBEY, Competent Authority Insepcting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 7-12-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA

Patna-800 001, the 7th December 1982

Ref. No. III-622/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

M.S. Plot No. 1786 (old), Holding No. 847

(old) 440 (New), Sub Plot No. 1786/63A and Ward No. 3 situated at Pepce Compound Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 15-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Sukriti Ranjan Gupta S/o Late Sukumar Gupta Mura-badi Road, Ranchi, At present R/o C/A-6, Tagore Garden, New Delhi-110027.

(Transferor)

(2) Sh. Krishan Gopal Bhatia S/o Late Dina Nath Bhatia R/o Pepee Compound Ranchi, Dist. Ranchi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in property covering total area of 11 Kathas with building situated at Pepee Compound Ranchi, P.S. Chutia Dist. Ranchi and more fully described in deed No. 3561 dated 15-4-82 registered with D.S.R. Ranchi.

P. K. DUBEY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 7-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA

Patna-800 001, the 7th December 1982

Ref No III-624/Acq/82-83—Whereas, I, P K DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing Holding No 364A, Ward No 4, Circle No 245, Plot No M 6 (New)

situated at Srikrishna Nagai, P.S.—Kotwali Dist-Patha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patna on 13-4 82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/es
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquaition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sushri Asha Kumari Yadava D/o Late Shanker Yadav R/o 78, Nazarbagh, PO—GPO, PS Hazaratganj, Dist Lucknow

(Transferor)

(2) Sh Suml Kumai S/o Late Amrit Singh R/o Kothwan PO Khagaul, Dist Patna

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 Kathas 15 Dhui with pucca house situated at Srikrishna Nagar, PS Kotwali, Dist, Patna and more fully described in lease deed No 3369 dated 13-4-82 registered with DSR Patna.

P K DUBEY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihai, Patna

Date 7-12-82 Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA

Patna-800 001, the 7th December 1982

Ref. No. III-623/Acg/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

M.S. Plot No. 1786 (old), Holding No. 847

(old) 440 (new), Sub plot No. 1786/63A and Ward No. 3 situated at Pepee Compound, Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 15-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said set, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Sukriti Ranjan Gupta S/o Late Sukumar Gupta, Mohalla---Murabadi Road, Ranchi Present Address C A-6 Tagore Garden, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Saroj Bala Bhana W/o Sh. Krishna Gopal Bhatia. Pepee Compound, Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in property covering total area of 11 Kathas with building situated at Pepee Compound Ranchi, P.S. Chutia Dist. Ranchi and more fully described in deed No. 3562 dated 15-4-82 registered with D.S.R. Ranchi.

P. K. DUBEY.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 7-12-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA

Patna-800 001, the 8th December 1982

Ref. No. III-626/Acg/82-83.—Whereas, I,

P. K. DUBEY. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. Plot No 717, Khata No. 156,

M. Holding No. 2230/D, Ward No. VII C

situated at Village Gari, P.S. Ranchi, Dist. Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 20-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair-market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

58-406G1/82

(1) Smt Darothy Roy W/o Late Sukumar Roy and daughter in law of Sri Subodh Chandra Roy of 57 Lands deney Road, Calcutta-25.

(Transferor)

(2) Sardaı Bhajan Singh S/o Late Sardar Gingh Prop. Ranchi Tyres Retreading Co., Main Sardar Gulab Road, Near Ratan Talkies Ranchi.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Land measuring 4985-22 Sq. Metre or 74 Kathas with buildings situated at Village Gari P.S. Ranchi, Dist., Ranchi and more fully described in deed No 3685 dated 20-4-82 registered with D.S.R. Ranchi.

P. K. DUBEY. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 8-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA

Patna 800 001 the 8th December 1982

Ref No III-625|Acq|82-83—Whereas, I, P K DUBEY, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Part of Plot No 891 situated at Mouza-Hirapur, Dist Dhan bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 1 4-1982

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) Smt Renuka Banerjee Wo Late R N Banerjee Represented by his attorney Sri Pratul Kumar Mukheijee, S/o Sri Bhudar Chandia Mukheijee, R/o 38 Rash Behari Avenue, Calcutta (Transferor)
- (2) (1) Si Shyam Sundar Singh (11) Sit Himanshu Shekhar Singh (111) Sri Binoy Kumar Singh, All sons of Sit Rajanandan Singh, R/o Jharia, PS Jharia, Dist Dhanbad (Transferee)
- (3) Paitly in occupation of tenants
 (Govt and Semi-Govt Agencies)
 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the dats of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 8 Kathas 12 Chatak with double storeyed building, situated at Mouza Hirapur, Dist. Dhanbad and morefully described in deed No 4054 dt 1-4-1982 registered with DSR Dhanbad

P K DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date 8-12-1982 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 9th December 1982

Ref. No. 111-631/Acq. 82-83.—Whereas 1, P. K. DUBEY being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Holding No. 60(old) 57(new), present holding No. 53 situated at Dhamitola, Dr. Bazir Ali Road, Gaya

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gaya in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Shri Gaju Sao S|o Late Bishun Sao (2) Most. Bhahrathi Quer W|o Late Lakhan Lal (3) Smt. Grja Devi W|o Shri Kishorilal, All are R|o Mohalla-Dhamitola Dr. Wazir Ali Road, Gaya. (4) Smt. Santi Devi W|o Shri Ganesh Lal, Village-Chakand Bazar, Gaya. (1) Shri Gaju Sao

(2) Smt. Nirmala Devi Wo Shri Rajpal Arya, Prop. Madhu Medical Agencies, Gol Pathar, Gaya. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 700 sq. ft. with a triple storeyed building situated at Dhamitola, Dr. Wazir Ali Road, Gaya and more fully described in deed 6170 April, 1982 registered with D.S.R. Gaya.

> P K, DUBEY Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 9-12-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, PUNE PRAPTIKAR SADAN, 6C/61, ERANDAVANE, PUNE-4

Pune-4, the 29th Noember 1982

CA-5|775|SR-Kalyan|82-83.—Whereas, No. SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. No. 6131, S No. 33A, H.ss situated at Dombivali (East) Distt. Thank H.sa No. 1 (Part) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of S. R. Kalyan on 4-5-82 the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) M[s. S. S. Patil & Co., Cabin No. 4, 3rd Floor, Patil Bhoir Apartments, Dombiyali (East), Dist. Thane.
- (Transferor) (2) Shri Jeevan Sugandha Co-operative Housing Society Ltd., Agarkar Road, Gajbandhan Patharli, C.S. No. 6131/S. No. 33-A of Dombivali, Dist. Thane.
- (Transferee) (3) Member of the above said co-operative Housing Society. (Peison in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- , (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Jeecan Sugandh Apartments, Agarkar Road, C. S. No. 6131, of Dombivali, S. No. 33-A. Hissa No. 1 (Part) of Dombivali (East). Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 466 in the office of the Sub Registrar, Kalyan,

on(4-5-82).

SHASHIKANT LULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Date: 29-11-1982 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE PRAPTIKAR SADAN. 60/61, ERANDAVANE, PUNE-4

Pune-4, the 6th December 1982

Ref No CA-5|SR-Kaivii|778-82-83—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2,5000/- and bearing No. C.S. No. 261-A/2B, Tarabai Park, situated at Kolhapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Karvir in May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manely:—

- (1) Shri S. V Ghorpade, H. No. 261-E. Ward, Tarabai Park, Kolhapur.
- (Transferor)
- (2) Shii Dnyandeo B Shelar,
 Chanman Shipa Apartments Co-op. Housing Society, H. No 261, Eard Kolhapur.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter VXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing CS No. 261-A/2B/Tarabai Park, Kolhapur.

Property as described in the sale deed registered under document No 1858 in the office of the sub-registrar Karvir on May, 1982.

SHASHIKANT KULKARNI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Punc

Date: 6-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE PRAPTIKAR SADAN, 60/61, ERANDAVANE, PUNE-4

Pune-4, the 3rd December 1982

CA-5|SR Ichalkaranji|777|82-83.—Whereas, I, Ref. No. SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Gat No. 814, Plot No. 4&5 Shahpur situated at Tal. Shirol Distt. Kolhapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the registering officer at S.R. Ichalkaranji in June, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) M/s. Indian Castings, Partner V. V. Kulkarni, Ward No. 10, House No. 736/3B, Ichalkaranji.
- (Transferor) (2) The Ichalkaranji Metal Foundaries Pvt. Ltd., Director, Shri S. V. Kulkarni, Ward No. 10, Ichalkaranii.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Ganctie.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Gat No. 814, Plot No. 4&5 at village Shahpur Tal Shirol, Dist. Kolhapur.

(Property as described in the sale deed registered document No. 1564 in the office of the sub-registrar Ichal-

karanji in June, 1982.

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Pune

Date: 3-12-1982

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th December 1982

Ref. No. M|239|82.—Whereas, I, BIBEK BANERJI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 22-4-1982

As Per Schedule, situated at As Per Schedule,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Kant Dwedi (Dubey), Laxmi Nant Dwedi (Dubey), Shri Rama Kant Dwedi (Dubey), Sopandit Chandrika Prasad Dwedi (Dubey), and Shri Chandrika Prasad Dwedi (Dubey), Sopand Smt. Ishwar Devi, Wo Pandit Chandrika Prasad Dwedi (Dubey), Robert Chandrika Prasad Dwedi (Dubey), Robert Chandrika Prasad Dwedi (Dubey), Robert Chandrika Krishna Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) M|s Aya Singh & Sons through Sardar Satpal Singh, S|o Sardar Aya Singh, R|o 111A|2 Ashok Nagar, Kanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property No. 118|328 Kaushalpuri Kanpur total area 444.44 Sq. Yds. was sold for Rs. 3,60,000/-.

BIBEK BANERJI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-rax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

~____

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th December 1982

Ref. No. M-198 82-83.—Whereas, I BIBEK BANERJI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As Per Schedule, situated at As Per Schedule, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 7-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rajesh Prasad Srivastava. Shri Mahesh Prasad Srivastava. Shri Ramesh Prasad Srivastava, Rlo 15'71-Civil Lines. Kanpur.

(Transferor)

(2) Shedling House School Society, 14|54 Civil Lines, Kanpur.

(Transferee)

(3) I.E.L. (Indian Explosives Ltd.).
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property No. 10|498-Khalsi Lines; Kanpur. Total area 4714 Sq. Yds. was sold for Rs. 4,90,000.

BIBEK BANERJI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-1982

Seal

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 2nd November 1982

C. R. No. 62/456/82-83[Acg.|D.-Whereas, I, MANJU MADHAVÁN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 28, situated at Cowl Bazar, Abdul Salam Street Bellary (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bellary under document No. 60/82-83 on 5-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-59-406G1/82

(1) 1. Shri S. Abdul Rahaman Saheb 2. Shri S. Abdul Saheb

3. Shri S. Abdul Hafiez Saheb

Shri S. Abdul Thawab Saheb
 Shri S. Abdul Thawab Saheb
 Shri S. Abdul Hadi Saheb
 Shri S. Abdul Mannan Saheb

Shri S. Abdul Hakeem Saheb

Shri S. Abdul Azecz Saheb Ss/o late Haji Abdul Hameed Saheb R/o Abdul Salam Street,

Cowl Bazar, Bellaty.

(Transferors)

(2) 1. Shri S. Abdul Halcem
2. Shri S. Abdul Azecm.
3. Shri S. Abdul Mujeeb
4. Shri S. Abdul Moqueeth.
Ss/o S. Abdul Hafiez Saheb,

R/o Cowl Bazar, Bellary.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

THE SCHEDULF

Registered Document No. 60/82-83. Dated 5-4-1982. All that property bearing No. 28, situated at Abdul Salam Street Cowl Bazar Bellary.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore.

Date: 2-11-1982.

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING Ludhiana, the 14th December 1982

Ref. No. CHD/17/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable c operty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

SCF No. 18, Sector 16-D, situated at Chandigarh

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability, of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ((1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

- (1) Col. Girdhari Lal Singh r/o 295, Sector 10, Chandigarh.
 - (Transferor)
- (2) Shri Yog Raj Singh Bundhal r/o 508, Sector 11, Chandigarh.

(Transferee)

(3) M/s. Duggal Cloth House r/o SCF No. 18, Sector 16-D, Chandigarh. (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCF No. 18, situated in Sector 16-D, Chandigarh
(The property as mentioned in the registered deed No. 68
of April, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-12-1982,

Scal:

(Transferee)

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th December 1982

Ref. No. CHD/12/82-83,—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

SCF No. 7 & 8, Sector 19-C,

situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Sharanagat Singh S/o Sh. Uttam Singh, r/o V-15, Green Park Extension, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Joginder Singh S/o Sh. Nirmal Singh r/o Vill. Kang P.O. Garcha Teh Nawan Shahar (Jullundur).

(3) M/s. Patiala Furniture Service,
 r/o SCF No. 7 & 8, Sector 19-C, Chandigarh.
 (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCF No. 7 & 8, situated in Sector 19-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 49 of April, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-12-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th December 1982

Ref. No CHD/3/82-83. -Whereas, .1, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No 1664, Sector 22-B, Chandigarh,

situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Sh. Rattan Lal Goyal s/o Shivji Ram and Smt. Shanti Goyal w/o Sh. Rattan Lal r/o. H. No. 1236, Sector 19-B, Chandigarh.

(2) Shri Man Mohan Singh Majhail s/o Sh. Zora Singh and Smt. Rajinder Kaur w/o Sh. Manmohan Singh c/o Sh. Bhupinder Singh r/o Ajmer Basti, Jind, Haryana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No 1664, situated in Sector 22-B, Chandigarh. (The property as mentioned in the registered deed No. 7 of April, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-12-1982.

Scal:

NOTIC: UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th December 1982

Ref. No. CHD/7/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing Share in House No. 130, situated at Sector 9B, Chandigath

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri R. N. Malhotra C/o Sh. Bodh Raj C/o Cariage's Villa, The Mall, Simla.

(Fransletor)

(2) Shi Mohan Singu S/o S, Sher Singh, R/o 767, Sec. 8B, Chandigarh.

(Transferee)

(3) The Director,
Vigilance (Punjab)
H. No. 130, Scc. 9B, Chandigarh.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Share in H. No. 130, Sec. 9B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 19 of April, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-12-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th December 1982

Ref No. CHD, 8/82-83 - Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the samewable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Share in House No. 130, situated at Sector 9B, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ((1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri R. N. Malhotra C/o Sh. Bodh Raj R/o Cariage's Villa, The Mall, Simla.

(Transfero!)

(2) Smt. Gian Kaur w/o S. Mohan Singh, R/o 767, Sec. 8B, Chandigarh.

(Transferee)

(3) The Director,
 Vigilance (Punjab)
 H. No. 130, Sec. 9B, Chandigarh.
 (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Share in H. No. 130, Sec. 9B, Chandigarh,

(The property as mentioned in the sale deed No. 20 of April, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-12-1982.

Scal:

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th December 1982

Ref. No. CHD/1/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 2261, Sector 35-C,

situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not reen truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ((1) of Section 269D of the said Act, to the following ang persons, namely:—

- (1) Maj. Rajinder Singh Baina S/o Late Sh. Natha Singh r/o H. No. 1104, Sector 15-B, Chandigarh through Sh. Ram Bhaj S/o Chuhar Mal r/o H. No. 464, Sector 35-A, Chandigarh.

 (Transferol)
- (2) Sh. Balkrishan Aggaiwal S/o Sh. Ram Bhaj & Mrs. Darshni Devi w/o. Sh. Balkrishan r/o 464, Sector 35-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Plot No. 2261 situated in Sector 35-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1 of April, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-12-1982.

Seal;

FORM IT N.S ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACL, 1961 (43 OF 1961)

GOVEKNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th December 1982

Ref No. KHR/2/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovble property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Plot No. 45, Phase 7, situated at Mohali

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair mank, t value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrtument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) fact taking the concealment of any income or any money of other assets which have not been or via hought to be disclosed by the transferce for the pulposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby imitate moceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Gurmit Kaur w/o Sh Bhagat Singh 1/o Ropar.
- (Transferor)

 2) Smt Kaushalia Wan w/o Sh Daw a Siigh r/o Mukherjee Nagar, Delhi-9

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 45, situated in Phase No. 7, Mohali Teh. Kharar Distt. Ropar.

(The property as mentioned in the registered deed No. 259 of April, 1982 of the Registering Authority, Kharar.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-12-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludbiana, the 14th December 1982

Ref. No. CHD/4/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

H. No. 257, Sector 21A situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chandigarh in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—60—406GI/82

(1) Shri Assa Ram 5/0 Shri Radha Ram 1/0 H. No. 257, Sector 21-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Chander Verma s/o Shri Chander Bhan & Smt. Usha Verma w/o Shri Jagdish Chander Verma r/o H. No. 1477, Sector 22-B, Chandigarh

(Transferce)

(3) Shri Ganga Singh Shri P. S. Madan Shri Paramjit Singh Shri Ranjit Singh Shri Ram Paul Shri Bir Singh all r/o H. No. 257, Sector 21-A, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 257, situated in Sector 21-A, Chandigarh, (The property as mentioned in the registered deed No. 10 of April, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asset, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th December 1982

Ref. No. CHD/18/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No H. No. 3020, Sector 28-B situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Hukam Chand Gupta s/o Shri Sita Ram c/o Alps Theatre, Rajpura (Punjab).

(2) S/Shri Sunil Kumar, Rajesh Kumar Gupta & Vineet Kumar Gupta ss/o Shri Babu Ram Gupta r/o 3030, Sector 28D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 3020 situated in Sector 28-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 73 of April, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th December 1982

Ref. No. CHD/20/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

H. No. 2246, Sector 15-C, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chandigarh in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Maj Devinder Singh s/o Shri Nanak Chand r/o 3EME Centre, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Kanta Lakhanpal w/o Late. Maj. D. P. Lakhanpal for self and natural Guardian of Master Devinder Lakhanpal s/o Late Maj. D. P. Lakhanpal r/o H. No. 2246, Sector 15-C, Chandigarh.

(3) Miss Sushma, Central Bank of India, Sec. 15.
Shri S. S. Sodhi, Central Bank of India,
Mandi Govindgarh,
Shri M. P. Sharma, Lecturar in Botany,
Punjab University, Chandigarh.
all t/o H. No. 2246, Sector 15-C, Chandigarh.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 2246, situated in Sector 15-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the registered deed No. 157 of April, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-12-1982

FORM LT.NS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA Ludhiana, the 14th December 1982

Ref No. CHD/22/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

H. No. 1303, Sector 22-B, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceelment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuasse of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) S/Shri Satpal and Mohinder Paul alias Viney Kumar ss/o Sh. Lachhman Dass r/o Katra Sahib Singh, Patiala

(Transferor)

(2) Shri Manohar Lal s/o Shri Bishan Dass 1/o Vill P.O. Fatehgarh Korotena, Tch Zira Distt Ferozenur

(Transferee)

(3) Shri Ramji Dass r/o H No (303 Sector 22 B Chandigarh

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H No 1303 situated in Sector 22-B, Chandigarh

(The property as mentioned in the Registered deed No. 166 of April/May, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date 14-12-1982

FORM I.T.N.S

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th December 1982

Ref. No. CHD/9/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

5/24th share in S.C.O. No. 63-64 situated at Sector 17C, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the soil Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Harbhajan Singh
 S/o Shri Mehtab Singh
 R/o 547
 Sec. 18B
 Chandigarh

(Transferor)

(2), Shu Kuljinder SinghS/o Shri Gurjit Singh,R/o 116, Sector 9B, Chandigarh.

(Transferee)

(3) Shri S. K. Jain
Indian Coffee House
Pan House
Yanky Jeans
Onkar Property Dealers
Punjab Housing Development Board
all C/o SCO 63-64, Sec. 17, Chandigarh.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5/24th share in SCO No. 63-64, Sec. 17C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 21 of April 1982 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-12-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th December 1982

Ref. No. CHD/6/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000, and bearing No.

5/24th share in SCO No. 63-64 situated at

Sector 17-C, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not used or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 9157);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Harbhajan Singh S/o Shri Mehtab Singh, R/o 547, Sec. 18B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Kiranjit Kaur D/o S. Paramjit Singh, House No. 25, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferee)

(3) Shri S. K. Jain
Indian Coffee House
Yanky Jeans
Onkar Property Dealers
Punjab Housing Development Board
SCO 63-64, Sec. 17-C, Chandigarh.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 24th share in SCO 63-64, Sec. 17C. Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 18 of April, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludbiana

Date: 14-12-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL RIVENCE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th December 1982

Ref. No. CHD/10/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5/24th share in S.C.O. No. 63-64 situated at

Sector 17C, Chandigarh,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

said instrument of transfer with the object of :-

Officer at Chandigarh in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Harbhajan Singh S/o Shri Mehtab Singh, R/o 547, Sec. 18B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Kamalpreet Singh S/o S. Gurjit Singh, R/o 116, Sec. 9B, Chandigerh.

(Transferee)

(3) 1. Shri S. K. Jain 2. Indian Coffee House

3. Pan House

4. Yanki Jeans 5. Onkar Property Dealers

6. Punjab Housing Development Board, All C/o SCO 64-64, Sec. 17C, Chandigarh. (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5/24th share in SCO No. 63-64/Sec. 17C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 22 of April, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th December 1982

Ref. No. CHD/171/82-83,—Whoreas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

1/24th share in SCO Nos. 63-64, Sector 17-C situated at Chandigarh

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in October, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Parmdeep Singh s/o Shri Gursharan Singh, r/o H. No. 573, Sector 18-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Miss, Kiraniit Kaur d/o Shri Paramjit Singh, r/o H. No. 25, Connaught Place, New Delhi.

(Transferee)

(3) 1. Shri S. K. Jain 2. Indian Coffee H

Indian Coffee House

Pan House

4. Yankay Jeans
5. Onkar Property Dealers
6. Punjab Housing Development Board all C/o CSO 63-64 Sec. 17-C, Chandigarh. (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

1/24th share in SCO No. 63-64, Sector 17-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1079 of October, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Secion 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 14-12-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th December 1982

Ref. No. CHD/172/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/24th share in SCO Nos. 63-64. Sector 17-C

situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1982

for a apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. Paramdeep Singh (minor) s/o Shri Gursharan Singh. r/o H. No. 573, Sector 18-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Karanvir Singh s/o Shri Paramjit Singh r/o H. No. 25, Connaught Place, New Delhi.

(Transferee).

(3) 1. Shri S. K. Jain 2. Indian Coffee House

3. Pan House

4. Yankay Jeans5. Onkar Property Dealers

6. Punjab Housing Development Board all C/o CSO 63-64 Sec. 17-C, Chandigarh. (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this netic in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/24th share in SCO No. 63-64. Sector 17-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1080 of October, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 14-12-1982

Seal:

61-406GI/82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA Ludhiana, the 14th December 1982

Ref. No. CHD/170/82-83.—Whereas, I, SUKHDrV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

1/24th share of SCO Nos. 63-64, Sector 17-C, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in October, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, In respect of any income orising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. Paramdeep Singh (minor) s/o Shri Gursharan Singh, r/o H. No. 573, Sector 18-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mr. Kuljinder Singh s/o Shri Gurjit Singh, 1/o H. No. 116, Sector 9-B, Chandigarh.

(Transferce)

(1) Shri S. K. Jain

2. Indian Coffee House

3. Pan House

 Yanky Jeans
 Onkar Property Dealers
 Punjab Housing Development Board C/o SCO No. 63-64 Sec. 17-C, Charaligath (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/24th share in SCO No. 63-64, Sector 17-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1078 of ctober 19 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-12-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th December 1982

Ref. No. CHD/169/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1/24th share in SCO Nos. 63-64, Sector 17-C,

situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Chandigarh in October, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. Paramdeep Singh (M) s/o Shri Gursharan Singh, r/o H. No. 573, Sector 18-B. Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mr. Kamalpreet Singh s/o Shri Gurjit Singh, r/o H. No. 116, Sector 9-B, Chandigarh.

(Transferee)

(3) 1. Shri S. K. Jain

2. Indian Coffee House

3. Pan House

4. Yanky Jeans
5. Onkar Property Dealers
6. Punjab Housing Development Board
C/o SCO No. 63-64 Sec. 17-C, Chandigarh. (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/24th share in SCO No. 63-64, Sector 17C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1077 of October, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th December 1982

Ref. No. CHD/5/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

5/24th share in S.C.O. No. 63-64 situated at

Sector 17-C, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chandigarh in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair murker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appropriate consideration therefor by more than fifteer per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ef 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Harbhajan Singh S/o Shri Mehtab Singh, R/o 547, Sec. 18B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Karamvir Singh S/o S. Paramjit Singh, r/o House No. 25, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferee)

(3) 1. Shri S. K. Jain2. Indian Coffee House

3. Pan House

4. Yanky Jeans
5. Onkar Property Dealers

6. Punjab Housing Development Board C/o SCO 63-64 Sec. 17-C, Chandigarh (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein co are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5/24th share in SCO No. 63-64, Sector 17C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 17 of April, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-12-1982 Seal :

FORM NO. 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE !NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Kamlaben Bhagwandas, Plot No. 1032-A, Krishnagar, Near Virbhadra Akhada, Bhavnagar.

(2) Sh. Shantikamal Apartment Co.op Hsg. Soc. Ltd.,
Plot No. 1032-B,
Krishnagar,
Bhavnagar,

(Transferee)

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd November 1982

Ref. No. P.R. No. 2167 Acq. 23.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

bearing No. Pot No. 1032/B, Near Vilbhadra Akhada situated at Krishnagar, Bhavanagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at 5.R. Bhavnagar in 5-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 cays from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property registered vide sale deed R. No. 844 dated the 5-4-1982 by Sub-Registrar, Bhavnagar.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date 22-11-82. Seal: